सत्यमेव जयते

भारत सरकार

परिणाम बजट
2025-2026

वित्त मंत्रालय

फरवरी, 2025

निर्गम परिणाम रूपरेखा 2025-26

(केंद्रीय क्षेत्र और केंद्र प्रायोजित प्रमुख योजनाएं)

प्रस्तावना

पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा व्यय संबंधी प्रमुख सुधार किए गए हैं। इसमें न केवल मूल्यांकन और अनुमोदन प्रक्रियाओं का सरलीकरण शामिल है, बल्कि बजट की प्रक्रिया में आयोजना और आयोजना-भिन्न भेद को दूर करना जैसे संरचनात्मक परिवर्तन भी शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप, लागत-केंद्रों को केवल सांविधिक राजस्व पूंजी ढांचे के भीतर एक एकीकृत रुप में देखा जा रहा है। यह एक और प्रमुख संरचनात्मक सुधार को सक्षम बनाता है, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक योजनाओं और परियोजनाओं को एक अनुवीक्षणीय निर्गम- परिणाम ढांचे के तहत लाना है।

2017-18 के बाद से, बजट दस्तावेज़ में इंगित की जा रही मंत्रालयों की योजनाओं की वित्तीय रूपरेखा के अलावा, योजनाओं के अपेक्षित आउटपुट और परिणाम भी बजट सहित समेकित परिणामी बजट दस्तावेज में प्रस्तुत किए जा रहे हैं। सरकारी योजनाओं और परियोजनाओं के निष्पादन में शामिल एजेंसियों को अधिक जवाबदेह बनाने के लिए इन परिव्ययों, निर्गमों और परिणामों को संसद में माप्य रुप में प्रस्तुत किया जा रहा है। परिव्यय वह राशि है जो बजट में किसी योजना या परियोजना के लिए प्रदान की जाती है; जबकि निर्गम (आउटपुट) कार्यक्रम संबंधी कार्यों के प्रत्यक्ष और माप्य उत्पाद को संदर्भित करता है, जिसे अक्सर भौतिक शब्दों या इकाइयों में व्यक्त किया गया है। परिणाम का आशय इन सेवाओं के वितरण में सामूहिक परिणाम या गुणात्मक सुधार से है।

वर्ष 2025-26 के लिए परिणाम बजट में (क) वित्तीय परिव्यय (ख) स्पष्ट रूप से परिभाषित निर्गम और परिणाम का विवरण (ग) माप्य निर्गम और परिणाम संकेतक और (घ) विशिष्ट निर्गम और परिणाम लक्ष्य प्रस्तुत किए गए हैं। इससे सरकार की विकास कार्यसूची की पारदर्शिता, पूर्वानुमेयता और समझने में आसानी बढ़ जाएगी।

सरकार का उद्देश्य इस प्रक्रिया के माध्यम से शासन की एक खुली, जवाबदेह, सक्रिय और उद्देश्यपूर्ण शैली को बढ़ावा देने के लिए केवल परिणामों पर ध्यान न देकर परिणामोन्मुख निर्गम और परिणामों पर अधिक ध्यान दिया जाना है। इस प्रयास से मंत्रालयों/विभागों को योजना के उद्देश्यों पर नज़र रखने और उनके द्वारा निर्धारित विकास लक्ष्यों की दिशा में काम करने में सुविधा होगी। यहाँ प्रस्तुत किया जा रहा दस्तावेज़ परिणाम बजट 2025-26 का एक उद्धरण है और इसमें वित्त वर्ष 2025-26 में 500 करोड़ रूपए से अधिक अथवा समान परिव्यय वाली केंद्रीय क्षेत्र (सीएस) की प्रमुख योजनाओं और केन्द्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) के लिए निर्गम-परिणाम रुपरेखा शामिल है। अतः इस दस्तावेज में 165 सीएस/सीएसएस योजनाएं शामिल हैं।

अभिस्वीकृतियाँ

निर्गम-परिणाम अनुवीक्षण रूपरेखा 2025-26 विभिन्न मंत्रालयों/विभागों में विभिन्न हितधारकों की सहकारिता, टीमवर्क और सहयोग का परिणाम है।

सभी मंत्रालयों और विभागों के सचिवों के नेतृत्व में उनके नोडल अधिकारियों तथा विभिन्न सीएस और सीएसएस योजनाओं के प्रभारी प्रभागाध्यक्षों की अथक सहायता और समर्थन के बिना इस संपूर्ण रूपरेखा को उपलब्ध कराना संभव नहीं होता।

श्री सुमन बेरी, उपाध्यक्ष, नीति आयोग, एवं श्री बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, नीति आयोग के नेतृत्व में विषय-वस्तु वर्टिकल के श्रीमती निधि छिब्बर, महानिदेशक, श्री सुरेन्द्र मेहरा, सलाहकार, (प्रशासन एवं वित्त), डॉ. राधा आर. आश्रित, उप महानिदेशक, डॉ. देवी प्रसाद भुक्या, निदेशक तथा विकास अनुवीक्षण और मूल्यांकन कार्यालय (डीएमईओ) की टीम द्वारा प्रदान की गई सहायता से इस रूपरेखा को बड़े पैमाने पर लाभ हुआ है।

इसके अलावा, मैं आर्थिक कार्य विभाग में बजट प्रभाग के सभी अधिकारियों को इस रूपरेखा को तैयार करने, उनके दृढ़ सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहूँगा। मैं व्यय विभाग में अपनी टीम के सभी सदस्यों और विशेष रूप से मंत्रालयों और विभागों के वित्तीय सलाहकारों द्वारा इस दस्तावेज में दर्शाए गए दृढ़ विश्वास के लिए उनका भी आभार व्यक्त करता हूं।

अंत में, मैं माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन और माननीय वित्त राज्य मंत्री श्री पंकज चौधरी का विशेष रूप से आभार व्यक्त करूंगा जिन्होंने पारदर्शी और जवाबदेह व्यय प्रबंधन के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में हमें यह महत्वपूर्ण कदम उठाने में सक्षम बनाने के लिए अपना मार्गदर्शन प्रदान किया।

डॉ. मनोज गोविल
(सचिव, व्यय विभाग)
वित्त मंत्रालय
भारत सरकार

विषय सूची

क्र.सं.	मंत्रालय	विभाग	मांग सं.	पृष्ठ सं.
1.	कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय	कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग	1	5
2.	कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय	कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग	2	23
3.	आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्धा और होम्योपैथी (आयुष) मंत्रालय	लागू नहीं	4	27
4.	रसायन और उर्वरक मंत्रालय	उर्वरक विभाग	6	29
5.	रसायन और उर्वरक मंत्रालय	औषधि विभाग	7	30
6.	नागर विमानन मंत्रालय	लागू नहीं	8	33
7.	कोयला मंत्रालय	लागू नहीं	9	34
8.	वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय	वाणिज्य विभाग	10	35
9.	वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय	उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग	11	38
10.	संचार मंत्रालय	डाक विभाग	12	40
11.	संचार मंत्रालय	दूरसंचार विभाग	13	41
12.	उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय	उपभोक्ता मामले विभाग	14	45
13.	उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय	खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग	15	48
14.	सहकारिता मंत्रालय	लागू नहीं	16	52
15.	कारपोरेट कार्य मंत्रालय	लागू नहीं	17	54
16.	उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय	लागू नहीं	23	55
17.	पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय	लागू नहीं	24	58
18.	शिक्षा मंत्रालय	स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग	25	67

क्र.सं.	मंत्रालय	विभाग	मांग सं.	पृष्ठ सं.
19.	शिक्षा मंत्रालय	उच्चतर शिक्षा	26	75
20.	इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	लागू नहीं	27	82
21.	पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय	लागू नहीं	28	93
22.	मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय	मत्स्यपालन विभाग	43	94
23.	मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय	पशुपालन और डेयरी विभाग	44	96
24.	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय	लागू नहीं	45	100
25.	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग	46	105
26.	भारी उद्योग	लागू नहीं	48	126
27.	गृह मंत्रालय	लागू नहीं	49	129
28.	गृह मंत्रालय	पुलिस विभाग	51	130
29.	आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय	लागू नहीं	60	136
30.	सूचना और प्रसारण मंत्रालय	लागू नहीं	61	146
31.	जल शक्ति मंत्रालय	जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग	62	148
32.	जल शक्ति मंत्रालय	पेयजल एवं स्वच्छता विभाग	63	153
33.	श्रम एवं रोजगार मंत्रालय	लागू नहीं	64	155
34.	विधि और न्याय मंत्रालय	विधि और न्याय विभाग	65	156
35.	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय	लागू नहीं	68	158
36.	अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय	लागू नहीं	70	165
37.	नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय	लागू नहीं	71	168

क्र.सं.	मंत्रालय	विभाग	मांग सं.	पृष्ठ सं.
38.	पंचायती राज मंत्रालय	लागू नहीं	72	174
39.	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय	लागू नहीं	76	178
40.	पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय	लागू नहीं	78	182
41.	विद्युत मंत्रालय	लागू नहीं	79	183
42.	रेल मंत्रालय	लागू नहीं	85	186
43.	सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय	लागू नहीं	86	191
44.	ग्रामीण विकास मंत्रालय	ग्रामीण विकास विभाग	87	194
45.	ग्रामीण विकास मंत्रालय	भूमि संसाधन विभाग	88	200
46.	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग	89	201
47.	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	बायोटेक्नोलॉजी विभाग	90	215
48.	कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय	लागू नहीं	92	218
49.	सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय	सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग	93	220
50.	अंतरिक्ष विभाग	अंतरिक्ष विभाग	95	224
51.	सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय	लागू नहीं	96	227
52.	वस्त्र मंत्रालय	लागू नहीं	98	230
53.	पर्यटन मंत्रालय	लागू नहीं	99	232
54.	जनजातीय कार्य मंत्रालय	लागू नहीं	100	233
55.	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय	लागू नहीं	101	239
56.	युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय	खेल विभाग	102	244

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

1. प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
63,500	1. योजना का कवरेज	1.1. इस योजना के अंतर्गत नामांकित पात्र लाभार्थियों की संख्या (करोड़ में)	9.5	1. कृषि योग्य भूजोत धारक सभी किसानों को सुनिश्चित आय सहायता	1.1. कृषि एवं अन्य घरेलू आवश्यकताओं के प्रबंधन के लिए वित्तीय सहायता का उपयोग करने वाले किसानों का %	100
		1.2. लाभार्थियों को जारी कुल धनराशि (करोड़ में)	61,000		1.2. कृषि इनपुट के लिए इस राशि का उपयोग करने वाले किसानों का %	75

2. संशोधित ब्याज सबवेंशन योजना (एमआईएसएस) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
22,600	1. वर्ष के दौरान अल्पावधि ऋण प्रदान किया गया तथा	1.1 वर्ष के दौरान किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से अल्पावधि ऋण (एसटीसी) प्रदान किए गए खातों की	25	1. किसानों को कृषि ऋण प्रदान करना।	1.1 वर्ष के दौरान किसानों को दिए गए अल्पावधि ऋण की कुल राशि। (लाख करोड़ रुपए में)	10.69

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	वित्तीय वर्ष के दौरान एमआईएसएस के अंतर्गत लाभान्वित होने वाले किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) खाताधारकों को लाभ दिया गया	संख्या में निवल वृद्धि (खातों की संख्या लाख में)[1]				
		1.2 खातों की कुल संख्या जो कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र के लिए केसीसी के माध्यम से प्रदान किए गए ऋण से लाभान्वित हुए हैं (किसानों की संख्या करोड़ में)[2]	8			
		1.3 छोटे और सीमांत किसानों की कुल संख्या जो ऋण से लाभान्वित हुए हैं (किसानों की संख्या करोड़ में)	6		1. वर्ष के दौरान प्रदान किए गए कृषि ऋण की कुल राशि (रु. लाख करोड़ में)	30.00
		1.4 केसीसी पर अल्पावधि ऋण के विरुद्ध किसानों को ब्याज ब्याज सब्वेंशन और तत्काल पुनर्भुगतान प्रोत्साहन की राशि (करोड़ रुपए में)	22,600			

[1] लक्ष्य किसान ऋण पोर्टल (केआरपी) से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर होगा।

2 संकेतक 1.2 एवं 1.3 के आंकड़े और नाबार्ड आरबीआई से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर होंगे।

3. **फसल बीमा योजना: प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
12,242.27	1. कवरेज में वृद्धि	1.1 फसल बीमा के अंतर्गत किसान आवेदनों की संख्या (करोड़ में)	14[3]	1. कृषक परिवारों के लिए जोखिम न्यूनीकरण में वृद्धि	1.1 सकल मूल्य वृद्धि पर बीमा कवरेज (फसल) (%)	20
		1.2 पीएमएफबीवाई कार्यान्वित करने वाले राज्यों में फसल बीमा के अंतर्गत बीमित क्षेत्र (करोड़ हेक्टेयर)	6[4]			
		1.3 कुल बीमा राशि (लाख करोड़ रुपए में)	2.8[5]			
	2. प्रौद्योगिकी और दावा निपटान तंत्र के माध्यम से कुशल दावा मूल्यांकन	2.1 यस-टेक (प्रौद्योगिकी पर आधारित उपज अनुमान प्रणाली) को कार्यान्वित करने वाले जिलों की संख्या - यस-टेक मैनुअल के अनुसार	200	2. बड़ी संख्या में किसानों को जोखिम संरक्षण	2.1. कुल किसानों के मुकाबले बीमित किसानों का %	30
		2.2 विंड्स[6] मैनुअल के अनुसार स्थापित मौसम केंद्र और स्वचालित वर्षा गेजों की संख्या	7,500			
		2.3 डिजी-क्लेम्स के माध्यम से चालू सीजन के लिए बीमा कंपनियों द्वारा किसानों को	90			

3 (खरीफ-9, रबी-5)

4 (खरीफ 3.5, रबी-2.5)

5 (खरीफ -1.7 रबी-1.1)

6 विंड्स: मौसम सूचना नेटवर्क डेटा प्रणाली

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		भुगतान किए गए स्वीकृत दावों का (%)				
		2.4 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा फसल हानि डेटा और उपज डेटा प्रदान करने के एक महीने के भीतर निपटाए गए दावों का प्रतिशत (%)	90			

4. **राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (सीएसएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
8,500	1. कृषि एवं संबद्ध योजनाओं की योजना बनाने एवं क्रियान्वयन में राज्यों को छूट एवं स्वायत्तता प्रदान करना	1.1 कार्यान्वयन के लिए अनुमोदित परियोजनाओं की कुल संख्या	500[7]	1. किसानों के प्रयासों को मजबूत करने, जोखिम कम करने और कृषि उद्यमिता को बढ़ावा देकर से खेती को एक लाभदायक आर्थिक गतिविधि बनाना	1.1 कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में क्रियान्वित परियोजनाओं की संख्या	380-400
	2. संभावित राज्यों में कृषि उद्यमिता को बढ़ावा देना	2.1 कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में उद्यमियों को प्रदान किए गए प्रशिक्षणों की संख्या	800		1.2 वित्तीय सहायता प्राप्त उद्यमियों/स्टार्टअप्स की संख्या	500
	क. प्रति बूंद अधिक फसल					

[7] योजना के दिशानिर्देशों के अनुसार, राज्य सरकार अपने आवंटन का 125% तक परियोजनाओं को अनुमोदित कर सकती है।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	1. कुशल जल संवहन और सटीक जल अनुप्रयोग उपकरण - स्प्रिंकलर, ड्रिप आदि।	1.1 सूक्ष्म सिंचाई (एमआई) के अंतर्गत कवर किया गया क्षेत्र (लाख हेक्टेयर में)	10	1. जल उपयोग दक्षता में वृद्धि	1.1 सूक्ष्म सिंचाई अपनाने वाले किसानों की संख्या (लाख में)	9.5
	ख. फसल अवशेष प्रबंधन सहित कृषि मशीनीकरण उप मिशन					
	1. फसल उत्पादन और फसल अवशेष प्रबंधन के लिए छोटे और सीमांत किसानों तक फार्म मशीनीकरण की पहुंच में वृद्धि	1.1 फसल अवशेष मशीनरी सहित कृषि मशीनरी/उपकरण की खरीद के लिए वित्तीय सहायता दिए गए किसानों/लाभार्थियों की संख्या	1,50,000	1. लक्षित लाभार्थियों के बीच फार्म मशीनीकरण की बढ़ी हुई पहुंच	1.1 पिछले वर्ष की तुलना में फार्म पावर उपलब्धता में वृद्धि (किलोवाट प्रति हेक्टेयर)	0.05
		1.2 फसल अवशेष प्रबंधन मशीनरी सहित स्थापित किए गए कस्टम हायरिंग केन्द्र, हाई-टेक हबों की संख्या	5,000			
		1.3 प्रशिक्षित किसानों और अन्य हितधारकों की संख्या	10,000	2. किसानों द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पद्धतियों को सर्वाधिक अपनाया	2.1 वर्ष 2018 की तुलना में पंजाब और हरियाणा में धान की पराली जलाने की घटनाओं में प्रतिशत कमी	70
		1.4 गांवों की संख्या जहां ग्राम स्तरीय फार्म मशीनरी बैंक स्थापित किए गए	1,500			
	ग. वर्षा सिंचित क्षेत्र विकास कार्यक्रम					

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	1. वर्षा सिंचित क्षेत्र विकास दृष्टिकोण का बढ़ा हुआ कवरेज	1.1 एकीकृत कृषि प्रणाली के तहत लाया गया कुल क्षेत्र - वर्षा सिंचित क्षेत्र विकास (लाख हेक्टेयर)	0.50	1. अधिक उत्पादक, सतत, पारिश्रमिक और जलवायु अनुकूल कृषि	2.1 अन्य कृषि गतिविधियों के साथ एकीकृत कृषि प्रणाली अपनाने वाले किसानों की संख्या (लाख में)[8]	0.3
	घ. हरित क्रांतिः परंपरागत कृषि विकास योजना (सीएसएस)					
	1. जैविक खेती के तहत कवरेज में वृद्धि	1.1 जैविक खेती के तहत लाया जाने वाला कुल क्षेत्र (लाख हेक्टेयर)	1.50[9]	1. जैविक खेती के बारे में जागरूकता बढ़ाना	1.1 पिछले वर्ष की तुलना में जैविक प्रमाणित क्षेत्र में प्रतिशत वृद्धि	69
		1.2 जैविक खेती को अपनाने वाले किसानों की संख्या (संख्या लाख)	1.50		1.2 प्रमाणित किसानों में पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत वृद्धि	62
	ङ. राष्ट्रीय मृदा स्वास्थ्य और उर्वरता परियोजना					
	1. किसानों के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी/सृजित और	1.1 जारी/सृजित किए गए मृदा स्वास्थ्य कार्ड की संख्या (लाख)	50	1. किसानों/छात्रों की संख्या में वृद्धि	1.1 प्रशिक्षित किसानों की संख्या (लाख)	50

[8] *(साइलेज बनाने, वर्मी कम्पोस्टिंग, मधुमक्खी पालन, मत्स्य पालन)*

[9] *राज्य द्वारा अपनाए गए क्षेत्र पर निर्भर करते हुए तिमाही लक्ष्य ईएफसी के अनुसार यह भिन्न हो सकता है। पीकेवीवाई योजना जैविक प्रमाणन के लिए एक 3 वर्ष का कार्यक्रम है और 3 वर्ष की परिवर्तन अवधि के दौरान उसी क्षेत्र में काम जारी रहता है। इसलिए, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए परिणाम डेटा का अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी। पीकेवीवाई के दिशानिर्देशों के अनुसार एक कलस्टर 20 हेक्टेयर क्षेत्र और लगभग 20 किसानों के बराबर है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	जागरूकता में वृद्धि	1.2 स्कूल मृदा स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत भाग लेने वाले स्कूलों की संख्या	1,020		1.2 प्रशिक्षित छात्रों की संख्या	1,00,000
	च. कृषि वानिकी					
	1. रोपण सामग्री की उन्नत गुणवत्ता उपलब्ध कराना।	1.1 स्थापित की गई नई नर्सरियों और समर्थन की गई मौजूदा नर्सरियों।	500	1. कृषि वानिकी वृक्षारोपण के लिए किसानों के लिए गुणवत्ता रोपण सामग्री की उपलब्धता।	1.1 उत्पादित गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री (पौधे) (लाख में)	200

5. कृषोन्नति योजना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
8,000	**क. राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन - तिलहन और राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन - ऑयल पाम**					
	1. प्राथमिक तिलहनों के उत्पादन में वृद्धि	1.1 600 मूल्य श्रृंखला समूहों के तहत कवरेज क्षेत्र (लाख हेक्टेयर में)	10	1. देश में खाद्य तेल उत्पादन में वृद्धि	1.1 घरेलू खाद्य तेल उत्पादन (लाख टन में)	134.8[10]
		1.2 किसानों को मुफ्त बीज वितरण (लाख क्विंटल में)	5.48		1.2 तिलहन का उत्पादन (लाख टन में)	427
		1.3 प्राथमिक तिलहनों के तहत वार्षिक कवरेज क्षेत्र (लाख हेक्टेयर में)	297			

[10] *(2023-24 में 120.2 की तुलना में)*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	2. ऑयल पाम वृक्षारोपण के तहत क्षेत्र बढ़ाने के लिए	2.1 एनएमईओ-ओपी के तहत वार्षिक क्षेत्र विस्तार (लाख हेक्टेयर में)	1.5	2. देश में कच्चे पाम तेल का उत्पादन बढ़ा	1.3 कच्चे पाम तेल का उत्पादन (लाख टन में)	11.2[11]
	ख. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और पोषण मिशन[12]					
	1. बढ़ी हुई उपज/ उत्पादकता	1.1 समग्र खाद्यान्न फसलों की उत्पादकता (किग्रा/हेक्टेयर)	2,600	1. खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता	1.1 अतिरिक्त खाद्यान्न उत्पादन (एमटी)	4.60
		1.2 पोषक अनाज की उत्पादकता (किग्रा/हेक्टेयर)	1,370			
		1.3 मोटे अनाजों की उत्पादकता (किग्रा/हेक्टेयर)	3,500			
		1.4 दलहन की उत्पादकता (किग्रा/हेक्टेयर)	920			
	ग. पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए जैविक मूल्य श्रृंखला विकास मिशन (एमओवीसीडीएनईआर) योजना					
	1. जैविक खेती के तहत कवरेज में वृद्धि	1.1 जैविक खेती के तहत लाया गया कुल क्षेत्र (हेक्टेयर में)	16,667[13]	1. जैविक/प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूकता बढ़ाना	1.1 पिछले वर्ष की तुलना में जैविक खेती क्षेत्र में प्रतिशत परिवर्तन	9
		1.2 जैविक खेती को अपनाने वाले किसानों की संख्या	16,667[14]		1.2 पिछले वर्ष की तुलना में जैविक खेती क्षेत्र के अंतर्गत किसानों की संख्या में परिवर्तन	7

[11] *(2023-24 में 3.98 की तुलना में)*

[12] ***नोट:*** *वर्ष 2024-25 के लक्ष्यों की तुलना में उपज में 2-3% की औसत वार्षिक वृद्धि के आधार पर वर्ष 2025-26 के दौरान आउटपुट संकेतकों के लक्ष्य प्रस्तावित किए गए हैं। इसलिए, वर्ष 2024-25 की प्रगति के आधार पर परिवर्तन के अधीन।*

[13] *एमओवीसीडीएनईआर योजना दिशानिर्देशों के अनुसार, 1एफपीओ= 500 हेक्टेयर क्षेत्र और लगभग 500 किसान*

[14] *उपरोक्त*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26									परिणाम 2025-26				
2025-26	निर्गम		संकेतक		लक्ष्य 2025-26	परिणाम		संकेतक		लक्ष्य 2025-26				
	2.	निधियों का उपयोग	2.1	राज्यों द्वारा उपयोग की गई निधियां (करोड़ में)	300	2.	उत्पादन और संवर्धन के लिए संस्थागत विकास	2.1	योजना के तहत किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) का औसत कारोबार (लाख में)	50				
	घ. समेकित बागवानी विकास													
	1.	नर्सरियों की बढ़ी हुई क्षमता (बांस सहित))	1.1	विकसित की गई नई नर्सरियों की संख्या	75	1.	बागवानी फसलों का उच्च उत्पादन	1.1	बागवानी उपज का कुल उत्पादन (मिलियन टन में)	360				
			1.2	नई नर्सरियों के माध्यम से जोड़े गए पौधों की संख्या (लाख में)	20									
	2.	खेती के क्षेत्र में वृद्धि	2.1	नए बगीचे के माध्यम से खेती के तहत जोड़ा गया कुल क्षेत्र (हेक्टेयर में)	1,00,000	2.	बागवानी फसलों के तहत क्षेत्र	2.1	बागवानी फसलों के तहत कुल क्षेत्र (मिलियन हेक्टेयर में)	29				
	3.	जीर्ण पौधों के तहत क्षेत्र का कायाकल्प	3.1	खेती के तहत कुल क्षेत्र जहां जीर्ण पौधों का कायाकल्प होता है (हेक्टेयर में)	10,000									
	4.	संरक्षित खेती	4.1	खेती के तहत कुल क्षेत्र जहां संरक्षित खेती की जाती है (हेक्टेयर में)	14,000									
	5.	फसलोपरान्त प्रबंधन को बढ़ाना	5.1	अतिरिक्त कोल्ड स्टोरेज इकाइयों की क्षमता (लाख मीट्रिक टन में)	1.5									
	6.	क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण / विस्तार / जागरूकता	6.1	कवर किए गए किसानों की संख्या	60,000									

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	ङ. कृषि विस्तार					
	1. ईईआई और कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के माध्यम से विस्तार कार्यकर्ताओं के ज्ञान और कौशल का उन्नयन	1.1 राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान द्वारा प्रशिक्षित किये जाने वाले विस्तार कार्यकर्ताओं की संख्या	40,000	1. राज्य के कृषि और संबद्ध क्षेत्र विभाग में कार्यरत वरिष्ठ और मध्यम स्तर के विस्तार कर्मियों की क्षमता निर्माण[15]	1.1 नई कृषि प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षित विस्तार कार्यकर्ताओं की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.2 ईईआई द्वारा प्रशिक्षित किये जाने वाले विस्तार कार्यकर्ताओं की संख्या	4,600		1.2 नए कौशल में प्रशिक्षित विस्तार कार्यकर्ताओं की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
	2. आत्मा के अंतर्गत किसानों का प्रशिक्षण एवं विस्तार सहायता	2.1 कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किसानों और ग्रामीण युवाओं की संख्या (लाख)	12	2. कृषि और संबद्ध क्षेत्र के विभिन्न विषयगत क्षेत्रों में किसानों और ग्रामीण युवाओं की क्षमता निर्माण	2.1 लाभार्थियों द्वारा नई कृषि प्रौद्योगिकियों को अपनाना।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[16]
		2.2 प्रदर्शन किए गए लाभार्थी किसानों की संख्या (लाख)	2.5			
		2.3 किसान वैज्ञानिक संवाद में आगंतुकों की संख्या (लाख में)	12			
		2.4 कृषि विद्यालयों के अंतर्गत प्रशिक्षित लाभार्थियों की संख्या (लाख में)	2.8			

---

[15] नए प्रशिक्षण के मात्रात्मक प्रभाव की गणना नहीं की जा सकती है।

[16] नए लाभार्थियों के अपनाने की दर की गणना नहीं की जा सकती।

[17] किसान कोष्ठी एटीए कार्यक्रम के अंतर्गत एक विस्तारित कार्यकलाप है जो किसानों के लाभ के लिए चर्चा, वैज्ञानिक सूचना, कृषि विविधता आदि सहित साथी किसानों और विषय विशेषज्ञों के साथ चर्चा करके किसानों को कृषि और संबद्ध पहलु पर जानकारी प्रदान करती है। इसे किसानों के प्रशिक्षण, प्रदर्शनों, एक्सपोजर दौरों, किसान मेला, किसान समुहों को जुटाना और फार्म स्कूलों को संगठित करने के कार्यकलापों के विस्तारित कार्यकलाप के रूप में शामिल किया गया है।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	3. कृषि उद्यमियों का प्रशिक्षण	3.1 कृषि चिकित्सालय और कृषि व्यवसाय केंद्र (एसी और एबीसी) योजना के तहत प्रशिक्षित कृषि उद्यमियों की संख्या	5,470	3. एसी और एबीसी द्वारा स्थापित नए उद्यम	3.1 एसी एंड एबीसी द्वारा स्थापित किए जाने वाले कृषि उद्यमों की कुल संख्या	2,735
		3.2 इनपुट डीलरों के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा (डीएईएसआई) के लिए बैचों की संख्या	375			
	4. किसानों के लिए आउटरीच कार्यक्रम	4.1 स्थापित किसान कॉल सेंटरों की संख्या	17	4. किसानों के लिए आउटरीच कार्यक्रमों में वृद्धि	4.1 किसानों को जारी की गई कुल सलाहों की संख्या (लाख में)	59
		4.2 दूरदर्शन (डीडी) और ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर) एफएम स्टेशनों के माध्यम से प्रसारित कार्यक्रमों की कुल संख्या	18,408[18]		4.2 दूरदर्शन (डीडी) और ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर) एफएम स्टेशनों के माध्यम से प्रसारित कार्यक्रमों की कुल संख्या	3,364[19]
					4.3 कृषि आधारित दूरदर्शन कार्यक्रमों की दर्शकों की संख्या (करोड़ में)	35[20]

[18] *डीडी=3,276 एआईआर=15,132*

[19] *हेलो किसान (30 मिनट) डीडी किसान चैनल पर - 52X3=156 एपिसोड 2. चौपाल चर्चा (30 मिनट) डीडी किसान चैनल पर - 52X3=156 एपिसोड 3. कृषि दर्शन (30 मिनट) डीडी किसान चैनल पर - 52X3=156 एपिसोड 4. कृषि दर्शन (30 मिनट) डीडी के 18 क्षेत्रीय चैनलों पर - 52X3X18=2,808 एपिसोड 5. कृषि चौपाल (60 मिनट) डीडी किसान चैनल पर - 08 एपिसोड कृषि चौपाल (60 मिनट) 09 क्षेत्रीय चैनलों पर 10 भाषाओं में - 8X10=80 एपिसोड. 6. आकाशवाणी: किसानवाणी और किसान की बात कार्यक्रम*

[20] *संचयी डेटा एक वर्ष के लिए*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	च. डिजिटल कृषि मिशन					
	1. किसान आईडी का निर्माण जो कृषि भूमि और बोई गई फसल के साथ गतिशील रूप से जुड़ा हुआ है	1.1 बनाए गए किसान आईडी की संख्या- (करोड़ में)[21]	9	1. किसानों को पारदर्शी तरीके से परेशानी मुक्त सेवाएं और योजना का लाभ	1.1 रजिस्ट्री से जुड़ी सेवाएं/योजनाएं जैसे ऋण, बीमा, खरीद आदि। (प्रति तिमाही)	1
	2. डिजिटल फसल सर्वेक्षण	1.2 बोई गई फसल की रजिस्ट्री	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[22]	2. केंद्र/राज्य मैनुअल गिरदावरी प्रणाली के विरूद्ध डीसीएस आधारित फसल क्षेत्र का उपयोग करेंगे	2.1 मजबूत फसल क्षेत्र अनुमान (राज्य)	8
	छ. कृषि विपणन					
	I. उप-योजना: कृषि विपणन अवसंरचना (एएमआई)					
	1. विकास/ कृषि विपणन इंफ्रास्ट्रक्चर का सुदृढ़ीकरण	1.1 स्वीकृत भंडारण इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं की क्षमता (लाख मीट्रिक टन में)	10	1. कृषि विपणन इंफ्रास्ट्रक्चर ढांचे में निजी निवेश को बढ़ावा देना	1.1 कृषि विपणन इंफ्रास्ट्रक्चर में निजी निवेश (करोड़ में)	400
		1.2 स्वीकृत भंडारण इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के अलावा अन्य परियोजनाओं की संख्या	72	2. महिला उद्यमियों का आर्थिक सशक्तिकरण	2.1 महिला उद्यमियों द्वारा प्रवर्तित परियोजनाओं की संख्या	400

[21] *किसान रजिस्ट्री*

[22] *भू-संदर्भित ग्राम मानचित्र वाले सभी जिले और लगभग लक्ष्य 450 है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	II. उप-योजना: राष्ट्रीय कृषि बाजार (एनएएम)[23]					
	1. ई-एनएएम के माध्यम से अधिक जानकारी	1.1 ई-नाम से जुड़े हुए बाज़ारों की संख्या	150	1. नए ई-नाम बाजारों में ई-नाम के माध्यम से ऑनलाइन व्यापार को अपनाना	1.1 ई-नाम के माध्यम से व्यापार की गई उपज की मात्रा (एमटी) (% वृद्धि)	5
		1.2 आयोजित जागरूकता शिविरों में बड़ी संख्या में किसानों, व्यापारियों और अन्य हितधारकों के भाग लेने की उम्मीद	1,10,000			
		1.3 ई-नाम के तहत प्रशिक्षित किसानों की संख्या	55,000			

6. प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) (सीएस)[24]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26

[23] *आगामी मंडियों के आधार पर पिछले ओओएमएफ 2024-25 की तुलना में जागरूकता शिविर में प्रतिभागियों की संख्या में 10% की वृद्धि मान ली गई है।*

[24] **चूंकि पीएम आशा के अंतर्गत पीएसएस और पीडीपीएस के अंतर्गत खरीद/ कवरेज पूरी तरह से बाजार परिदृश्य और राज्य सरकारों/ संघ राज्य क्षेत्रों के निर्णय पर निर्भर करता है, इसलिए इन योजनाओं के अंतर्गत लक्ष्य/ उपलब्धि तय नहीं की जा सकती है। पीएसएस के अंतर्गत सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर दलहन, तिलहन और खोपरा की खरीद के लिए केंद्रीय नोडल एजेंसियों यानी नेफेड और एनसीसीएफ को नकद ऋण सुविधाएं प्रदान करने के लिए 45,000 करोड़ रुपये की सरकारी गारंटी प्रदान की है। केंद्रीय नोडल एजेंसियां किसानों को एमएसपी मूल्य का भुगतान करने और पीएसएस परिचालनों में शामिल अन्य आकस्मिक लागतों के लिए सरकारी गारंटी के सापेक्ष आवश्यक धनराशि निकाल लेती हैं। राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों के पास पूरे राज्य के लिए किसी विशेष तिलहन फसल के संबंध में किसी दिए गए खरीद सीजन में पीएसएस या पीडीपीएस में से किसी एक को चुनने का विकल्प होता है। एमआईएस के अंतर्गत संबंधित राज्य सरकार/ संघ राज्य क्षेत्र किसानों को भुगतान करने और परिचालन में शामिल अन्य आकस्मिक लागतों के लिए राज्य द्वारा नामित एजेंसियों को पूंजीगत निधि प्रदान करता है। बजटीय निधियों के प्रावधान ऐसे परिचालनों में होने वाले नुकसान को पूरा करने के लिए होते हैं। सांकेतिक बजट अनुमान योजनाओं के पिछले वर्षों की मांग पर आधारित होते है और वास्तविक आवश्यकता के अनुसार संशोधित हो जाते हैं।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
6,941.36	1. संकट की स्थिति में आवश्यकता आधारित खरीद हस्तक्षेप	1.1 तिलहन की खरीद (लाख मीट्रिक टन में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते	1. बाजार मूल्य पर बाजार हस्तक्षेप का प्रभाव	1.1 पीएम-आशा के अंतर्गत हस्तक्षेप के माध्यम से बाजार मूल्य में औसत वृद्धि	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.2 दालहन की खरीद (लाख मीट्रिक टन में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
		1.3 पीएसएस के अंतर्गत किसानों को उनकी उपज प्राप्त होने के बाद भुगतान में औसत विलंब दिन में	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
	2. किसानों का कवरेज बढ़ाया गया	2.1. मूल्य न्यूनता भुगतान योजना (पीडीपीए के अंतर्गत किसानों का पंजीकरण)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते	2. किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करना	2.1. पीडीपीएस के तहत भुगतान प्राप्त करने वाले पंजीकृ किसानों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		2.2. पीडीपीएस केअंतर्गत किसानों को उनकी उपज प्राप्त होने के बाद भुगतान में औसत विलंब दिनों में	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			

7. राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (एनएमएनएफ) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
616.01	1. 7.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक उर्वरकों की शुरूआत करने तथा 1 करोड़ किसानों को जागरूक करने के लिए किसानों को प्रशिक्षित किया गया	1.1 राष्ट्रीय बागवानी मिशन शुरू करने वाले प्रशिक्षित किसानों की संख्या (लाख)	18.75	1. 1 करोड़ किसानों में प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूकता बढ़ी	1.1 प्राकृतिक खेती के तहत शुरू किया गया क्षेत्र (लाख हेक्टेयर)	7.5
	2. 1 करोड़ किसानों को संगठित करने के लिए कृषि सखियों (सीआरपी) को प्रशिक्षित किया गया	2.1 प्रशिक्षित कृषि सखियों (सीआरपी) की संख्या	30,000		1.2 प्राकृतिक खेती के लिए जागरूक किये गये किसानों की संख्या (लाख में)	81.25
	3. कृषि सखियों (सीआरपी) और किसानों को प्रशिक्षित करने के लिए केवीके और कृषि विश्वविद्यालयों के किसान मास्टर प्रशिक्षक (एफएमटी) और वैज्ञानिक	3.1 केवीके और कृषि विश्वविद्यालयों से प्रशिक्षित एफएमटी और वैज्ञानिकों की संख्या	1,635[25]		1.3 पंजीकृत किसानों की संख्या (करोड़ में)	1

[25] *किसान मास्टर प्रशिक्षक : 665, वैज्ञानिक : 970*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	4. मिशन कार्यान्वयन के लिए राज्य अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया	4.1 प्रशिक्षित राज्य अधिकारियों की संख्या	1,200			

8. कृषि अवसंरचना कोष (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
900	1. कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण और आधुनिकीकरण को बढ़ावा देना	1.1 पूर्ण परियोजनाओं के लिए उपयोग की गई निधि का प्रतिशत (%)	55	1. कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए संसाधन प्रावधान में सुधार	1.1 कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर निधि हस्तक्षेप के कारण अतिरिक्त निवेश बढ़ाया गया (करोड़ रु.)	30,000
		1.2 वित्त पोषित इंफ्रास्ट्रक्चर गतिविधियों के कारण कृषि क्षेत्र में कुल भंडारण क्षमता में वृद्धि (एलएमटी)	1,000[26]			
	2. प्रदान की गई सब्सिडी और ऋण गारंटी सहायता की राशि में वृद्धि	2.1 क्रेडिट गारंटी कवरेज पर व्यय राशि (रु. करोड़ में)	421	2. रोजगार के अवसरों का सृजन।	2.1 अवसंरचना का निर्माण करके सृजित संचयी ग्रामीण रोजगार। (लाख)	10
		2.2 योजना के अंतर्गत कुल ऋण विस्तार का औसत प्रतिशत ऋण गारंटी कवरेज (%)	35			

[26] *वित्त वर्ष के अंत तक संचयी*

9. नमो ड्रोन दीदी (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
676.85	1. महिला स्वयं सहायता समूहों को स्थायी व्यवसाय और आजीविका सहायता	1.1 महिला स्वयं सहायता समूहों को आपूर्ति किये गये ड्रोन की संख्या	11,410	1. कृषि में ड्रोन अनुप्रयोग का बढ़ता उपयोग	1.1 ड्रोन अनुप्रयोग के अंतर्गत फसल क्षेत्र (हेक्टेयर में)	1,71,150
		1.2 ड्रोन पायलट के रूप में प्रशिक्षित महिलाओं की संख्या	11,410			
		1.3 ड्रोन सहायक के रूप में प्रशिक्षित एसएचजी सदस्यों/परिवार के सदस्यों की संख्या	11,410		1.2 प्रशिक्षण के बाद ड्रोन का उपयोग करके आय अर्जित करने वाली महिला स्वयं सहायता समूहों की संख्या।	11,410

10. 10,000 किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) का गठन और संवर्धन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
584	1. उत्पादक संगठन की पहुंच में वृद्धि	1.1 वर्तमान एफपीओ के साथ जुटाए जाने वाले अतिरिक्त किसानों की संख्या	2,40,000	1. एफपीओ की ऋण उपलब्धता और वित्तीय योग्यता में वृद्धि	1.1 एफपीओ द्वारा प्राप्त इक्विटी अनुदान निधि (ईजीएफ) का कुल मूल्य (करोड़ में)	100
		1.2 विभिन्न लाइसेंस (बीज, उर्वरक, कीटनाशक आदि) प्राप्त करने वाले एफपीओ की संख्या	3,000		1.2 एफपीओ का औसत कारोबार बढ़ा (लाखों में)	38
	2. क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण	2.1 आयोजित किये जाने वाले एफपीओ प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	160		1.3 एफपीओ द्वारा प्राप्त ऋण गारंटी फंड (सीजीएफ) का कुल मूल्य (करोड़ में)	200

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		2.2 प्रशिक्षित किये जाने वाले मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) की संख्या	1,000		1.4 ई-नाम प्लेटफॉर्म/ ओएनडीसी और अन्य ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन ट्रेडिंग करने वाले एफपीओ की संख्या	2,000
		2.3 प्रशिक्षित किये जाने वाले निदेशक मंडल (बीओडी)/ प्रशिक्षित किये जाने वाले सदस्यों की संख्या	5,000		1.5 ई-नाम प्लेटफॉर्म/ ओएनडीसी और अन्य ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन ट्रेडिंग करने वाले एफपीओ की संख्या	2,000

कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

1. **खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए फसल विज्ञान (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
965.46	1. ज्ञान संबंधी उत्पाद विकसित किए गए	1.1. सेंट्रल वैरिटी रिलीज केमिटि (सीवीआरसी) द्वारा जारी किस्मों की संख्या	150	1. व्यवसाय संबंधी मानकों का रूपांतरण करना	1.1 वर्ष के दौरान प्रजनक बीज श्रृंखला में प्रविष्टि की गई किस्मों की संख्या	110
		1.2. विकसित/दस्तावेजित अच्छी कृषि पद्धतियों (जीएपी) की संख्या	105		1.2 व्यावसायीकृत ज्ञान संबंधी उत्पादों की संख्या (जिसमें किस्में/ टीके/ फार्म्यूलेशन/ नैदानिकी/प्रौद्योगिकियां आदि शामिल हैं)	30
		1.3. अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में फार्मूलेशन/सफलता की संख्या	12			
		1.4. पैकेज पद्धतियों (पीओपी) में शामिल ज्ञान उत्पादों की संख्या	35	2. बाधाओं को हटाना	2.1 पिछले वर्ष की तुलना में उत्पादकता में वृद्धि (किग्रा/हे.)	80
					2.2 ज्ञान संबंधी उत्पादों (किस्म, प्रजनन, प्रौद्योगिकी आदि) को अपनाने के कारण % लाभ	0.5
	2. क्षमता निर्माण	2.1 ज्ञान संबंधी उत्पादों के बारे में प्रशिक्षित किसानों की संख्या	10,000		2.3 बीज/किस्म प्रतिस्थापन दर (एसआरआर/वीआरआर) में % वृद्धि	2
		2.2 वैज्ञानिक, असिस्टेंट प्रोफेसर आदि के रूप में नियुक्त छात्रों की संख्या	25	3. आउटकम गुणवत्ता	3.1 वर्ष के दौरान अनुसंधान संबंधी प्रकाशित लेखों/ रिपोटों का एच-स्कॉर/जे-स्कॉर	1,100

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
					3.2 ज्ञान संबंधी उत्पादों के व्यावसायीकरण के माध्यम से अर्जित राजस्व (करोड़ रुपए में)	85

2. **पोषण सुरक्षा के लिए सतत पशुधन स्वास्थ्य और उत्पादन के लिए अनुसंधान, शिक्षा और प्रौद्योगिकी विकास (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
504.04	1. विकसित/जारी किए गए नए ज्ञान संबंधी उत्पाद	1.1 विभिन्न उत्पादन प्रणालियों के लिए पशुधन और कुक्कुट पालन में विकसित पद्धतियों के पैकेजों (पीओपी) की संख्या	18	1. व्यावसायिक मानदंडों में परिवर्तन	1.1 वाणिज्यीकृत ज्ञान संबंधी उत्पादों (नस्लें/प्रौद्योगिकियां/निष्पादन/ नैदानिक/किट/टीके इत्यादि) की संख्या	16
		1.2 पशु टीकों/टीकाकरण कंडीडेट/किटों; विकसित किए गए चारा/हर्बल फार्मूलेशन/पशुधन उत्पाद/उप-उत्पादों की संख्या	54		1.2 वर्णित पशुधन और कुक्कुट आबादी में % वृद्धि	5
		1.3 पशुधन को होने वाले रोगों का पूर्वानुमान जारी किया गया	14		1.3 पेटेंट/बैद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर)/भौगोलिक संकेत (जीआई)/कापी राइट/लाइसेंस प्रदत्त/पंजीकृत	25
		1.4 पशुधन के वीर्य खुराक/उन्नत जननद्रव्य तथा कुक्कुट उत्पाद (लाख में)	6.00			

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		1.5 स्वास्थ्य निगरानी, रोग स्थिति, नियंत्रण और उन्मूलन के अन्तर्गत शामिल किए गए पशुधन (लाख में)	2.60	2. बाधाओं को दूर करना	2.1 पिछले वर्ष/राज्य औसत की तुलना में पशुधन उत्पादकता में % वृद्धि	5
		1.6 प्रति वैज्ञानिक अनुसंधान प्रकाशनों की संख्या (एनएएएस रेटिंग ≥ 6.00)	2		2.2 प्रमुख रोग घटनाओं और उत्पादन हानि में % कमी	5
					2.3 प्रौद्योगिकी (नस्ल, उन्नत जननद्रव्य/उत्पादों आदि) को अपनाने के कारण लाभ में % वृद्धि	2
	2. सुदृढ़ीकरण और क्षमता निर्माण	2.1 मानव संसाधनः स्नातक/स्नातकोत्तर	500			
		2.2 प्रशिक्षित किसानों/पेशेवरों/उद्यमियों की संख्या (3 दिन तक का प्रशिक्षण)	7,000	3. परिणाम की गुणवत्ता	3.1 ज्ञान संबंधी उत्पादों के वाणिज्यीकरण के माध्यम से उत्पन्न राजस्व (रू. करोड़ में)	1
		2.3 प्रशिक्षित किसानों/पेशेवरों/उद्यमियों की संख्या (3 दिन से अधिक का	1,500	4. नीतिगत सहायता	4.1 सार्वजनिक/निजी क्षेत्रों की नीतियों/रणनीतियों में शामिल ज्ञान संबंधी	4

3. **कृषि शिक्षा, प्रबंधन एवं सामाजिक विज्ञान को सुदृढ़ बनाना (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
708.94	1. शिक्षण, अध्ययन	1.1 यूजी, पीजी और पीएचडी कार्यक्रमों में नामांकित किए गए छात्रों की संख्या	1,65,000	1. कृषि शिक्षा वातावरण	1.1 जेआरएफ/एसआरएफ/एनईटी/ गेट परीक्षाएं उत्तीर्ण करने वाले छात्र	4,200

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	और संसाधन छात्र संख्या	1.2 यूजी, पीजी और पीएच.डी. कार्यक्रमों में नामांकित की गई छात्राओं की संख्या	70,400	2. व्यावसायिक उत्कृष्टता	2.1 सक्रिय रोजगार प्रकोष्ठ वाले विश्वविद्यालयों की संख्या	70
		1.3 प्रदान की गई मास्टर्स और डॉक्टोरल उपाधियां	25,000		2.2 कैम्पस के माध्यम से नौकरी (पलेसमेंट) के लिए चयनित छात्रों की संख्या	10,000
					2.3 स्वरोजगार प्राप्त छात्र/स्नातक (स्वरोजगार/स्टार्टअप्स)	60
		1.4 पिछले वर्ष की तुलना में नामांकन में वृद्धि (%)	10			
		1.5 पिछले वर्ष की तुलना में नामांकित की गई छात्राओं के अनुपात में वृद्धि (%)	2	3. आउटकम गुणवत्ता	3.1 प्रदान/ पंजीकृत किए गए पेटेंट/ बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर)/ भौगोलिक संकेत (जीआई)/ प्रतिलिपि अधिकार/ लाइसेंस	20
					3.2 कुल प्रकाशनों में से उच्च प्रभाव वाले जर्नल (एनएएएस>6) में प्रकाशन का %	10
	2. बुनियादी सुविधाएं	2.1 छात्र/संकाय सुविधाओं का सृजन (विश्व स्तरीय विश्वविद्यालय बनाने के लिए स्मार्ट कक्षाओं, छात्रावासों, परीक्षा हॉलों एवं मूलभूत सुविधाओं सहित)	90		3.3 विश्व में 500 तक की श्रेणी में आने वाले कृषि विश्वविद्यालयों (एयू) की संख्या	10
				4. नीतिगत सहायता	4.1 नीतियों/सार्वजनिक/निजी क्षेत्रों की रणनीतियों में निगमित किए गए ज्ञान उत्पाद/ इनपुट्स/ मॉडल्स	20
	3. विकसित किए गए ज्ञान संबंधी नए उत्पाद	3.1 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग	50			
		3.2 पद्धतियों के पैकेज (पीओपी) में शामिल की गई पद्धतियों/ प्रौद्योगिकियों की संख्या	2			

1. राष्ट्रीय आयुष मिशन[27] (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,275.00	1. आयुष सेवाओं का प्रावधान	1.1. आयुष बुनियादी ढांचे के उन्नयन/नए बुनियादी ढांचे की स्थापना के लिए समर्थित आयुष सुविधाओं की संख्या।[28]	300	1. आयुष स्वास्थ्य प्रणाली का सुदृढ़ीकरण	1.1. पिछले वर्ष की तुलना में आयुष सुविधाओं पर आयुष सेवाएं प्राप्त करने वाले लाभार्थियों में प्रतिशत परिवर्तन (%)	5
		1.2. आयुष औषधियों/औषधों की आपूर्ति के लिए समर्थित आयुष सुविधाओं की संख्या	33,000			
		1.3. ऑस्टियोआर्थराइटिस और अन्य मस्कुलोस्केलेटल विकारों की रोकथाम और प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत नामांकित लाभार्थियों की संख्या	1,37,500		1.2. ऑस्टियोआर्थराइटिस और अन्य मस्कुलोस्केलेटल विकारों की रोकथाम और प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत आयुष उपचार के माध्यम से दर्द, गति की सीमा आदि के संबंध में जीवन की गुणवत्ता में सुधार पाने वाले रोगियों की संख्या	52,000
		1.4. कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस) के साथ आयुष के एकीकरण के तहत एनसीडी के लिए चयनित गए/नामांकित लाभार्थियों की संख्या	5,50,000		1.3. कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस) के साथ आयुष के एकीकरण के तहत आयुष जीवन शैली सलाह, योग, ध्यान और आयुष औषधियों के माध्यम से	2,20,000

[27] एनएएम योजना का कार्यान्वयन राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों के माध्यम से किया जा रहा है और तदनुसार, आउटपुट और परिणाम के अनुमानित लक्ष्य राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से प्राप्त प्रस्तावों के पिछले वर्षों के रुझान के साथ-साथ विभिन्न अनुमोदित गतिविधियों/कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के प्रदर्शन पर आधारित हैं।

[28] [आयुष अस्पताल, आयुष औषधालय, आयुष्मान आरोग्य मंदिर-औष, एकीकृत आयुष अस्पताल, आयुष शैक्षणिक संस्थान (यूजी और पीजी), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों (डीएच) की का पता लगायी गई इकाइयां]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
					लाभान्वित एनसीडी मामलों की संख्या	
		1.5. आयुष के तहत स्वस्थ जीवन शैली) के अंतर्गत कवर किए गए स्कूलों की संख्या	20,000		1.4. आयुष पद्धतियों के माध्यम से स्वस्थ जीवन शैली के लिए संवेदनशील बनाए गए छात्रों की संख्या और आयुर्वेद के तहत आम औषधीय पौधों के बारे में जागरूकता पैदा करना (स्कूली बच्चों के लिए आयुष के माध्यम से स्वस्थ जीवन शैली)	13,00,000
		1.6. सुप्रजाः आयुष मातृ एवं नवजात उपचार, वयो मित्रः आयुष जराचिकित्सा स्वास्थ्य सेवाएं, आयुष मोबाइल मेडिकल यूनिट, कारुण्यः आयुष प्रशामक सेवाएं और लिम्फेटिक फाइलेरिया (लिम्फोएडेमा) के रुग्णता प्रबंधन और विकलांगता निवारण (एमएमडीपी) के लिए आयुष पर राष्ट्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत नामांकित लाभार्थियों की संख्या।	1,40,000		1.5. आयुष मातृ एवं नवजात उपचार, वयो मित्रः आयुष जराचिकित्सा स्वास्थ्य सेवाएं, आयुष मोबाइल मेडिकल यूनिट, कारुण्यः आयुष उपशामक सेवाएं और लिम्फेटिक फाइलेरिया (लिम्फोएडेमा) के रुग्णता प्रबंधन और विकलांगता निवारण (एमएमडीपी) के लिए आयुष पर राष्ट्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या।	70,000

उर्वरक विभाग

1. यूरिया सब्सिडी (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,18,899.50	1. यूरिया का संवर्धित घरेलू उत्पादन	1.1 यूरिया का कुल घरेलू उत्पादन (लाख मी. टन में)	285	1. यूरिया की पर्याप्त और समय पर उपलब्धता	1.1 यूरिया की कुल बिक्री (लाख मी. टन में)	364
		1.2 यूरिया के आयात में कमी (लाख मी टन में)	5		1.2 यूरिया की उपलब्धता (लाख मी. टन में)	419
	2. यूरिया संयंत्रों की बेहतर ऊर्जा दक्षता	2.1 एनयूपी-15, यूरिया संयंत्र जिन्होंने लक्ष्य ऊर्जा खपत मानदंडों को पूरा किया है (% में)	80		1.3 नैनो यूरिया की कुल बिक्री (500 मिलीलीटर प्रत्येक की लाख बोतलों में)	257

2. पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
49,000	1. पीएण्डके[29] उर्वरकों का संवर्धित घरेलू उत्पादन	1.1 पीएण्डके उर्वरकों का कुल घरेलू उत्पादन (लाख मी. टन में)	193	1. पीएण्डके उर्वरकों की पर्याप्त और समय पर उपलब्धता	1.1. पीएण्डके उर्वरकों की कुल बिक्री (लाख मी. टन में)	241
		1.2 स्वदेशी निर्मित यूरिया एसएसपी[30] का उत्पादन (लाख मी. टन में)	0.75		1.2. पीएण्डके उर्वरकों की उपलब्धता (लाख मी.टन में)	286
					1.3. नैनो डीएपी[31] की कुल बिक्री (500 मिलीलीटर प्रत्येक की लाख बोतलों में)	181

[29] *फास्फेटिक और पोटेशिक*

[30] *सिंगल सुपर फास्फेट*

औषध विभाग

1. उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन योजनाएं (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
2,444.93	**क. बल्क औषधियों के लिए पीएलआई योजना**					
	1. बल्क औषधियों के विनिर्माण के लिए क्षमता वृद्धि	1.1. वित्त वर्ष 2025-26 के लिए क्षमता वृद्धि लक्ष्य (मी.टन/वर्ष में)	1,500	1. अनुमोदित बल्क दवाओं के उत्पादन / बिक्री में वृद्धि	1.1. वित्त वर्ष 2025-26 में बल्क औषधियों का उत्पादन (रूपए करोड़ में)	1,100
	ख. चिकित्सा उपकरणों के लिए पीएलआई योजना					
	1. नई चिकित्सा उपकरण परियोजनाओं को शुरू करना (संख्या)	1.1. नई चिकित्सा उपकरण परियोजनाएं शुरू की गई (संख्या)	4	1. चिकित्सा उपकरणों के लिए पीएलआई योजना के अंतर्गत उत्पादन	1.1 वित्त वर्ष 2025-26 में चिकित्सा उपकरणों का उत्पादन (रूपए करोड़ में)	4,500
	ग. औषध के लिए पीएलआई योजना					
	1. औषध के लिए पीएलआई योजना के अंतर्गत निवेश	1.1. वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रतिबद्ध निवेश (रूपए करोड़ में)	3,465	1. औषध के लिए पीएलआई योजना के अंतर्गत उत्पादन	1.1 वित्त वर्ष 2025-26 में औषध का उत्पादन (रूपए करोड़ में)	90,000

---

[31] डायामोनियम फास्फेट

[32] लक्ष्य अनंतिम हैं, वास्तविक बजट आवंटन के अध्यधीन हैं।

2. औषध उद्योग का विकास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,615[33]	क. औषध एवं चिकित्सा उपकरण संवर्धन विकास योजना (पीएमपीडीएस)					
	1. औषध उद्योग के विकास के लिए प्रासंगिक सम्मेलनों/ संगोष्ठियों/कार्यशालाओं का आयोजन	1.1 आयोजित सम्मेलन/ सेमिनार/कार्यशालाओं की संख्या	20	1. औषध उद्योग के लिए प्रासंगिक मुद्दों पर फार्मा उद्योग की संवर्धित जागरूकता/संवेदीकरण	1.1 आयोजित सम्मेलन/ सेमिनार/कार्यशालाओं में भागीदारी	1,000
	2. पीएमपीडीएस योजना के अंतर्गत औषध और मेडिटेक उद्योग पर अध्ययन करना	2.1. किए गए अध्ययनों की संख्या	3	2. औषध और मेडिटेक उद्योगों पर पूर्ण की गई अध्ययन रिपोर्ट	2.1. पूर्ण किए गए अध्ययन और अंतिम रूप दी गई रिपोर्टों की संख्या	5
	ख. संवर्धित औषध प्रौद्योगिकी उन्नयन सहायता योजना (आरपीटीयूएएस)					
	1. डब्ल्यूएचओ- जीएमपी[34] मानक के अनुरूप औषध इकाइयों की संख्या में वृद्धि	1.1 डब्ल्यूएचओ-जीएमपी मानकों के उन्नयन के लिए अनुमोदित औषध इकाइयों की संख्या	150	1. फार्मा उद्योग की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार	1.1 2024-25 में जीएमपी अनुपालक संयंत्रों के प्रतिशत में वृद्धि (% में)	100
	ग. सामान्य सुविधाओं के लिए औषध उद्योग को सहायता (एपीआई-सीएफ)					
	1. औषध क्लस्टरों में साझी सुविधा केंद्र (सीएफसी) का विनिर्माण	1.1 वित्त वर्ष 2022-23 में स्वीकृत परियोजनाओं को पूरा करना (परियोजनाओं की संख्या)	2	1. सामान्य सुविधाओं से औद्योगिक इकाइयों को लाभ	1.1 विनिर्मित सामान्य सुविधाओं से लाभान्वित औद्योगिक इकाइयों की संख्या (संख्या में)	20
		1.2 वित्त वर्ष 2023-24 में स्वीकृत परियोजनाओं का पूरा करना (परियोजनाओं की संख्या)	2			

[33] *बल्क औषधि पार्कों के संवर्धन के लिए योजना में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 19,00 करोड़ रु. मांगे गए हैं। इसके अलावा चिकित्सा उपकरण पार्कों के संवर्धन की योजना में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 125 करोड़ रुपये मांगे गए हैं।*

[34] *डब्ल्यूएचओ-जीएमपी, विश्व स्वास्थ्य संगठन अच्छे विनिर्माण कार्य*

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		1.3 वित्त वर्ष 2024-25 में स्वीकृत परियोजनाओं का पूरा करना (परियोजनाओं की संख्या)	3			
	घ. चिकित्सा उपकरण पार्कों को बढ़ावा देने की योजना					
	1. चिकित्सा उपकरण पार्कों में सीआईए[35]फ के विकास के लिए जारी केंद्रीय अनुदान सहायता की राशि।	1.1 चिकित्सा उपकरण पार्कों में सीआईएफ के विकास के लिए उपयोग की गई निधि (% में)	100	1. चिकित्सा उपकरण पार्कों में अवसंरचनात्मक सुविधाओं का विनिर्माण	1.1 चिकित्सा उपकरण पार्कों में सीआईएफ के विकास के लिए पूर्ण किये गये कार्य का प्रतिशत।	100
	ङ. बल्क औषधि पार्कों को बढ़ावा देने की योजना[36]					
	1. बल्क औषधि पार्कों में सीआईएफ के विकास के लिए जारी केंद्रीय अनुदान सहायता की राशि	1.1 बल्क औषधि पार्कों में सीआईएफ के विकास के लिए उपयोग की गई निधि (प्रतिशत में)	100	1. बल्क औषधि पार्कों में अवसंरचनात्मक सुविधाओं का सृजन	1.1 बी.डी. पार्क में सीआईएफ के विकास हेतु पूर्ण किये गये कार्य का प्रतिशत।	100

[35] सामान्य बुनियादी सुविधाएं

[36] चूंकि योजना की अवधि मार्च 2026 को समाप्त हो रही है, इसलिए 100% लक्ष्य दिया गया है।

1. क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (सीएस)

वित्त परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
540	1. हवाईअड्डा अवसंरचना: योजना के अंतर्गत अवार्ड किए गए प्रस्तावों के आधार पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और राज्यों द्वारा आवश्यक बुनियादी ढांचे को अपग्रेड/पुनर्जीवित किया जाएगा	1.1. अपग्रेड/पुनर्जीवित किए जाने वाले नए आरसीएस हवाईअड्डों/हेलीपैडों/वाटर-एयरोड्रोमों की संख्या	13	1. बेहतर क्षेत्रीय हवाई संपर्क	1.1. आरसीएस उड़ानों में यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या (लाख में)	20
		1.2. वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान शुरू किए गए नए आरसीएस मार्गों की संख्या	100		1.2. परिचालित आरसीएस उड़ानों की संख्या	40,000
	2. मार्गों के माध्यम से हवाईअड्डों / हेलीपोर्ट्स / वाटर-एयरोड्रोम को जोड़ते हुए आरसीएस हवाई संपर्क	2.1. परिचालित किए गए नए आरसीएस हवाईअड्डों की संख्या	12			
	3. आरसीएस योजना के अंतर्गत पूर्वोत्तर क्षेत्र में कनेक्टिविटी	3.1. पूर्वोत्तर क्षेत्र में जुड़े नए आरसीएस हवाईअड्डों/हेलीपोर्टों/वाटर-एयरोड्रोमों की संख्या	4	2. पूर्वोत्तर क्षेत्र में बेहतर क्षेत्रीय हवाई संपर्क	2.1. पूर्वोत्तर क्षेत्र में परिचालित की गई नई आरसीएस उड़ानों की संख्या (लाख में)	1.20
		3.2. पूर्वोत्तर क्षेत्र में परिचालित नए आरसीएस मार्गों की संख्या	20		2.2. पूर्वोत्तर क्षेत्र में नए जुड़े गंतव्यों की संख्या	4

1. कोयला और लिग्नाइट का अन्वेषण (सीएस)[37]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
750	1. कोयला और लिग्नाइट ब्लॉकों में संवर्धनात्मक (क्षेत्रीय) अन्वेषण	1.1 2डी/3डी भूकंपीय सर्वेक्षण के साथ ड्रिलिंग की लंबाई (लाख मीटर में) (24 गुना सीडीपी के साथ लाइन किमी में)	2.25	1. नए संसाधनों को जोड़ा जाना	1.1 पिछले वित्त वर्ष (2024-25 में 2.00 बिलियन टन प्रस्तावित) की तुलना में नए संसाधनों का जुड़ना (बिलियन टन में)	3
		1.2 वर्ष के दौरान अन्वेषित क्षेत्र (वर्ग किमी में)	155			
		1.3 कोयले के क्षेत्रीय अन्वेषण के लिए उपलब्ध 10,760 वर्ग किमी क्षेत्र में से अन्वेषित क्षेत्र (संचयी) (वर्ग किमी में)	626[38]			
	2. गैर-सीआईएल ब्लॉकों में विस्तृत अन्वेषण	2.1 ड्रिलिंग की लंबाई (लाख मीटर में)	4.5	2. प्रमाणित श्रेणी में जोड़ा जाने वाला संसाधन	2.1. पिछले वित्त वर्ष (2024-25 में 3.50 बिलियन टन प्रस्तावित) की तुलना में जोड़े गए प्रमाणित संसाधन (बिलियन टन में)	4.50
		2.2 वर्ष के दौरान अन्वेषित क्षेत्र (वर्ग किमी में)	200			
		2.3 कोयले के विस्तृत अन्वेषण के लिए उपलब्ध 5670 वर्ग किमी क्षेत्र में से अन्वेषित क्षेत्र (संचयी) (वर्ग किमी में)	731[39]			

[37] कोयला एवं लिग्नाइट अन्वेषण पर कार्यनीति रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2039-40 तक क्षेत्रीय रूप से अन्वेषण किया जाने वाला कुल क्षेत्रफल लगभग 10294 वर्ग किमी है। गैर-सीआईएल क्षेत्र (सीआईएल: 1400 वर्ग किमी और एससीसीएल: 553 वर्ग किमी को छोड़कर) में वर्ष 2039-40 तक विस्तृत अन्वेषण के लिए चिन्हित क्षेत्र लगभग 4187 वर्ग किमी है। ब्लॉक आबंटिती द्वारा अन्वेषण के माध्यम से कवर किए गए क्षेत्र पर विचार नहीं किया गया है।

[38] कवर किए गए क्षेत्र पर वित्तीय वर्ष 2021-22 से विचार किया गया है क्योंकि ऊपर उल्लिखित क्षेत्र को वर्ष 2021-22 में सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआई) और भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के बीच संयुक्त अभ्यास द्वारा अंतिम रूप दिया गया था।

[39] सीआईएल और सिंगरेनी कोलरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) फंडिंग के माध्यम से कवर किए गए क्षेत्र पर विचार नहीं किया है। कवर किए गए क्षेत्र (केवल गैर-सीआईएल में) पर वित्तीय वर्ष 2021-22 से विचार किया गया है।

वाणिज्य विभाग

1. चाय बोर्ड (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
771.55	1. उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि करना	1.1 चाय उत्पादन की मात्रा (मि.कि.ग्रा.)[40]	1,495	1. उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि करना	1.1 उत्पादन में "वर्ष-दर-वर्ष"[41] % वृद्धि	2.48
		1.2 उत्पादकता (किग्रा/हैक्ट)[42]	2,411		1.2 उत्पादकता में "वर्ष-दर-वर्ष" % वृद्धि	2.48
		1.3 परंपरागत चाय और ग्रीन टी उत्पादन की मात्रा (मि.किग्रा)	146		1.3 परंपरागत और ग्रीन टी में "वर्ष-दर-वर्ष" % वृद्धि	2.94
		1.4 पुनर्रोपण (हैक्टेयर)	0			
	2. भारत से चाय निर्यात में वृद्धि	2.1 निर्यातित चाय की मात्रा (मि.किग्रा)	289	2. भारत से चाय निर्यात में वृद्धि	2.1 चाय निर्यात में "वर्ष-दर-वर्ष" % वृद्धि	2.55
	3. अनुसंधान	3.1 पादप विविधता निर्गमन और पंजीकरण (संख्या में)	2			
	4. एसएचजी, एफपीओ का संघीरकण और गठन	4.1 गठित किए जाने वाली एसएचजी[43] की संख्या	400			
		4.2 गठित की जाने वाली एफपीओ[44] की संख्या	190			

[40] मिलियन किलोग्राम

[41] वाई-ओवाईः वर्ष दर वर्ष

[42] बड़े वैश्विक चाय उत्पादक देशों में भारत की उत्पादकता सर्वाधिक है। वर्ष 2022 में वैश्विक औसत उत्पादकता 1213 किग्रा/हैक्ट रही जबकि भारत की उत्पादकता 2205 किग्रा/हैक्ट. थी। भारत के अन्य प्रतस्पर्धियों यथा चीन की वर्ष 2022 में उत्पादकता 955 किग्रा/हैक्ट., श्रीलंका की 941 किग्रा/हैक्ट. तथा केन्या की उत्पादकता 1937 किग्रा/हैक्ट.रही है।

[43] एसएचजीः सेल्फ हेल्प ग्रुप

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		4.3 स्थापित किए जाने वाले छोटे कारखानों की संख्या	7			
	5. क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण	5.1 प्रबंधित किए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	120			
	6. कल्याणकारी गतिविधियाँ	6.1 लाभार्थियों की संख्या (मेधावी छात्रों के लिए शैक्षिक वजीफा, पुरस्कार)	4,000			
	7. गुणवत्ता आश्वासन	7.1 विश्लेषण किए जाने वाले नमूनों की संख्या	2,500[45]			

[44] *एफपीओ: फार्मर्स प्रोडयूसर्स आर्गेनाईजेशन*

[45] *वर्ष 2023-24 में विश्लेषण किए गए नमूनों की संख्या 212 है।*

2. निर्यातित उत्पादों पर शुल्कों और करों की छूट (आरओडीटीईपी) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
18,232.50	1. दिनांक 01.04.2025 से 31.03.2026 की अवधि में, आरओडीटीईपी दावे के साथ भरे गए एसबी की संख्या और स्क्रॉल आउट किए गए शिपिंग बिलों (एसबी) की संख्या।	1.1 दिनांक 01.04.2025 से 31.03.2026 की अवधि में आरओडीटीईपी दावों /स्कीम कोड के साथ फाइल किए शिपिंग बिलों की कुल संख्या 1.2 दिनांक 01.04.2025 से 31.03.2026 की अवधि में शिपिंग बिलों की संख्या जिनके लिए ई-स्क्रिप जारी की गई ।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[46]	1. आरओडीटीईपी स्कीम इस सिद्धांत पर आधारित है कि करों का निर्यात नहीं किया जाना चाहिए और उन्हें प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए निर्यात की शून्य रेटिंग को यह सुनिश्चित करती है।[47]	1.1 आंबटित निधि से निधि उपयोग का प्रतिशत %	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[48]

[46] दिनांक 30.04.2026 तक, शिपिंग बिलों का प्रतिशत जिसके लिए ई-स्क्रिप जारी नहीं की गई, उनका प्रतिशत दिनांक 01.04.2025 से 31.03.2026 की अवधि में आरओडीटीईपी दावे के साथ फाइल किए गए सभी शिपिंग बिलों का 0.5% से अधिक नहीं होना चाहिए।

[47] इसलिए, स्कीम के कार्यान्वयन के लिए कोई भी आउटकम लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता । निर्यात कई कारकों पर निर्भर करता है और आरओडीटीईपी के तहत दी गई किसी भी सहायता के लिए किसी भी निर्यात वृद्धि के साथ एकैकी सहसंबंध तकनीकी रूप से सही नहीं हो सकता है।

[48] एक वित्तीय वर्ष के भीतर बजट उपयोग का प्रतिशत आबंटित बजट के 95% तक पहुंच जाना चाहिए ताकि रोल-ओवर न्यूनतम रहे और चलनिधि निर्यातक अधिक रहें।

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग

1. राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरिडोर विकास और कार्यान्वयन न्यास (एनआईसीडीआईटी) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
2,500	1. औद्योगिक कॉरिडोर नोड्स में मुख्य अवसंरचना पैकेजों को पूरा करना और 11 औद्योगिक कॉरिडोर के तहत नई परियोजनाओं के लिए मास्टर प्लानिंग और प्रारंभिक इंजीनियरिंग का कार्य शुरू करना तथा उसे स्वीकृति प्रदान करना।	1.1 अनुमोदित और स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या (एनआईसीडीआईटी)	1[49]	1. क्षेत्र में अवसंरचना सुविधाओं के विकास से ग्रीनफील्ड औद्योगिक क्षेत्र के विकास के अवसर बढ़ेंगे और इससे क्षेत्र के भावी विकास को प्रोत्साहन मिलेगा।	1.1. सृजित रोजगारों की संख्या (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष)	10,000
		1.2 ईपीसी[50] ठेकेदार और पीपीपी इकाई की निविदा और ऑन-बोर्डिंग	14[51]		1.2. भूमि के आबंटन से प्राप्त कुल निवेश (करोड़ रुपए में)	2,000
		1.3 पूरी की गई परियोजनाओं की संख्या	0			
		1.4 औद्योगिक इकाइयों को भूखंड के रूप में आवंटित भूमि की संख्या	400			

2. निधियों का कोष (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-
1,200	1. स्टार्टअप्स में निवेश के लिए वैकल्पिक निवेश निधि (एआईएफ) को निधियों का कोष	1.1. वैकल्पिक निवेश निधि (एआईएफ) द्वारा प्रति वर्ष आहरत राशि (करोड़ रुपए में)	1,400	1. एआईएफ के माध्यम से स्टार्टअप्स को	1.1. एआईएफ के माध्यम से वित्तपोषित	175

---

[49] चौथी तिमाही: केबीएनआईआई

[50] ईपीसी –इंजीनियरिंग, अधिप्राप्ति और निर्माण

[51] पहली तिमाही: आगरा, एमएमएलएच-ग्रेटर नोएडा, खुरपिया, राजपुरा; ति2: आईएमएलएच-नांगल चौधरी., प्रयागराज, पलक्कड़, जेपीएमआईए, दिघी; ति3: हिसार, जहीराबाद, ओर्वकल, कोपर्थी, गया।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-
	प्रदान किया गया।	1.2. स्टार्टअप्स को वित्तीय पहुंच सहायता प्रदान करने के लिए एआईएफ ईकोसिस्टम में सृजित उद्यम निधियों की संख्या	9	सहायता प्रदान करना	स्टार्टअप्स की संख्या	

3. **पूर्वोत्तर क्षेत्र और हिमालयी राज्यों में औद्योगिक इकाईयों को केन्द्रीय और एकीकृत जीएसटी लौटाना (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,852.83	1. सिक्किम, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थित इकाइयों को बजटीय सहायता प्रदान करके उनकी मदद करना।	1.1 वित्तीय वर्ष के दौरान स्कीम के अंतर्गत पात्र पाई गई नई इकाइयों की संख्या	7[52]	1. सद्भावना स्वरूप के रूप में इका-इयों के लिए बजटीय सहायता का प्रावधान किया गया है, जिससे इकाइयों की प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार आएगा त था इन क्षेत्रों में निवेश के विकास को बढ़ावा मिलेगा।	1.1 वित्तीय वर्ष के दौरान स्कीम के अंतर्गत प्रदा न की गई लिक्विडिटी की मात्रा	1,852.83

[52] *वित्त वर्ष के दौरान नई इकाइयों के पंजीकरण के अध्यधीन।*

डाक विभाग

1. आईटी आधुनिकीकरण परियोजना 2.0 (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
729	1. प्रत्येक कार्यालय को कम से कम दो भिन्न नेटवर्क प्रदाताओं से जोड़ने के लिए नेटवर्क की निरंतर उपलब्धता	1.1. ऐसे डाकघरों की संख्या, जिनमें वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान जिनमें नेटवर्क की निरंतरता बनाए रखने के लिए नेटवर्क हार्डवेयर को अपग्रेड किया गया।	20,000	1. आम नागरिकों को डाकघरों में निर्बाध काउंटर सेवाएं प्राप्त करने में सहूलियत	1.1. डाकघरों में नेटवर्क की निरंतर उपलब्धता की माहवार प्रतिशतता (% में)	98
	2. नवीनतम प्रौद्योगिकियों के माध्यम से डाक सेवाओं का उन्नयन	2.1 ऐसे डाकघरों की संख्या, जिनमें वित्त वर्ष 2025-26 में नवीनतम प्रौद्योगिकियों जैसे डाक-वस्तुओं की रियल-टाइम ट्रैकिंग, सेवाओं की ऑनलाइन बुकिंग और कागज रहित लेन-देन की मदद से सुविधाओं को अपग्रेड किया गया है	1,00,000	2. ग्राहकों की सुविधा के लिए डाक संबंधी लेन-देन कार्यों के डिजिटलीकरण में वृद्धि	2.1 डाक विभाग में विगत वित्त वर्ष की तुलना में किए गए डिजिटल लेन-देन कार्यों जैसे सीबीएस, आईएमएस और डाक-वस्तुओं की बुकिंग आदि की संख्या में वृद्धि की प्रतिशतता (% में)	20
	3. सभी डाकघर बचत बैंक (पीओएसबी) स्कीमों के लिए ई-केवाईसी समाधान लागू करना	3.1 ऐसे डाकघरों की संख्या जिनमें वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान ई-केवाईसी समाधान लागू किया गया।	65,000	3. इलेक्ट्रॉनिक सत्यापन प्रणाली के फलस्वरूप सुचारू एवं सुव्यवस्थित प्रक्रियाएं तथा बेहतर ग्राहक संतुष्टि	3.1 वित्त वर्ष 2025-26 में किए गए ई-केवाईसी आधारित लेन-देन की प्रतिशतता (% में)	85
		3.2 वित्त वर्ष 2025-26 में ई-केवाईसी के माध्यम से खोले गए पीओएसबी खातों की संख्या (करोड़ में)	1	4. आम नागरिकों को ई-केवाईसी के माध्यम से पीओएसबी खाते खोलने में सहूलियत	4.1 विगत वर्ष की तुलना में पीओएसबी खाता खोलने में लगने वाले औसत समय में कमी (% में)	50

दूरसंचार विभाग

1. घरेलू उद्योग प्रोत्साहन स्कीम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
2,006.34	**क. प्रौद्योगिकी विकास और निवेश संवर्धन (टीडीआईपी)**					
	1. वैश्विक मानक निर्धारण निकायों में भारतीय दूरसंचार मानक विकास सोसायटी (टीएसडीएसआई) का योगदान	1.1 भारत में आयोजित राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर की बैठकों की संख्या	15	1. भारतीय आवश्यकताओं के अनुसार दूरसंचार मानकों का विकास	1.1 वैश्विक मानकों में भारत का योगदान, जैसा कि संख्यात्मक रूप में प्रस्तुत प्रासंगिक तकनीकी दस्तावेजों (कार्य मद प्रस्ताव, स्टडी मद प्रस्ताव, परिवर्तन अनुरोध आदि) द्वारा प्रमाणित है।	4,500
		1.2 वैश्विक मानक-निर्धारण निकायों में भारतीय प्रतिभागियों की संख्या।	1,800			
	ख. दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पादों के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीम					
	1. घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना और दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पादों के लक्षित क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करना।	1.1 इस स्कीम के तहत प्रोत्साहन प्राप्त कंपनियों की संख्या	42	1. भारत को "मेड इन इंडिया" दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पादों के लिए विनिर्माण केंद्र बनाना।	1.1 पिछले वर्ष की तुलना में निर्यात मूल्य में परिवर्तन (% में)	63
		1.2 कुल प्राप्त निवेश (करोड़ रुपए में)	1,000	2. रोजगार सृजन करना	2.1 अतिरिक्त रोजगार सृजन (संख्या में)	6,300
		1.3 बिक्री का मूल्य (करोड़ रुपए में)	69,000			

2. दूरसंचार अवसंरचना सृजन और संवर्द्धन हेतु सेवा प्रदाताओं को क्षतिपूर्ति (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
28,400	क. भारतनेट परियोजना					
	1. हाई स्पीड ब्रॉडबैंड से जोड़ी गई ग्राम पंचायतें	1.1 वित्त वर्ष में हाई स्पीड ब्रॉडबैंड से जोड़ी गई ग्राम पंचायतों की संख्या (संख्या में)	18,000	1. भारतनेट अवसंरचना के उपयोग की स्थिति	1.1 डार्क फाइबर का उपयोग (संचयी किमी में)	20,000
		1.2 ग्राम पंचायतों (जीपी) की संख्या जो 'रिंग टोपोलॉजी' से जोड़ी गई हैं/जिनका उन्नयन किया गया हैं। पारंपरिक 'लीनियर' दूरसंचार कनेक्टिविटी की तुलना में ऐसी 'रिंग टोपोलॉजी' नेटवर्क प्रणाली में पर्याप्त अतिरिक्त उपलब्धता सुनिश्चित करती है। इससे किसी एक स्थान पर फाइबर कट जैसी खराबी के कारण सेवाओं में होने वाली बाधा से बचा जा सकता है।	64,000		1.2 तिमाही के दौरान डेटा खपत (टी.बी. में)[53]	19,00,000
		1.3 बिछाई गई ओएफसी[54] का कुल किमी (संचयी किमी में)	1,76,000		1.3 एफटीटीएच[55] कनेक्शनों की कुल संख्या (संचयी संख्या में)	80,000

[53] *टेरा बाइट*

[54] *ऑप्टिकल केबल फाइबर*

[55] *फाइबर टू दि होम*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	ख. पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए व्यापक दूरसंचार विकास योजना (सीटीडीपी)					
	1. अरुणाचल प्रदेश में 4जी आधारित मोबाइल सेवाओं का प्रावधान	1.1 वित्त वर्ष में लगाये गए मोबाइल टावरों की संख्या	47	1. अरुणाचल प्रदेश के सेवा से वंचित गांवों में 4जी मोबाइल कनेक्टिविटी की उपलब्धता	1.1 सेवा से वंचित गांवों की संख्या जिनमें वित्त वर्ष में मोबाइल कनेक्टिविटी प्रदान की गई	90
	2. असम के 2 जिलों में 4जी आधारित मोबाइल सेवाओं का प्रावधान	2.1 वित्त वर्ष में लगाये गए मोबाइल टावरों की संख्या	17	2. असम के 2 जिलों के सेवा से वंचित गांवों में 4जी मोबाइल कनेक्टिविटी की उपलब्धता	2.1 सेवा से वंचित गांवों की संख्या जिनमें वित्त वर्ष में मोबाइल कनेक्टिविटी प्रदान की गई	23
	3. मेघालय में 4जी आधारित मोबाइल सेवाओं का प्रावधान	3.1 वित्त वर्ष में लगाये गए मोबाइल टावरों की संख्या	7	3. मेघालय के सेवा से वंचित गांवों में 4जी मोबाइल कनेक्टिविटी की उपलब्धता	3.1 सेवा से वंचित गांवों की संख्या जिनमें वित्त वर्ष में मोबाइल कनेक्टिविटी प्रदान की गई	10
	ग. एलडब्लयूई[56] से प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल संचार सेवा स्कीम (चरण-II)					
	1. एलडब्ल्यूई से प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल सेवा का प्रावधान (चरण-II)	1.1 लगाये गए मोबाइल टावरों की संख्या	264	1. इन क्षेत्रों में विशेष रूप से एमएचए[57] आदि की सुरक्षा एजेंसियों के लिए अपग्रेडेड प्रौद्योगिकी सहित मोबाइल प्रसार में वृद्धि	1.1 वित्त वर्ष में मोबाइल सेवा से कवर किए गए सुरक्षा कैम्पों की संख्या	277

[56] *वामपंथी उग्रवाद*

[57] *गृह मंत्रालय*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	घ. आकांक्षी जिला परियोजना					
	1. आंकांक्षी जिलों में मोबाइल सेवाओं का प्रावधान	1.1 वित्त वर्ष में लगाये गए मोबाइल टावरों की संख्या	1,334	1. आकांक्षी जिलों के लिए अपग्रेडेड प्रौद्योगिकी के साथ मोबाइल उपलब्धता में वृद्धि	1.1 सेवा से वंचित गांवों की संख्या जिनमें वित्त वर्ष में मोबाइल कनेक्टिविटी प्रदान की गई	1,927
	ङ. 4जी सेचुरेशन परियोजना					
	1. 4जी सेचुरेशन स्कीम	1.1 वित्त वर्ष में लगाये गए मोबाइल टावरों की संख्या	3,590	1. सेवा से वंचित गांवों को मोबाइल सेवा से कवर करना	1.1 सेवा से वंचित गांवों की संख्या जिनमें वित्त वर्ष में मोबाइल कनेक्टिविटी प्रदान की गई	4,854
	च. द्वीपसमूहों के लिए व्यापक दूरसंचार विकास योजना (सीटीडीपी)					
	1. लक्षद्वीप द्वीपसमूह में 4जी मोबाइल कनेक्टिविटी का प्रावधान	1.1 सेवा से वंचित गांवों में वित्त वर्ष में चालू किए जाने वाले मोबाइल टावरों की संख्या	15	1. लक्षद्वीप द्वीपसमूह में 4जी मोबाइल कनेक्टिविटी का प्रावधान	1.1 सेवा से वंचित गांवों/स्थानों की संख्या जिनमें वित्त वर्ष में मोबाइल कनेक्टिविटी प्रदान की गई	15
	2. लक्षद्वीप द्वीपसमूह में एफटीटीएच/ओएफसी का प्रावधान	1.1. बिछाई गई ओएफसी कुल किमी में (संचयी किमी में)	208	2. लक्षद्वीप द्वीपसमूह में एफटीटीएच/ओएफसी का प्रावधान	2.1. एफटीटीएच कनेक्शनों की कुल संख्या (संचयी संख्या में)	250

उपभोक्ता मामले विभाग

1. मूल्य स्थिरीकरण कोष (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
4,019.83	1. दालें: दालों के भारित औसत खुदरा मूल्य को स्थिर बनाए रखना।[58]	1.1 दालों के संयुक्त भारित औसत खुदरा मूल्यों में वर्ष-दर-वर्ष उतार-चढ़ाव (वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2024-25 तक) को मासिक वर्ष-दर-वर्ष भिन्नता के आधार पर एक निर्धारित सीमा के भीतर बनाए रखा जाएगा।	6.61-8.53	1. सीपीआई में दालों और उत्पादों की मुद्रास्फीति दर को बनाए रखना	1.1 दालों और उत्पादों में सीपीआई[59] मुद्रास्फीति को बनाए रखा जाएगा (%)	4-6
	2. दालें: राज्यों में दालों के भारित औसत मूल्यों के स्थानिक वितरण को बनाए रखना।	2.1 राज्यों में दालों के राज्यवार संयुक्त भारित औसत खुदरा मूल्य (वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2024-25) में भिन्नता का गुणांक विगत सीवी[60] (माध्य्र से विचलन) के आधार पर निर्धारित लक्ष्य पर बनाए रखा जाएगा।	0.229	2. सीपीआई में दालों और ब्याज की मुद्रास्फीति दर को बनाए रखना	2.1 प्याज में सीपीआई मुद्रास्फीति बनाए रखा जाएगी(%)	<16

[58] *चना दाल, तूर दाल, उड़द दाल, मूंग दाल और मसूर दाल के संयुक्त भारित औसत खुदरा मूल्यों की गणना सीपीआई भार का उपयोग करके की गई है।*

[59] *उपभोक्ता मूल्य सूचकांक*

[60] *भिन्नता का गुणांक*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	3. दालें: दालों के औसत खुदरा मूल्य को मंडी मूल्य पर बनाए रखना।	3.1 संयुक्त भारित मॉडल मंडी मूल्यों[61] पर दालों के संयुक्त भारित औसत खुदरा मूल्यों का प्रतिशत मार्क-अप, वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान विगत स्तर के आधार पर निर्धारित लक्ष्य पर बनाए रखा जा रहा है।	37.04			
	4. प्याज: प्याज की औसत खुदरा कीमत स्थिर बनाए रखना।	4.1 प्याज की औसत खुदरा कीमतों में वर्ष-दर-वर्ष उतार-चढ़ाव (वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2024-25 तक) को मासिक वर्ष-दर-वर्ष भिन्नता[62] के आधार पर एक निर्धारित सीमा के भीतर बनाए रखा जाएगा।	7.21-52.26			
	5. प्याज: राज्यों में प्याज की कीमतों का स्थानिक वितरण बनाए रखना।	5.1 राज्यों में प्याज के राज्यवार औसत खुदरा मूल्य (वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2024-25) में भिन्नता के गुणांक को विगत सीवी (औसत से विचलन) के आधार पर एक निर्धारित लक्ष्य पर बनाए रखा जाएगा।	0.483			
	6. प्याज: प्याज के मंडी कीमतों पर खुदरा कीमत	6.1 मंडी मॉडल कीमतों[63] पर प्याज के औसत खुदरा कीमतों का प्रतिशत मार्क-	48.19			

[61] *खुदरा मूल्यों के प्रतिशत के रूप में खुदरा मूल्यों और मंडी मूल्यों के बीच अंतर*

[62] *तिमाही वार लक्ष्य के लिए, डेटा सेट की संगत तिमाहियों के अधिकतम और न्यूनतम वर्ष-दर-वर्ष मासिक प्रतिशत भिन्नताएं ली जाती हैं; और वार्षिक लक्ष्य सीमा के लिए त्रैमासिक भिन्नताओं के अधिकतम और न्यूनतम को लिया जाता है।*

[63] *खुदरा कीमतों के प्रतिशत के रूप में खुदरा कीमतों और मंडी कीमतों के बीच अंतर*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26					परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम		संकेतक		लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		का औसत कीमत मार्क-अप बनाए रखना।		अप, वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान विगत स्तर के आधार पर निर्धारित लक्ष्य पर बनाए रखा जा रहा है।				
	7.	मूल्य रिपोर्टिंग केंद्रों द्वारा दैनिक मूल्य रिपोर्टिंग में नियमितता बनाए रखना	7.1	दैनिक मूल्य डेटा रिपोर्ट करने वाले केंद्रों का प्रतिशत	95			

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग

1. प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गत 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
2,03,000	1. खाद्यान्नों की खरीद (बफर स्टॉक एवं एनएफएसए[64] के तहत वितरण के लिए)[65]	1.1 खरीदे गए धान की मात्रा (लाख मी. टन में)	775	1. किसानों को लाभ	1.1 धान की खरीद से लाभान्वित किसान (संख्या लाख में)	110
		1.2 खरीदे गए गेहूं की मात्रा (लाख मी. टन में)	265		1.2 गेहूं की खरीद से लाभान्वित किसान (संख्या लाख में)	22
		1.3 खरीदे गए मोटे अनाज की मात्रा (लाख मी. टन में)	8.74		1.3 मोटे अनाज की खरीद से लाभान्वित किसान (संख्या लाख में)	3.5
					1.4 धान की खरीद के लिए किसानों को भुगतान किया गया अनुमानित एमएसपी[66] मूल्य (लाख करोड़ रुपए में)	1.72
					1.5 गेहूं की खरीद के लिए किसानों को भुगतान किया गया अनुमानित एमएसपी मूल्य (लाख करोड़ रुपए में)	0.56
					1.6 मोटे अनाज की खरीद के लिए	0.03

[64] *राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम*

[65] *लक्ष्य वार्षिक होगा।*

[66] *न्यूनतम समर्थन मूल्य।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गत 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
					किसानों को भुगतान किया गया अनुमानित एमएसपी मूल्य (लाख करोड़ रुपए में)	
	2. भंडारण सुविधा में वृद्धि	2.1 पीपीपी[67] मोड के तहत वैज्ञानिक ढंग से निर्मित स्टील साइलो भंडारण सुविधा (क्षमता लाख मी.टन में)	7.87	2. भंडारण लागत सहित लाजिस्टिक्स लागत में बचत	2.1 कुल बचत (करोड़ रुपए में)	30.5
	3. लक्षित लाभार्थियों तक खाद्यान्न का कुशल एवं प्रभावी वितरण।	3.1 राशन कार्डों को आधार से जोड़ना (% में)	100	3. पात्र लाभार्थियों को उनके हक़ के खाद्यान्न की आपूर्ति	3.1 कुल लेनदेन में से अंतरा-राज्यीय पोर्टेबिलिटी लेनदेन (% में)	18
		3.2 सभी एफपीएस[68] पर ई-पीओएस[69] की उपलब्धता (% में)	100		3.2 कुल लेनदेन में से अंतरराज्यीय पोर्टेबिलिटी लेनदेन (% में)	0.8
		3.3 लाभार्थी का बायो- प्रमाणीकरण (% में)	99.5		3.3 राशन कार्डों की अंतरा-राज्यीय पोर्टेबिलिटी में वृद्धि (% में)	0.1
		3.4 पीएमजीकेएवाई लाभार्थियों का ई-केवाईसी (% में)	75			
	4. एफसीआई[70] को खाद्यान्नों की खरीद, भंडारण और वितरण के लिए	4.1 सभी प्रमुख खरीद केन्द्रों में स्वचालित अनाज विश्लेषक (ऑटोमैटिक ग्रेन एनालाइजर) की शुरूआत (संख्या में)	400	4. चावल और गेहूं की प्रति क्विंटल प्रचालन लागत	4.1 उपरिव्यय लागत/प्रचालन की मात्रा (रुपए प्रति क्विंटल)	225
					4.2 कुल सब्सिडी के प्रतिशत के रूप	0.16

[67] *सार्वजनिक निजी भागीदारी*

[68] *बिक्री का इलेक्ट्रॉनिक प्वाइंट*

[69] *उचित मूल्य दुकान*

[70] *भारतीय खाद्य निगम*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गत 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	एक कुशल, सक्षम, प्रभावी संगठन बनाना।	4.2 मार्च 2026 तक वाहन स्थान ट्रैकिंग प्रणाली (वीएलटीएस) के तहत कवर किए जाने वाले वाहन (% में)	100	का युक्तिकरण	में उपरिव्यय लागत (%)	
		4.3 वेयरहाउस इन्वेंटरी नेटवर्क एंड गवर्निंग सिस्टम (डब्ल्यूआईएनजीएस) से जुड़ी मिलें (संख्या में)	17,200			
		4.4 एफसीआई डिपो में सुरक्षा और संरक्षा में सुधार के लिए सीसीटीवी[71] कैमरे लगाना (संख्या में)	22,000			

2. एनएफएसए के तहत खाद्यान्नों के अंतरा-राज्यीय संचलन और एफपीएस डीलरों के मार्जिन के लिए राज्य एजेंसियों को सहायता (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गत 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
7,075	1. इलेक्ट्रॉनिक तौल मापन के साथ ईपीओएस - उपकरणों का एकीकरण	1.1 राज्यों की संख्या जिन्होंने इलेक्ट्रॉनिक तौल मापन के साथ ईपीओएस - उपकरणों को एकीकृत किया है।	33	1. लाभार्थियों को खाद्यान्न वितरण में पारदर्शिता	1.1 पात्र लाभार्थियों को वितरित खाद्यान्नों की मात्रा (% में)	100
				2. अतिरिक्त मार्जिन की बढ़ी हुई दर के माध्यम से एफपीएस की व्यवहार्यता में वृद्धि	2.1 बढ़ी हुई दर पर अतिरिक्त मार्जिन के लिए पात्र एफपीएस (% में)	100

[71] *क्लोज सर्किट टेलीविजन*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गत 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	2. उचित दर दुकानों के द्वार तक आबंटित खाद्यान्नों की डिलीवरी	2.1 उचित दर दुकानों के द्वार पर वितरित खाद्यान्नों की मात्रा (लाख मी. टन में)	550	3. उचित दर दुकानों के माध्यम से खाद्यान्नों का सुचारू रूप से वितरण सुनिश्चित करना	3.1. आबंटन की तुलना में उचित दर दुकानों के द्वार पर वितरित खाद्यान्नों की मात्रा (% में)	100

3. इथेनॉल उत्पादन क्षमता को बढ़ाने और उसमें वृद्धि करने के लिए चीनी मिलों को वित्तीय सहायता प्रदान करने की स्कीम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ में)	निर्गत 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
600	1. वित्तीय वर्ष के दौरान संवितरित निधियां	1.1 उपयोग की गई निधियों का प्रतिशत (% में)	100	1. देश में इथेनॉल उत्पादन क्षमता का विस्तार करना (करोड़ लीटर में)	1.1 शीरा और अनाज आधारित डिस्टिलरियों से अतिरिक्त इथेनॉल क्षमता	300
		1.2 जारी की गई सहायता धनराशि (करोड़ रुपये में)	800			
	2. इथेनॉल उत्पादन में वृद्धि	2.1 आपूर्ति किया गया इथेनॉल (करोड़ लीटर में)	750	2. पेट्रोल के साथ इथेनॉल के ब्लेंडिंग लक्ष्य प्राप्त करना (% में)	2.1 पेट्रोल के साथ इथेनॉल की ब्लेंडिंग का प्राप्त प्रतिशत	18

1. प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (PACS) का कम्प्यूटरीकरण

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
560	1. कम्प्यूटरीकृत PACS की संख्या	1.1. कम्प्यूटर/लैपटॉप आदि जैसे हार्डवेयर प्रदान किए गए PACS की संख्या।	7,000	1. PACS की कार्यक्षमता में वृद्धि और उनके कार्यों में पारदर्शिता तथा उत्तरदायित्व को बढ़ाना।	1.1. सामान्य लेखा प्रणाली (सीएएस) और प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) को अपनाने वाले PACS का	100
		1.2. कार्यशील इंटरनेट/ब्रॉडबैंड कनेक्शन वाले PACS की संख्या	38,356		1.2. वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए ऑन सिस्टम वैधानिक ऑडिट (SA) (%)	50
	2. पैक्स के कम्प्यूटरीकरण की दिशा में क्षमता निर्माण	2.1. तकनीकी प्रशिक्षण सत्र दिए गए PACS कर्मचारियों की संख्या	67,930	2. बैंकिंग सुविधा से वंचित गांवों/क्षेत्रों तक वित्तीय सेवाओं का विस्तार	2.1. पॉइंट ऑफ सेल (POS)/ Mobile POS (MPOS)/ मोबाइल वैन/ क्यूआर कोड रीडर्स/ ग्रीन पिन समाधान/ भीम आधार भुगतान डिवाइस/ मोबाइल सिग्नल बूस्टर, मोबाइल डेमो वैन/ माइक्रो एटीएम जैसे डिजिटल बुनियादी ढांचे का उपयोग करने में सक्षम PACS का प्रतिशत	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[72]

[72] *यह बताया जा सकता है कि सभी स्वीकृत पीएसीएस में राष्ट्रीय स्तर का पैक्स सॉफ्टवेयर कब लागू होगा और डिजिटल इन्फ्रा से संबंधित डेटा उपलब्ध होगा।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	3. उन्नत प्रौद्योगिकी का उपयोग करके ऋण वितरण	3.1. कम्प्यूटरीकृत PACS की संख्या जो PACS के माध्यम से ऋण वितरित कर रही है	30,000	ऋणों का शीघ्र वितरण	2.2. उन पैक्स का प्रतिशत जिन्होंने स्वीकृति की तिथि से 7 दिनों के भीतर ऋण का वितरण संभव बनाया	50

1. नया इंटर्नशिप कार्यक्रम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रूपए करोड़ में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26[73]	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26[74]
10,831.07	1. इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करने के लिए कंपनियों को ऑनबोर्ड करना	1.1. पोर्टल पर पंजीकृत पात्र कंपनियों की संख्या	500	1. उद्योग की भागीदारी में वृद्धि	1.1. इंटर्नशिप पोस्ट करने वाली कंपनियों का % वृद्धि	80
	2. पात्र युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना	2.1 पोर्टल पर पंजीकृत युवाओं की संख्या	15,00,000	2. युवाओं की भागीदारी में वृद्धि	2.1 पोर्टल पर पंजीकरण कराने वाले युवाओं की संख्या में वृद्धि का %	100
		2.2 एक बारगी सहायता और मासिक सहायता डीबीटी प्राप्त करने वाले इंटर्न की संख्या	15,00,000		2.2 सफलतापूर्वक इंटर्नशिप पूरा कर रहे इंटर्न का % वृद्धि	80

[73] *लक्ष्य वर्ष 2024 में अनुमोदित एक वर्षीय पायलट परियोजना के अनुरूप*

[74] *लक्ष्य वर्ष 2024 में अनुमोदित एक वर्षीय पायलट परियोजना के अनुरूप।*

1. प्रधानमंत्री की उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास पहल (पीएम-डिवाइन) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
2,296.96	1. अवसंरचना, सामाजिक विकास और आजीविका में वित्तपोषण द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र का तीव्र और समग्र विकास	1.1 पूर्ण हो चुकी सामाजिक विकास परियोजनाओं की संख्या	5	1. पूर्वोत्तर क्षेत्र में लोगों के जीवन स्तर में सुधार	1.1. सामाजिक विकास स्कीमों से लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या	15,000
		1.2 पूर्ण हो चुकी आजीविका परियोजनाओं की संख्या	4		1.2. आजीविका स्कीमों से लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या	10,000
		1.3 पूर्ण हो चुकी अवसंरचना परियोजनाओं की संख्या	2		1.3. अवसंरचना योजना से लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या	12,000

2. पूर्वोत्तर परिषद की योजनाएं (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
822.00	1. पर्यटन अवसंरचना में सुधार	1.1 पर्यटक अवसंरचना परियोजनाओं की संख्या	12	1. पर्यटक स्थलों पर पर्यटकों की संख्या में वृद्धि	1.1 पर्यटकों की संख्या में % की वृद्धि (वर्ष दर वर्ष)	26
	2. खेल और शिक्षा की अवसंरचना में सुधार	2.1 पूर्ण की जाने वाली शैक्षिक अवसंरचना परियोजनाओं की संख्या	28	2. शैक्षिक सुविधाओं का विकास	2.1 स्कूलों/परियोजनाओं में नामांकित छात्रों की संख्या में वृद्धि	21,920
		2.2 पूर्ण की जाने वाली खेल अवसंरचना परियोजनाओं की संख्या	7	3. आउटपुट में इंगित परियोजनाओं के लिए जिलों के खेल आयोजनों में बेहतर प्रदर्शन	3.1 खेल परियोजनाओं से लाभान्वित होने वाले छात्रों और युवाओं की संख्या	5,500

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	3. कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र को सहायता	3.1 पूर्ण की जाने वाली कृषि एवं संबद्ध परियोजनाओं की संख्या	8	4. एनईआर में कृषि एवं संबद्ध क्रियाकलापों को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्र/इकाई/लाभार्थियों के कवरेज में वृद्धि	4.1. बागवानी/खेती फसलों के अंतर्गत स्थापित नया क्षेत्र (हेक्टेयर/इकाइयों में)	830
					4.2. लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या में वृद्धि	700
	4. उन्नत औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र	4.1 पूर्ण की जाने वाली औद्योगिक अवसंरचना परियोजनाओं की संख्या	25	5. उत्पादक आर्थिक गतिविधियां करने वाले लोगों की संख्या	3.1. सृजित नये रोजगार अवसरों की संख्या	1,18,273
	5. उन्नत जागरुकता एवं प्रभावीशाली सार्वजनिक आउटरीच	5.1. सहायता प्राप्त प्रमुख आयोजनों की संख्या	4	6. आयोजनों में भागीदारी में सुधार	6.1. आयोजनों की कुल संख्या	150
					6.2. आगंतुकों की संख्या	10,000
	6. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के बेहतर उपयोग के कारण बेहतर उत्पाद एवं प्रक्रियाएं	6.1. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से संबंधित पूर्ण की जाने वाली परियोजनाओं की संख्या	29	7. बेहतर उत्पाद एवं प्रक्रियाएँ	7.1. सृजित किये गये नये उत्पाद/प्रक्रियाओं में सुधार	249
				8. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के बेहतर उपयोग के कारण कौशल में सुधार	8.1. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परियोजनाओं से लाभान्वित होने वाले व्यक्तियों की संख्या	4,50,000
	7. एनईआर से संबंधित हस्तक्षेप को बढ़ावा देना	7.1. पूर्ण की जाने वाली अवसंरचना परियोजनाओं की संख्या	10	9. बेहतर जागरूकता और प्रचार	9.1. पूर्वोत्तर क्षेत्र से संबंधित हस्तक्षेप परियोजनाओं के प्रचार से लाभान्वित होने वाले व्यक्तियों की संख्या	89,650
	8. बाढ़ नियंत्रण एवं कटाव निरोधक कार्य	8.1. बाढ़ नियंत्रण और कटाव निरोधक से संबंधित पूर्ण की जाने वाली परियोजनाओं की संख्या	2	10. बाढ़ और कटाव से होने वाले प्रभावों को कम करना	10.1. बाढ़ नियंत्रण और कटाव निरोधक परियोजनाओं से लाभान्वित होने वाले व्यक्तियों की संख्या	80,000
	9. उन्नत तृतीयक स्वास्थ्य सेवा	9.1. पूर्ण की जाने वाली तृतीयक स्वास्थ्य सेवा परियोजनाओं की संख्या	5	11. स्वास्थ्य सेवाओं तक बेहतर पहुंच	11.1. लाभान्वित स्वास्थ्य देखभाल रोगियों की संख्या (लाख में)	75,120

3. उत्तर पूर्व विशेष अवसंरचना विकास स्कीम (एनईएसआईडीएस) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
2,481.00	क. सड़कें					
	1. उन्नत सड़क नेटवर्क	1.1 निर्मित नई सड़कों की लंबाई	423	1. जोड़े गए गांव/आवास	1.1. बनायी गयी सड़कों से जोड़े गए गावों और कस्बों की संख्या	393
	ख. ओटीआरआई कार्यक्रम					
	1. सब-स्टेशनों/ ट्रांसमिशन लाइनों की स्थापना/उन्नयन	1.2 निर्मित/ उन्नत किये जाने वाले सब-स्टेशनों की संख्या	4	2. बेहतर विद्युत उपलब्धता	2.1. कुल नये घरों की संख्या जिन्हें 24X7 बिजली की उपलब्धता उपलब्ध कराई जाएगी	4,64,034
	2. प्राथमिक और द्वितीयक स्वास्थ्य क्षेत्र की अवसंरचना का निर्माण/उन्नयन	2.1. निर्मित/ उन्नत किए जाने वाले अस्पताल भवनों/स्वास्थ्य केंद्रों की पूरी की जाने वाली परियोजनाओं की संख्या	8	3. स्वास्थ्य सेवा तक बेहतर पहुंच	2.1. प्राथमिक और द्वितीयक स्वास्थ्य सेवा केंद्रों पर स्वास्थ्य सेवा प्रदान किए जाने वाले अतिरिक्त लाभार्थी व्यक्तियों की संख्या	6,26,163
					2.2. प्रति एक लाख जनसंख्या पर कम से कम 22 बिस्तर वाले जिला अस्पतालों	8
	3. प्राथमिक और माध्यमिक क्षेत्र की शिक्षा अवसंरचना का निर्माण/उन्नयन	3.1. निर्मित/ उन्नत किये जाने वाले विद्यालयों की पूरी की जाने वाली परियोजनाओं की संख्या	15	4. स्कूली शिक्षा तक बेहतर पहुंच	4.1. नामांकित नये छात्रों की संख्या	21,003
	4. जल आपूर्ति अवसंरचना	4.1. पूर्ण की जाने वाली जल आपूर्ति परियोजनाओं की संख्या	6	5. पेयजल की बेहतर आपूर्ति	5.1. सुरक्षित पेयजल के लिए घरों को प्रदान किए जाने वाले नए कनेक्शनों की संख्या	14,568

1. डीप ओशन मिशन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
600	1. पानी में 6,000 मीटर की गहराई के लिए रेटेड मानवयुक्त पनडुब्बी की डिजाइन और विकास	1.1 शैलो-वॉटर (500 मीटर) पर्सनेल स्फीयर, प्रोपल्सन सिस्टम, सेंसर और कंट्रोल्स के उप संघटकों की खरीद और इनका इंटीग्रेशन (% में)	100	1. 6000 मीटर की गहराई पर मानवयुक्त पनडुब्बी का अभियांत्रिकी परीक्षण	1.1 उथले समुद्र(500 मीटर)में मानवयुक्त पनडुब्बी का प्रदर्शन (% में)	100
		1.2 6000 मीटर की गहराई पर मानवयुक्त पनडुब्बी का हार्बर एवं समुद्र परीक्षण पूरा करना(% में)	50		1.2 6000 मीटर तक की गहराई तक गहरे पानी में मानवयुक्त पनडुब्बी का प्रदर्शन(% में)	50
	2. गहरे समुद्र में मौजूद खनिजों के खनन हेतु अंतर्जलीय खनन मशीन हेतु प्रौद्योगिकी का विकास	2.1 खनन मशीन का परीक्षण (% में)	100	2. पॉलीमेटैलिक नोड्यूल्स का प्रायोगिक दोहन	2.1 माइनिंग मशीन, नॉड्यूल कलेक्टर, गहरे पानी में फील्ड ट्रेल्स का प्रदर्शन (% में)	100
		2.2 यूम्बिलिकल केबल और होज के साथ राइजर सिस्टम का विकास (% में)	75		2.2 गहरे पानी में राइजर सिस्टम का कार्यान्वयन (% में)	75
	3. महासागर जलवायु परामर्शिका का सृजन।	3.1 क्षेत्रीय जलवायु डाउनस्केलिंग के लिए समुद्री मॉडलों का विकास (% में)	80	3. भारतीय तटीय क्षेत्रों पर समुद्री जलवायु के प्रभाव की बेहतर समझ।	3.1 तटीय क्षेत्रों पर जलवायु परिवर्तन प्रभाव संबंधी प्रकाशन, जलवायु परिवर्तन रिपोर्ट (रिपोर्ट/ प्रकाशनों की संख्या)	2
	4. इंडियन सी-माउंट्स के	4.1 गहरे समुद्र में किए गए जैव	2	4. गहरे समुद्र की	4.1. वर्गीकरण कैटलॉग और	2

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26									परिणाम 2025-26				
2025-26	निर्गम		संकेतक		लक्ष्य 2025-26	परिणाम		संकेतक		लक्ष्य 2025-26
		गहरे समुद्री जीवों का भंडारकोष एवं डीएनए बैंक तथा गहरे-समुद्री माइक्रोब्स के प्रजनन के लिए प्रौद्योगिकी		विविधता सर्वेक्षणों की संख्या।			जैवविविधता हेतु संरक्षण योजना, डीएनए आधारित अनुसंधान और प्रोफाइलिंग हेतु ऑनलाइन संदर्भ सुविधा, तथा बायोमॉलीक्यूल्स हेतु नवीन गहरे-समुद्री माइक्रोब की जांच।		रिपोर्ट की संख्या	
			4.2	गहरे समुद्र में एकत्रित एवं सूचीबद्ध जीवों की संख्या	50			4.2.	शोधकर्ताओं द्वारा डीएनए संसाधनों तक पहुंच (संसाधनों की संख्या)	25
	5.	हाइड्रोथर्मल निक्षेपों की खोज	5.1	प्लम्स का अन्वेषण और पहचान - मूल्यांकन और सर्वेक्षण।	4[75]	5.	अन्वेषण क्षेत्र में हाइड्रोथर्मल वितरण की समझ	5.1	पुष्टि किए गए वेंट्स की संख्या	4
	6.	समुद्री संसाधनों का अन्वेषण	6.1	नए अनुसंधान पोत के अधिग्रहण का चरण-1(% मे)।	100	6.	महासागर अनुसंधान पोत को चालू करना।	6.1	समुद्री अनुसंधान पोत के कंस्ट्रक्शन की बुनियादी डिजाइन तथा मॉडल परीक्षण (हाँ/नहीं)	हाँ
	7.	अपतटीय ओटीईसी चालित विलवणीकरण संयंत्र के लिए विस्तृत डिजाइन दस्तावेज।	7.1	बंद और खुले चक्र वाले ओटीईसी सिस्टम संयंत्र घटकों की डिजाइन (% में)।	60	7.	अपतटीय नवीकरणीय ऊर्जा एवं पेयजल के लिए प्रौद्योगिकी।	7.1	लक्षद्वीप द्वीपसमूहों की ऊर्जा एवं मीठे पाने की मांग को पूरा करना (% मे)।	60

[75] *4(2 सक्रिय +2 निष्क्रिय)*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	8. महासागर जीवविज्ञान हेतु एक उन्नत समुद्री केन्द्र की स्थापना	8.1 इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण एवं इंस्ट्रूमेंटेशन का विकास(% में)।	50	8. समुद्री जीवविज्ञान में क्षमता निर्माण	8.1 समुद्री जीवविज्ञान में क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ उच्चस्तरीय कार्यक्रमों/ पाठ्यक्रमों का आरंभ।	5
		8.2 उपलब्ध इंफ्रास्ट्रक्चर से पाठ्यक्रम संचालित करना	05			

2. मिशन मौसम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,329	1. भारत में वायुमंडलीय प्रेक्षण नेटवर्क का विस्तार	1.1 डॉपलर मौसम रडार (डीडब्ल्यूआर), एडब्ल्यूओएस, डिस्ड्रोमेंटर्स, नई डिजिटल वर्तमान मौसम उपकरण प्रणाली (डीसीडब्ल्यूआईएस), आरवीआर उपकरण, सीलोमीटर, आरएस/ आरडब्ल्यू स्टेशन, हाई विंड स्पीड रिकॉर्डर (एचडब्ल्यूएसआर) आदि सहित वायुमंडलीय प्रेक्षण प्रणालियों की स्थापना और इन्हें चालू करना।	272	1. सार्वजनिक सुरक्षा और चरम मौसम की घटनाओं से बचाव के लिए बेहतर मौसम सेवाएँ	1.1 वर्ष 2024 में किए गए पूर्वानुमानों की तुलना में मौसम पूर्वानुमानों की समझ को बेहतर बनाना	हाँ
					1.2 नाऊकास्ट (घंटावार) (% मे)।	100
					1.3 डीडब्ल्यूआर के अंतर्गत कवरेज क्षेत्र में वृद्धि(हाँ /नहीं)	हाँ
					1.4 गर्ज के साथ तूफान के पूर्वानुमान की सटीकता में वृद्धि (हाँ/नहीं)	हाँ
					1.5 एरोसोल गुणों और वायुमंडलीय ओजोन की निगरानी (हाँ /नहीं)	हाँ

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	2. परिचालन मौसम विज्ञान और संबद्ध विज्ञान में प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण	2.1 विश्व मौसम विज्ञान संगठन के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र के रूप में आयोजित प्रशिक्षणों/ पाठ्यक्रमों/ क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की संख्या	6	2. मौसम विज्ञान एवं संबद्ध विज्ञान में कौशल विकास	2.1 प्रशिक्षित लोगों की संख्या	120
	3. 18पीएफ उच्च निष्पादन कंप्यूटिंग प्रणाली का प्रचालन उपयोग	3.1 उच्च विभेदन (6 किमी) पूर्वानुमान में सक्षम बनाने के लिए आईआईटीएम और एनसीएमआरडब्ल्यूएफ में नए एचपीसी में एंड-टू-एंड डेटा एसिमिलेशन और न्यूमेरिकल मौसम पूर्वानुमान (एनडब्ल्यूपी) प्रणाली को पोर्ट करना (% मे)।	100	3. उच्च विभेदन (6 किमी) मौसम पूर्वानुमान	3.1 उच्चतर (6 किमी) विभेदन पर संख्यात्मक मौसम/जलवायु पूर्वानुमान प्रणाली से रियल टाइम पूर्वानुमान। (हाँ/नहीं)	हाँ
	4. मेघ भौतिकी और मौसम परिवर्तन में अनुसंधान और विकास	4.1 मापन प्रणालियों के साथ मेघ भौतिकी और मौसम परिवर्तन अध्ययन के लिए एक संवहन मेघ कक्ष और संबंधित बुनियादी ढांचे की स्थापना(% मे)।	30	4. उष्णकटिबंधीय परिस्थितियों में सीमा परत गतिशीलता, एरोसोल, मेघ, संवहन और वर्षा प्रक्रियाओं, मौसम परिवर्तन पहलुओं की मौलिक समझ	4.1 एससीआई पत्रिकाओं में प्रकाशनों की संख्या	5

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	5. विज़ुअलाइज़ेशन और निर्णय समर्थन प्रणाली को चालू करना	5.1 आईएमडी मुख्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों में डीएसएस के लिए क्लाउड सर्वर, भौतिक सर्वर और संबद्ध बुनियादी ढांचे की खरीद(% मे)।	80	5. पूर्वानुमान सृजित करने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए डीएसएस और विज़ुअलाइज़ेशन फ्रेमवर्क	5.1 प्रत्येक मौसम केंद्र द्वारा स्वचालन के माध्यम से उपयोगकर्ता अनुकूल पूर्वानुमान तैयार करना (हाँ नहीं)	हाँ
	6. ऋतुनिष्ठ और विस्तारित अवधि पूर्वानुमानों में सुधार	6.1 साप्ताहिक युग्मित डेटा समावेशन के साथ अगली पीढ़ी के मॉडल का कार्यान्वयन(% मे)।	100	6. विभिन्न क्षेत्रों के लिए विस्तारित (4 सप्ताह तक) और ऋतुनिष्ठ (अगले 3 महीने) समय पैमानों पर युग्मित मॉडल पूर्वानुमानों का उपयोग	6.1 समरूप क्षेत्रों की संख्या जिनके लिए अगली पीढ़ी के मॉडल के साथ ऋतुनिष्ठ पूर्वानुमान प्रदान किए जाएंगे (संख्या)	4
	7. उप-किमी पैमाने पर शहरी मॉडलिंग प्रणाली में सुधार।	7.1 ऊर्ध्वाधर(वर्टिकल) में उत्सर्जन सूची वितरित करना और ग्लोमैप-मोड आधारित धूल प्रभावों को शामिल करना(% मे)	100	7. दिल्ली शहरी एकल मॉडल में परीक्षण और प्रचालन कार्यान्वयन	7.1 शीत ऋतु के लिए 48 घंटे के शहरी पूर्वानुमान उत्पादों का सृजन (% में)	100

3. पृथ्वी विज्ञान (पृथ्वी) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
700	**क. समुद्री सेवाएं, मॉडलिंग, अनुप्रयोग, संसाधन और प्रौद्योगिकी (ओ-स्मार्ट)**					
	1. हिंद महासागर में समुद्र प्रेक्षण नेटवर्क की स्थापना।	1.1 समुद्र प्रेक्षण प्लेटफार्मों की तैनाती (संख्या में)	60	1. हिंद महासागर की प्रभावी निगरानी और समझ।	1.1 वर्ष 2024 में किए गए पूर्वानुमानों की तुलना में मौसम पूर्वानुमानों की समझ को बेहतर बनाना(% में)	15
					1.2 वैज्ञानिक/तकनीकी प्रकाशनों की संख्या।	8
	2. समुद्री सूचना का सृजन एवं प्रसारण, तथा पूर्व चेतावनी सेवाएँ।	2.1 संभावित मछली पकड़ने वाले क्षेत्र की परामशिकाओं, तथा हानिकारक एल्गल ब्लूम परामर्शिकाओं का प्रसार(% में)।	100	2. तटीय और समुद्री समुदायों की आजीविका और सुरक्षा में वृद्धि। कोई भी गलत चेतावनी नहीं तथा सटीक चेतावनी (तूफानी लहर तथा सुनामी)।	2.1 छिछले पानी में मछलियों को खोजने में मछुआरों द्वारा व्यय किए जाने वाले समय एवं प्रयास में कमी	हाँ
		2.2 समुद्री बहु-संकट पूर्व चेतावनियों का सृजन एवं प्रसार (% में)।	100		2.2 चेतावनी सटीकता (% में)।	100
	3. विलवणीकरण संयंत्र को चालू करना।	3.1 एंड्रोथ में विलवणीकरण संयंत्र को चालू करना (% में)।	100	3. साफ पानी के लिए प्रौद्योगिकी विकास।	3.1 एंड्रोथ, लक्षद्वीप द्वीप समूह के लोगों के लाभ के लिए प्रतिदिन उत्पन्न पेयजल (किलो लीटर में)।	150
	4. समुद्री जैविक संसाधनों का दोहन।	4.1 जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग के लिए चिह्नित किए गए सूक्ष्मजीवों की संख्या।	2	4. औद्योगिक, पर्यावरणीय और सामाजिक अनुप्रयोग के लिए प्रौद्योगिकी का विकास।	4.1 समुद्री सूक्ष्मजीवों और शैवालों से न्यूट्रास्युटिकल्स, जैव रसायनों के उत्पादन के लिए विकसित प्रौद्योगिकी। (हाँ/नहीं)	हाँ
		4.2 चिह्नित की गई और संवर्धित शैवाल/समुद्री जीवों की प्रजातियों की संख्या।	2			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		4.3 बालास्ट जल परीक्षण केंद्र के लिए बुनियादी ढांचे का विकास (हाँ/नहीं)	हाँ	5. बालास्ट जल शोधन प्रौद्योगिकियों के सत्यापन की सुविधा।	5.1 बालास्ट जल शोधन प्रौद्योगिकी का सत्यापन किया गया (हाँ/नहीं)	हाँ
	5. समुद्री निर्जीव संसाधनों की खोज	5.1 भारत के अनन्य आर्थिक क्षेत्र में बैथिमेट्रिक डेटा अधिग्रहण के अंतर्गत कवर किया गया क्षेत्र(% में)	95	6. भारत के पश्चिमी और पूर्वी तटों के समानांतर समुद्र तल के आकृति विज्ञान के बारे में ज्ञान और नई जानकारी का बढना	6.1 बेहतर सेवाओं के लिए जैसे कि सुनामी, तूफानी लहरें, समुद्री अवस्था का पूर्वानुमान (हाँ/नहीं)	हाँ
	6. समुद्री सजीव संसाधनों की खोज	6.1 जैव विविधता और लार्वा की प्रचुरता के आकलन के लिए पोत परिभ्रमणों की संख्या।	2	7. समुद्री जैव विविधता, चयनित मछलियों के प्रजनन के प्रमुख स्थानों की पहचान करना, तथा महासागरीय अम्लीकरण के प्रमुख कारणों को चिह्नित करना, ताकि समुद्री संरक्षित क्षेत्रों को समर्थन प्रदान किया जा सके।	भारतीय तटीय समुद्रों में आच्छादित क्षेत्र (% मे)।	20
	7. तटीय निगरानी और सेवाएं	7.1 तटीय प्रदूषण की निगरानी के लिए स्थानों की संख्या	50	8. समुद्री प्रदूषण और कटाव की निगरानी की स्थिति	8.1 एसडीजी-14 के भाग के रूप में समुद्री प्रदूषण निगरानी पर स्थिति रिपोर्ट/ प्रकाशन। (संख्या में)	4
		7.2 उन राज्यों की संख्या जहां तटीय कटाव की निगरानी की जा रही है।	4		8.2 राज्यों के लिए तटरेखा परिवर्तन एटलस/प्रकाशन जिसमें कटाव के प्रमुख स्थान दर्शाए गए हैं।	4

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	ख. ध्रुवीय विज्ञान हिमांकमंडल (पेसर)					
	1. अंटार्कटिका, आर्कटिक और हिमालय के अभियान	1.1 ध्रुवीय क्षेत्रों में वायुमंडलीय वेधशालाओं की संख्या	8	1. ध्रुवीय और महासागरीय क्षेत्रों की बेहतर समझ तथा इसके वैश्विक और क्षेत्रीय प्रभाव	1.1 अंटार्कटिका, आर्कटिक, दक्षिणी महासागर और हिमालय समेत टेलीकनेक्शन की बेहतर समझ पर प्रकाशनों की संख्या	45
		1.2 हिमालय में सतत निगरानी हेतु ग्लेशियरों की संख्या	6		1.2 अंटार्कटिका, आर्कटिक और हिमालय में नए भूवैज्ञानिक/ हिमांक मंडलीय / वायुमंडलीय/ जैविक/पर्यावरणीय/जलवायु/समुद्र विज्ञान संबंधी डेटा रिकॉर्ड तैयार करना (संख्या में)	30
		1.3 अंटार्कटिका में दोनों स्टेशनों में से प्रत्येक स्टेशन पर अभियान दिवस	365			
		1.4 आर्कटिक में अभियान दिवस	300			
		1.5 हिमालय में अभियान दिवस	200			
	ग. भूकंप विज्ञान और भूविज्ञान (सेज)					
	1. राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान नेटवर्किंग (एनएसएन)	1.1 नई भूकंपीय प्रणालियों की स्थापना (संख्या में)	4	1. भूकंप मापदंडों में सटीकता में वृद्धि के साथ भूकंप का पता लगाने की क्षमताओं में सुधार।	1.1 मौजूदा नेटवर्क के माध्यम से देश के अधिकांश भाग में 3.0 तीव्रता के (3 मिनट के भीतर) भूकंप की न्यूनतम सीमा को बनाए रखना (हां/नहीं)	हाँ
		1.2 पूर्वोत्तर क्षेत्र में 15 पुराने भूकंपमापी यंत्रों का अपग्रेडेशन	15		1.2 पूर्वोत्तर क्षेत्र में भूकंप के स्थान में सुधार (हां/नहीं)	हाँ
	2. भूकंपीय सूक्ष्म क्षेत्रीकरण रिपोर्ट	2.1 12 शहरों की मल्टी-डिस्प्लिनैरी जांच (% मे)।	100	2. जोखिम प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे की योजना बनाने में सहायता के लिए बड़े पैमाने पर बहु-विषयक जोखिम सूचकांक मानचित्रों का निर्माण।	2.1 12 शहरों की माइक्रोजोनेशन रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जाना	हाँ

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	घ. अनुसंधान शिक्षा एवं प्रशिक्षण आउटरीच(रीचआउट)					
	1. बाह्य वित्तपोषण	1.1 देश के विभिन्न शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों में अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के लिए सहायता प्राप्त चल रही परियोजनाओं की संख्या	80	1. विभिन्न शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के माध्यम से पृथ्वी विज्ञान में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना।	1.1 बाह्य वित्त पोषण के माध्यम से किए गए शोध पर आधारित प्रकाशनों की संख्या	40
	2. आउटरीच और जागरूकता	2.1 स्कूलों/कॉलेजों/ विश्वविद्यालयों की संख्या जहां आउटरीच और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।	50	2. छात्रों के बीच पृथ्वी विज्ञान के प्रति जागरूकता और वैज्ञानिक स्वभाव का प्रसार करना।	2.1 आउटरीच और जागरूकता कार्यक्रमों में भाग लेने वाले छात्र।	हाँ
	3. पृथ्वी विज्ञान में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण।	3.1 पृथ्वी विज्ञान के विभिन्न विषयों में संचालित पाठ्यक्रम (पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के 3 प्रशिक्षण केंद्र)।	10	3. पृथ्वी विज्ञान में कुशल और प्रशिक्षित जनशक्ति विकसित करना।	3.1 प्रशिक्षित किए जाने वाले लोगों की संख्या।	200

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

1. समग्र शिक्षा (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
41,250	1. सर्वसुलभ पहुंच, प्रतिधारण एवं आधारभूत सुविधाएं	1.1. खोले गए नए स्कूलों/उन्नित मौजूदा स्कूलों संख्या	100	1. पहुंच, प्रतिधारण, अवस्थानांतरण को बढ़ाना और समय से पूर्व स्कूल छोड़ देने वाले बच्चों की संख्या को कम करना	1.1. माध्यमिक स्तर पर सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) (%)	81
		1.2. सुदृढ़ीकरण के अंतर्गत शामिल स्कूलों की संख्या (प्री-प्राइमरी कक्षाएँ)	20,000		1.2. उच्च माध्यमिक स्तर पर सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) (%)	59
		1.3. सुदृढ़ीकरण के अंतर्गत शामिल स्कूलों की संख्या (अतिरिक्त कक्षाओं और प्रयोगशालाओं सहित)	8,000		1.3. अवस्थानांतरण दर (कक्षा आठवीं से नौवीं) (%)	90
		1.4. स्कूल न जाने वाले उन बच्चों की संख्या जिन्हें विशेष प्रशिक्षण (प्रारंभिक स्तर)/ एनआईओएस के माध्यम से सहायता प्रदान की गई	4		1.4. अवस्थानांतरण दर (कक्षा X से XI) (%)	80
		1.5. परिवहन और सुरक्षा सुविधा प्रदान किए गए बच्चों की संख्या (लाख में)	8			
		1.6. धारा 12(1)(ग) के तहत शामिल किए गए बच्चों की संख्या (12(1)(ग), आरटीआई अधिनियम (आरटीआई अधिनियम के तहत प्रवेश के 25% के लिए किए गए व्यय की प्रतिपूर्ति) (लाख में)	25			
	2. आरटीई पात्रता,	2.1. निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें प्रदान किए जाने वाले छात्रों की संख्या (प्रारंभिक	6	2. छात्रों के अधिगम परिणामों को बढ़ाना और	2.1. प्राथमिक स्तर पर प्रतिधारण दर	82

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	गुणवत्ता और नवाचार पहलें	स्तर) (करोड़ में)		सर्वसुलभ बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान कौशल प्राप्त करना		
		2.2. बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान के तहत शिक्षण अधिगम सामग्री प्राप्त करने वाले बच्चों की संख्या (करोड़ में)	5			
		2.3. अधिगम वृद्धि/संवर्द्धन कार्यक्रम प्राप्त छात्रों की संख्या (6वीं से 12वीं) (करोड़ में)	1.5			
		2.4. पुस्तकालय और खेल उपकरण सुविधा प्राप्त करने वाले स्कूलों की संख्या (लाख में)	7			
		2.5. आईसीटी[76] और डिजिटल पहल (स्मार्ट क्लासरूम सहित) के तहत शामिल किए गए स्कूलों की संख्या	32,000			
	3. अध्यापक शिक्षा एवं शिक्षक प्रशिक्षण	3.1. वर्ष के दौरान अवसंरचना सुदृढ़ीकरण हेतु चयनित डाइट[77] की संख्या	125			
		3.2. वर्ष के दौरान प्रशिक्षित पूर्व-सेवा और सेवारत शिक्षकों की संख्या	8			
	4. कौशल विकास	4.1. समग्र शिक्षा (कक्षा 9-12) के अंतर्गत माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम प्रदान करने वाले नए विद्यालयों की कुल संख्या	2,000	4. व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देना	4.1 व्यावसायिक शिक्षा लेने वाले छात्रों की संख्या (लाख में)	30

[76] *सूचना और संचार प्रौद्योगिकी*

[77] *जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		4.2. वर्तमान में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्रों की कुल संख्या (कक्षा 9-12 में) (लाख में)	30		4.2 व्यावसायिक शिक्षा (बस्ता रहित दिवस सहित) के किसी भी रूप में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या (लाख में)	25
		4.3. मध्य स्तर (कक्षा 6 से 8) पर व्यावसायिक शिक्षा (10 बैगलेस दिवस सहित) का कोई भी रूप प्रदान करने वाले विद्यालयों की संख्या	50,000			
	5. शिक्षा में लैंगिक समानता, समता और समावेशन	5.1. केजीबीवी[78] में आईसीटी प्रयोगशालाओं की स्थापना	1,782	5. स्कूल शिक्षा में सामाजिक और लैंगिक अंतर को पाटना	5.1. उच्च माध्यमिक स्तर एसटीईएम[79] पर जीपीआई[80]	1
		5.2. केजीबीवी में स्मार्ट कक्षाओं की स्थापना	1,827		5.2. कुल नामांकन के प्रतिशत के रूप में सीडब्ल्यूएसएन का नामांकन (%)	1.1
		5.3. छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान करने वाले स्कूलों की संख्या (लाख में)	2			
		5.4. प्रशस्त ऐप के माध्यम से स्क्रीन किए गए छात्रों की संख्या(लाख में)	10			
		5.5. सीडब्लूएसएन[81] की जाँच, मूल्यांकन और प्रमाणीकरण हेतु ब्लॉक पहचान शिविरों की संख्या	10,000			

78 *कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय*

79 *विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और गणित*

80 *लैंगिक समानता सूचकांक*

81 *विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चे।*

2. **प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (पीएम पोषण) (सीएसएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
12,500	1. सभी स्कूल दिवसों में सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में पात्र कक्षाओं (I-VIII) और बालवाटिका में बच्चों को भोजन का प्रावधान	1.1. पीएम पोषण योजना के तहत भोजन परोसने हेतु स्कूलों की संख्या (लाख में)	10	1. स्कूलों की संख्या, जहां भोजन परोसा गया	1.1 स्कूलों का %, जहां भोजन परोसा गया	100
		1.2. भोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या (लाख में)	8.50	2. भोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या	2.1 औसतन भोजन प्राप्त करने वाले छात्रों का %	90
		1.3. भोजन परोसे जाने वाले स्कूल दिवसों की संख्या (लाख में)	215	3. भोजन परोसे जाने वाले दिवसों की संख्या	3.1 भोजन परोसे जाने वाले स्कूल दिवसों का %	95
	2. स्कूल पोषण उद्यान	2.1. स्कूलों में स्कूल पोषण उद्यान (एसएनजी) की स्थापना (लाख में)	1	4. स्कूलों की संख्या, जहां स्कूल पोषण उद्यान विकसित किए गए	4.1 स्कूलों में स्कूल पोषण उद्यान द्वारा उगाई गई सब्ज़ियों का उपयोग करने वाले स्कूलों का %	90
	3. रसोइया-सह-सहायकों का क्षमता निर्माण	3.1. नियोजित रसोइया-सह-सहायकों की संख्या (लाख में)	24.85	5. प्रशिक्षित किए गए रसोइया-सह-सहायकों की संख्या	5.1 प्रशिक्षित किए गए रसोइया-सह-सहायकों का %	50
	4. सामाजिक लेखा परीक्षा	4.1 स्कूलों में पीएम पोषण योजना की सामाजिक लेखा परीक्षा का आयोजन	20,000	6. उन स्कूलों की संख्या, जहां पीएम पोषण योजना की सामाजिक लेखा परीक्षा आयोजित की गई	6.1. सामाजिक लेखा परीक्षा आयोजित किए गए स्कूलों का %	90

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	5. तिथि भोजन	5.1 तिथि भोजन के अंतर्गत परोसे गए भोजन की संख्या	2	7. तिथि भोजन से लाभान्वित छात्रों की संख्या	7.1 तिथि भोजन के अंतर्गत परोसे जाने वाले भोजन का %	90
		5.2 तिथि भोजन प्राप्त करने वाले स्कूलों की संख्या	2.5	8. तिथि भोजन प्राप्त करने वाले स्कूलों की संख्या	8.1 तिथि भोजन प्राप्त करने वाले स्कूलों का %	90

3. उभरते भारत के लिए पीएम स्कूल (पीएम श्री) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
7,500	1. आईसीटी प्रयोगशाला, विषय विशिष्ट प्रयोगशाला, अटल टिंकरिंग लैब (एटीएल), पुस्तकालय और खेल सुविधाएं आदि की स्थापना करके पीएम श्री स्कूलों में पहुंच और अवसंरचना को उन्नत करना	1.1. आईसीटी और डिजिटल पहल के अंतर्गत कवर किए गए और स्मार्ट कक्षा-कक्ष वाले माध्यमिक और उच्च माध्यमिक पीएम श्री स्कूलों की संख्या	6,000	1. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अधिगम परिणामों तक पहुंच में सुधार	1.1. स्कूल के पीएम श्री स्कूल में परिवर्तित होने के बाद कक्षा V से VI, VIII से IX और X से XI तक के छात्रों की अंतरण दर में वृद्धि	2
		1.2. एकीकृत विज्ञान प्रयोगशाला और विषय विशिष्ट भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान प्रयोगशाला वाले माध्यमिक और उच्च माध्यमिक पीएम श्री स्कूलों की संख्या	6,000		1.2. एसटीईएम शिक्षा चुनने वाले छात्रों के प्रतिशत में वृद्धि	2
		1.3. विज्ञान किट और गणित किट वाले माध्यमिक और उच्च माध्यमिक पीएम श्री स्कूलों की संख्या	6,000		1.3. छात्रों के स्कूल छोडने की दर में % कमी	2

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		1.4. अटल टिंकरिंग लैब वाले माध्यमिक और उच्च माध्यमिक पीएम श्री स्कूलों की संख्या	6,000			
		1.5. डिजिटल लाइब्रेरी वाले माध्यमिक और उच्च माध्यमिक पीएम श्री स्कूलों की संख्या	6,000			
		1.6. खेल के मैदान और खेल सुविधाओं वाले पीएम श्री स्कूलों की संख्या	6,000			
	2. अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एज्युकेशन (ईसीसीई) तक पहुंच	2.1. बच्चों के अनुकूल फर्नीचर और आउटडोर खेल सामग्री की उपलब्धता के साथ अरली चाइल्डहुड केयर एंड एज्युकेशन (ईसीसीई) शुरू वाले और कक्षा 1 से शुरू होने वाले पीएम श्री स्कूलों का %	20	2. पीएम श्री स्कूलों में ईसीसीई तक बेहतर पहुंच	2.1 निपुण (एनआईपीयूएन)[82] भारत ढांचे के अंतर्गत बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान के लक्ष्यों की प्राप्ति में छात्रों की प्रगति %	5
	3. व्यावसायिक शिक्षा का प्रावधान	3.1. व्यावसायिक/कौशल शिक्षा प्रदान करने वाले माध्यमिक और उच्च माध्यमिक पीएम श्री स्कूलों का %	50	3. रोजगार योग्यता बढ़ाने और विभिन्न व्यावसायिक अवसरों हेतु तैयार करने के लिए व्यावहारिक कौशल प्रशिक्षण और कैरियर-उन्मुख शिक्षा प्रदान करने वाली व्यावसायिक शिक्षा तक पहुंच	3.1 व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में कुशल, नौकरी के लिए तैयार कौशल और उद्यमशीलता क्षमता प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या (लाख में)	2

[82] *राष्ट्रीय मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान दक्षता पहल*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	4. शिक्षा में लैंगिक समानता, साम्यता और समावेशन	4.1. लड़कियों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान करने वाले प्रारंभिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक पीएम श्री स्कूलों का %	80	4. पीएम श्री स्कूलों में छात्राओं की प्रतिधारण और भागीदारी में सुधार	4.1 छात्राओं के प्रतिधारण में वृद्धि	2
	5. शिक्षक शिक्षा और शिक्षक प्रशिक्षण	5.1. वित्तीय वर्ष में कम से कम 50 घंटों के कंटीन्यूअस प्रोफेशनल डेवलेवपमेंट (सीपीडी) अवसरों में भाग लेने वाले शिक्षकों का %	100	5. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नवीन कक्षा प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए कुशल और प्रेरित कार्यबल	5.1 प्रतिवर्ष 50 से अधिक घंटे कंटीन्यूअस प्रोफेशनल डेवलेवपमेंट (सीपीडी) पूरा करने वाले शिक्षकों का प्रतिशत	100

4. राज्यों के लिए शिक्षण-अधिगम एवं परिणाम का सुदृढ़ीकरण (स्टार्स) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,250	1. शिक्षा के प्रारंभिक वर्षों को सुदृढ़ीकरण बनाना	1.1 स्टार्स राज्यों[83] में कुल ईसीई शिक्षकों में से ईसीई और प्रारंभिक पठन एवं संख्याज्ञान में प्रशिक्षित शिक्षकों का %	15	1. तीसरी कक्षा में न्यूनतम भाषा दक्षता में सुधार	1.1. एनएएस 2021 बेसलाइन के अनुसार राष्ट्रीय औसत से एनएएस[84] 2024 के भाषा में	1

[83] *अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन*

[84] *राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
					कक्षा 3, अधिगम परिणामों में सुधार %[85]	
	2. शिक्षक कार्य निष्पादन में सुधार	2.1 स्टार्स राज्यों में कुल प्रारम्भिक और माध्यमिक शिक्षकों में से सेवाकालीन प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षकों का %	15	2. माध्यमिक विद्यालय पूर्णता दर में सुधार	2.1. स्टार्स कार्यक्रम मूल्यांकन दस्तावेज़[86] के अनुसार बेसलाइन से स्टार्स राज्यों में माध्यमिक पूर्णता दर में सुधार %	1
	3. स्कूल से कार्यस्थल तक अंतरण को सुदृढ़ करना	3.1 व्यावसायिक पाठ्यक्रमों माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं में नामांकित	12	3. व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्र	3.1. व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में बढ़े हुए छात्रों का प्रतिशत	1

[85] *(राष्ट्रीय औसत: 64.6 %; स्टार्स राज्यों में औसत: 66.16 %)*

[86] *(स्टार्स राज्य में औसत: 92.68%, यूडीआईएसई 2021-22)*

उच्चतर शिक्षा विभाग

1. पीएम अनुसंधान फेलोशिप (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्यों को 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
600	1. कठोर जांच प्रक्रिया के माध्यम से चयनित सर्वाधिक प्रतिभाशाली छात्रों को पहले दो वर्षों के लिए 70,000/- रुपये, तीसरे वर्ष के लिए 75,000 रुपये तथा चौथे और पांचवें वर्ष के लिए 80,000 रुपये की छात्रवृत्ति के माध्यम से अनुसंधान अध्येताओं को सहायता प्रदान की जाती है।	1.1. वित्तीय वर्ष में पहले भर्ती हुए फेलो को जारी फेलोशिप की संख्या	2,270	1. आईआईएससी/आईआईटी/आईआईएसईआर/सीयू में पीएचडी करने के लिए प्रतिभाशाली छात्रों को आकर्षित करना। पीएमआरएफ पीएचडी स्नातक सीएफटीआई और अन्य अग्रणी संस्थानों के लिए गुणवत्तापूर्ण संकाय प्रदान करेंगे।	1.1. रूपांतरण संबंधी शोध की संख्या	98
					1.2. प्रकाशित प्रकाशनों की संख्या	1,311
					1.3. दायर पेटेंटों की संख्या	165
				2. आईटीआईएस/पॉलिटेक्नीक/इंजीनियरिंग कॉलेजों में अध्यापन द्वारा अनुसंधान अध्येताओं की भागीदारी के माध्यम से ज्ञान हस्तांतरण, जिससे तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि होगी।	2.1 आईटीआई/पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग कॉलेजों में पढ़ाने वाले अध्येताओं की संख्या (प्रति सप्ताह एक बार)	7,889
				3. आस-पास के संस्थानों के सभी शोधकर्ताओं तक तकनीकी ज्ञान का प्रसार करना	3.1 प्रत्येक पीएमआरएफ द्वारा कौशल विकास शिक्षण में खर्च किए गए औसत जन-घंटे (प्रति माह 4 घंटे)	50

2. राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रशिक्षण योजना (एनएटीएस) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्यों को 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,178	1. जिन छात्रों को वितीय वर्ष में प्रशिक्षुता की प्रस्तुत की जाएगी	1.1 वित्त वर्ष में प्रशिक्षुता का प्रस्ताव करने वाले इंजीनियरिंग/तकनीकी डिप्लोमा छात्रों की कुल संख्या (लाखों में)	2.15	1. छात्र रोजगार योग्यता	1.1 वित्त वर्ष (औसत) में प्रशिक्षुता के पूरा होने के बाद उद्योग द्वारा नियोजित प्रशिक्षुओं का %	50
		1.2 वित्त वर्ष में अप्रेंटिसशिप का प्रस्ताव किए जाने वाले गैर-इंजीनियरिंग डिग्री/गैर-तकनीकी डिप्लोमा छात्रों की संख्या (लाखों में)	2.13		1.2 वित्त वर्ष (औसत) में प्रशिक्षुता के पूरा होने के बाद स्व-नियोजित प्रशिक्षुओं का %	2.5
	2. छात्र प्रशिक्षुओं की संख्या जिनके लिए डीबीटी लागू किया गया है	2.1. छात्र प्रशिक्षुओं की संख्या जिनके लिए डीबीटी लागू किया गया है (लाखों में)	1.78			

3. प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा प्रोत्साहन (पीएम-यूएसपी) योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,560	**क. ब्याज सब्सिडी और गारंटी फंड के लिए अंशदान**					
	1. योजना के अंतर्गत ब्याज सब्सिडी दावे जारी करना	1.1. वितीय वर्ष में जिन छात्रों के ब्याज सब्सिडी दावों का भुगतान किया गया उनकी संख्या (नया)	1,00,000	1. व्यावसायिक/तकनीकी पाठ्यक्रमों तक बेहतर पहुंच	1.1. लाभार्थी छात्रों की संख्या जिन्होंने उच्चतर शिक्षा के दिए गए स्तर को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है (ब्याज सब्सिडी धारकों	80,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		1.2. वित्तीय वर्ष (नवीनीकरण) में जिन छात्रों के ब्याज सब्सिडी दावों का भुगतान किया गया उनकी संख्या	2,50,000		(नवीनीकरण) की संख्या जिन्होंने पिछले वर्ष अपनी शिक्षा का स्तर पूरा कर लिया है) (व्यावसायिक/तकनीकी पाठ्यक्रम)	
	2. शिक्षा ऋण के लिए ऋण गारंटी निधि	2.1 गारंटीकृत छात्रों के खातों की कुल संख्या	1,90,000	2. अधिक संख्या में पात्र छात्रों को कवर करना	2.1. पिछले वर्ष की तुलना में गारंटी निधि के अंतर्गत आने वाले ऋणों की संख्या में % की वृद्धि	5
	ख. कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति					
	1. पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति जारी करना।	1.1 योजना के तहत वर्ष के दौरान जारी छात्रवृत्तियों की संख्या (नई)	70,000	1. विश्वविद्यालय शिक्षा तक बेहतर पहुंच।	1.1 उच्चतर शिक्षा के दिए गए स्तर को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले विद्यार्थियों की संख्या।	1,10,000
		1.2 योजना के अंतर्गत वर्ष के दौरान जारी छात्रवृत्तियों की संख्या (नवीनीकरण)	1,00,000			
		1.3 छात्रवृत्ति पाने वालों में महिला छात्राओं का प्रतिशत	50			
	ग. जम्मू एवं कश्मीर तथा लद्दाख के लिए विशेष छात्रवृत्ति					
	1. जम्मू-कश्मीर के पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति जारी करना।	1.1 योजना के अंतर्गत वर्ष के दौरान जारी छात्रवृत्तियों की संख्या (नई)	4,500	1. विश्वविद्यालय शिक्षा तक उच्च पहुंच।	1.1 राज्य के बाहर के संस्थानों से उच्चतर शिक्षा के दिए गए स्तर को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले छात्रों की संख्या	3,800
		1.2 योजना के तहत वर्ष के दौरान जारी छात्रवृत्तियों की संख्या (नवीनीकरण)	8,000			
		1.3 छात्रवृत्ति प्राप्त करने वालों में महिला छात्रों का प्रतिशत	36			

4. प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम-यूएसएचए) (स.प्रा. 2023-24 तक पूर्ववर्ती नाम-आरयूएसए) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,815	1. बहु-विषयक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालय (एमईआरयू)	1.1 एमईआरयू में रूपांतरण के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त उच्चतर शिक्षा संस्थानों[87] की संख्या	35	1. बहु-विषयक शिक्षा और अनुसंधान	1.1 स्वीकृत पेटेंटों की संख्या	120
		1.2 स्वयम और अन्य मूक[88] के माध्यम से शैक्षणिक सामग्री प्रदान करने वाले पाठ्यक्रमों की संख्या	200		1.2 प्रकाशित पत्रों की संख्या	5,000
		1.3 समर्थ ईआरपी[89] का उपयोग करने वाले उच्चतर शिक्षा संस्थानों की संख्या	60		1.3 अकैडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) पर पंजीकृत उच्चतर शिक्षा संस्थानों की संख्या और अकादमिक कार्यक्रमों में बहु प्रवेश और निकास का प्रस्ताव	80
	2. उच्चतर शिक्षा संस्थानों को मजबूत करने के लिए अनुदान	2.1. वित्तीय वर्ष में वित्तीय सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों की संख्या	50	2. मान्यता	2.1. मान्यता प्रदान किए गए गैर-मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों की संख्या	8
		2.2. वित्तीय वर्ष में वित्तीय सहायता प्राप्त गैर-मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों की संख्या	25		2.2. मान्यता प्रदान किए गए गैर-मान्यता प्राप्त कॉलेजों की संख्या	20

[87] *उच्चतर शिक्षा संस्थान*

[88] *व्यापक ऑनलाइन खुला पाठ्यक्रम*

[89] *समर्थ इंटरप्राइजेज रिसोर्स प्लानिंग*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		2.3. वित्तीय वर्ष में वित्तीय सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त कॉलेजों की संख्या	140		2.3. एनएएसी[90] मान्यता ग्रेड में सुधार करने वाले उच्चतर शिक्षा संस्थानों की संख्या	15
		2.4. वित्तीय वर्ष में वित्तीय सहायता प्राप्त गैर-मान्यता प्राप्त कॉलेजों की संख्या	140			
	3. फोकस जिले	3.1. फोकस जिलों में वित्तीय सहायता प्राप्त कॉलेजों, विश्वविद्यालयों की संख्या	240	3. समानता, पहुंच और समावेशन	3.1. समानता, पहुंच और समावेशन में सुधार के लिए आयोजित कार्यशालाओं/गोष्ठियों/प्रशिक्षणों/कार्यक्रमों में नामांकित छात्राओं की संख्या	2,500
		3.2. समानता, पहुंच और समावेशन में सुधार के लिए आयोजित कार्यशालाओं/गोष्ठियों /प्रशिक्षणों/कार्यक्रमों की संख्या	240		3.2. समानता, पहुंच और समावेशन में सुधार के लिए आयोजित कार्यशालाओं/गोष्ठियों/प्रशिक्षणों/ कार्यक्रमों में एससी/एसटी/ओबीसी/ट्रांसजेंडर[91] आदि छात्रों की भागीदारी की संख्या	500

5. आईसीटी के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा मिशन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2025-26	परिणाम 2025-26

[90] *राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद*

[91] *एससी:अनुसूचित जाति; एसटी: अनुसूचित जनजाति; ओबीसी: अन्य पिछड़ा वर्ग*

2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
655.00	1. डीटीएच शैक्षिक चैनलों का उन्नयन, कनेक्टिविटी प्रदान करना, राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी (एनडीएल) और अन्य आईसीटी परियोजनाएँ।	1.1. स्वयंप्रभा -घंटों में सामग्री विकास	4,000	1. शिक्षा नीति के तीन प्रमुख सिद्धांतों अर्थात पहुंच, समानता और गुणवत्ता को प्राप्त करना	1.1. एनडीएल वेबसाइट पर तिमाही हिट्स में वृद्धि%	10
		1.2. राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी (एनडीएल) - सामग्री मिलियन में (संचयी)	17			
		1.3. ई-यंत्र -संस्थाओं की संख्या	1,000		1.2. ई-यंत्र प्रयोगशालाओं में प्रशिक्षित छात्रों की संख्या	15,000
		1.4. एफओएसएसईई - संस्थाओं की संख्या	1,300		1.3. वित्तीय वर्ष में आईसीटी परियोजनाओं (एफओएसएसई) से लाभान्वित संस्थानों में वृद्धि%	10
		1.5. वर्चुअल प्रयोगशालाएँ - प्रयोग की संख्या	200		1.4. वर्चुअल प्रयोगशालाओं से लाभान्वित छात्रों की संख्या में वृद्धि %	10
		1.6. समर्थ (ईआरपी) -विश्वविद्यालयों की संख्या	20		1.5. समर्थ योजना से लाभान्वित छात्रों की संख्या में वृद्धि %	10
		1.7. समर्थ (ईआरपी) - उच्चतर शिक्षा संस्थानों की संख्या	1,000			
		1.8. जमा किये गये दस्तावेजों की संख्या- ई-शोध शुद्धि-पीडीएस (लाखों में)	10		1.6. वित्तीय वर्ष 2014-15 में आईसीटी परियोजनाओं (ई-शोध शुद्धि) से लाभान्वित संस्थानों में वृद्धि %	10
		1.9. संस्थाओं की संख्या-आईआरआईएनएस	300		1.7. आईआरआईएनएस पर निर्मित संकाय प्रोफाइल में वृद्धि %	10
	2. इंजीनियरिंग, विज्ञान, मानविकी के क्षेत्र में निःशुल्क ऑनलाइन	2.1 पाठ्यक्रमों की संख्या-स्वयं मैसिव ओपन आनलाइन (एमओओसी) का विकास	500	2. इंजीनियरिंग, विज्ञान, मानविकी के क्षेत्र में	2.1 वित्तीय वर्ष में ऑनलाइन पाठ्यक्रम में नामांकित छात्रों की संख्या में वृद्धि%	10

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	पाठ्यक्रम उपलब्ध कराना			निःशुल्क ऑनलाइन पाठ्यक्रम उपलब्ध कराना	2.2 ऑनलाइन पाठ्यक्रम पूरा करने वाले और प्रमाणन प्राप्त करने वाले छात्रों का %	10
		2.2 पाठ्यक्रमों की संख्या-स्वयं एमओओसी वितरण	2,500		2.3 क्रेडिट ट्रांसफर प्रणाली का उपयोग करने वाले छात्रों का %	10
		2.3 स्वयं एमओओसी के लिए नामांकित छात्रों की संख्या (लाखों में)	70			

1. उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन योजना [पीएलआई] (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
9,000	**क. बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण हेतु उत्पादन से संबंधित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना**[92]					
	1. निर्मित वस्तुओं की बिक्री के आधार पर उत्पादन पर प्रोत्साहन प्रदान करना	1.1. वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान संवितरित प्रोत्साहन राशि (करोड़ रुपये में)	6,000	1. इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन	1.1. वित्त वर्ष 2025-26 तक अनुमोदन प्राप्त कंपनियों द्वारा रोजगार में वृद्धि	2,00,000
				2. विनिर्मित वस्तुओं की बिक्री.	2.1. वित्त वर्ष 2025-26 तक योजना के अंतर्गत संचयी वृद्धिशील बिक्री (करोड़ रुपए में)	8,12,550
				3. पीएलआई योजना के तहत मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिकी घटक विनिर्माण इकाइयों द्वारा निवेश को मंजूरी दी गई	3.1 वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक योजना के अंतर्गत संचयी वृद्धिशील निवेश (करोड़ रु. में)	7,000
	ख. आईटी हार्डवेयर के लिए उत्पादन से संबंधित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना[93]					
	1. निर्मित वस्तुओं की बिक्री के आधार पर उत्पादन पर प्रोत्साहन प्रदान करें	1.1. वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान वितरित प्रोत्साहन राशि	112	1. इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन	1.1. वित्त वर्ष 2025-26 तक अनुमोदन प्राप्त कंपनियों द्वारा रोजगार में वृद्धि	6,048

[92] *लक्ष्य खंड (पीएलआई-एलएसईएम): मोबाइल फोन और निर्दिष्ट इलेक्ट्रॉनिक घटक*

[93] *लक्ष्य खंड (पीएलआई-आईटी): लैपटॉप, टैबलेट, ऑल-इन-वन पीसी, सर्वर और अल्ट्रा स्मॉल फॉर्म फैक्टर*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		(करोड़ रुपये में)		2. विनिर्मित वस्तुओं की बिक्री	2.1. आधार वर्ष की तुलना में वित्त वर्ष 2025-26 तक योजना के अंतर्गत संचयी वृद्धिशील बिक्री (करोड़ रुपये में)	17,075
				3. पीएलआई योजना के तहत आईटी हार्डवेयर विनिर्माण इकाइयों द्वारा निवेश को मंजूरी दी गई	3.1 परिभाषित आधार वर्ष की तुलना में वित्त वर्ष 2025-26 तक योजना के अंतर्गत संचयी वृद्धिशील निवेश (करोड़ रु. में)	740

2. भारत में सेमीकंडक्टर और डिसप्ले विनिर्माण इकोसिस्टम के विकास हेतु संशोधित कार्यक्रम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
7,000	**क. भारत में सेमीकंडक्टर फ़ैब्स की स्थापना की योजना**					
	1. सेमीकंडक्टर फैब्स की स्थापना के लिए परियोजना लागत पर वित्तीय सहायता प्रदान करना	1.1. समर्थित किये जाने वाले सेमीकंडक्टर फ़ैब्स की संख्या	1	1. सेमीकंडक्टर में निवेश और रोजगार सृजन	1.1. योजना के अंतर्गत वर्ष के दौरान निवेश (करोड़ रुपए में)	5,000
		1.2. वितरित की जाने वाली वित्तीय सहायता की राशि (करोड़ रुपये में)	2,500		1.2. योजना के अंतर्गत वर्ष के दौरान सहायता प्राप्त इकाइयों द्वारा सृजित रोजगार (संख्या में)	100

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	ख. भारत में डिस्प्ले फ़ैब स्थापित करने की योजना[94]					
	1. डिस्प्ले फ़ैब की स्थापना के लिए परियोजना लागत पर वित्तीय सहायता प्रदान करना	1.1. समर्थित किए जाने वाले डिस्प्ले फ़ैब्स की संख्या	0	1. डिसप्ले में निवेश, आउटपुट, निर्यात और रोजगार सृजन	1.1. योजना के अंतर्गत वर्ष के दौरान इकाइयों द्वारा निवेश (करोड़ रुपये में)	0
		1.2. वितरित की जाने वाली वित्तीय सहायता राशि (करोड़ रुपये में)	0		1.2. योजना के अंतर्गत वर्ष के दौरान सहायता प्राप्त इकाइयों द्वारा सृजित रोजगार (संख्या में)	0
	ग. भारत में कम्पाउंड सेमीकंडक्टर / सिलिकॉन फोटोनिक्स / सेंसर फैब / डिस्क्रीट सेमीकंडक्टर फैब्स और सेमीकंडक्टर असेंबली, 'टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग (एटीएमपी) /आउटसोर्सड सेमीकंडक्टर असेबंल और टेस्ट (ओएसएटी) सुविधाओं की स्थापना के लिए संशोधित योजना					
	1. कम्पाउंड सेमीकंडक्टर/ एसआईपीएच/ सेंसर/ डिस्क्रीट सेमीकंडक्टर फैब्स/ एटीएमपी इकाइयों की स्थापना के लिए पूंजीगत व्यय पर वित्तीय सहायता प्रदान करना।	1.1. सहायता प्राप्त कम्पाउंड/ सिलिकॉन फोटोनिक्स (एसआईपीएच) / सेंसर/ डिस्क्रीट सेमीकंडक्टर फैब्स/ एटीएमपी इकाइयों की संख्या	6	1. कम्पाउंड सेमीकंडक्टर/ एसआईपीएच / सेंसर/ डिस्क्रीट सेमीकंडक्टर/ एटीएमपी में निवेश, उत्पादन, निर्यात और रोजगार सृजन	1.1. योजना के अंतर्गत वर्ष के दौरान इकाइयों द्वारा निवेश (करोड़ रुपये में)	8,000
		1.2. वितरित की जाने वाली वित्तीय समर्थन की राशि (करोड़ रुपये में)	3,900		1.2. योजना के अंतर्गत वर्ष के दौरान इकाइयों द्वारा सृजित रोजगार (संख्या में)	1,200
	घ. डिजाइन संबद्ध प्रोत्साहन (डीएलआई) योजना					
	1. सेमीकंडक्टर चिप्स के डिजाइन के लिए	1.1. सहायता प्राप्त सेमीकंडक्टर डिजाइन	20	1. योजना के अंतर्गत आईपी कोर्ज का	1.1. सहायता प्राप्त कंपनियों द्वारा डिजाइन और	20

[94] *चूंकि भारत में डिस्पले फैब की स्थापना करने के लिए संशोधित योजना के अंतर्गत डिस्पले फैब के लिए कोई प्रस्ताव अनुमोदित नहीं किया गया है और इस कार्यक्रम के कुल परिव्यय में से उपलब्ध निधियों पर विचार करते हुए यह अनुमान है कि कोई अनुमोदन प्रदान नहीं किया जा सकता, अतः भारत में डिस्पले फैब की स्थापना करने के लिए संशोधित योजना के अंतर्गत अनुमानित लक्ष्य शून्य (0) माना गया है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	परियोजना लागत पर वित्तीय सहायता प्रदान करना	कंपनियों की संख्या		डिजाइन एवं विकास तथा रोजगार सृजन	विकसित किए गए सेमीकंडक्टर आईपी कोर्ज की संख्या	
		1.2. वितरित की जाने वाली वित्तीय सहायता की राशि (करोड़ रुपये में)	200		1.2. सहायता प्राप्त कंपनियों द्वारा नियोजित सेमीकंडक्टर डिजाइन जनशक्ति की संख्या	200

3. **इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी हार्डवेयर विनिर्माण को बढ़ावा देना (एमएसआईपीएस, ईडीएफ और विनिर्माण क्लस्टर) (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
712	**क. संशोधित विशेष प्रोत्साहन पैकेज योजना (एमएसआईपीएस)**					
	1. संशोधित विशेष प्रोत्साहन पैकेज योजना (एमएसआईपीएस)	1.1. अनुमोदित परियोजनाओं के अनुवर्ती चरणों में निवेश पर प्रोत्साहन प्रतिबद्धता (करोड़ रुपये में)	300	1. ईएसडीएम क्षेत्र में निवेश और रोजगार सृजन	1.1. एमएसआईपीएस के अंतर्गत वर्ष के दौरान इकाइयों द्वारा निवेश (करोड़ रुपये में)	3,000
		1.2. प्रोत्साहन संवितरण राशि (करोड़ रुपये में)	280		1.2. एमएसआईपीएस के अंतर्गत वर्ष के दौरान इकाइयों द्वारा सृजित रोजगार (संख्या में)	30,000
	ख. इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण क्लस्टर (ईएमसी) योजना					
	1. ईएसडीएम क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए	1.1. जारी की गई सहायता अनुदान राशि (करोड़ रुपये में)	50	1. देश में इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा	1.1. भूमि आवंटित इकाइयों की संख्या	25

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	अवसंरचना का आधार बनाना और उसे सुदृढ़ करना	1.2. जीआईए के माध्यम से जारी की गई सहायता प्राप्त परियोजनाओं की संख्या	5	देना	1.2. इकाइयों द्वारा किया गया निवेश (करोड़ रुपये में)	500
	ग. संशोधित इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण क्लस्टर (ईएमसी 2.0) योजना					
	1. ईएमसी के माध्यम से देश में इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण कंपनियों को आकर्षित करने के लिए अवसंरचना के आधार को मजबूत करना	1.1. जारी की गई सहायता अनुदान राशि (करोड़ रुपये में)	100	1. देश में इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने हेतु अवसर उपलब्ध कराना	1.1. भूमि आवंटित इकाइयों की संख्या	20
					1.2. ईएमसी में इकाइयों द्वारा किया गया निवेश (करोड़ रुपये में)	2,000
	घ. इलेक्ट्रॉनिक विकास निधि (ईडीएफ)					
	1. ईडीएफ द्वारा वेंचर फंड में विनिवेश	1.1. उद्यम निधियों की संख्या जिनमें ईडीएफ के माध्यम से विनिवेश (पूर्ण/आंशिक) किया जाएगा (संचयी)	8	1. इलेक्ट्रॉनिकी, नैनो-इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों के लिए जोखिम पूंजी की वापसी	1.1. पूर्ण/आंशिक विनिवेश के माध्यम से पूंजी (ईडीएफ की सहायक निधियों के माध्यम से निवेश) वापस प्रदान करने वाले स्टार्टप्स की संख्या	42
		1.2. उद्यम निधि में ईडीएफ के विनिवेश की राशि (करोड़ रुपये में)	275		1.2. इन स्टार्टप्स में सहायक निधियों के विनिवेश में ईडीएफ हिस्सेदारी की राशि (करोड़ रुपये में)	275
	ङ. इलेक्ट्रॉनिक संघटक और सेमीकंडक्टर विनिर्माण प्रोत्साहन योजना (एसपीईसीएस)					
	1. इलेक्ट्रॉनिक घटक और सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयों को सहायता	1.1. वित्त वर्ष 2025-26 में इकाइयों को संवितरित राशि (करोड़ रु. में)	251	1. इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में निवेश में वृद्धि	1.1. योजना के अंतर्गत शामिल की गई इकाइयों द्वारा निवेश (करोड़ रुपये में)	2,000
				2. इलेक्ट्रॉनिक घटकों और	2.1. योजना के अंतर्गत शामिल	2,100

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26					परिणाम 2025-26			
2025-26	निर्गम		संकेतक		लक्ष्य 2025-26	परिणाम		संकेतक	लक्ष्य 2025-26
							सेमीकंडक्टरों का आउटपुट बढ़ाना	की गई इकाइयों द्वारा आउटपुट (करोड़ रुपये में)	
						3.	इलेक्ट्रॉनिकी क्षेत्र में प्रत्यक्ष रोजगार में वृद्धि	3.1 योजना के अंतर्गत शामिल की गई इकाइयों द्वारा रोजगार (संख्या में)	1,500

4. सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिकी, सीसीबीटी में अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,249.75	क. अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) समूह					
	1. सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), इलेक्ट्रॉनिकी और संचार अभिसरण और ब्रॉडबैंड प्रौद्योगिकी (सीसी एंड बीटी) में अनुसंधान और विकास	1.1. वित्त वर्ष 2025-26 में इस समूह के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	20	1. प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट, प्रोटोटाइप, उत्पादों के माध्यम से नई प्रौद्योगिकियों का विकास, तथा उल्लिखित क्षेत्रों में इनक्यूबेशन/स्टार्ट-अप शुरू करने के प्रयास	1.1. प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की संख्या	10
		1.2. वित्त वर्ष 2025-26 में चल रही परियोजनाओं की संख्या	60		1.2. वित्त वर्ष 2025-26 में इस समूह के तहत सफलतापूर्वक पूरी की गई परियोजनाओं की संख्या	20
		1.3. वित्त वर्ष 2025-26 में दायर पेटेंट की संख्या	50			
		1.4. वित्त वर्ष 2025-26 में परियोजना के तहत में प्रशिक्षित/ पीएचडी सहित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जनशक्ति की संख्या	500			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	ख. भारतीय भाषाओं के लिए प्रौद्योगिकी विकास (टीडीआईएल)					
	1. टीडीआईएल में अनुसंधान और विकास	1.1. टीडीआईएल में आरएंडडी – शुरू की गई परियोजनाओं (चल रही और नई परियोजनाएं) की कुल संख्या	20	1. टीडीआईएल में नई प्रौद्योगिकियों का विकास	1.1. चैलेंज राउंड और प्रौद्योगिकी अधिग्रहण के माध्यम से स्टार्टअप्स के साथ जुड़ाव (टीडीआईएल में अनुसंधान एवं विकास) (संख्या में)	50
					1.2. प्रौद्योगिकियों के नियोजन (टीडीआईएल में अनुसंधान एवं विकास) (संख्या में)	315
	ग. टेक्नोलॉजी इनक्यूबेशन और उद्यमियों का विकास (टाइड) 2.0					
	1. स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र सहायता हेतु आधार को सुदृढ़ करना	1.1. सहायता प्राप्त इनक्यूबेटरों की संख्या	51	1. स्टार्टअप प्रणाली में निवेश बढ़ने से रोजगार में वृद्धि और स्टार्टअप में उच्च स्तर पर बढोतरी	1.1. कुल सृजित रोजगार (संख्या में)	350
		1.2. सहायता प्राप्त स्टार्ट-अप की संख्या	220		1.2. विकसित उत्पादों की संख्या	55
		1.3. दायर पेटेंटों की संख्या	22		1.3. स्वीकृत पेटेंटों की संख्या	10
		1.4. इनक्यूबेटर्स के साथ हस्ताक्षरित आशय पत्रों और समझौता ज्ञापनों की संख्या	16			

5. इलेक्ट्रॉनिक गवर्नेंस (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
617	1. डिजिटल लॉकर की स्थापना	1.1. नये उपयोगकर्ता पंजीकरण (करोड़ में)	6.5	1. डिजिलॉकर के माध्यम से डिजिटल दस्तावेजों का उपयोग बढ़ा	1.1. डिजिलॉकर प्लेटफॉर्म पर उपयोग किए जाने वाले दस्तावेजों की संख्या में वृद्धि (करोड़ में)	8.33
	2. उमंग के माध्यम से सभी भारतीय नागरिकों के लिए अखिल भारतीय ई-शासन सेवाओं तक अभिगम हेतु एकल मंच	2.1. उमंग पर अतिरिक्त सेवाएं उपलब्ध कराई गई	220	2. उमंग सेवाओं का बढ़ता उपयोग	2.1. उमंग प्लेटफॉर्म पर लेनदेन की संख्या में वृद्धि (करोड़ में)	70
	3. मेघराज एप्लीकेशन को क्लाउड पर स्थापित करना	3.1. एनआईसी क्लाउड पर चल रही एप्लीकेशनों की कुल संख्या	100	3. मेघराज क्लाउड पर एप्लीकेशनों/ उपयोगकर्ताओं की होस्टिंग	3.1 एनआईसी (मेघराज) क्लाउड पर होस्ट की गई एप्लीकेशनों का उपयोग करने वाले उपयोगकर्ताओं/ग्राहकों की संख्या में वृद्धि	100
		3.2. एनआईसी क्लाउड पर चलने वाले वर्चुअल सर्वरों की कुल संख्या	10,000			

6. **क्षमता निर्माण एवं कौशल विकास योजना (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
575	1. आईईसीटी डोमेन में जनशक्ति को कुशल बनाना	1.1. विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना चरण 2: वित्तीय वर्ष में चयनित पूर्णकालिक पीएचडी उम्मीदवारों की कुल संख्या	200	1. आईटी/आईटीईए स क्षेत्रों में अनुसंधान, विकास और आईपी सृजन हेतु इकोसिस्टम विकसित करना	1.1. विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना चरण 2: विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना चरण 2 के अंतर्गत पूर्णकालिक पीएचडी पूरी करने वाले विद्वानों की कुल संख्या (संचयी)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[95]
		1.2. विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना चरण 2: वित्तीय वर्ष में चयनित अंशकालिक पीएचडी उम्मीदवारों की कुल संख्या (@ 30 सीटें/वर्ष)	30		1.2. विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना चरण 2: विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना चरण 2 के अंतर्गत अंशकालिक पीएचडी पूरी करने वाले विद्वानों की कुल संख्या (संचयी)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[96]
	2. राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईईएलआईटी)	2.1. 'प्रशिक्षित' उम्मीदवारों की कुल संख्या – [पूर्वोत्तर सहित] (संख्या में)	10,78,000	2. सूचना, इलेक्ट्रॉनिकी और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) क्षेत्र में प्रशिक्षण/शिक्षा क्षमता	2.1. 'प्रमाणित' उम्मीदवारों की कुल संख्या - [पूर्वोत्तर सहित] (संख्या में)	5,79,700

[95] *पी.एच.डी. पूरा होने में आमतौर पर 5 वर्ष लगते हैं; इसलिए, लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता है।*

[96] *पी.एच.डी. पूरा होने में आमतौर पर 5 वर्ष लगते हैं; इसलिए, लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता है।*

7. साइबर सुरक्षा परियोजनाएं (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
782	1. भारतीय साइबरस्पेस को सुरक्षित करने के लिए वास्तविक समय पर खतरे का आकलन और स्थितिजन्य जागरूकता	1.1. कुल लक्षित 389 साइटों के अनुपात के रूप में एकत्रित मेटा-डेटा वाली साइटों[97] की संख्या (प्रतिशत में)	100	1. खतरे के आकलन का औसत समय	1.1. खतरों की पहचान करने में लगने वाला औसत समय (मिनटों में)	30
		1.2. भाग लेने वाले संगठनों और आईएसपी पर जांच करने, वर्गीकरण और वितरित सेवा अस्वीकार (डीडीओएस) ट्रैफ़िक हमले का पता लगाना (प्रतिशत में)	100		1.2. खतरे के आकलन और हितधारकों को सूचना में लगने वाला औसत समय (घंटों में)	12
		1.3. मैलवेयर द्वारा प्रभावित भाग लेने वाले कुल संगठनों के अनुपात के रूप में भाग लेने वाले संगठनों की संख्या जिनसे मैलवेयर/वायरस प्रकोप का पता चला (प्रतिशत	90			
	2. साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास	2.1. साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में शुरू की गई नई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की संख्या	4	2. साइबरस्पेस की सुरक्षा के लिए नई प्रौद्योगिकियों का विकास	2.1. साइबरस्पेस की सुरक्षा के लिए विकसित नई प्रौद्योगिकियां (संख्या में)	2
	3. डिजिटल व्यक्तिगत डेटा	3.1 डीपीडीपी अधिनियम, 2023	25	3. डेटा संरक्षण बोर्ड	3.1 बोर्ड के लिए डिजिटल कार्यालय	75

[97] *साइटों में संगठन और इंटरनेट सेवा प्रदाता (आईएसपी) दोनों शामिल हैं।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम के अनुसार डिजिटल व्यक्तिगत डेटा शासन।	के तहत विनियमों की अधिसूचना (अधिसूचित किए जाने वाले नियमों की कुल संख्या)		(डीपीबी) की स्थापना	की स्थापना (जनशक्ति भर्ती, प्लेटफॉर्म विकास आदि के लिए प्रगति का प्रतिशत)	

8. **इंडिया एआई मिशन (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
2,000	1. भारत की तकनीकी संप्रभुता सुनिश्चित करने के लिए नवाचार को बढ़ावा देना तथा घरेलू सुविधाओं और क्षमताओं का निर्माण करना	1.1. केंद्रीय मंत्रालयों में स्थापित की जाने वाली एआई क्यूरेशन इकाइयों की संख्या	20	1. घरेलू एआई पारिस्थितिकी तंत्र को आगे बढ़ाने, समावेशन, नवाचार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक और एकीकृत मिशन की स्थापना।	1.1. सार्वजनिक क्षेत्र की समस्या विवरणों को निपटाने के लिए लागू एआई परियोजनाओं की संख्या।	5
		1.2. अखिल भारत में स्थापित की जाने वाली इंडियाएआई प्रयोगशालाओं की संख्या	80			
		1.3. मिशन के तहत वित्तपोषित किए जाने वाले डीप स्टार्टअप्स की संख्या	25			
		1.4. मिशन के तहत वित्तपोषित की जाने वाली उद्योग-आधारित परियोजनाओं की संख्या	3			

1. प्रदूषण नियंत्रण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2025- 26			परिणाम 2025- 26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
853.90	1. प्रदूषण (वायु, जल और ध्वनि) को नियंत्रित करने के लिए कार्यान्वयन कार्यकलापों की निगरानी	1.1 मौजूदा निगरानी केंद्रों की संख्या (वायु)	2,011	1. वायु गुणवत्ता में सुधार	1.1 वार्षिक लक्ष्य के अनुसार पीएम10 के स्तर में कमी वाले शहरों[98] का %	100
		1.2 स्थापित करने हेतु प्रस्तावित निगरानी केंद्रो की संख्या (वायु)	1,046		1.2 राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक (एनएएक्यूएस) प्राप्त करने वाले शहरों[99] का %	25
		1.3 मौजूदा निगरानी केंद्रों की संख्या (जल)	5,000	2. प्रदूषित नदी क्षेत्र में कमी	2.1 प्रदूषित नदी क्षेत्रों में कमी का %	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[100]
		1.4 स्थापित करने हेतु प्रस्तावित निगरानी केंद्रों की संख्या (जल)	89		2.2 जल गुणवत्ता की निगरानी हेतु शामिल की गई नदियों की संख्या	622
		1.5 ध्वनि निगरानी केंद्रों की संख्या (ध्वनि)	226	3. ध्वनि के स्तर में कमी	3.1 ध्वनि स्तर में कमी का %	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[101]
		1.6 स्थापित जाने हेतु प्रस्तावित निगरानी केंद्रों की संख्या (ध्वनि)	144		3.2 ध्वनि निगरानी कवरेज वाले नए मिलियन से अधिक आबादी वाले शहरों की संख्या	36

[98] 130 शहर

[99] 33 शहर

[100] वित्त वर्ष 2025-26 के लिए लक्ष्य वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान उपलब्धियों को ध्यान में रखते हुए बाद में प्रस्तुत किया जाएगा।

[101] वित्त वर्ष 2025-26 के लिए लक्ष्य वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान उपलब्धियों को ध्यान में रखते हुए बाद में प्रस्तुत किया जाएगा।

मत्स्यपालन विभाग

1. **प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) (सीएसएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
2,465	1. मात्स्यिकी में नई प्रौद्योगिकी को अपनाना एवं क्षमता निर्माण करना	1.1 सहायता प्रदान करने के लिए केजों, री-सर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम (आरएएस) और बायोफ्लॉक इकाइयां की संख्या	500	1. मत्स्य उत्पादन, उत्पादकता में वृद्धि जिसके परिणामस्वरूप आय और जीवन स्तर में सुधार	1.1. विगत वर्ष की तुलना में मत्स्य उत्पादन में हुए परिवर्तन का प्रतिशत	9
				2. कम लागत और बेहतर कीमतों के कारण निर्यात में वृद्धि, मात्स्यिकी क्षेत्र का विकास और रोजगार सृजन	2.1. विगत वर्ष की तुलना में मत्स्य निर्यात के कारण विदेशी मुद्रा आय में % वृद्धि	10
		1.2 कौशल उन्नयन और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या	80,000		2.2. मात्स्यिकी क्षेत्र में सृजित प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार की संख्या	11,00,000
					2.3. वर्ष के दौरान मात्स्यिकी क्षेत्र में महिलाओं के लिए सृजित नये रोजगारों की संख्या	2,50,000
	2. जलीय कृषि के क्षेत्र में वृद्धि	2.1. जलकृषि के अंतर्गत लाया गया कुल अतिरिक्त क्षेत्र (हेक्टेयर)	10,000	3. फिश हैंडलिंग एवं परिवहन में सुधार	3.1. वैज्ञानिक एवं स्वास्थ्यकर तरीके से हैंडल की गई कुल मात्रा (टन में)	3,25,400
	3. सुदृढ़ पोस्ट हार्वेस्ट अवसंरचना का सृजन	3.1. संगठित फिश हारबरों और फिश लैंडिंग सेंटर्स की संख्या	10	4. गुणवत्तापूर्ण एवं स्वास्थ्यकर मत्स्य की उपलब्धता	4.1. गुणवत्तायुक्त एवं स्वास्थ्यवर्धक मत्स्य की बिक्री वृद्धिशील आधार पर (टन में)	14,471

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		3.2. निर्मित/सहायता प्रदत्त पोस्ट-हार्वेस्ट अवसंरचना की कुल क्षमता (आइस प्लांट्स, कोल्ड स्टोरेज, इंसुलेटिड/रेफ्रिजरेटर कंटेनरों/ट्रकों के माध्यम से) (मीट्रिक टन में)	1,800	सुनिश्चित करना		
	4. मार्केट अवसंरचना की स्थापना और आधुनिकीकरण तथा मार्केट लिंकेज को सुविधाजनक बनाना	4.1 अतिरिक्त आधुनिक विपणन क्षमता (मार्केटिंग क्षमता) (टन में)	17,025	5. सी वीड उत्पादन में वृद्धि	5.1. पिछले वर्ष की तुलना में सी वीड का अतिरिक्त उत्पादन (टन में)	15,000
		4.2 सहायता प्रदान किए गए मत्स्य किसान उत्पादक संगठन (एफएफपीओ) और सहकारी समितियों/संघों की संख्या	50			
	क. प्रधान मंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना (पीएम-एमकेएसएसवाई) (पीएमएमएसवाई की उप योजना)					
	1. जलीय कृषि बीमा कवरेज में वृद्धि	1.1 जलकृषि बीमा के अंतर्गत बीमित क्षेत्र (लाख हेक्टेयर में)	15,000	1. दावों पर समय पर कार्रवाई और निपटान	1.1 दावों के भुगतान के लिए औसतन समय, दिनों की संख्या।	90
		1.2 दिया गया कुल प्रोत्साहन (करोड़ रुपये में)	37.5	2. बीमित जलकृषि किसानों के लिए जोखिम कवरेज में वृद्धि	2.1. अनुमोदित दावों का प्रतिशत जिसके लिए बीमा कंपनियों ने जलीय कृषि किसानों को भुगतान किया	70

पशुपालन और डेयरी विभाग

1. **पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,980	1. पेस्टे डेस पेटिट्स रूमिनेंट्स उन्मूलन कार्यक्रम (पीपीआर-ईपी) के तहत जुगाली करने वाले छोटे पशुओं का पर्याप्त कवरेज सुनिश्चित करना	1.1. पीपीआर के लिए टीका लगाए गए भेड़/बकरियों की संख्या (लाख में)	1,800	1. झुंड रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर रोग का दबाव कम करना	1.1 पिछले वर्ष की तुलना में पीपीआर के लिए सीरो-कंवर्जन में वृद्धि (प्रतिशत में)[102]	7
	2. क्लासिकल स्वाइन ज्वर नियंत्रण कार्यक्रम (सीएसएफ-सीपी) के तहत सुअरों का पर्याप्त कवरेज सुनिश्चित करना	2.1. सीएसएफ के लिए टीका लगाए गए सूअरों की संख्या (लाख में)	70		1.2 पिछले वर्ष की तुलना में सीएसएफ के लिए सीरो कंवर्जन में वृद्धि (प्रतिशत में)[103]	5
	3. एफएमडी टीकाकरण कार्यक्रम के तहत गोपशु और भैंसों का पर्याप्त कवरेज सुनिश्चित करना	3.1. एफएमडी के लिए टीका लगाए गए गोपशु और भैंसों की संख्या (लाख में)	5,000		1.3 पिछले वर्ष की तुलना में एफएमडी के लिए सीरो-कंवर्जन में वृद्धि (प्रतिशत में)[104]	5
	4. ब्रुसेला टीकाकरण का बढ़ा हुआ कवरेज	4.1. टीका लगाए गए 4 से 8 माह की बोवाइन बछड़ियों	300		1.4 ब्रुसेलोसिस के लिए सीरो-कंवर्जन में वृद्धि (प्रतिशत में)[105]	7

---

[102] *(=वर्तमान वर्ष का मूल्य-पिछले वर्ष का मूल्य)*100/पिछले वर्ष का मूल्य*

[103] *(=वर्तमान वर्ष का मूल्य-पिछले वर्ष का मूल्य)*100/पिछले वर्ष का मूल्य*

[104] *(=वर्तमान वर्ष का मूल्य-पिछले वर्ष का मूल्य)*100/पिछले वर्ष का मूल्य*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		की संख्या (लाख में)				
	5. मौजूदा पशु चिकित्सा अस्पतालों और औषधालयों की स्थापना और सुदृढ़ीकरण- मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयां (एमवीयू)[106]	5.1 कॉल सेंटर्स (टोल फ्री नंबर 1962) के माध्यम से एमवीयू द्वारा सेवाओं के लिए प्राप्त कॉल की संख्या (लाख में)	50	2. बेहतर पहुंच के माध्यम से पशु चिकित्सा सेवाओं का सुदृढ़ीकरण	2.1. एमवीयू के माध्यम से उपचार प्रदान किए गए पशुओं की संख्या (लाख में)	70
					2.2. एमवीयू योजना के तहत लाभान्वित किसानों की संख्या (लाख में)	35

2. **डेयरी विकास (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,000	1. दुग्ध मूल्य श्रृंखला के सुदृढ़ीकरण हेतु अवसंरचना	1.1. वर्ष के दौरान स्थापित बल्क दुग्ध कूलर्स (बीएमसी) की अतिरिक्त क्षमता (हजार लीटर में)	2,500	1. परियोजना क्षेत्र में लघु धारक पशुपालकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए दुग्ध मूल्य श्रृंखलाओं की प्रतिस्पर्धात्मकता और जलवायु	1.1. पिछले वर्ष की तुलना में किसानों से खरीदे गए दूध की मात्रा में पूर्ण (एब्सोल्यूट) परिवर्तन (हजार कि.ग्रा./दिन में)	1,000
		1.2. डेयरी सहकारी समितियों अथवा दुग्ध पूलिंग केंद्र पर स्थापित इलैक्ट्रॉनिक दुग्ध परीक्षण मशीनों	8,000		1.2. पिछले वर्ष की तुलना में बेचे गए दूध की मात्रा में पूर्ण (एब्सोल्यूट) परिवर्तन (हजार लीटर /दिन में)	500

[105] *(=वर्तमान वर्ष का मूल्य-पिछले वर्ष का मूल्य)*100/पिछले वर्ष का मूल्य*

[106] *20.12.2024 की स्थिति के अनुसार, 29 राज्यों में कुल 4019 एमवीयू और 28 राज्यों में 2016 की संख्या में एमवीयू कार्यरत हैं।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		की संख्या		सहनशीलता बढ़ाना		
		1.3. संचालित डेयरी सहकारी समितियों (डीसीएस)/दुग्ध पूलिंग केन्द्रों की संख्या	3,000			
		1.4. आधुनिक/सुदृढ़ की गई राज्य/जिला स्तरीय प्रयोगशालाओं की संख्या	30			
		1.5. स्थापित/सुदृढ़ किए गए प्रसंस्करण संयंत्रों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [107]			

3. विकास कार्यक्रम (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,050	1. उद्यमिता विकास	1.1. संचालित चारा इकाइयों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[108]	1. पशुधन में रोजगार के बेहतर अवसर	1.1. उद्यमिता विकास के तहत सृजित नौकरियों की संख्या	160
	2. भेड़ और बकरी का आनुवंशिक उन्नयन	2.1. संचालित क्षेत्रीय वीर्य केंद्रों की संख्या	2	2. नस्ल सुधार और पशुधन की	2.1. पिछले वर्ष की तुलना में पशुधन उत्पादन में प्रतिशत परिवर्तन (%	10

[107] *मांग आधारित*

[108] *मांग आधारित*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		2.2. संचालित वीर्य बैंकों की संख्या	10	उत्पादकता में वृद्धि	में)	
		2.3. संचालित कृत्रिम गर्भाधान केन्द्रों की संख्या	200			
	3. चारा बीज के उत्पादन के लिए सहायता	3.1. उत्पादित चारा बीज की मात्रा (टन में)	60,000	3. अधिक चारा उत्पादन	3.1. पिछले वर्ष की तुलना में उत्पादित चारे की मात्रा में प्रतिशत परिवर्तन (% में)	30
		3.2. स्थापित किए गए साइलेज और टीएमआर संयंत्र प्लांट की संख्या	0		3.2. पिछले वर्ष की तुलना में उत्पादित साइलेज और टीएमआर की मात्रा में प्रतिशत परिवर्तन (% में)	20
	4. कौशल विकास, तकनीक हस्तांतरण और विस्तार	3.1. आयोजित की गई क्षमता निर्माण कार्यशालाओं/प्रशिक्षण की संख्या	200	4. किसानों,पशु चिकित्सकों/ पैरा पशु चिकित्सकों का उन्नत कौशल समूह	4.1. बेहतर किए गए किसानों/ पशु चिकित्सकों /पैरा पशु चिकित्सकों की संख्या	5,000

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय मांग संख्या 45

1. प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
903.38	**क. खाद्य प्रसंस्करण और परिरक्षण क्षमता सृजन / विस्तार योजना**					
	1. उन्नत खाद्य प्रसंस्करण एवं परिरक्षण क्षमता सृजन	1.1 संचालित खाद्य प्रसंस्करण/परिरक्षण इकाइयों की संख्या	100	**1.** कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में सृजित नये रोजगार अवसरों की संख्या	1.1 खाद्य प्रसंस्करण एवं परिरक्षण /विस्तार के कारण सृजित कुल रोजगार (व्यक्तियों की संख्या)	8,100
		1.2 कुल कृषि-उपज प्रसंस्करण एवं संरक्षण क्षमता में वृद्धि (लाख मीट्रिक टन)	15.75			
	ख. एकीकृत शीत श्रृंखला और मूल्य संवर्धन अवसंरचना योजना					
	1. नई इकाइयों के निर्माण/समर्थन के माध्यम से शीत भंडारण क्षमता में वृद्धि	1.1 स्थापित शीत श्रृंखला इकाइयों की संख्या	21	1. अधिक भंडारण सुविधाएं, अधिक रोजगार और शीत भंडारण सुविधाओं का उपयोग करने वाले किसानों को लाभ	1.1 शीत श्रृंखला इकाइयों की स्थापना के कारण सृजित रोजगार (व्यक्तियों की संख्या)	12,600
		1.2 निर्मित शीत श्रृंखला इकाइयों की प्रसंस्करण क्षमता (एलएमटी में)	10.41		1.2 शीत श्रृंखला इकाइयों के कारण लाभान्वित किसानों की संख्या	2,00,592

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	ग. खाद्य सुरक्षा एवं गुणवत्ता आश्वासन अवसंरचना योजना					
	1. एफटीएल का उन्नयन स्थापित करना[109]	1.1 एनएबीएल[110] मान्यता प्राप्त एफटीएल की संचालित संख्या	16	1. गुणवत्तापूर्ण खाद्य उत्पादन में वृद्धि और एफटीएल को मजबूत बनाना	1.1. परीक्षण दक्षता (समर्थित प्रयोगशालाओं द्वारा परीक्षण किए गए नमूनों का औसत (%)	100
	घ. मानव संसाधन एवं संस्थानों के लिए योजना					
	1. खाद्य क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास कार्यकलापों में वृद्धि	1.1 पूर्ण की गई परियोजनाओं की संख्या	10	1. विकसित नई प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण में वृद्धि	1.1 व्यावसायीकृत नई प्रौद्योगिकियों खाद्य उत्पादों/मशीनों की संख्या	5
		1.2 खाद्य उत्पादों/मशीनरी में विकसित नई प्रौद्योगिकियों की संख्या	5		1.2 सूचकांक पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या	10

[109] *खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला*

[110] *राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	ङ. कृषि प्रसंस्करण क्लस्टर अवसंरचना योजना					
	1. उत्पादन एवं मूल्य संवर्धन क्षमता में वृद्धि, कच्चे माल/प्रौद्योगिकियों (कृषि प्रसंस्करण क्लस्टर) की उपलब्धता	1.1. सामान्य प्रसंस्करण/परिरक्षण एवं अन्य सुविधाओं की स्थापना के माध्यम से विकसित क्षेत्र (एकड में)	54.65	1. उन्नत प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन सुविधाओं (कृषि प्रसंस्करण क्लस्टर) के कारण अधिक उत्पादन, रोजगार और किसान स्तर पर प्रभाव	1.1 कृषि प्रसंस्करण क्लस्टरों के कारण लाभान्वित किसानों की कुल संख्या	63,400
		1.2. कृषि प्रसंस्करण क्लस्टरों से जोड़ी गई कुल प्रसंस्करण/ परिरक्षण क्षमता (मात्रा में) (लाख मीट्रिक टन)	1.11		1.2 कृषि प्रसंस्करण क्लस्टरों में इकाई की स्थापना से सृजित कुल रोजगार (व्यक्तियों की संख्या)	3,876
	च. ऑपरेशन ग्रीन्स					
	1. फसल-उपरांत परिरक्षण/प्रसंस्करण सुविधाओं का सृजन	1.1 निर्मित प्रसंस्करण/संरक्षण सुविधाओं की संख्या (संख्या)	29	1.1. कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में सृजित नए रोजगार अवसरों की संख्या	1.1. प्रसंस्करण/परिरक्षण सुविधाओं की स्थापना के कारण सृजित रोजगार (व्यक्तियों की संख्या)	8,250
		1.2 निर्मित सुविधाओं की	2.24			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		प्रसंस्करण/संरक्षण क्षमता (लाख मीट्रिक टन में)			1.2. प्रसंस्करण/संरक्षण सुविधाओं की स्थापना से लाभान्वित किसानों की संख्या (किसानों की संख्या)	11,000

2. **प्रधान मंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन (पीएम-एफएमई योजना) (सीएसएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
2,000	1. व्यक्तिगत सूक्ष्म उद्यमों को सहायता	1.1. चालू वर्ष में सहायता प्राप्त सूक्ष्म उद्यमों की संख्या	70,000	1. खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में रोजगार के अवसरों में सुधार	1.1 महिलाओं सहित सृजित अतिरिक्त रोजगार अवसर (व्यक्तियों की संख्या)	2,00,000
		1.2. योजना के अंतर्गत सहायता प्राप्त स्वयं सहायता समूह[111] के सदस्यों की संख्या	50,000			
		1.3. योजना के अंतर्गत समर्थित महिला सूक्ष्म उद्यमों की संख्या	50,000			

[111] *स्वयं सहायता समूह*

3. **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,200	1. प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद (आरटीई/आरटीसी/फल एवं सब्जियां/मरीन/मोज़ारेला पनीर/नवीन/जैविक/मिलेट उत्पाद) को निर्मित करने को प्रोत्साहित करना	1.1 समर्थित आवेदकों की संख्या	98	1. आरटीई/आरटीसी/एफ एंड वी/मरीन/मोज़ारेला पनीर/नवीन/जैविक/मिलेट उत्पादों के विनिर्माण को बढ़ाना	1.1 समर्थित आवेदकों द्वारा बिक्री (निर्यात सहित) (करोड़ रुपए में)	1,61,741
					1.2 पिछले वर्ष की तुलना में सहायता प्राप्त आवेदकों द्वारा सृजित अतिरिक्त रोजगार की (संख्या)	16,652
	2. विदेशों में ब्रांडिंग और विपणन के लिए भारतीय ब्रांडों को प्रोत्साहित करना	2.1. समर्थित आवेदकों की संख्या (सं.)	73	2. विदेशों में ब्रांडिंग एवं विपणन के लिए समर्थित भारतीय ब्रांडों के निर्यात को बढ़ाना	2.1. समर्थित भारतीय ब्रांडों के विदेश में निर्यात में पिछले वर्ष की तुलना में % वृद्धि	5[112]

[112] *चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम दो तिमाहियों में निर्यात बिक्री में नकारात्मक वृद्धि को देखते हुए निर्यात लक्ष्य को कम रखा गया है।*

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

1. आरसीएच और स्वास्थ्य प्रणाली सुदृढ़ीकरण, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम और राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के लिए लचीला पूल (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025–26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
30,009.92	**क. एनएचएम के तहत स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ बनाना (सीएसएस)**					
	1. आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) द्वारा प्रदान की जाने वाली प्राथमिक परिचर्या सेवाओं की विस्तृत श्रृंखला	1.1 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (आयुष एएएम को छोड़कर) का प्रतिशत सेवाओं के न्यूनतम 9 विस्तारित पैकेज	88	1. सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों का बेहतर उपयोग	1.1 आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सेवाओं का लाभ उठाने वाले कुल लोगों की संख्या में प्रतिशत वृद्धि (दिनांक 31.03.2025 की तुलना में)	10
		1.2 आयुष्मान आरोग्य मंदिर के कितने % ने विस्तारित पैकेज की सभी 12 सेवाएं शुरू कीं।	85			
	2. सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल सुविधा केंद्रों (जिला अस्पतालों तक) में डीवीडीएमएस[113] का कार्यान्वयन	2.1 डीवीडीएमएस को लागू करने वाले स्वास्थ्य देखभाल सुविधा केंद्रों का प्रतिशत (जिला अस्पतालों तक)	80	2. सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल सुविधा केंद्रों (जिला अस्पतालों तक) में औषधियों की उपलब्धता में वृद्धि	2.1 सीपीएचसी[114] दिशा-निर्देशों के अनुसार 80% या उससे अधिक आवश्यक औषधियां उपलब्ध कराने वाली सुविधा केंद्रों का प्रतिशत	70[115]
	3. आईपीएचएस[116] अनुपालनीय सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केंद्र	3.1 कुल आईपीएचएस अनुपालक सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केंद्र (% में)	20	3. आईपीएचएस अनुपालक सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों की कुल	3.1 आईपीएचएस अनुरूप सुविधा केंद्रों में आईपीडी[117] के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली विशेषज्ञ सेवाओं की संख्या में %	10

[113] *औषधि और टीका वितरण प्रबंधन प्रणाली*

[114] *व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल*

[115] *(दिनांक 30.09.24 की स्थिति के अनुसार- 64)*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025–26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
				संख्या	की वृद्धि	
	4. एनक्यूएएस[118] प्रमाणित सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केंद्र	4.1 एनक्यूएएस प्रमाणित सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों की संख्या में प्रतिशत की वृद्धि	30	4. गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों को सुदृढ़ बनाना	4.1 एनक्यूएएस प्रमाणित सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों में कुल (पुराने + नए) ओपीडी[119] रोगियों में प्रतिवर्ष % की वृद्धि	5
	ख. गैर-संचारी रोग कार्यक्रम: राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (सीएसएस)					
	1. मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का बेहतर कवरेज	1.1 डीएमएचपी[120] इकाईयों में उपलब्ध मनोचिकित्सकों/ प्रशिक्षित एमओ की संख्या।	686	1. मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का बेहतर कवरेज	1.1 जिला मानसिक स्वास्थ्य इकाइयों में मानसिक विकार वाले व्यक्तियों के पंजीकरण के प्रतिशत में वृद्धि	10
	ग. गैर-संचारी रोग कार्यक्रम: राष्ट्रीय अंधता नियंत्रण कार्यक्रम (सीएसएस)					
	1. जिला स्तर और उससे निचले स्तर पर प्राथमिक, मध्यम परिचर्या में प्रदान की गई एनपीसीबी[121] एंड वीआई के तहत नेत्र परिचर्या सेवाएं	1.1 की जाने वाली मोतियाबिंद सर्जरी की संख्या	85,00,000	1. उचित पहल करके मोतियाबिंद, अपवर्तक त्रुटियों और ग्लूकोमा सहित अन्य नेत्र संबंधी रोगों के कारण दृष्टिहीनता के मामलों में कमी लाना। शल्य चिकित्सा	1.1 दृष्टिहीनता की व्यापकता में कमी लाना (2025 तक)	0.25
		1.2 कॉर्निया प्रत्यारोपण के लिए दान किए गए संग्रहित नेत्रों की संख्या	85,000			
		1.3 स्कूल के बच्चों को निःशुल्क	18,00,000			

116 *भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य मानक*

117 *आंतरिक रोगी विभाग*

118 *राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक*

119 *बाह्य रोगी विभाग*

120 *डीएमएचपीः जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम; वर्ष 2025-26 के लिए वार्षिक लक्ष्य 654 में 5 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।*

121 *राष्ट्रीय अंधापन एवं दृष्टि विकलांगता नियंत्रण कार्यक्रम*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025–26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		चश्मों का वितरण		कौशल और सर्जरी की गुणवत्ता में सुधार।		
	घ. रोग नियंत्रण कार्यक्रम: राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (सीएसएस)					
	1. तम्बाकू निवारण सेवाओं की उपलब्धता में वृद्धि	1.1 तम्बाकू निषेध केन्द्रों की अतिरिक्त संख्या	60	1. तम्बाकू निषेध सेवाओं तक पहुंच	1.1 2025-26 में तम्बाकू छोड़ने की सेवाओं का लाभ उठाने वाले लोगों की संख्या	5,00,000
	ड़. रोग नियंत्रण कार्यक्रम: राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम (सीएसएस)					
	1. सर्वेक्षणों में वृद्धि के माध्यम से जी2डी के पता लगाए गए मामलों की संख्या में वृद्धि हुई तथा ऐसे मामलों, का पता लगाना, जिन्हें उपचार दिया गया, की संख्या में वृद्धि	1.1 राष्ट्रीय स्तर पर (%) नए मामलों में ग्रेड II विकलांगता (जी2डी) के नए मामलों की पहचान के प्रतिशत में कमी	1.80	1. कुष्ठ रोग के कारण ग्रेड II विकलांगता (जी2डी) का उन्मूलन	1.1 राष्ट्रीय स्तर पर ग्रेड II विकलांगता (जी2डी) (प्रति मिलियन जनसंख्या पर मामलों की संख्या)	1.20
	च. गैर-संचारी रोग कार्यक्रम: गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) (सीएसएस)					
	1. जिला अस्पतालों में एनसीडी क्लीनिकों की स्थापना	1.1 जिला अस्पतालों में स्थापित एनसीडी क्लीनिकों की संचयी संख्या (एनपी-एनसीडी का फॉर्म 6)	780	1. एनसीडी स्वास्थ्य सेवाओं तक बेहतर पहुंच	1.1 एक वर्ष में एनसीडी क्लिनिक में सेवा प्राप्त करने वाले व्यक्तियों की संख्या (करोड़ में)	10
	2. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर एनसीडी क्लीनिकों की स्थापना	2.1 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्थापित एनसीडी क्लीनिकों की संचयी संख्या (एनपी-एनसीडी का फॉर्म 6)	6,500	2. शीघ्र निदान और उपचार शुरू करना	2.1 उच्च रक्तचाप के उपचाराधीन रोगियों की संचयी संख्या (करोड़ में)	4.50
	3. उच्च रक्तचाप और उच्च रक्त शर्करा के लिए जांच	3.1 उच्च रक्तचाप के लिए जांच किए गए व्यक्तियों की संचयी	40		2.2 मधुमेह के उपचाराधीन रोगियों की संचयी संख्या (करोड़ में)	3

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025–26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		संख्या (करोड़ में) (राष्ट्रीय एनसीडी पोर्टल)				
		3.2 उच्च रक्त शर्करा के लिए जांचे गए व्यक्तियों की संचयी संख्या (करोड़ में) (राष्ट्रीय एनसीडी पोर्टल)	40			
	4. कैंसर की जांच (मुख, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा)	4.1 मुख के लिए जांच किए गए व्यक्तियों की संचयी संख्या (करोड़ में) (राष्ट्रीय एनसीडी पोर्टल)	32	3. कैंसर रोगियों का शीघ्र निदान और उपचार	3.1 एक वर्ष में मुख कैंसर से पीड़ित उपचार प्राप्त करने वाले व्यक्तियों का प्रतिशत।	90
		4.2 स्तन कैंसर के लिए जांच किए गए व्यक्तियों की संचयी संख्या (करोड़ में) (राष्ट्रीय एनसीडी पोर्टल)	18		3.2 एक वर्ष में स्तन कैंसर से पीड़ित उपचार प्राप्त करने वाले व्यक्तियों का प्रतिशत।	90
		4.3 गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर के लिए जांच किये गये व्यक्तियों की संचयी संख्या (करोड़ में)	13		3.3 एक वर्ष में गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर से पीड़ित उपचार प्राप्त करने वाले व्यक्तियों का प्रतिशत।	90
	छ. गैर-संचारी रोग कार्यक्रम: नेशनल ओरल हेल्थ प्रोग्राम (एनओएचपी) (सीएसएस)					
	1. जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के स्तर पर दंत चिकित्सा देखभाल इकाई स्थापित करने के लिए राज्यों को सहायता प्रदान करना।	1.1 जिला अस्पताल और बेसलाइन से नीचे के स्तर पर दंत चिकित्सा देखभाल इकाईयों की संख्या में वृद्धि: (वित्त वर्ष 2024-25) - 9587 दंत चिकित्सा देखभाल इकाईयाँ वित्त वर्ष 2025-26 के लिए संचयी लक्ष्य = 10087 दंत	500	1. जिला अस्पताल और उससे नीचे के अस्पतालों में मरीजों के लिए किफायती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण ओरल हेल्थ केयर की उपलब्धता	1.1 डीएच, सीएचसी, पीएचसी में लाभार्थियों में % परिवर्तन (बेसलाइन - वित्त वर्ष 2023-24 - 2 करोड़) लक्ष्य- वित्त वर्ष 2024-25 = 2.1 करोड़ लाभार्थी (फरवरी 2025 में आगामी राष्ट्रीय समीक्षा से जानकारी ली जाएगी) लक्ष्य वित्त वर्ष 2025-26 = 2.2 करोड़ लाभार्थी	5

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025–26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		चिकित्सा देखभाल इकाइयाँ (बेसलाइन डेटा से लगभग 5% की वृद्धि)				
	2. सभी जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में दंत चिकित्सा ओपीडी में आने वाले तम्बाकू उपयोगकर्ताओं को तम्बाकू छोड़ने की सेवाएं प्रदान करना	2.1 दंत चिकित्सकों की क्षमता निर्माण के लिए जिलों की संख्या में वृद्धि। आधार रेखा (वित्त वर्ष 2024-25) = 116 जिले वित्त वर्ष 2025-26 के लिए संचयी लक्ष्य = 216 जिले	100	2. तम्बाकू निवारण सेवाओं की उपलब्धता और तम्बाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाना (पिछले वर्ष को आधार वर्ष माना जा सकता है)	2.1 तम्बाकू निषेध ओपीडी में लाभार्थियों के % परिवर्तन: डीएच और सीएचसी (वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आधार रेखा स्थापित करने हेतु राज्यों से डेटा मांगा जा रहा है)	5
					2.2 तम्बाकू निषेध ओपीडी में लाभार्थियों के % परिवर्तन: डेंटल कॉलेज- (वित्त वर्ष 2024-25 में 9 माह के लिए 12 डेंटल कॉलेजों से डेटा = 4617 लाभार्थी बेसलाइन डेटा: वित्त वर्ष 2024-25 से 1 वर्ष के लिए 12 डेंटल कॉलेजों से अनुमानित डेटा = 6140 लाभार्थी) लक्ष्य वित्त वर्ष 2025-26 = 6447 लाभार्थी (वित्त वर्ष 2024-25 के बेसलाइन डेटा से 5% की वृद्धि)	5
	ज. गैर-संचारी रोग कार्यक्रम: राष्ट्रीय बधिरता निवारण एवं नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीपीसीडी) (सीएसएस)					
	1. समुदाय में सक्रिय जांच	1.1 जांचे गए लोगों की संख्या	13,00,000	1. सुनने की समस्या वाले रोगी की सर्जरी, फिलिंग हेयरिंग ऐड और पुनर्वास संबंधी उपायों द्वारा प्रबंधन करना।	1.1 पुनर्वास के लिए रेफर किए गए व्यक्तियों की संख्या	1,50,000
					1.2 की गई सर्जरी की संख्या	50,000
					1.3 उन व्यक्तियों की संख्या जिन्हें श्रवण यंत्र लगाए गए	20,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025–26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	झ. गैर-संचारी रोग कार्यक्रम: फ्लोरोसिस की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीपीसीएफ) (सीएसएस)					
	1. सभी स्थानिकमारी जिलों में कार्यक्रम कार्यकलापों का प्रभावी कार्यान्वयन	1.1 एनपीपीसीएफ कार्यकलापों को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने वाले जिलों की संख्या	163	1. फ्लोराइड प्रभावित जिलों में नमूना (यूरिन और जल) परीक्षण में सुधार	1.1 फ्लोराइड प्रभावित जिलों में परीक्षण किये जा रहे जल संबंधी नमूनों की संख्या	2,00,000
					1.2 फ्लोराइड प्रभावित जिलों में परीक्षण किये जा रहे यूरिन संबंधी नमूनों की संख्या	1,25,000
	ञ. आरएमएनसीएच+एन (प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल, किशोर स्वास्थ्य और पोषण) (सीएसएस)					
	1. गर्भवती महिलाओं को 180 आयरन फोलिक एसिड (आईएफए) की गोलियां दी गईं	1.1 एएनसी के लिए पंजीकृत गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत जिन्हें 180 आयरन फोलिक एसिड (आई.एफ.ए.) की गोलियां दी गईं (लक्षित जनसंख्या में निर्धारित समय अवधि में एएनसी के लिए पंजीकृत गर्भवती महिलाओं की संख्या शामिल है)	95	1. मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) में कमी लाना	1.1 प्रति एक लाख जीवित जन्मों पर मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर)	91[122]
	2. प्रसव के दौरान दक्ष प्रसव परिचारिका की सेवाएं प्राप्त करने वाली गर्भवती महिलाओं का	2.1 कुल रिपोर्ट किए गए प्रसवों में एसबीए (दक्ष जन्म परिचारिका) प्रसवों का %	95	2. एसएनसीयू में बीमार नवजात शिशुओं की अधिक संख्या के प्रबंधन से नवजात शिशुओं की	2.1 एसएनसीयू में अधिक संख्या में बीमार नवजात शिशुओं के प्रबंधन से नवजात मृत्यु दर में कमी आएगी।	17[123]

[122] *(यह लक्ष्य वर्ष 2023 के एसडीजी लक्ष्य 70 एमएमआर प्रति 100,000 जीवित जन्म के अनुरूप है)*

[123] *प्रति 1000 जीवित जन्म- (अनुमान अंतिम एसआरएस 2020 रिपोर्ट पर वार्षिक गिरावट दर पर आधारित हैं)*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025–26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	प्रतिशत (संस्थागत + घरेलू)			मृत्यु दर में कमी आएगी		
	3. विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई (एसएनसीयू) सफल डिस्चार्ज दर	3.1 एसएनसीयू सफल डिस्चार्ज दर (% में)	80	3. 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर में कमी (यू5एमआर)	3.1 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर (यू5एमआर) में कमी (स्रोत: एसआरएस, ओआरजीआई) (प्रति 1000 जीवित जन्म) प्रतिवर्ष[124]।	27[125]
	4. पूर्ण टीकाकरण कवरेज	4.1 पूर्ण टीकाकरण कवरेज का प्रतिशत (एफआईसी) (% में)	>90			
	ट. रोग नियंत्रण कार्यक्रम: राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (सीएसएस)					
	1. मलेरिया: मामलों की संख्या में कमी	1.1 पिछले वर्ष में इसी अवधि की तुलना में मामलों की संख्या में % की कमी (कैलेंडर वर्ष में कमी)%	12	1. मलेरिया: एपीआई में कमी	1.1 कैलेंडर वर्ष के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एपीआई में % कमी (एपीआई की गणना कैलेंडर वर्ष के अनुसार की गई है)	12
	2. कालाजार: पिछले वर्ष की तुलना में पीकेडीएल मामलों में कमी	2.1 पिछले वर्ष की तुलना में पीकेडीएल मामलों में % की कमी	10	2. कालाजार: कालाज़ार (केए) के उन्मूलन सीमा स्तर को बनाए रखना	2.1 ब्लॉक स्तर पर <1 केए मामले/10000 जनसंख्या की रिपोर्ट करने वाले स्थानिक ब्लॉकों की संख्या।	633
	3. कालाजार: प्रभावित गांवों में इनडोर अवशिष्ट स्प्रे के दो दौर पूरे	3.1 प्रत्येक दौर में आईआरएस जनसंख्या कवरेज का % (पहला और दूसरा दौर)	>85	3. कालाजार: कालाजार के मामलों की दर में कमी	3.1 ब्लॉक स्तर पर 1/10000 से कम जनसंख्या में केए का वार्षिक प्रभाव	0.75
	4. जापानी इंसेफेलाइटिस (जेई) / राष्ट्रीय स्तर पर नियमित टीकाकरण में	4.1 जेई के लिए नियमित टीकाकरण के अंतर्गत कवर की गई पात्र जनसंख्या का प्रतिशत	90	4. जेई: जेई मामलों में कमी	4.1 मामलों की संख्या/1 लाख जनसंख्या	<0.5

[124] *स्रोतः नमूना पंजीकरण प्रणाली*

[125] *प्रति 1000 जीवित जन्मों पर- (अनुमान अंतिम एसआरएस 2020 रिपोर्ट पर वार्षिक गिरावट दर पर आधारित हैं)*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025–26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	जेई का कवरेज	(कैलेंडर वर्ष 2023 के लिए				
	5. लिम्फेटिक फाइलेरियसिस: एलएफ स्थानिकमारी जिलों में बड़े पैमाने पर दवा देना (एमडीए) द्वारा आबादी का संरक्षण	5.1 पात्र जनसंख्या में एमडीए देखने वाले एलएफ स्थानिकमारी वाले जिलों की संख्या	159	5. लिम्फैटिक फाइलेरियसिस रोकने के लिए टीएएस (ट्रांसमिशन असेसमेंट: सर्वेक्षण) जांच के माध्यम से स्थानिकमारी जिलों में एमडीए	5.1 एलएफ स्थानिक जिलों की संख्या एमएफ दर <1% द्वारा सत्यापित (लक्ष्य 2030 एसडीजी के अनुरूप)	160
				6. डेंगू: केस मृत्यु दर (सीएफआर)	6.1 कैलेंडर वर्ष (2025) के लिए केस मृत्यु दर (सीएफआर) (% में)	<0.5
	ठ. रोग नियंत्रण कार्यक्रम: राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम (सीएसएस)					
	1. हेपेटाइटिस सी - कार्यक्रम के तहत कार्यात्मक उपचार स्थलों की रिपोर्टिंग	1.1 हेपेटाइटिस सी के उपचार पर रखे गए नए रोगियों की संख्या	1,00,000	1. हेपेटाइटिस-सी रोगियों का उपचार पूरा करना।	1.1 एचसीवी[126] का उपचार पूरा करने वाले नए रोगियों की संख्या	90,000
	2. हेपेटाइटिस बी-कार्यक्रम के तहत कार्यात्मक उपचार स्थलों की	2.1 हेपेटाइटिस बी के उपचार पर रखे गए नए रोगियों की संख्या	40,000	2. हेपेटाइटिस बी का प्रबंधन	2.1 हेपेटाइटिस बी के उन रोगियों की संख्या जिन्हें उपचार दिया गया था, वे उपचार जारी रख रहे हैं[127] (यह मानते हुए कि	1,16,400

[126] *यह मानते हुए कि 10 प्रतिशत रोगी मृत्यु आदि के कारण इलाज नहीं ले पाएंगे।*

[127] *यह मानते हुए कि वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के अंत तक लगभग 80,400 रोगी हेपेटाइटिस बी का उपचार जारी रखेंगे। साथ ही वित्त वर्ष 2025-26 में हेपेटाइटिस बी के लिए उपचार शुरू करने वाले रोगियों की संख्या में से प्रत्येक तिमाही में अनुवर्ती उपचार, मृत्यु आदि द्वारा 10% की कमी को भी ध्यान में रखा गया है।*

*[वित्त वर्ष 2025-26 में प्रत्येक तिमाही के लिए संचयी लक्ष्य है (Q1: 80400 + 9000 = 89,400; Q2: 80400 + 2*9000 = 98,400; Q3: 80400 + 3*9000 = 107,400; Q4: 80400 + 4*9000 = 116,400)]*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025–26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	रिपोर्टिंग				10% रोगियों का अनुवर्ती उपचार नहीं हो पाएगा, मृत्यु हो जाएगी, आदि)	
	ड. रोग नियंत्रण कार्यक्रम: राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) (सीएसएस)					
	1. अधिसूचित टीबी के मामलों में वृद्धि	1.1 वर्ष 2024 से अधिसूचित टीबी मामलों (सार्वजनिक और निजी) के प्रतिशत में वृद्धि	10	1. दवा संवेदनशील टीबी मामलों में बेहतर उपचार सफलता दर	1.1 2024 की तुलना में दवा संवेदनशील टीबी मामलों की डेल्टा उपचार सफलता दर (%)	2
	2. टीबी के मामलों में रिफाम्पिसिन प्रतिरोध का शीघ्र पता लगाने की कवरेज में वृद्धि	2.1 2024 से कम से कम रिफाम्पिसिन के लिए उपलब्ध वैध दवा संवेदनशीलता परीक्षण परिणामों में प्रतिशत वृद्धि	5	2. कुल अधिसूचित टीबी मामलों में से आरआर/एमडीआर-टीबी मामलों के प्रतिशत में कमी	2.1 कुल अधिसूचित टीबी मामलों में से आरआर/एमडीआर-टीबी मामलों का प्रतिशत	<3
	ढ. गैर-संचारी रोग कार्यक्रम: राष्ट्रीय वृद्धजन स्वास्थ्य परिचर्या कार्यक्रम (एनपीएचसीई) (सीएसएस)					
	1. जिला अस्पताल और उससे नीचे के स्तर पर प्राथमिक और द्वितीयक जराचिकित्सा स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं का प्रावधान	1.1 जराचिकित्सा ओपीडी सेवा वाले जिला अस्पतालों की संख्या	730	1. जरा चिकित्सा रोगियों को जिला अस्पतालों में उपचार प्रदान किया गया।	1.1 जिला चिकित्सालय में ओपीडी सेवाओं में आने वाले जरा चिकित्सा लाभार्थियों की संख्या में प्रतिशत वृद्धि (पिछले वर्ष से)	10
		1.2 जराचिकित्सा आईपीडी सेवाओं वाले जिला अस्पतालों की संख्या	675		1.2 जिला चिकित्सालय में जराचिकित्सा इन-पेशेंट केयर (आईपीडी) में भाग लेने वाले लाभार्थियों की संख्या में प्रतिशत वृद्धि (पिछले वर्ष से)	10
	ण. राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन (सीएसएस)					

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025–26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	1. शहरी भारत में स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में सुधार	1.1 यूपीएचसी-एएएम[128] एवं यूएएएम के प्रतिशत जिनमें सेवाओं की विस्तारित श्रृंखला के 9 पैकेज शुरू किए। आधार वर्ष - 2024-25 आधार मूल्य : 31 मार्च 2025 तक की उपलब्धि ।	75	1. शहरी भारत में जन स्वास्थ्य सुविधाकेंद्रों का बढ़ता उपयोग	1.1 यूपीएचसी-एएएम और यूएएएम में सेवाओं का लाभ उठाने वाले कुल लोगों की संख्या में % वृद्धि, आधार वर्ष - 2024-25 आधार मूल्य: 31 मार्च 2025 तक की उपलब्धि।	35
		1.2 यूपीएचसी-एएएम एवं यूएएएम का प्रतिशत जिनमें सेवाओं की विस्तारित श्रृंखला के 12 पैकेज शुरू किए। आधार वर्ष - 2024-25 आधार मूल्य : 31 मार्च 2025 तक की उपलब्धि।	75			

2. आयुष्मान भारत – प्रधान मन्त्री जन आरोग्य योजना (एबी - पीएमजेएवाई) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
9,406	1. अस्पताल में भर्ती	1.1 अस्पताल में भर्ती (लाखों में)	300	1. अस्पताल में भर्ती होने की दर	1.1 प्रति लाख लाभार्थियों पर कुल अस्पताल में भर्ती की संख्या (पिछले वर्ष की तुलना में % वृद्धि)	5

[128] *शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र – आयुष्मान आरोग्य मंदिर*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	2. लाभार्थी की पहचान	2.1 व्यक्तिगत लाभार्थियों को जारी किए गए आयुष्मान कार्डों की अनुमानित संख्या (लाखों में)	300	2. योजना के तहत अधिकारों के बारे में जागरूक लाभार्थी परिवार	2.1 उपचार प्राप्त करने वाले 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों की संख्या में प्रतिशत परिवर्तन	5
	3. दावा भुगतान	3.1 प्रस्तुत दावा राशि (करोड़ में)	22,000	3. लागत भुगतान व्यय की बचत में वृद्धि	3.1 उपचार प्राप्त करने वाले विशिष्ट लाभार्थियों की संख्या में प्रतिशत परिवर्तन	5
	4. पैनलबद्ध अस्पताल	4.1 वर्ष के दौरान पैनलबद्ध सार्वजनिक एवं निजी अस्पतालों की कुल संख्या	1,800	4. योजना के अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं तक पहुंच में वृद्धि	4.1 पैनलबद्ध अस्पतालों की संख्या में संचयी रूप से % परिवर्तन (कुल संचयी से अधिक वृद्धि)[129]	8

3. स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा के लिए मानव संसाधन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,675	**क. सरकारी मेडिकल कॉलेजों (स्नातक सीटों) और कैंद्रीय सरकार के स्वास्थ्य संस्थानों को सुदृढ़ बनाना (सीएसएस)**					
	1. सरकारी मेडिकल कॉलेजों (स्नातक सीटों) और	1.1 एमबीबीएस सीटें बढ़ाने के लिए स्वीकृत मेडिकल कॉलेजों	10[130]	1. डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाने के	1.1 एमबीबीएस सीटों की कुल संख्या में हुई वृद्धि	500[131]

[129] पैनलबद्ध अस्पतालों की संख्या में कुल संचयी वृद्धि हुई है।

[130] राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार से पावती डीपीआर/प्रस्ताव प्राप्त होने के आधार पर लक्ष्य भिन्न हो सकता है।

[131] राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार से पावती डीपीआर/प्रस्ताव प्राप्त होने के आधार पर लक्ष्य भिन्न हो सकता है।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य संस्थानों को सुदृढ़ करना	की संख्या		लिए		
	ख. नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना (जिला अस्पतालों का उन्नयन) (सीएसएस)					
	1. नये मेडिकल कॉलेजों की स्थापना (जिला अस्पतालों का उन्नयन)	1.1 स्थापित मेडिकल कॉलेजों की कुल संख्या	15	1. चिकित्सा सीटों की उपलब्धता बढ़ाना	1.1 योजना के अंतर्गत जोड़ी गई स्नातक सीटों की संख्या	1,500
		1.2 आकांक्षी जिलों में स्थापित मेडिकल कॉलेजों की संख्या।	5		1.2 आकांक्षी जिलों में योजना के तहत जोड़ी गई स्नातक सीटों की संख्या	500

4. प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (सीएस+सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
4,758.45[132]	**क. एबीएचआईएम - एनएचएम (सीएस+सीएसएस)**					
	1. 10 उच्च फोकस वाले राज्यों अर्थात बिहार, झारखंड, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश,	1.1 10 उच्च फोकस राज्यों के ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के सहयोग के तहत निर्मित उप स्वास्थ्य केंद्रों की	3,500	1. महामारी के विरूद्ध तैयारी के लिए जन स्वास्थ्य	1.1 11 उच्च फोकस वाले राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में कार्यरत बीपीएचयू की संख्या	200

132 *सीएसएस के लिए 4,200 करोड़ रु. और सीएस के लिए 528.45 करोड़ रु.*

वितीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	पश्चिम बंगाल, असम मणिपुर और मेघालय के ग्रामीण क्षेत्रों में भवन रहित उप स्वास्थ्य केंद्र के लिए अवसंरचना सहयोग	संख्या ।		बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करना		
	2. आयुष्मान भारत-आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम)द्वारा शहरी क्षेत्रों में प्रदान की जाने वाली प्राथमिक परिचर्या सेवाओं की विस्तृत श्रृंखला-	2.1 शहरी क्षेत्रों में संचालित शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर (शहरी-एएएम) की संख्या -	2,000		1.2 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में कार्यरत आईपीएचएल की संख्या	150
	3. 11 उच्च फोकस वाले राज्यों अर्थात असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, संघ राज्य क्षेत्र -जम्मू और कश्मीर, झारखंड, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में ब्लॉक स्तर पर जन स्वास्थ्य सेवा को सुदृढ़ करना	3.1 11 उच्च फोकस वाले राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में निर्मित ब्लॉक जन स्वास्थ्य इकाईयों की संख्या	500			
		3.2 योजना के अंतर्गत निर्मित एकीकृत जिला जन स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं की संख्या	200			
	ख. एबीएचआईएम-एनसीडीसी (सीएस+सीएसएस)					

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	1. प्रयोगशालाओं का सुदृढ़ीकरण	1.1 बीएसएल-3 प्रयोगशालाओं के लिए साइट चिन्हित करना	7	1. परियोजना पूर्व-कार्यकलापों को पूरा किया जाना	1.1 उन प्रयोगशालाओं की संख्या जिनकी स्थापना की प्रक्रिया शुरू की गई है।	7
		1.2 समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करना	7		1.2 जैव सुरक्षा और जैव संरक्षा में हितधारकों का क्षमता निर्माण	10
		1.3 कार्यान्वयन एजेंसी की पहचान करना	7			
		1.4 आयोजित की गई जैव सुरक्षा और जैव संरक्षा प्रशिक्षण	1			
	2. एनसीडीसी का सुदृढ़ीकरण एवं उन्नयन	2.1 उन प्रभागों की संख्या जिन्होंने उपस्करों का प्रापण किया है और कौशल-सुधार आधारित प्रशिक्षण आयोजित किए हैं।	2	2. उभरते संक्रमणों के प्रकोप और निगरानी के लिए उन्नत कौशल सेट	2.1 एनसीडीसी द्वारा जांचे गए/सहायता प्राप्त प्रकोपों की संख्या	10
	3. क्षेत्रीय एनसीडीसी की स्थापना	3.1 क्षेत्रीय एनसीडीसी स्थलों पर मानव संसाधन और बुनियादी ढांचे की आवश्यकताओं का मूल्यांकन पूरा करना	2		2.2 महामारी विज्ञान, जन स्वास्थ्य घटनाओं की निगरानी में बेहतर कौशल वाले मानव संसाधन की संख्या	250
	4. महानगर पीएच निगरानी इकाई	4.1 स्थापित कार्यनिष्पादन बेंचमार्क को पूरा करने वाली महानगरीय निगरानी इकाइयों (एमएसयू) की संख्या	20		2.3 ऐसे रोगों/संक्रमणों/स्वास्थ्य संबंधी घटनाओं की संख्या जिनके लिए परीक्षण में बढ़ोतरी हुई है।	1

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	5. निगरानी का सुदृढ़ीकरण	5.1 राज्य शाखाओं की संख्या जिनके लिए साइट को अंतिम रूप दिया गया है।	2	3. परियोजना-पूर्व कार्यकलापों का पूरा किया जाना	3.1 ऐसे क्षेत्रीय एनसीडीसी की संख्या जहां वित्तीय वर्ष में विनिर्माण कार्यकलाप शुरू किए गए है	2
	6. आईएचआईपी का विस्तार	6.1 सार्वजनिक क्षेत्र के आरयू और निजी क्षेत्र के अस्पतालों से बेहतर रिपोर्टिंगः सार्वजनिक क्षेत्र की आईडीएसपी निगरानी इकाईयां जो आईएचआईपी के माध्यम से तत्समय डेटा की रिपोर्टिंग कर रही हैं (प्रतिशत में)।	75		3.2 प्रकाशित रिपोर्टों की संख्या	1
		6.2 सार्वजनिक क्षेत्र के आरयू और निजी क्षेत्र के अस्पतालों से बेहतर रिपोर्टिंगः आईएचआईपी के माध्यम से तत्समय डेटा की रिपोर्टिंग करने वाले निजी क्षेत्र के चिन्हित अस्पताल (प्रतिशत में)।	40	4. महानगरीय पीएच निगरानी इकाई	4.1 एमएसयू[133] से आईडीएसपी-आईएचआईपी पर रिपोर्टिंग प्रतिशत	100
				5. परियोजना-पूर्व कार्यकलापों का पूरा किया जाना	5.1 उन एनसीडीसी शाखाओं की संख्या जिनका डिजाइन और विनिर्माण किया गया	13
				6. आईएचआईपी का विस्तार	6.1 वर्ष 2025-26 के लिए आईएचआईपी लक्ष्यों के अनुसारः पी फॉर्म की रिपोर्टिंग प्रतिशतता	84

[133] *एकीकृत रोग निगरानी परियोजना-एकीकृत स्वास्थ्य सूचना पोर्टल*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
					6.2 वर्ष 2025-26 के लिए आईएचआईपी लक्ष्यों के अनुसारः एल फॉर्म की रिपोर्टिंग प्रतिशतता	85
	ग. एबीएचआईएम – आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ (सीएस+सीएसएस)					
	1. स्वास्थ्य आपातकालीन संचालन केंद्रों (एचईओसी) के माध्यम से स्वास्थ्य परिचर्या क्षेत्र कमान और नियंत्रण प्रतिक्रिया को सुदृढ़ करना	1.1 उन राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या जिन्होंने एचईओसी के लिए स्थलों की पहचान की है तथा इसके लिए मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।	15	1. आपातकालीन/आपदा प्रतिक्रिया के लिए बेहतर कनेक्टिविटी	1.1 स्थापित स्वास्थ्य आपातकालीन संचालन केन्द्रों की संख्या।	3

5. राष्ट्रीय एड्स और एसटीडी नियंत्रण कार्यक्रम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
3,442.77	1. एचआईवी के लिए जांच	1.1 एचआईवी के लिए परीक्षण की गई कुल जनसंख्या (लाख में)	601	1. एआरटी पर पीएलएचआईवी और वायरली सप्रेस्ड	1.1 पीएलएचआईवी प्रतिशत, जो एआरटी पर है और वायरली सप्रेस्ड है	>=95
	2. एआरटी पर एचआईवीग्रस्त लोग (पीएलएचआईवी)[134]	2.1 एआरटी पर पीएलएचआईवी की संख्या (संचयी) (लाख में)	20			

[134] एचआईवी रोग से ग्रसित लोग।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	3. एआरटी पर पीएलएचआईवी के बीच वायरल लोड परीक्षण	3.1 एआरटी पर पीएलएचआईवी के बीच आयोजित वायरल लोड परीक्षण की संख्या (लाख में)	18.50			

6. **प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
2,200	1. एम्स और एम्स जैसे संस्थानों तक अभिगम्यता वृद्धि	1.1 कुल बिस्तरों की संख्या (20 एम्स में)	15,100	1. बेहतर विशिष्ट स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा शिक्षा	1.1. नए एम्स में आईपीडी रोगी (प्रति वर्ष) (18 एम्स के लिए)	5,30,000
		1.2 विशेषज्ञता विभागों की कुल संख्या (20 एम्स में)	550		1.2. नए एम्स में ओपीडी के मामले (प्रतिवर्ष) (18 एम्स के लिए)	1,10,00,000
		1.3 यूजी सीटों की संख्या (20 एम्स में)	2,250		1.3. मेडिकल स्नातकों की संख्या (एम्स में किसी भी वर्ष में अध्ययनरत स्नातक)	1,000
		1.4 पीजी सीटों की संख्या (18 एम्स में)	1,450			
		1.5 नर्सिंग (बी.एससी.) सीटों की	1,100			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		संख्या (13 एम्स में)				
	2. सुलभ/विश्वसनीय तृतीयक चिकित्सा देखभाल और चिकित्सा शिक्षा की उपलब्धता	2.1. जीएमसी में बनाए गए सुपर स्पेशियलिटी विभागों की संख्या: 75 जीएमसी[135] में सुपर स्पेशियलिटी विभाग।	497			
		2.2. जीएमसी में सुपर स्पेशियलिटी बेड्स की कुल संख्या (लगभग 75 जीएमसी में अस्पताल के बेड्स)।	17,278			
	3. चिकित्सा विज्ञान में अनुसंधान में वृद्धि	3.1. प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या	2,500			

7. परिवार कल्याण योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
620.48	**क. प्रतिशत पीपीआईयूसीडी[136] स्वीकारिता दर (सीएस)**					
	1. पीपीआईयूसीडी स्वीकारिता दर में वृद्धि	1.1 पीपीआईयूसीडी स्वीकारिता दर (% में)	28	1. कुल प्रजनन दर (टीएफआर) को 2.1 से नीचे बनाए रखना	1.1 कुल प्रजनन दर (टीएफआर) बनाए रखना	2.1
	ख. निःशुल्क आपूर्ति और सामाजिक विपणन योजना के तहत एफपी वस्तुओं की आपूर्ति (सीएस)					
	1. परिवार नियोजन कार्यक्रम की	1.1 आवश्यकता की तुलना में	899.95	1. परिवार नियोजन	1.1 अधिप्राप्ति की तुलना में	899.95

---

[135] *सरकारी मेडिकल कॉलेज*

[136] *पोस्टपार्टम इंट्रायूटेराइन कंट्रासेप्टिव डिवाइस*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	आवश्यकता के अनुसार नि:शुल्क आपूर्ति (एफएस) और सामाजिक विपणन (एसएम) गर्भ निरोधकों की खरीद और उनका वितरण	खरीदे गए एफएस कंडोम की संख्या – एमपीसी (लाख में)		कार्यक्रम की आवश्यकता को पूरा करने के लिए गर्भनिरोधको की आपूर्ति	राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को आपूर्ति किए गए एफएस कंडोम की संख्या – (लाख में)	
		1.2 आवश्यकता की तुलना में खरीदे गए एफएस ओसीपी की संख्या - लाख साइकिल	788.71		1.2 अधिप्राप्ति की तुलना में राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को आपूर्ति किए गए एफएस ओसीपी की संख्या - लाख साइकिल	788.71
		1.3 आवश्यकता की तुलना में खरीदे गए एफएस आईयूसीडी[137] की संख्या - लाख पीस	133.44		1.3 अधिप्राप्ति की तुलना में राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को आपूर्ति किए गए एफएस आईयूसीडी की संख्या - लाख पीस	133.44
		1.4 आवश्यकता की तुलना में खरीदे गए एफएस ट्यूबल रिंग्स की संख्या (लाख जोड़े)	30.48		1.4 अधिप्राप्ति की तुलना में राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को आपूर्ति की गई एफएस ट्यूबल रिंग्स की संख्या (लाख जोड़े)	30.48
		1.5 आवश्यकता की तुलना में खरीदी गई एफएस ईसी[138] गोलियों की संख्या (लाख पैक)	165.67		1.5 अधिप्राप्ति की तुलना में राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों आपूर्ति की गई एफएस ईसी गोलियों की संख्या (लाख	165.67

[137] *इंट्रायूटेराइन कंट्रासेप्टिव डिवाइस*

[138] *इमरजेंसी कंट्रासेप्टिव पिल (निःशुल्क आपूर्ति)*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
					पैक)	
		1.6 आवश्यकता की तुलना में खरीदी गई एफएस पीटी[139] किटों की संख्या (लाख किट)	400.56		1.6 अधिप्राप्ति की तुलना में राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को आपूर्ति की गई एफएस पीटी किट की संख्या (लाख	400.56
		1.7 आवश्यकता की तुलना में खरीदे गए एफएस इंजेक्टेबल गर्भनिरोधकों की संख्या (लाख खुराक)	71.75		1.7 अधिप्राप्ति की तुलना में राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को आपूर्ति किए गए एफएस इंजेक्टेबल गर्भनिरोधकों की संख्या	71.75
		1.8 आवश्यकता की तुलना में खरीदी गई एफएस सेंटक्रोमन गर्भनिरोधक गोलियों की संख्या - लाख स्ट्रिप्स	290.69		1.8 अधिप्राप्ति की तुलना में राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को आपूर्ति की गई एफएस सेंटक्रोमन गर्भनिरोधक गोलियों की संख्या (लाख स्ट्रिप्स)	290.69
		1.9 आवश्यकता की तुलना में खरीदे गए एसएम कंडोम की संख्या - एमपीसीएस	457.00		1.9 अधिप्राप्ति की तुलना में एसएमओ[140] को आपूर्ति किए गए एसएम कंडोम की संख्या - एमपीसीएस	457.00
		1.10 आवश्यकता की तुलना में खरीदे गए एसएम ओसीपी	71.00		1.10 अधिप्राप्ति की तुलना में एसएमओ को आपूर्ति किए	71.00

[139] *गर्भावस्था परीक्षण किट (निःशुल्क आपूर्ति)*

[140] *वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		की संख्या- लाख साइकिल			गए एसएम ओसीपी की संख्या - लाख साइकिल	
	ग. स्वस्थ नागरिक अभियान (एसएनए) (सीएस)					
	1. आयोजित आईईसी अभियानों/कार्यक्रमों/ की संख्या	1.1 आयोजित किए गए अभियानों की वास्तविक संख्या	160	1. आईईसी परिणाम राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों/कार्यक्रमों के परिणामों में परिलक्षित होते हैं	1.1 जागरूकता स्तर और स्वास्थ्योन्मुख व्यवहार में वृद्धि	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[141]
	घ. जनसंख्या अनुसंधान केंद्र (पीआरसी) (सीएस)					
	1. पीआरसी द्वारा पूरा किए गए शोध अध्ययनों की संख्या	1.1 पीआरसी द्वारा पूर्ण किए गए शोध अध्ययनों की संख्या	85	1. अनुसंधान अध्ययनों का प्रसार और चयनित अध्ययनों के संग्रह का विमोचन	1.1 प्रसार कार्यशाला का आयोजन	1
	ङ. स्वास्थ्य सर्वेक्षण और अनुसंधान अध्ययन (सीएस)					
	1. एनएचएफएस-6 में डेटा प्रोसेसिंग करवाना और फेक्टशीट/रिपोर्ट तैयार करवाना	1.1 तैयार की गई चरण- राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों स्तर फेक्टशीट की संख्या	18	1. एनएचएफएस-6 रिपोर्ट का प्रसार करना	1.1 सार कार्यशाला का आयोजन	1
		1.2 राष्ट्रीय रिपोर्ट तैयार करना	1			

[141] *जागरूकता स्तर और स्वास्थ्योन्मुखी व्यवहार में वृद्धि*

1. पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल इनहांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) स्कीम

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में	निर्गम 2025-26				परिणाम 2025-26			
2025-26	निर्गम		संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम		संकेतक	लक्ष्य 2025-26
4,000	1	मांग प्रोत्साहन के माध्यम से एक्सईवी के सहज अभिग्रहण को बढ़ावा देना	1.1 इलेक्ट्रिक बसों पर मांग प्रोत्साहन के माध्यम से वर्ष में समर्थित (तैनाती) एक्सईवी की कुल संख्या	4,964	1	इलेक्ट्रिक वाहनों के अभिग्रहण में वृद्धि	1.1 वर्तमान वर्ष में बेचे गए नए वाहनों की कुल संख्या में एक्सईवी का प्रतिशत	7
			1.2 इलेक्ट्रिक थ्री व्हीलर अर्थात् इलेक्ट्रिक तिपहिया (एल5) पर मांग प्रोत्साहन के माध्यम से वर्ष में समर्थित एक्सईवी (तैनाती) की कुल संख्या	55,000				
			1.3 इलेक्ट्रिक थ्री व्हीलर (ई-रिक्शा और ई-कार्ट) –ई तिपहिया ((ई-रिक्शा और ई-कार्ट) पर मांग प्रोत्साहन के माध्यम से वर्ष में समर्थित एक्सईवी की संख्या (तैनाती)	7,000	2	उत्सर्जन में कमी और ईंधन की बचत में बढ़ोतरी	2.1 वाहन की उपयोग अवधि तक बचाया गया कुल ईंधन(बिलियन लीटर में)	3.96[142]
			1.4 इलेक्ट्रिक दुपहिया वाहनों - ई-दुपहिया वाहन पर मांग प्रोत्साहन के माध्यम से वर्ष में समर्थित (तैनाती) की कुल संख्या–	11,15,120			2.2 वाहन की उपयोग अवधि तक कुल उत्सर्जन बचत (CO_2 में मिलियन टन)	5.28[143]
			1.5 वर्ष में इलेक्ट्रिक एम्बुलेंसों पर मांग प्रोत्साहनों के माध्यम से समर्थित	लक्ष्य निर्धारित नहीं				

[142] *ईवी के जीवन चक्र के लिए लगभग 3.96 बिलियन लीटर ईंधन की बचत।*

[143] *ईवी की उपयोग अवधि तक CO_2 में लगभग 5.28 मिलियन टन की कमी।.*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		(परिनियोजित) एक्सईवी की संख्या	किए जा सकते [144]			
		1.6 इलेक्ट्रिक ट्रकों और अन्य उभरते ईवी पर मांग प्रोत्साहन के माध्यम से वर्ष में समर्थित (परिनियोजित) एक्सईवी की कुल संख्या	500			
	2 सभी 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों, राज्यों की राजधानियों, प्राधिकृत स्मार्ट शहरों और राजमार्गों पर चार्जिंग स्टेशनों का नेटवर्क स्थापित करना	2.1 शहरों और राजमार्गों में अब तक स्थापित चार्जिंग स्टेशनों की संख्या	500[145]			
	3 परीक्षण एजेंसियों का उन्नयन	3.1 आईसीएटी, नैट्राक्स, जीएआरसी, एआरएआई के उन्नयन पर खर्च की गई राशि	120			

2. **ऑटोमोबाइल्स और ऑटो कंपोनेंट्स उद्योग के लिए उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
2,818.85	1. ऑटोमोबाइल्स और ऑटो कंपोनेंट्स उद्योग में घरेलू	1.1 चैंपियन ओईएम[146] सेगमेंट के अंतर्गत अनुमोदित पात्र कंपनियों की कुल संख्या	18	1. ऑटोमोटिव क्षेत्र में वैश्विक रूप से	1.1 योजना के अंतर्गत अनुमोदित आवेदकों द्वारा की गई वृद्धिशील बिक्री	52,880

[144] *मूल उपकरण विनिर्माता द्वारा डिजाइन स्थिति के तहत ई एम्बुलेंस*

[145] *ईवी सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए 500 करोड़ रुपये वितरित किए जाएंगे।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में	निर्गम 2025-26				परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम		संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		उत्पादन के लिए प्रोत्साहन के माध्यम से उद्योगों को प्रोत्साहित करना।	1.2 कंपोनेंट चैंपियन सेगमेंट के तहत स्वीकृत पात्र कंपनियों की कुल संख्या	64	प्रतिस्पर्धी कंपनियों का उदय	(करोड़ रुपये में)	
	2.	उन्नत ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी (एएटी) उत्पादों के क्षेत्रों में लागत अशक्तताओं पर काबू पाना, पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं का निर्माण करना, मजबूत आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण करना।	2.1 चैंपियन ओईएम सेगमेंट के अंतर्गत अनुमोदित आवेदकों द्वारा किया जाने वाला संचयी निवेश	4,292			
			2.2 कॉम्पोनेंट चैंपियन सेगमेंट के अंतर्गत अनुमोदित आवेदकों द्वारा किया जाने वाला संचयी निवेश	2,744			
			2.3 वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक योजना के तहत वितरित किए जाने वाले कुल प्रोत्साहन	336.77			

[146] *मूल उपकरण विनिर्माता*

1. स्वतंत्रता सेनानी (पेंशन और अन्य लाभ) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
588.00	1. स्वतंत्रता सेनानियों और उनके परिवारों के लिए धनराशि का समय पर वितरण	1.1. लाभार्थियों को धनराशि संवितरित करने में औसत विलंब (दिनों की संख्या)	0[147]	1. स्वतंत्रता सेनानियों, शहीदों एवं उनके परिवारों को वित्तीय सहायता एवं सम्मान प्रदान करना	1.1. पेंशन पाने वाले लोगों की संख्या, श्रेणी के अनुसार (स्वतंत्रता सेनानी, विधवा/विधुर, अविवाहित पुत्री)	13,997

[147] *पेंशन वितरण में कोई देरी नहीं होती क्योंकि पेंशन बैंकों द्वारा वितरित की जाती है*

पुलिस विभाग

1. पुलिस अवसंरचना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
4,379.20	**क. केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की भवन परियोजनाएं**					
	1. सीएपीएफ के लिए सुरक्षा, प्रशासनिक अवसंरचना और अस्पतालों का प्रावधान करना	1.1. निर्मित बैरकों की संख्या	344	1. निर्मित अवसंरचना का प्रचालन	1.1. बैरकों में रहने वाले सीएपीएफ कर्मियों की औसत संख्या	15,727
					1.2. प्रचालन योग्य कार्यालय भवनों की संख्या	100
		1.2. निर्मित कार्यालय भवनों की संख्या	196		1.3. अस्पताल की अधिभोग दर (%)	78.45
		1.3. योजना के अंतर्गत संचालित अस्पतालों की संख्या.	18		1.4. इन-पेशेंट (विभागीय रोगी) में मरीजों की संख्या	9,997
	2. सीएपीएफ के लिए आवासीय भवनों का प्रावधान	2.1. निर्मित मकानों की संख्या	6,766		1.5. चालू वित्त वर्ष में असम राइफल के अस्पतालों में डॉक्टर-रोगी अनुपात	1:150
					1.6. चालू वित्त वर्ष में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के अस्पतालों में डॉक्टर-रोगी अनुपात	1:999

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
					1.7. चालू वित्त वर्ष में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के अस्पतालों में डॉक्टर-रोगी अनुपात	3:117
					1.8. चालू वित्त वर्ष में सशस्त्र सीमा बल के अस्पतालों में डॉक्टर-रोगी अनुपात	1:560
				2. आवासीय भवनों का प्रचालन	2.1. घरों और क्वार्टरों में रहने वाले सीएपीएफ कर्मियों की संख्या	6,766
	ख. पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो					
	1. प्रशिक्षण के लिए सुरक्षा और प्रशासनिक बुनियादी ढांचे का प्रावधान करना	1.1. (सीडीटीआई) चंडीगढ़ के बुनियादी ढांचे के स्थानांतरण और विकास पूरा होने का %	100	1. पुलिस कर्मियों का क्षमता वर्धन	1.1. पुलिस कर्मियों की संख्या जिनका कौशल उन्नयन किया गया है	1,625
	2. पुलिस कर्मियों का प्रशिक्षण	2.1. पुलिस कर्मियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	65			
	ग. नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो					
	1. दिल्ली, अमृतसर और बैंगलोर में कार्यालय परिसर का	1.1 निर्मित नये कार्यालय भवन की	4[149]	1. कार्यालय-सह-आवासीय परिसरों और कार्यालय	1.1 कार्यालय- सह- आवासीय परिसरों की अधिभोग दर (%)[150]	100

[149] *जोधपुर (2014 में पूरा किया गया), इंदौर (2021 में पूरा किया गया), भुवनेश्वर (2023 में पूरा किया गया) में कार्यालय परिसर कुल – 3 (ओसी) और अमृतसर में 1 (एक) ओसी (निर्माण कार्य की शुरुआत: 2023)*

[150] *अधिभोग में कार्यालय-सह-आवासीय परिसरों की संख्या/निर्मित कार्यालय-सह-आवासीय परिसरों की संख्या 5/5*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	प्रावधान करना।	संख्या(संचयी)[148]		परिसरों का संचालन	1.2 निर्मित कार्यालय भवनों की अधिभोग दर (%)[151] (संचयी)	100
	2. कार्यालय सह आवासीय परिसर का प्रावधान करना (i) गुवाहाटी (ii) लखनऊ (iii) इम्फाल (iv) अमृतसर (v) गोरखपुर (vi) रायपुर	2.1. निर्मित भवनों (कार्यालय सह आवासीय परिसर) की संख्या (संचयी)	5[152]		1.3 कुल जोन कार्यालयों की संख्या की तुलना में चालू जोन कार्यालयों का प्रतिशत	30[153]
	घ. पुलिस अवसंरचना: दिल्ली पुलिस					
	1. स्वयं के कार्यालय भवन का प्रावधान सुनिश्चित करना	1.1. निर्माणाधीन कार्यालय भवनों की संख्या	5	1. पुलिस स्टेशन जिनका अपना भवन है	1.1. स्वयं के भवन वाले पुलिस थानों की संख्या[154]	5
		1.2. कार्यालय भवनों का प्रतिशत	67.41[7]			

[148]कुल स्वीकृत परियोजनाएं- 3 (अमृतसर और दिल्ली में ओसी और गुवाहाटी में ओसीआर का निर्माण कार्य चल रहा है)। बेंगलूरू में ओसी और लखनऊ, इम्फाल, अमृतसर, गोरखपुर और रायपुर में ओसीआर का निर्माण कार्य वर्ष 2025-26 में शुरू किया जाएगा

[151] अधिभोग में कार्यालय परिसरों की संख्या/निर्मित कार्यालय परिसरों की संख्या 4/4

[152] कार्यालय-सह आवासीय परिसर का निर्माण अहमदाबाद में (वर्ष 2021 में पूरा हुआ), चंडीगढ़ में (वर्ष 2022 में पूरा हुआ), चेन्नई और कोलकाता में (वर्ष 2015 में पूरा हुआ) कुल -4 ओसीआर और 1 (एक) ओसीआर गुवाहाटी में (निर्माण कार्य की शुरुआत: वर्ष 2023) संचयी मूल्य की गणना वर्ष 2014 से की गई।

[153] यह % वर्ष 2025-26 तक ओसी के निर्माण पर आधारित है। कुल जोन की संख्या = 30। वर्ष 2024-25 तक 9 कार्यालय संचालित (कोलकाता, चेन्नई, जोधपुर, अहमदाबाद, चंडीगढ़, इंदौर, भुवनेश्वर, अमृतसर और गुवाहाटी)

[154] दिल्ली पुलिस में कुल 224 पुलिस स्टेशन हैं, जिनमें से 146 अपने स्वयं के भवन से काम कर रहे हैं, यानी 65.17%, 5 और पुलिस स्टेशनों के निर्माण के बाद यह बढ़कर 67.41% हो जाएगा।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	2. आवासीय अवसंरचना का प्रावधान सुनिश्चित करना	2.1. निर्माणाधीन स्टाफ क्वार्टरों की संख्या[155]	192	2. बेहतर आवास संतुष्टि स्तर	2.1. आवास संतुष्टि स्तर (%)	16.34
	ङ. मादक पदार्थों पर नियंत्रण के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सहायता[156]					
	1. राज्य की राज्य ड्रग कानून प्रवर्तन एजेंसियों को मजबूत बनाना	1.1. खरीदे गए ड्रोन सहित निगरानी उपकरणों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते	1. बेहतर निगरानी के लिए राज्यों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना	1.1. रिपोर्ट किए गए मामलों की संख्या की तुलना में आरोप पत्र दायर किए गए मामलों का प्रतिशत	90
		1.2. मौके पर परीक्षण के लिए खरीदे गए रसायन आधारित दवा परीक्षण किटों की संख्या।	300			
		1.3. प्रवर्तन के लिए खरीदे गए उपकरणों की संख्या जैसे आईटी उपकरण, कैमरा, सीसीटीवी, के9 आदि।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते	2. डीएलईए की परिचालन दक्षता में सुधार करना	2.1. चालू वित्त वर्ष में माल एवं गुणवत्ता जब्ती के मामले	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.4. खतरनाक सामग्री और जब्त दवाओं को नष्ट करने के लिए खरीदे गए अन्य उपकरणों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते	3. अवैध फसल की खेती के विनाश के लिए बेहतर समन्वय सुनिश्चित करना	3.1. अवैध फसल खेती क्षेत्र के विनाश में वृद्धि का %	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते

[155] दिल्ली पुलिस के 86,134 कर्मचारियों के लिए 13,881 क्वार्टर हैं और आवास संतुष्टि 16.11% है, 192 क्वार्टरों के निर्माण के बाद आवास संतुष्टि बढ़कर 16.34% हो जाएगी।

[156] वित्त वर्ष 2025-26 के लक्ष्यों का मात्रात्मक विवरण नारकोटिक्स नियंत्रण के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सहायता योजना के तहत पिछले वर्ष के लिए राज्य सरकारों से प्राप्त अनुरोधों पर आधारित है। इस मैट्रिक्स के तहत वास्तविक उपलब्धियाँ चालू वित्त वर्ष के लिए राज्य सरकारों से प्राप्त वास्तविक प्रस्तावों के अधीन हैं।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		1.5. मालखाना /ई-मालखाना वाले जिलों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते	4. चोरी को रोकना तथा जब्त दवाओं का उचित भंडारण और निपटान सुनिश्चित करना	4.1 जब्त दवाओं का निपटान किए जाने वाले मामलों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
	2. राज्यों को सहायता प्रदान करके गैर-प्रवर्तन कार्यकलापों के लिए राज्य क्षमताओं को मजबूत करना	2.1. अवैध फसल की खेती को नष्ट करने के लिए उपकरण/मशीनरी की खरीद	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते	5. जिलों में मालखाना स्थापित करने के परिणाम प्राप्त करना	5.1 मालखाने में संग्रहीत जब्त दवाओं की मात्रा	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
				6. वैकल्पिक आजीविका उपलब्ध कराकर किसानों को अवैध फसल खेती से दूर करना	6.1 अवैध फसल की खेती का नष्ट किया गया क्षेत्र	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
					6.2 पिछले वित्त वर्ष की तुलना में चालू वित्त वर्ष में अवैध फसल खेती के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में कमी की सीमा	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते

2. महिला सुरक्षा योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
960.12	**क. फोरेंसिक क्षमताओं के आधुनिकीकरण की योजना**					
	1. सभी जिलों में मोबाइल फोरेंसिक वैन (एमएफवी) की तैनाती	1.1. तैनात मोबाइल फोरेंसिक वैन (एमएफवी) की संख्या	80	1. जनशक्ति का ज्ञान एवं उन्नयन	1.1. प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	3,500

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	2. फोरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में शैक्षिक सुविधाओं का विस्तार	2.1. एनएफएसयू द्वारा स्थापित सीओई की संख्या	2			
	ख. आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली (सीएस)					
	1. सभी जिलों में एकीकृत आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली का कवरेज[157]	1.1. ईआरएसएस पहुंच प्रदत्त जिलों की संख्या	43	1. कुशल सेवा वितरण[158]	1.1. कार्रवाई योग्य कॉल का प्रतिशत[159]	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
					1.2. औसत प्रतिक्रिया समय	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते

[157] कुल762 जिलों, में से 719 में ईआरएसएस पहुंच उपलब्ध है। गुजरात(26) और छत्तीसगढ(17) में कुछ 43 जिलों में यह लंबित है।

[158] प्राप्त होने वाली कॉलों की संख्या का पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता अतः वार्षिक लक्ष्य प्रदान नहीं किया जा सकता। साथ ही, प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का प्रतिक्रिया समय अलग-अलग होता है, इसलिए समग्र भारत हेतु केवल औसत प्रदान किया जा सकता है।

*[159] कार्रवाई योग्य कॉलो का प्रतिशत निकालने का सूत्र कार्रवाई योग्य कॉलों की कुल संख्या *100/ प्राप्त कॉलों की कुल संख्या*

1. एमआरटीएस[160] और मेट्रो परियोजनाएं (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
34157.28	1. नई मेट्रो लाइनों का निर्माण	1.1. वित्त वर्ष 2025-26 में चालू की जाने वाली नई मेट्रो लाइनों की लंबाई (किमी में)।	136.27	1. शहर के शहरी क्षेत्रों में बेहतर गतिशीलता	1.1. नई मेट्रो लाइनों के चालू होने से दैनिक सवारियों में वृद्धि (लाख में)	10.45
	2. क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ) लाइन का निर्माण।	2.1. वित्त वर्ष 2025-26 में चालू की जाने वाली नई आरआरटीएस लाइनों की लंबाई (किमी में)।	40.15	2. इससे दिल्ली-एनसीआर में भीड़भाड़ और प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी	2.1. चालू की गई नई आरआरटीएस लाइनों की औसत दैनिक सवारियां (लाख में)	1
	3. मेट्रो और गैर-मेट्रो परियोजनाओं के लिए शहरी परिवहन में परिवहन योजना और क्षमता निर्माण	3.1. परियोजनाओं को क्रियान्वित करने वाली एजेंसियों की क्षमता बढ़ाने के लिए आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण सत्रों की संख्या	7	3. बेहतर प्रशिक्षित क्षमता (मानव संसाधन)	3.1. प्रशिक्षित अधिकारियों की संख्या	175

[160] एसबीई में उल्लिखित वास्तविक नाम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) है। दोनों परियोजनाएं एमआरटीएस और मेट्रो परियजनाएं समान प्रकृति की हैं।

2. प्रधानमंत्री आवास योजना – शहरी (पीएमएवाई-यू) 2.0 (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
23,294	**क. प्रधान मंत्री आवास योजना (पीएमएवाई-यू) 2.0- (अन्य घटक- बीएलसी[161], एएचपी[162] और एआरएच[163] (सीएसएस)**					
	1. लाभार्थी-आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण/संवर्धन- शहरी क्षेत्रों में ईडब्ल्यूएस[164] आवास की बेहतर आपूर्ति	1.1. वर्तमान वित्तीय वर्ष में निर्मित आवासों (बीएलसी) की संख्या (लाख में)	1.1	1. पुनर्वास और सम्मानजनक रहन-सहन के कारण शहरी आबादी के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए बेहतर जीवन-स्तर	1.1. आवास के माध्यम से सम्मानजनक जीवन जीने तथा बुनियादी नागरिक सुविधाओं से लाभान्वित होने वाले लाभार्थियों की संख्या (लाख में)	57
	2. साझेदारी में किफायती आवास – शहरी क्षेत्रों में ईडब्ल्यूएस आवास की बेहतर आपूर्ति	2.1. वर्तमान वित्तीय वर्ष में निर्मित आवासों (एएचपी) की संख्या (लाख में)	1.5		1.2. सौंपी गई आवास इकाइयों (एएचपी) की संख्या (लाख में)	1.125
	3. विकसित किए गए किफायती किराया आवास (एआरएच)	3.1. वर्तमान वित्तीय वर्ष में विकसित किराये की आवासीय इकाइयों (एआरएच) की संख्या (लाख में)	0.2		1.3. सौंपी गई आवास इकाइयों (एआरएच) की संख्या (लाख में)	0.15
		3.2. सार्वजनिक निजी साझेदारी के माध्यम से मौजूदा सरकारी वित्तपोषित खाली आवासों का उपयोग करके	0.01		1.4. झुग्गीवासियों के लिए स्वीकृत आवास इकाईयों की संख्या (लाख में)	2

161 *लाभार्थी स्तर निर्माण*

162 *साझेदारी में किफायती आवास*

163 *किफायती मकान किराया*

164 *आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		निजी क्षेत्र द्वारा विकसित एआरएच की संख्या (लाख में)				
		3.3. सार्वजनिक निजी साझेदारी के माध्यम से सार्वजनिक एजेंसियों द्वारा विकसित एआरएच की संख्या (लाख में)	0.19	2. शहरी गरीबों/प्रवासियों के लिए किराये के आवासों की उपलब्धता में वृद्धि	2.1. विकसित किराये की आवासीय इकाइयों के कुल लाभार्थी (एआरएचसी[165]) (लाख में)	0.6
	ख. प्रधान मंत्री आवास योजना-शहरी 2.0-ब्याज सब्सिडी योजना (आईएसएस) (सीएस)					
	1. गृह ऋण के इच्छुक ईडब्ल्यूएस, एलआईजी[166] और एमआईजी[167] लाभार्थियों को ब्याज सब्सिडी प्रदान करना	1.1. ईडब्ल्यूएस/ एलआईजी लाभार्थियों की (संख्या लाख में)	7	1. शहरी लाभार्थियों (ईडब्ल्यूएस/एलआईजी/एमआईजी) के लिए पर्याप्त भौतिक और सामाजिक अवसंरचना के साथ पानी, रसोई, बिजली और शौचालय जैसी अवसंरचनाओं के साथ सभी मौसमों के अनुकूल स्वयं के स्वामित्व वाली आवास इकाइयां प्रदान करके सम्मानजनक रहन-सहन।	1.1. सौंपे गए आवासों की दर (%)	90
		1.2. एमआईजी लाभार्थियों की संख्या (लाख में)	3		1.2. प्रदान किए गए आवास से लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या	42
		1.3. वित्तीय वर्ष में ईडब्ल्यूएस/एलआईजी के लिए कुल सब्सिडी की राशि (करोड़ रु. में)	2,500			
		1.4. वित्तीय वर्ष में एमआईजी के लिए कुल सब्सिडी की राशि (करोड़ रुपए में)	1,000			

[165] *किफायती किराया मकान परिसर*

[166] *न्यूनतम आय समूह*

[167] *मध्यम आय समूह*

3. अमृत (अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
10,000	1. शहरी परिवारों के लिए कार्यात्मक जल नल कनेक्शन का प्रावधान	1.1. वित्त वर्ष में नए जल नल कनेक्शन पाने वाले घरों/मौजूदा कनेक्शनों की मरम्मत वाले परिवारों की संख्या [168](लाखों में)	10	1. मिशन के सभी शहरों में आवासीय परिसरों में जल आपूर्ति के लिए सार्वभौमिक कवरेज प्रदान करना	1.1. जल नल कनेक्शन पाने वाले शहरी परिवारों का %[169]	73.5
	2. सीवेज उपचार क्षमता में सुधार, तथा अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण/पुनः उपयोग क्षमता में सुधार	2.1. वित्तीय वर्ष में स्थापित और प्रचालित अतिरिक्त सीवेज उपचार क्षमता (एमएलडी में[170])	1,000	2. सीवर कनेक्शन या सेप्टेज प्रबंधन सुविधा वाले घरों का प्रतिशत (%)	2.1. सीवर कनेक्शन या सेप्टेज प्रबंधन सुविधा वाले घरों का प्रतिशत (%)[171]	50
		2.2. वित्तीय वर्ष में स्थापित और प्रचालित अतिरिक्त अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण क्षमता (एमएलडी में)	50		2.2. 500 अमृत शहरों में[172] उत्पन्न मलजल के मुकाबले एसटीपी[173] और मल कीचड़ प्रबंधन के माध्यम से उपचारित कुल मलजल का %	45

168 मिशन का ध्यान जल सुरक्षा, तथा बुनियादी ढांचे के विस्तार/पुनर्वास पर केन्द्रित है, ताकि उन कनेक्शनों को पुनर्जीवित किया जा सके, जो अन्यथा उपयोग में नहीं थे/निष्क्रिय हो गए थे।

169 *सीडब्ल्यूबीपी में राज्यों द्वारा प्रदान की गई अमृत योजना में 2021 तक आधार जनसंख्या के अनुसार*

170 *मेगालीटर प्रतिदिन*

171 इसमें सेप्टिक टैंक वाले घर शामिल हैं, जिनमें एफएसटीपी/सह-उपचार आदि के अभाव में उचित निपटान सुविधाओं से जुड़े नहीं सेप्टिक टैंक भी शामिल हैं। % केवल शहरों द्वारा प्रदान की गई अमृत शहरों में 2021 तक आधार जनसंख्या के अनुसार

172 सीडब्ल्यूबीपी में राज्यों द्वारा प्रदान की गई अमृत योजना में 2021 तक आधार जनसंख्या के अनुसार

173 *सीवेज शोधन संयंत्र*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		2.3. वित्तीय वर्ष में स्थापित और प्रचालित कुल मल कीचड़ उपचार क्षमता (केएलडी में)	150		2.3. वित्त वर्ष में उपयोग किया गया पुनर्चक्रित जल (एमएलडी में विकसित)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[174]
		2.4. वित्तीय वर्ष में परिवारों को प्रदान किए गए नए घरेलू सीवरेज कनेक्शन मरम्मत के मामलों की संख्या (लाख में)[175]	8	3. मिशन शहरों में गुणवत्तापूर्ण हरित स्थानों की उपलब्धता में वृद्धि	3.1. उन्नत हरित आवरण एवं विकसित गुणवत्तापूर्ण सार्वजनिक स्थल/पार्कों का क्षेत्रफल (एकड़ में)	175
		2.5. सेप्टेज प्रबंधन सुविधा प्राप्त परिवारों की संख्या (लाखों में)	2	4. यूएलबी[176] के वित्तीय संसाधनों को बढ़ाने के लिए नगरपालिका पदाधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों की क्षमता में वृद्धि	4.1. वित्तीय वर्ष में म्यूनिसिपल बांड जारी करने वाले शहरों की संख्या	2
	3. हरित क्षेत्रों और पार्कों का विकास	3.1. विकसित नये या उन्नत हरित क्षेत्रों/पार्कों की संख्या	43		4.2. बाजार वित्त (नगरपालिका बांड सहित) तक पहुंच के माध्यम से अतिरिक्त संसाधन जुटाना (करोड़ रुपए में)	200
	4. क्षमता निर्माण और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) का उपयोग	4.1. प्रशिक्षण पाने वाले नगरपालिका पदाधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों की संख्या	2,000	5. शहरों में बेहतर जल प्रबंधन और संरक्षण	5.1 वित्तीय वर्ष में नवीकृत किये गये जल निकायों का कुल क्षेत्रफल (एकड़ में)	1,415
	5. जल निकायों का नवीकरण एवं	5.1. नवीकृत जल निकायों की संख्या (परियोजनाओं की संख्या)	116			

[174] *शहरों से पुनः उपयोग संबंधी डेटा एकत्र कर उसका सत्यापन किया जा रहा है। सत्यापन पूरा होने के बाद लक्ष्य तय किए जाएंगे।*

[175] *मिशन का ध्यान जल सुरक्षा, तथा बुनियादी ढांचे के विस्तार/पुनर्वास पर केन्द्रित है, ताकि उन कनेक्शनों को पुनर्जीवित किया जा सके, जो अन्यथा उपयोग में नहीं थे/निष्क्रिय हो गए थे।*

[176] *शहरी स्थानीय निकाय*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	जल संरक्षण एवं प्रबंधन को बढ़ावा देना	5.2. वित्तीय वर्ष में प्रबंधन और जागरूकता के लिए किए गए आयोजनों की संख्या	6			
		5.3. भाग लेने वाले लोगों की संख्या	500			

4. **स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) – शहरी (सीएसएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
5,000	1. व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों का निर्माण	1.1. वित्तीय वर्ष में निर्मित घरेलू शौचालय कुल सीटों की संख्या	2,00,000	1. सभी वैधानिक शहर खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ)[177] हो गए	1.1. वित्तीय वर्ष में ओडीएफ+ प्रमाणन प्राप्त वाले वैधानिक शहरों का प्रतिशत (नए प्रमाणन के साथ-साथ पुराने प्रमाणन की स्थिति भी बरकरार रखी गई)[178]	90
	2. सामुदायिक/सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण	2.1. वित्तीय वर्ष में निर्मित सामुदायिक शौचालय सीटों की कुल संख्या	20,000	2. बेहतर अपशिष्ट प्रबंधन और प्रसंस्करण क्षमता	2.1. कुल उत्पन्न अपशिष्ट में से संसाधित अपशिष्ट का औसत %	80

[177] *खुले में शौच*

[178] *ग्रामीण निकायों के शहरी नगर पालिका में परिवर्तित होने के कारण समय-समय पर पूरे देश में शहरी स्थानीय निकायों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। चूंकि ऐसी नगर पालिकाओं के लिए संख्या का संकेत एसबीएम के तहत वास्तविक प्रगति को प्रतिबिंबित नहीं करेगा, इसलिए, ऐसे शहरों का प्रतिशत पैरा संख्या 1.1, 4.1 और 4.2 में दर्शाया गया है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		2.2. वित्तीय वर्ष में निर्मित सार्वजनिक शौचालयों की कुल संख्या	25,000		2.2. 3 स्टार जीएफसी (कचरा मुक्त शहर) प्रमाण पत्र वाले शहरों का प्रतिशत	10
	3. घर-घर जाकर ठोस अपशिष्ट संग्रहण में सुधार	3.1. वित्तीय वर्ष में 100% डोर टू डोर कलेक्शन वाले वार्डों का प्रतिशत	98	3. भूमि की पुनः प्राप्ति	3.1. पुनः प्राप्त भूमि का क्षेत्रफल	6,500
	4. कम्पोस्ट के माध्यम से गीले अपशिष्ट का प्रसंस्करण	4.1. कम्पोस्ट संयंत्रों की स्थापित क्षमता[179] (टीडीपी[180] में)	4,600	4. उपयोग किये गये जल का बेहतर प्रबंधन	4.1 वित्तीय वर्ष में जल+ प्रमाणन वाले वैधानिक शहरों की संख्या (नए प्रमाणन के साथ-साथ पुराने प्रमाणन को बनाए रखने वाले) %[181]	12
	5. बायो-मीथेनेशन के माध्यम से गीले अपशिष्ट का प्रसंस्करण	5.1. सीबीजी (संपीड़ित बायोगैस) संयंत्रों की स्थापित क्षमता[182](टीडीपी में)	500		4.2 वित्तीय वर्ष में ओडीएफ++ प्रमाणन प्राप्त वैधानिक शहरों की संख्या (नए प्रमाणित और साथ ही पुराने	45

[179] *राज्यों/यूएलबी द्वारा परियोजनाओं को पूरा करने के अधीन।*

[180] *टन प्रतिदिन*

[181] *ग्रामीण निकायों के शहरी नगर पालिका में परिवर्तित होने के कारण समय-समय पर पूरे देश में शहरी स्थानीय निकायों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। चूंकि ऐसी नगर पालिकाओं के लिए संख्या का संकेत एसबीएम के तहत वास्तविक प्रगति को प्रतिबिंबित नहीं करेगा, इसलिए, ऐसे शहरों का प्रतिशत पैरा संख्या 1.1, 4.1 और 4.2 में दर्शाया गया है।*

[182] *राज्यों/यूएलबी द्वारा परियोजनाओं को पूरा करने के अधीन।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	6. सामग्री पुनर्प्राप्ति सुविधाओं (एमआरएफ) के माध्यम से शुष्क अपशिष्ट प्रसंस्करण।	6.1. एमआरएफ की स्थापित क्षमता[184] (टीडीपी में)	6,500		प्रमाणन की स्थिति बनाए रखने वाले) %[183]	
	7. निर्माण और विध्वंस (सी एंड डी) अपशिष्ट प्रसंस्करण	7.1. 154 शहरों में सी एंड डी अपशिष्ट प्रसंस्करण की स्थापित क्षमता (टीडीपी में)	1,500			
	8. विरासत अपशिष्ट उपचार	8.1. उपचारित विरासत अपशिष्ट की मात्रा[185] (एलएमटी)	300			
	9. सीवेज शोधन संयंत्र (एसटीपी)/एसटीपी सह मल-कीचड़ शोधन संयंत्र (एफएसपी) का निर्माण	9.1. निर्मित सीवेज शोधन संयंत्रों (एसटीपी) सह मल-कीचड़ शोधन संयंत्रों (एफएसटीपी) की क्षमता (एमएलडी में)[186]	500			

[184] राज्यों/यूएलबी द्वारा परियोजनाओं को पूरा करने के अधीन।

[183] ग्रामीण निकायों के शहरी नगर पालिका में परिवर्तित होने के कारण समय-समय पर पूरे देश में शहरी स्थानीय निकायों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। चूंकि ऐसी नगर पालिकाओं के लिए संख्या का संकेत एसबीएम के तहत वास्तविक प्रगति को प्रतिबिंबित नहीं करेगा, इसलिए, ऐसे शहरों का प्रतिशत पैरा संख्या 1.1, 4.1 और 4.2 में दर्शाया गया है।

[185] राज्यों/यूएलबी द्वारा परियोजनाओं को पूरा करने के अधीन।

[186] राज्यों/यूएलबी द्वारा परियोजनाओं को पूरा करने के अधीन।

5. आवासीय (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,034.45	1. सामान्य पूल आवास का निर्माण	1.1. वित्तीय वर्ष में स्वीकृत आवासीय इकाइयों की संख्या	0	1. सरकारी कर्मचारियों के लिए आवास की उपलब्धता बढ़ाना।	1.1. वित्तीय वर्ष[187] में आवंटित और कर्मचारियों को सौंपी गई नई आवास इकाइयों का प्रतिशत	100
		1.2. वित्तीय वर्ष में पूर्ण की गई आवासीय परियोजनाओं की संख्या	2		1.2. निवास की मांग के अंतर की पूर्ति का प्रतिशत (प्रतिशत में)	11.05
		1.3. वित्तीय वर्ष में वितरित आवासीय इकाइयों की संख्या	2,396			

6. गैर - आवासीय (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
2,922.55	1. सामान्य पूल आवास अवसंरचना का विकासात्मक निर्माण	1.1. वित्तीय वर्ष में स्वीकृत कार्यालय स्थान का क्षेत्रफल (वर्ग मीटर में)	0	1. केंद्र सरकार के विभागों और मंत्रालयों के लिए कार्यालय स्थानों की उपलब्धता बढ़ाना।	1.1. वित्तीय वर्ष में निर्मित कुल कार्यालय/गैर-आवासीय स्थानों में से सौंपे गए कार्यालय/गैर-आवासीय स्थानों का प्रतिशत	100
		1.2. वित्तीय वर्ष में पूर्ण की गई गैर-आवासीय परियोजनाओं की संख्या	3		1.2. कार्यालय परिसर की मांग में अंतर की पूर्ति (कुल मांग के प्रतिशत	60.56

[187] *यह मानते हुए कि सभी आवंटित इकाईयां भर ली जाएंगी।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		1.3. वित्तीय वर्ष में केंद्र सरकार के विभागों और मंत्रालयों को वितरित कार्यालय स्थानों का क्षेत्रफल (वर्ग मीटर में)	5,02,436			

7. **पीएम- ई-बस सेवा (सीएसएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,310	1. शहरी बस सेवाओं का विस्तार	1.1. वित्तीय वर्ष में स्वीकृत बसों की संख्या	500	1. सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में बसों की संख्या में वृद्धि	1.1. वित्तीय वर्ष में संचालित बसों की कुल संख्या	1,000
	2. बिहाइंड द मीटर पावर अवसंरचना का विकास	2.1. बिहाइंड द मीटर पावर अवसंरचना के विकास के लिए स्वीकृत प्रस्तावों की संख्या	5	2. इलेक्ट्रिक बस संचालन के लिए बिहाइंड द मीटर पावर अवसंरचना का निर्माण	2.1. बीटीएम[188] विद्युत अवसंरचना के साथ चालू किये गये डिपो की संख्या	20
	3. सिविल डिपो अवसंरचना का विकास	3.1. सिविल डिपो अवसंरचना के लिए स्वीकृत प्रस्तावों की संख्या	5	3. इलेक्ट्रिक बस संचालन के लिए नागरिक अवसंरचना का सृजन	3.1. सिविल अवसंरचना के साथ चालू किये गये डिपो की संख्या	30

[188] *मेट्रो के पीछे।*

1. प्रसारण अवसंरचना एवं नेटवर्क विकास (बीआईएनडी) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
500	1. प्रसारण अवसंरचना का डिजिटलीकरण आधुनिकीकरण और विस्तार	1.1. उन्नत किए जाने वाले/जोड़े जाने वाले प्रोडक्शन सेट-अप की संख्या (स्टूडियो, समाचार यूनिट और ओबी[189] वैन सहित)	79	1. उत्पादन और प्लेआउट सुविधाओं को सुदृढ़ बनाना/बढ़ाना	1.1. उत्पादन एवं प्लेआउट सुविधाओं का % बढ़ाया/नवीनीकृत किया जाएगा	61.71
		1.2. उन्नत किए जाने वाले/जोड़े जाने वाले सैटेलाइट अपलिंक स्टेशनों की संख्या, अर्थ स्टेशन, डीएसएनजी[190] यूनिटों और डीटीएच अर्थ स्टेशनों सहित)	14	2. डीटीएच प्लेटफॉर्म की टीवी चैनल क्षमता में वृद्धि।	2.1. डीटीएच प्लेटफॉर्म के टीवी चैनलों की संख्या में % वृद्धि।	89.83
		1.3. एचडी में अपग्रेड/स्थानांतरित किए जाने वाले मौजूदा उत्पादन/ट्रांसमिशन केंद्रों की संख्या	11	3. दर्शकों को वास्तविकता के साथ बेहतर दृश्य अनुभव प्रदान करना	3.1. एचडी कंटेंट (उत्पादन एवं प्रसारण) में उन्नत/स्थानांतरित किए जाने वाले केंद्रों की % वृद्धि	26.19
		1.4. दूरस्थ, जनजातीय और वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के लिए खरीदे जाने वाले डीटीएच सेट टॉप बॉक्स (एसटीबी) की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[191]			

189 *आउटसाइड ब्रॉडकॉस्टिंग*

190 *डिजिटल सेटेलाइट न्यूज गैदरिंग*

191 *स्कीम में परिवर्तन किया गया है और अब इसे प्रत्यक्ष लाभ अंतरण मोड में क्रियान्वित किया जा रहा है। इसलिए एसटीबी की खरीद पर विचार नहीं किया जा रहा है*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	2. रणनीतिक/राष्ट्रीय हित के क्षेत्रों सहित सार्वजनिक सेवा प्रसारण की पहुंच के विस्तार के लिए नए एफएम ट्रांसमीटरों की स्थापना	2.1. स्थापित किये जाने वाले एफएम ट्रांसमीटर की कुल संख्या (1 किलोवाट, 5 किलोवाट और 10 किलोवाट)	22	4. पूरे भारत में कवरेज, सीमावर्ती क्षेत्रों और ग्रामीण आबादी पर विशेष जोर	4.1. जम्मू-कश्मीर और एलओसी सीमा सहित देश में एफएम स्थलीय प्रसारण के कवरेज क्षेत्र में % वृद्धि	3
	3. जारी परियोजनाओं के तहत सीमा क्षेत्र कवरेज को सुदृढ़ करना	3.1. जम्मू-कश्मीर और एलओसी सीमाओं पर स्थापित किए जाने वाले 5 किलोवाट मोबाइल एफएम ट्रांसमीटरों की कुल संख्या	5			

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

1. **प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना (सीएसएस)**[192]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
वर्ष 2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
8259.85[193]	**क. त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम और राष्ट्रीय परियोजनाएं**					
	1. प्रमुख एवं मध्यम सिंचाई परियोजना विकास।	1.1 निर्मित सिंचाई क्षमता। (लाख हेक्टेयर में)	2.5	1. कृषि उत्पादकता में वृद्धि।	1.1 परियोजना कमांड क्षेत्र में फसल की तीव्रता। (% में)	150
		1.2 निर्मित सिंचाई क्षमता के विरुद्ध उपयोग की गई कुल सिंचाई क्षमता (लाख हेक्टेयर में)	2.25			
	ख. कमांड क्षेत्र विकास एवं जल प्रबंधन					
	1. कमांड क्षेत्र विकास।	1.1 विकसित किया जाने वाला क्षेत्र। (लाख हेक्टेयर में)	1.5	1. कृषि उत्पादकता में वृद्धि।	1.1 परियोजना कमांड क्षेत्र में फसल की तीव्रता। (% में)	150
		1.2 गठित की जाने वाली जल उपयोगकर्ता संघों की संख्या।	300			
	ग. हर खेत को पानी					
	1. सतही लघु सिंचाई परियोजनाएँ विकास।	1.1. निर्मित सिंचाई क्षमता। (लाख हेक्टेयर में)	1.0	1. कृषि उत्पादकता में वृद्धि।	1.1. परियोजना कमांड क्षेत्र में फसल की तीव्रता। (% में)	150
		1.2. निर्मित सिंचाई क्षमता के विरुद्ध उपयोग की गई सिंचाई क्षमता (लाख हेक्टेयर में)	0.9			

[192] *यह एक व्यापक योजना है जिसके तहत संवर्द्धित सिंचाई लाभ कार्यक्रम तथा राष्ट्रीय/विशेष परियोजनाएं, कमांड क्षेत्र विकास और जल प्रबंधन और हर खेत को पानी योजनाएं ओओएमएफ में शामिल हैं।*

[193] *वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में): एआईबीपी)- 2,500; सीएडीडब्ल्यूएम- 600; हर खेत को पानी- 800*

2. राष्ट्रीय गंगा योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
वर्ष 2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
3,400	1. गंगा नदी में सीवेज के सीधे निर्वहन को रोकना और सीवेज का उपचार करना।	1.1. स्थापित सीवेज उपचार क्षमता। (एमएलडी में)[194])	600	1. 2025 तक निर्धारित स्नान मानकों को प्राप्त करने के लिए जल की गुणवत्ता में सुधार करना।[195]	1.1. वार्षिक आधार पर जैविक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) > मिलीग्राम/लीटर दर्शाने वाले निगरानी स्टेशनों का[196](%)	20
	2. गंगा नदी में औद्योगिक अपशिष्ट के प्रत्यक्ष निर्वहन के विनियमन के माध्यम से प्रदूषण में कमी लाना।	2.1. निगरानी की गई अत्यधिक प्रदूषणकारी इकाइयों की संख्या।	4,246		1.2. वार्षिक आधार पर घुलित ऑक्सीजन (डीओ) < 5 मिलीग्राम/लीटर (% के संदर्भ में) दर्शाने वाले निगरानी स्टेशनों का प्रतिशत।[197]	10
					1.3. अत्यधिक प्रदूषणकारी उद्योगों का अनुपालन प्रतिशत। (% में)	80

[194]प्रति दिन 10 लाख लीटर।

[195]परिणाम संकेतकों का मूल्यांकन बीओडी और डीओ मानदंडों पर किया जाएगा। # उत्कृष्ट [<10%}]। अच्छा [10%-20%]। औसत [20%-40%]। खराब [>40%]

[196]यदि लगातार तीन महीनों तक BOD>3 mg/l हो तो निगरानी स्टेशन को गैर-अनुरूप माना जाएगा और उसकी गणना की जाएगी

[197]निगरानी स्टेशन को गैर-अनुरूप माना जाएगा और लगातार तीन महीनों तक DO<5mg/l गिना जाएगा

3. **नदियों को जोड़ने की परियोजना (सीएसएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
वर्ष 2025-26	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2025-26**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2025-26**
2,400	1. प्राथमिकता वाले लिंक / परियोजना का कार्यान्वयन - केन-बेतवा (केबी) लिंक परियोजना।	1.1. परियोजना प्रभावित परिवारों के लिए आर एण्ड आर[198] की सीमा। (%)	90	1. कृषि योग्य कमान क्षेत्र (सीसीए) में वृद्धि, विद्युत निर्गम और विभिन्न उपयोगों के लिए जल उपलब्ध कराना।[199]	1.1. फसल सघनता में सुधार।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते
		1.2. केबी लिंक नहर के लिए भूमि अधिग्रहण की पूर्णता की सीमा। (%)	90		1.2. विद्युत निर्माण।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते
		1.3. अवसंरचना के काम सहित दौधन बांध के सिविल कार्यों की प्रगति। (%)	15			
		1.4. लोअर ओर्र बांध, कोठा बैराज और बीना कॉम्प्लेक्स (एमपी) की प्रगति। (%)	75			
		1.5. पैलानी बैराज, केन मुख्य नहर एवं तालाबों, बरियारपुर, पारीछा एवं बरुआ सागर (यूपी) के नवीनीकरण की प्रगति। (%)	5			

[198] पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना

[199] *यह परियोजना मार्च, 2030 तक पूरी होनी है। इसलिए, परिणाम परियोजना के कार्यान्वयन के बाद शुरू होगा। फिर भी, अनुमानित सीसीए मध्यप्रदेश का 6,53,368, उत्तरप्रदेश का 2,51,064 है।*

4. **अटल भूजल योजना (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2025-26**	**नतीजा**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2025-26**
1,780.40	1. भूजल निगरानी और डेटा/सूचना का प्रसार।	1.1 ब्लॉकवार प्रकाशित भूजल रिपोर्टों की संख्या।	229	1. भूजल डेटा तक बेहतर पहुंच।	1.1 बेहतर जागरूकता वाले समुदायों वाले ब्लॉकों का प्रतिशत[200](में %)।	100
	2. समुदाय द्वारा संचालित जल बजट।	2.1. अद्यतन जल बजट वाली ग्राम पंचायतों की संख्या।	8,203	2. जल बजट तैयार करने में सामुदायिक भागीदारी।	2.1 जल उपलब्धता और मांग के बीच की कमी को पूरा करने के लिए आपूर्ति/मांग पक्ष हस्तक्षेप को क्रियान्वित करने वाली ग्राम पंचायतों की संख्या।	8,203
	3. सूक्ष्म सिंचाई के अंतर्गत लाया गया क्षेत्र	3.1. ड्रिप/स्प्रिंकलर सिंचाई के अंतर्गत लाया गया क्षेत्र। (हेक्टेयर में)	15,000	3. कृषि में जल उपयोग दक्षता में सुधार।	3.1 बचाए गए भूजल की अनुमानित मात्रा (हे० मी०[201])	3,500

5. **राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना - अन्य बेसिन (सीएसएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2025-26**	**नतीजा**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2025-26**
558.09	1. नदियों में प्रदूषण को रोकने के लिए सीवरेज	1.1. निर्मित सीवेज उपचार क्षमता। (एमएलडी में)[202]	140	1. नदी जल की गुणवत्ता में सुधार।	1.1. चिन्हित प्रदूषित नदी खंडों के प्रदूषण स्तर में कमी।[203](संख्या में)	4

[200]*प्रतिशत मानदंड का निर्धारण, अटल भूजल योजना के अंतर्गत बेहतर जागरूकता दिखाने वाले समुदायों वाली पंचायतों की संख्या को कुल ग्राम पंचायतों की संख्या से विभाजित करके किया जाता है।*

[201] *हेक्टर मीटर*

[202]*प्रति दिन 10 लाख लीटर।*

[203]*चार नदी खंड हैं: (i) जम्मू और कश्मीर में उधमपुर के साथ देविका नदी, (ii) गुजरात में सूरत (कपरापार बैराज से ओएनजीसी ब्रिज तक) के साथ तापी नदी, (iii) मणिपुर में इम्फाल के साथ नम्बुल नदी, और (iv) सिक्किम में गंगटोक के साथ रानीचू नदी।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	नतीजा	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	अवसंरचना का निर्माण।	1.2. सीवर नेटवर्क बिछाया गया। (किमी में)	101		1.2. एसटीपी की क्षमता उपयोग में प्रतिशत वृद्धि।[204] (में %)	3

6. **भूजल प्रबंधन और विनियमन (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	नतीजा	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
509	1. भूजल निगरानी और मूल्यांकन।	1.1. मैन्युअल रूप से उत्पन्न भूजल स्तर निगरानी डेटा की संख्या (हजारों में)	100	1. डेटा आधारित भूजल योजना और नीति निर्माण।	1.1 अनुसंधान, विकास और नवाचार उद्देश्य के लिए डाउनलोड की संख्या।	1,000
		1.2. भूजल स्तर की निगरानी के लिए अतिरिक्त पीजोमीटर का निर्माण किया गया।	3,500			
		1.3. वे राज्य/संघ राज्य क्षेत्र जिनके लिए भूजल मूल्यांकन रिपोर्ट प्रकाशित की गई।	36			
	2. भूजल संसाधनों के सतत प्रबंधन के लिए भूजल का विनियमन।	2.1. भूजल निष्कर्षण के लिए जारी अनापत्ति प्रमाण-पत्रों (एनओसी) की संख्या।	3,500	2. सुरक्षित क्षेत्रों में भूजल स्तर में सुधार।	2.1. जारी एनओसी के साथ अनुपालन का प्रतिशत ।	90

[204] *सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की वर्तमान क्षमता उपयोग दर 66.27% है।*

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

1. जल जीवन मिशन (जेजेएम) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-2026	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-2026
67,000[205]	1. परिसर के भीतर ग्रामीण परिवारों के लिए पेयजल सहायता हेतु सृजित स्थायी अवसंरचना	1.1 2025-26 में प्रदान किए जाने वाले कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन (एफ एच टी सी) की संख्या	1,36,00,000	1. जल आपूर्ति की बेहतर नियमितता और गुणवत्ता	1.1 संसूचित चालू नल कनेक्शनों वाले परिवारों का प्रतिशत (पिछले 7 दिनों में कम से कम एक दिन पानी की आपूर्ति वाली अवसंरचना)।(%)	90
					1.2 संसूचित 55 एलपीसीडी या उससे अधिक आपूर्ति वाले परिवारों का प्रतिशत।(%)	80
					1.3 पीने योग्य जल वाले परिवारों का प्रतिशत (अर्थात जल गुणवत्ता के प्रासंगिक मापदंडों संबंधी अनुमेय सीमा के भीतर नमूनों के साथ)। (%)	70
					1.4 आपूर्ति की नियमितता की सूचना वाले परिवारों का प्रतिशत (अर्थात दैनिक/ अनुसूची के अनुसार)। (%)	80

[205] *ये लक्ष्य निर्धारित किए जा चुके हैं और केन्द्र से उपलब्ध धन/बाधा की स्थिति के आधार पर परिवर्तन के अधीन है।*
साथ ही यह भी सूचित किया जाना है कि यदि अतिरिक्त धन के लिए कैबिनेट की मंजूरी नहीं मिलती है तो वित्त वर्ष 2024-25 के लक्ष्य पूरे नहीं हो पाएंगे जो तीसरी तिमाही के दौरान धीमी उपलब्धि से देखा जा सकता है इसलिए चालू वर्ष के लिए लक्ष्यों में महत्वपूर्ण बदलाव होगा।

2. स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण) चरण) II (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-2026	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-2026
7,192.00	1. प्रभावी ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन (एसएलडब्ल्यूएम)	1.1 2025-26 में ठोस कचरा प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम) से कवर गांवों की संख्या	89,000	1. संपूर्ण स्वच्छता एवं दृश्य साफ-सफाई	1.1 खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) प्लस मॉडल के रूप में घोषित गांवों का प्रतिशत (%)[206]	20
		1.2 2025-26 में ग्रे-वाटर प्रबंधन (जीडब्ल्यूएम) से कवर गांवों की संख्या	60,000			
		1.3 2025-26 में प्लास्टिक कचरा प्रबंधन ईकाईयों से कवर ब्लॉकों की संख्या	800			
		1.4 2025-26 में मलीय कचरा प्रबंधन (एफएसएम) व्यवस्था से कवर गांवों की संख्या	1,50,000			
	2. कचरे से धन सृजन पहल	2.1. 2025-26 में कम से कम एक गोबरधन परियोजना वाले जिलों की संख्या	50			

[206] *अंश- वित्तीय वर्ष 2025-26 में ओडीएफ प्लस मॉडल घोषित गांवों की संख्या_ संख्या हर- कुल गांवों की _संख्या-*

1. कर्मचारी पेंशन योजना,1995 (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
11,250	1. पेंशन के प्रावधान	1.1. सरकारी अंशदान के लिए पात्र नए ईपीएफ सदस्यों का प्रतिशत (2025-26)[207][अंश: सरकारी अंशदान प्राप्त करने वाले कुल नए ईपीएफ सदस्य (2025-26); हर: कुल नए ईपीएफ सदस्य (2025-26)]	60	1. गति	1.1. कुल पेंशन के समय पर वितरण का प्रतिशत (7 दिनों के भीतर)	100
		1.2. न्यूनतम पेंशन प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का प्रतिशत (2014 के बाद)[208] [अंश: ₹1,000 पेंशन प्राप्त करने वाले कुल ईपीएफ सदस्य; हर: कुल ईपीएस पेंशनभोगी (1995 के बाद)]	25			
		1.3. डिजिटल आधार आधारित जीवन प्रमाण पत्र के माध्यम से जीवन प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का प्रतिशत[209]	100			

[207] 01.09.2014 से वेतन सीमा 15,000/- रुपये होने के कारण 60% का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। केवल वेतन सीमा तक वेतन वाले ईपीएफ सदस्य ही ईपीएस सदस्यता और 1.16% सरकारी अंशदान के लिए पात्र होंगे। चूंकि जुड़ने वाले अधिकांश नए सदस्यों का वेतन 15,000/- रुपये से अधिक है, इसलिए वे 1.16% सरकारी अंशदान के लिए पात्र नहीं हैं। 100% का लक्ष्य रखा जा सकता है, हालांकि, यह तभी प्रभावी होगा जब सभी सदस्यों के लिए वेतन सीमा तक ईपीएस की सदस्यता अनिवार्य कर दी जाए।

[208] इसमें उन लाभार्थियों की संख्या शामिल है जिनकी पेंशन सूत्र के अनुसार 1,000/- रुपये से कम है (कम अंशदान या कम पेंशन योग्य सेवा के कारण)। सरकारी अंशदान द्वारा पेंशन को 1,000/- रुपये तक लाया जाता है। इसलिए, सटीक लक्ष्य निर्धारण कठिन है। अंश को 19,87,338 (वित्त वर्ष 2023-24 की उपलब्धि) और हर को 78,66,628 (ईपीएफओ डैशबोर्ड पर डेटा के अनुसार) मानकर 25% का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

[209] लक्ष्य 100% रखा जा सकता है बशर्ते (1) केवल उन्हीं पेंशनभोगियों को लाभार्थी के रूप में माना जाएगा जो अपनी डीएलसी जमा करने के बाद पेंशन प्राप्त कर रहे हैं अर्थात जैसे ही डीएलसी के अभाव में पेंशन बंद हो जाती है, उस पेंशनभोगी को लाभार्थी के रूप में नहीं माना जाएगा; और () 100% का लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता है क्योंकि जीवन प्रमाण पत्र को कागज के रूप में जमा करने के कुछ मामले, जैसे चिकित्सा बाध्यता आदि, होंगे।

न्याय विभाग

1. ई-न्यायालय चरण-III (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	निर्गम	संकेतक[210]	लक्ष्य 2025-26
1,500	1. अपर न्यायालय परिसरों में कनेक्टिविटी प्रदान करना	1.1 डब्ल्यूएएन[211] के माध्यम से जुड़े जिला एवं अधीनस्थ न्यायालय परिसरों की संख्या	136	1. न्यायिक प्रणाली में पारदर्शिता और सुगमता में सुधार ।	1.1 वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा के माध्यम से सुनवाई की संख्या में वृद्धि (लाख में)	20
	2. ई-सेवा केंद्रों की स्थापना	2.1 न्यायालय परिसरों में कार्यशील ई-सेवा केन्द्रों की संख्या	1,467	2. डिजिटल खाई को पाटना, ई-फाइलिंग को सुविधाजनक बनाना	2.1 न्यायालय मामलों की ई-फाइलिंग की संख्या में वृद्धि (लाख में)	4
	3. निर्बाध विद्युत आपूर्ति प्रदान करके आईसीटी[212] अवसंरचना की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सौर सुविधाएं	3.1 न्यायालय परिसरों में सौर ऊर्जा प्रतिष्ठानों की संख्या	475	3. सकारात्मक पारिस्थितिक प्रभाव के साथ हरित ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना।	3.1 कुल उत्पादित बिजली (केडब्ल्यूएच लाख में)	40
	4. न्यायालय अभिलेखों का डिजिटलीकरण	4.1 डिजिटाइज़ किए गए पृष्ठों की संख्या (करोड़ में)	621.6	4. डिजिटल रूप में डेटा, कागज की बचत, कार्बन फुटप्रिंट में कमी	4.1. निर्णय एवं आदेश खोज पोर्टल पर अपलोड किए गए निर्णयों की संख्या में वृद्धि (लाख में)	4

[210] सभी परिणाम संकेतकों के लिए डेटा का परिकलन 01 अप्रैल, 2024 तक प्रभाग में उपलब्ध नवीनतम डेटा के आधार पर की जाएगी।

[211] *वाइड एरिया नेटवर्क*

[212] *सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी*

2. न्यायपालिका के लिए अवसंरचनात्मक सुविधाएं (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26[213]	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26[215]
1,000	1. न्यायालय भवनों, आवासीय इकाइयों, वकील हॉलों, शौचालय परिसरों, डिजिटल कंप्यूटर कक्षों का निर्माण	1.1 वित्तीय वर्ष में पूर्ण की गई आवासीय इकाइयों की संख्या	873	1. न्यायिक अधिकारियों की स्वीकृत संख्या (25,725) और उपलब्ध न्यायिक अवसंरचना के बीच अंतर में कमी	1.1. 25,725 की स्वीकृत संख्या संख्या और उपलब्ध कोर्ट हॉल के बीच अंतर में प्रतिशत की कमी [214]	39
		1.2 वित्तीय वर्ष में पूर्ण किए गए न्यायालय कक्षों की संख्या	831		1.2. 25,725 की स्वीकृत संख्या संख्या और उपलब्ध आवासीय इकाइयों के बीच अंतर में प्रतिशत की कमी [215]	19
		1.3 वित्तीय वर्ष में पूर्ण किए गए वकीलों के हॉलों की संख्या	307			
		1.4 उपलब्ध न्यायालय कक्षों की कुल संख्या	24,421			
		1.5 उपलब्ध आवासीय इकाइयों की कुल संख्या	21,969			

---

[213] *निर्भरता कारक: योजना के तहत धन का वास्तविक आवंटन और राज्य सरकार/उच्च न्यायालयों की ओर से योजना का कार्यान्वयन।*

[214] *परिकलन : - अंतर = स्वीकृत संख्या - कुल पूर्ण; अंतर में कमी % = (पिछले वर्ष में अंतर - चालू वर्ष में अंतर) * पिछले वर्ष में 100/अंतर । तदनुसार, वर्तमान में कोर्ट हॉलों की स्वीकृत संख्या (25,725) और उपलब्धता (23,590) के बीच लगभग 2135 का अंतर है। 831 कोर्ट हॉल से स्वीकृत संख्या और उपलब्ध कोर्ट हॉल के बीच लगभग 39% अंतर कम हो जाएगा।*

[215] *परिकलन : - अंतर = स्वीकृत संख्या- कुल पूर्ण; अंतर में % कमी = (पिछले वर्ष का अंतर - चालू वर्ष का अंतर) *पिछले वर्ष में 100/अंतर । तदनुसार, वर्तमान में, स्वीकृत संख्या (25,725) और उपलब्ध आवासीय इकाइयों (21,096) के बीच लगभग 4629 का अंतर है। 873 आवासीय इकाइयों से स्वीकृत संख्या और उपलब्ध आवासीय इकाइयों के बीच लगभग 19% अंतर कम हो जाएगा।*

1. पीएम विश्वकर्मा योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
5,100.00	1. कारीगरों और शिल्पकारों को विश्वकर्मा के रूप में मान्यता प्रदान करना	1.1. डिजिटल आईडी और प्रमाण पत्र के माध्यम से मान्यता प्राप्त विश्वकर्माओं की संख्या और प्राथमिकता क्षेत्र ऋण के तहत ऋण सुविधा के लिए उद्यम असिस्ट प्लेटफार्म (यूएपी) पारिस्थितिकी तंत्र से जोड़कर उनका औपचारिकीकरण	4,00,000	1. स्वरोजगार	1.1. स्थायी स्वरोजगार प्रदान किए गए पारंपरिक कारीगरों/शिल्पकारों की संख्या	30,00,000
	2. कौशल उन्नयन प्रदान करना	2.1. बुनियादी प्रशिक्षण प्रदान लाभार्थियों की संख्या	14,00,000		1.2. स्थायी स्वरोजगार प्रदान किए गए महिला कारीगरों/शिल्पकारों की संख्या	9,00,000
	3. उनकी क्षमता, उत्पादकता और उत्पादों एवं सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए बेहतर एवं आधुनिक उपकरणों के लिए समर्थन प्रदान करना।	3.1. आधुनिक उपकरणों से प्रोत्साहित कारीगरों/शिल्पकारों की संख्या	20,00,000		1.3. स्थायी स्वरोजगार प्रदान किए गए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कारीगरों/शिल्पकारों की संख्या	7,50,000
					1.4. स्थायी स्वरोजगार प्रदान किए गए अन्य पिछड़ा वर्ग के कारीगरों/शिल्पकारों की संख्या	15,00,000
	4. लाभार्थियों को कोलेट्रल मुक्त ऋण तक आसान पहुंच प्रदान करना तथा ब्याज अनुदान प्रदान	4.1. कोलेटरल मुक्त उद्यम विकास ऋण के साथ सहायता प्राप्त पारंपरिक कारीगरों / शिल्पी लोगों की संख्या	10,00,000		1.5. स्थायी स्वरोजगार प्रदान किए गए दिव्यांगजन कारीगरों/शिल्पकारों की संख्या	25,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	करके ऋण की लागत को कम करना।					
	5. विश्वकर्माओं के डिजिटल सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करने के लिए डिजिटल लेनदेन के लिए प्रोत्साहन प्रदान करना।	5.1. डिजिटल लेनदेन के लिए प्रोत्साहित किए गए कारीगरों/शिल्पकारों की संख्या	25,00,000			
	6. ब्रांड प्रमोशन और बाजार संपर्क के लिए एक मंच प्रदान करना ताकि उन्हें विकास के नए अवसरों तक पहुंचने में सहायता मिल सके।	6.1 विपणन सहायता से सहायता प्रदान प्राप्त कारीगरों/शिल्पकारों की संख्या	10,00,000			

2. प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
2,954.42	1. रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए उद्यमों की स्थापना/उन्नयन	1.1. स्थापित/उन्नयन किए गए नए सूक्ष्म उद्यमों की संख्या	73,350	1. रोजगार सृजन	1.1. नए उद्यमों द्वारा नियोजित कुल लोगों की संख्या (संख्या लाखों में)	5.87

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	2. जारी की गई कुल मार्जिन मनी सब्सिडी (करोड़ रु में)	2.1. जारी की गई मार्जिन मनी सब्सिडी (करोड़ रु में)[216]	2,879.42			

3. **एमएसएमई के कार्यनिष्पादन में तेजी लाना और उसमें वृद्धि करना- रैम्प (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,500.00	1. संस्थागत कार्य निष्पादन और डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग में वृद्धि	1.1. एमएसएमई मंत्रालय के एकीकृत पोर्टलों की संख्या।	6	1. समाधान पोर्टल का डिजिटलीकरण।	1.1. ऑनलाइन विवाद समाधान (ओडीआर) प्लेटफॉर्म के माध्यम से निपटान किए गए मामलों की संख्या।	3,500
		1.2. एकीकृत राज्य पोर्टलों की संख्या	4			
	2. एमएसएमई केंद्र-राज्य समन्वय में गतिवर्धन	2.1. एसआईपी[217] कार्यान्वयन के माध्यम से राज्यों द्वारा सहायता प्राप्त एमएसएमई की संख्या	35			
	3. फर्म की क्षमता संबंधी योजनाओं की प्रभावशीलता बढ़ाना	3.1. जेड[218] सिल्वर ग्रेजुएशन/लीन या जेड गोल्ड ग्रेजुएशन की संख्या	6,000			

---

[216] *पीएमईजीपी का प्रमुख आउटकम रोजगार के अवसरों का सृजन करना है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/महिलाओं को जारी की गई मार्जिन मनी सब्सिडी पहले से ही आउटकम (2) के भाग में सम्मिलित है, अतः एक अलग संकेतक की आवश्यकता नहीं है।*

[217] *राज्य कार्यान्वयन योजना*

[218] *जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		3.2. परिवर्तन के लिए हरित निवेश और वित्तपोषण (गिफ्ट) और सर्कुलर इकॉनोमी में संवर्धन और निवेश के लिए योजना (स्पाईस) योजनाओं के माध्यम से ग्रीन वित्तपोषण प्राप्त करने वाले एमएसई की संख्या	5,000	2. ट्रेड्स पर छूट प्राप्त इनवाइसों की राशि में वृद्धि	2.1. ट्रेड्स पर छूट प्राप्त इनवाइसों की मात्रा (करोड़ रु में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते
	4. वित्तपोषण के लिए प्राप्य बाजार को मजबूत करना	4.1. ट्रेड्स[219] पर नई गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) की संख्या में वृद्धि	4	3. ई-कॉमर्स तक पहुंच में वृद्धि	3.1. टीम[220] पहल के तहत पंजीकृत एसएनपी की संख्या	50
	5. डिजिटल वाणिज्य तक पहुंच	5.1. व्यापार सक्षमता और विपणन (टीम) पहल के माध्यम से ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर शामिल एमएसई की संख्या	1,00,000			

4. खादी ग्रामोद्योग विकास योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,065.77	1. खादी और पॉलीवस्त्र के उत्पादन के आधार पर	1.1. एमएमडीए (संशोधित बाजार विकास सहायता) प्रदान किए जाने वाले	1,100	1. खादी और खादी से संबंधित उत्पादों में	1.1. वर्ष के दौरान खादी और खादी से संबंधित उत्पादों का उत्पादन	4,056

[219] व्यापार प्राप्य इलेक्ट्रॉनिक छूट प्रणाली

[220] *प्रौद्योगिकी समर्थित एमएसएमई प्रगति*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	संशोधित बाजार विकास सहायता (एमएमडीए) के माध्यम से खादी का संवर्धन और विकास।	संस्थानों की संख्या		सुधार	(करोड़ रु में)	
		1.2. केआई और कारीगरों को संवितरित एमएमडीए (करोड़ रु में)	250			
	2. कमजोर खादी संस्थाओं और विपणन बुनियादी ढांचे को सहायता प्रदान करना	2.1. सहायता प्राप्त कमजोर खादी संस्थान (केआई) की संख्या	36		1.2. वर्ष के दौरान खादी एवं खादी से संबंधित उत्पादों की बिक्री (करोड़ रु में)	8,220
					1.3. एमएमडीए[221] के माध्यम से लाभान्वित कारीगरों की संख्या	1,60,000
				2. ग्रामोद्योग में रोजगार का संवर्धन	2.1. ग्रामोद्योग के अंतर्गत सृजित स्वरोजगार की संख्या	25,000
		2.2. नवीनीकृत बिक्री केन्द्रों की संख्या	100			
	3. प्रौद्योगिकी आधुनिकीकरण प्रशिक्षण आदि के माध्यम से ग्रामोद्योग का संवर्धन और विकास।	3.1. प्रशिक्षित नए ग्रामोद्योग कारीगरों की संख्या	15,000			
		3.2. कारीगरों को वितरित किए गए टूल किटों की संख्या	25,000			

221 *संशोधित बाजार विकास सहायता*

5. **निधियों का कोष (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2025-26**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2025-26**
700.00	1. एमएसएमई में इक्विटी/ वित्तपोषण जैसी इक्विटी बढ़ाना और एमएसएमई को स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध करना	1.1. योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान की गई एमएसएमई की कुल संख्या।	88	1. एमएसएमई व्यवसायों के त्वरित विकास में सहायता प्रदान करने और रोजगार के अवसर सृजित करना	1.1. निवेशित एमएसएमई द्वारा उत्पादन (करोड़ रु में)	17,205
					1.2. निवेशित एमएसएमई द्वारा सृजित कुल रोजगार	2,975

6. **नए प्रौद्योगिकी केंद्रों की स्थापना (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2025-26**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2025-26**
591.00	1. नए प्रौद्योगिकी केन्द्रों की स्थापना	1.1. स्थापित नए प्रौद्योगिकी केन्द्रों (टीसी) की कुल संख्या	0[222]	1. उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी तक एमएसएमई की बेहतर पहुंच	1.1. प्रशिक्षण केन्द्रों/विस्तार केंद्रों में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षुओं/लाभार्थियों की कुल संख्या	4,000
	2. विस्तार केन्द्रों की स्थापना	2.1. स्थापित नए विस्तार केन्द्रों (ईसी) की कुल संख्या	20		1.2. उन्नत विनिर्माण प्रौद्यागिकियों तक पहुंच का सुधार प्रदान	80

[222] *प्रौद्योगिकी केंद्रों की स्थापना में भवहन निर्माण, मशीनों की खरीद एवं स्थापना में लगभग दो वर्षों का समय लगता है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	3. उद्यमों को सहायता	3.1. विकसित किए गए टूल्स/मोल्ड्स/जिग्स/उत्पाद इत्यादि की संख्या	80		एमएसएमई की कुल संख्या	
		3.2. एमएसएमई को प्रदान की गई व्यावसायिक/तकनीकी परामर्शी सेवाओं की संख्या	120			

1. शिक्षा सशक्तीकरण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
678.03[223]	**क. अल्पसंख्यकों के लिए मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति**					
	1. पात्र अल्पसंख्यक छात्रों को प्रदत्त छात्रवृत्ति	1.1 ऐसे छात्रों की संख्या जिन्हें नवीन छात्रवृत्ति प्रदान की गई (लाखों में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[224]	1. विकास की कमी के साथ रहने वाले अभिज्ञात क्षेत्रों में समुदाय की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार	1.1 ऐसे नवीनीकरण छात्रों की संख्या जिन्होंने 70% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हों	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[225]
		1.2 ऐसे छात्रों की संख्या जिन्हें नवीनीकरण छात्रवृत्ति प्रदान की गई (लाखों में)				
		1.3 आधार आधारित भुगतानों का %				
	2. पात्र अल्पसंख्यक छात्राओं को प्रदान की गई छात्रवृत्ति	2.1 ऐसी छात्राओं की संख्या जिन्हें नवीन छात्रवृत्ति प्रदान की गई (लाखों में)		2. शिक्षा के माध्यम से अल्पसंख्यक युवा महिलाओं का सशक्तीकरण	2.1 नवीनीकरण श्रेणी के अंतर्गत कुल छात्रों में से छात्राओं का %	
		2.2 ऐसी छात्राओं की संख्या जिन्हें नवीनीकरण छात्रवृत्ति प्रदान की गई (लाखों में)				
	ख. अल्पसंख्यकों के लिए मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति					
	1. पात्र अल्पसंख्यक छात्रों को प्रदत्त छात्रवृत्ति	1.1 ऐसे छात्रों की संख्या जिन्हें नवीन छात्रवृत्ति प्रदान की गई (लाखों में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[226]	1. विकास की कमी के साथ रहने वाले अभिज्ञात क्षेत्रों में समुदाय की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार	1.1 ऐसे नवीनीकरण छात्रों की संख्या जिन्होंने 70% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हों	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[227]
		1.2 ऐसे छात्रों की संख्या जिन्हें नवीनीकरण छात्रवृत्ति प्रदान की गई (लाखों में)				
		1.3 आधार आधारित भुगतानों का %				

---

[223] *ऊपर उल्लिखित दो उपयोजनाओं के लिए कुल वित्तीय परिव्यय (195.70+413.99) = 609.69 है*

[224] *योजना को सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किए जाने के बाद लक्ष्य प्रदान किए जा सकते हैं।*

[225] *योजना को सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किए जाने के बाद लक्ष्य प्रदान किए जा सकते हैं।*

[226] *योजना को सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किए जाने के बाद लक्ष्य प्रदान किए जा सकते हैं।*

[227] *योजना को सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किए जाने के बाद लक्ष्य प्रदान किए जा सकते हैं।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	2. पात्र अल्पसंख्यक छात्राओं को प्रदान की गई छात्रवृत्ति	2.1 ऐसी छात्राओं की संख्या जिन्हें नवीन छात्रवृत्ति प्रदान की गई (लाखों में)		2. शिक्षा के माध्यम से अल्पसंख्यक युवा महिलाओं का सशक्तीकरण	2.1 नवीनीकरण श्रेणी के अंतर्गत कुल छात्रों में से छात्राओं का %	
		2.2 ऐसी छात्राओं की संख्या जिन्हें नवीनीकरण छात्रवृत्ति प्रदान की गई (लाखों में)				

2. प्रधान मंत्री जन विकास कार्यक्रम (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,913.97	1. विकास में असंतुलन और अंतराल को कम करने के उद्देश्य से विकास की कमी के साथ रहने वाले अभिज्ञात क्षेत्रों में समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों, जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का विकास	1.1 वर्ष 2025-26 के दौरान अनुमोदित परियोजना इकाइयों की संख्या	200	1. विकास की कमी के साथ रहने वाले अभिज्ञात क्षेत्रों में समुदाय की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार[228]	1.1 पीएमजेवीके के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों/ अस्पतालों में बिस्तरों की संख्या में वृद्धि का %	9
		1.2 महिला सशक्तीकरण के लिए स्वीकृत परियोजना इकाइयों की संख्या	70		1.2 पीएमजेवीके के अंतर्गत पूर्ण किए गए विद्यालयों और आवासीय विद्यालयों की संख्या में वृद्धि का %	4
		1.3 ऐसे जिलों की संख्या जिनमें पीएमजेवीके के तहत परियोजनाएं स्वीकृत की गईं	25		1.3 पीएमजेवीके के अंतर्गत पूर्ण किए गए आईटीआई/ पॉलिटेक्निक/ कौशल केंद्रों की संख्या में वृद्धि का %	5
		1.4 शिक्षा और कौशल क्षेत्र के अंतर्गत स्वीकृत परियोजना इकाइयों की संख्या	80		1.4 पीएमजेवीके के अंतर्गत पूर्ण की गई खेल सुविधाओं की संख्या में % वृद्धि	1
		1.5 स्वास्थ्य एवं स्वच्छता क्षेत्र में स्वीकृत परियोजना इकाइयों की संख्या	25			

[228] *पीएमजेवीके के अंतर्गत अनुमोदित परियोजना इकाइयों की संचयी संख्या में से*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		1.6 खेल क्षेत्र में स्वीकृत परियोजना एकाइयों की संख्या	10			
	2. योजना की निगरानी बढ़ाना और पीएमजेवीके परिसंपत्तियों की पहचान करना	2.1 जियो-टैग की गई पीएमजेवीके परिसंपत्तियों की संख्या (वर्षवार)	20,000	2. जियो-टैग की गई परिसंपत्तियों की संख्या में वृद्धि	2.1 पिछले वर्ष की तुलना में जियो टैग की गई परिसंपत्तियों की संख्या में % की वृद्धि	10

1. सौर विद्युत (ग्रिड) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,500	1. देश में ग्रिड कनेक्टेड सौर विद्युत (ग्राउंड माउंटेड/रूफटॉप) चालू करना। (पीएम-कुसुम और पीएम-एसजी: एमबीवाई को छोड़कर)	1.1. सौर पार्कों में चालू की गई क्षमता (मेगावाट)	5,000	1. योजनाओं के तहत सौर विद्युत परियोजनाओं से विद्युत उत्पादन	1.1 योजनाओं के तहत उत्पादित सौर ऊर्जा (बीयू)	18.40[229]
		1.2. केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (सीपीएसयू) योजना के तहत परियोजनाओं में स्थापित क्षमता (मेगावाट)	5,000			
	2. सौर पैनलों और सौर सेलों के स्वदेशी विनिर्माण में वृद्धि	2.1 एमएनआरई की डीसीआर योजनाओं के कारण स्वदेशी तौर पर विनिर्मित सौर मॉड्यूलों और सेलों की क्षमता (मेगावाट): सीपीएसयू योजना चरण-II	6,500	2. योजना के कारण आयात पर निर्भरता में कमी	2.1 योजना के कारण सौर पैनलों और सेलों के स्वदेशी विनिर्माण के कारण आयातों के मूल्य में कमी [230](करोड़ रु. में): सीपीएसयू योजना चरण-II	13,000
		2.2 एमएनआरई की डीसीआर योजनाओं के कारण स्वदेशी तौर पर विनिर्मित सौर मॉड्यूलों और सेलों की क्षमता (मेगावाट): पीएम-कुसुम घटक-ख	2,400		2.2 योजना के कारण सौर मॉड्यूलों और सेलों के स्वदेशी विनिर्माण के कारण आयातों के मूल्य में कमी (करोड़ रु. में): पीएम-कुसुम घटक-ख	4,800
		2.3 एमएनआरई की डीसीआर योजनाओं के कारण स्वदेशी तौर पर विनिर्मित सौर मॉड्यूलों और सेलों की क्षमता (मेगावाट): पीएम-कुसुम घटक-ग	2,440		2.3 योजना के कारण सौर मॉड्यूलों और सेलों के स्वदेशी विनिर्माण के कारण आयातों के मूल्य में कमी (करोड़ रु. में): पीएम-कुसुम घटक-ग	4,880
		2.4 एमएनआरई की डीसीआर योजनाओं के कारण	10,500		2.4 योजना के कारण सौर मॉड्यूलों और	21,000

[229] सौर पार्कों और सीपीएसयू योजनाओं के तहत परियोजनाओं के लिए 21 प्रतिशत सीयूएफ के साथ अनुमानित

*[230] आयातों के मूल्य में कमी = स्थापित स्वदेशी सौर मॉड्यूलों की अनुमानित संख्या **X** औसत अंतर्राष्ट्रीय मूल्य (वर्तमान में 2 करोड़ रुपए प्रति मेगावाट मानते हुए)।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		स्वदेशी तौर पर विनिर्मित सौर मॉड्यूलों और सेलों की क्षमता (मेगावाट): पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना			सेलों के स्वदेशी विनिर्माण के कारण आयातों के मूल्य में कमी (करोड़ रु. में): पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना	

2. पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
20,000	1. घरों पर रूफटॉप सौर प्रणालियों (आरटीएस) की स्थापना	1.1. योजना के अंतर्गत आरटीएस स्थापनाओं की संख्या (लाख)	35	1. घरों पर रूफटॉप सौर प्रणालियों (आरटीएस) से बिजली उत्पादन	1.1. रुफटॉप सौर प्रणालियों से बिजली का अनुमानित उत्पादन (बीयू)	15.64 [231]
		1.2. आरटीएस की स्थापित क्षमता (गीगावाट)	10.5			

3. किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (कुसुम) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
2,600	**क. ऑफ-ग्रिड/वितरित और विकेन्द्रित अक्षय विद्युत**					
	1. पीएम-कुसुम योजना के अंतर्गत	1.1. वित्त वर्ष में स्थापित स्टैण्डअलोन	5,00,000	1. डीजल बचत	1.1 सौर पंपों का उपयोग करते हुए डीजल की	345

[231] *सौर रूपटॉप परियोजनाओं के लिए 17 प्रतिशत सीयूएफ के साथ अनुमानित।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	स्टैण्डअलोन सौर चालित कृषि पंपों की स्थापना	सौर चालित कृषि पंपों की संख्या (संख्या)			मात्रा में बचत (मिलियन लीटर)[232]	
				2. लाभार्थियों की संख्या	2.1 सौर पंपों से लाभान्वित किसान (संख्या)	5,00,000
	ख. ग्रिड इंटरएक्टिव अक्षय विद्युत					
	1. पीएम-कुसुम योजना के अंतर्गत ग्रिड-कनेक्टेड कृषि पंपों का सौरीकरण	1.1 पीएम-कुसुम योजना घटक-ग के अंतर्गत सौरीकृत ग्रिड-कनेक्टेड कृषि पंपों की संख्या (संख्या)	3,00,000	1. राज्य सब्सिडी बचत	1.1. फीडर सौरीकरण द्वारा राज्य सब्सिडी में बचत[233](करोड़ रुपए में)	888
	2. पीएम-कुसुम योजना के अंतर्गत विकेन्द्रित ग्राउंड माउंटेड ग्रिड-कनेक्टेड सौर विद्युत संयंत्रों की स्थापना	2.1 पीएम-कुसुम योजना घटक-क के तहत स्थापित विकेन्द्रित ग्राउंड माउंटेड ग्रिड-कनेक्टेड सौर विद्युत संयंत्रों की क्षमता (मेगावाट)	1,000	2. पीएम कुसुम से बिजली का उत्पादन	2.1. योजनाओं के अंतर्गत उत्पादित सौर ऊर्जा (बीयू)	1.6

4. ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
600	1. क्रियान्वयन कर रहे 10 राज्यों में	1.1. निर्मित संचयी इंट्रा-स्टेट ट्रांशमिशन लाइनें (सीकेएम[234])	11,740[235]	1. क्रियान्वयन कर रहे 10 राज्यों में	1.1. क्रियान्वयन कर रहे 10 राज्यों में संचयी	29,000[237]

---

[232] प्रतिदिन 4.6 लीटर डीजल के औसत उपयोग की धारणा पर आधारित; 150 दिन प्रतिवर्ष की दर से उपयोग; 18.3 प्रतिशत पीएलएफ की दर से 1.6 मिलियन यूनिट प्रति मेगावाट प्रति वर्ष उत्पादन

[233] 3.3 रुपए प्रति यूनिट के टैरिफ और 5 किलोवाट पंप के लिए 7 रुपए प्रति यूनिट की पारंपरिक विद्युत दर पर अनुमानित

[234] सीकेएम = सर्किट किलोमीटर

[235] जीईसी-I 9760+जीईसी-II 1980

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	ट्रांसमिशन प्रणाली का निर्माण	1.2. चालू की गई संचयी सब-स्टेशन क्षमता (एमवीए[238])	28,800[239]	बड़े पैमाने पर अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता का ग्रिड-एकीकरण	अक्षय ऊर्जा क्षमता में वृद्धि[236] (मेगावाट)	

5. **राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
600	1. ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन और इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण क्षमता की स्थापना करना	1.1 न हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता का आवंटन (एमएमटीपीए) (लगभग)(संचयी)	1.03[240]	1. भारत में स्थापित ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन और इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण क्षमता[241]	1.1 ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन सुविधाओं को चालू करना (एमएमटीपीए)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[242]
		1.2 इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण क्षमता का आवंटन (एमडब्ल्यूपीए)(संचयी)	3,000[243]		1.2 इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण क्षमता को चालू करना (एमडब्ल्यूपीए)	

---

[237] *जीईसी-I 24,000 + जीईसी-II 5000*

[238] *एमवीए = मेगावाट वोल्ट एम्पियर*

[239] *जीईसी-I 22690+जीईसी-II 6110*

[236] *स्थापित अक्षय ऊर्जा क्षमता के संदर्भ में परिणाम लक्ष्य जीईसी-I एवं जीईसी-II पारेषण परियोजनाओं से जुड़े हैं।*

[240] *ग्रीन हाइड्रोजन (0.45 एमएमटीपीए), ग्रीन अमोनिया (0.74 एमएमटीपीए: 0.13 एमएमटीपीए ग्रीन हाइड्रोजन के समतुल्य) और रिफाइनरी क्षेत्र के लिए ग्रीन हाइड्रोजन (0.04 एमएमटीपीए) के उत्पादन के लिए निविदाएं/ (आरएफएस) प्रक्रियाधीन हैं। वर्ष 2024-25 में 0.41 एमएमटीपीए ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए पहले ही आवंटन किया जा चुका है।*

[241] *सुविधाएं 2026-27 से अपने प्रचालन शुरु करेंगी।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	2. पायलट परियोजनाओं की शुरुआत करना	2.1 इस्पात क्षेत्र में पायलट परियोजनाओं का आवंटन (संचयी)	3[244]	2. भारत में हार्ड-टू-एबेट क्षेत्रों में ग्रीन हाइड्रोजन को अपनाना	2.1 इस्पात क्षेत्र में ग्रीन हाइड्रोजन की उपयोग	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[245]
		2.2 नौवहन क्षेत्र में पायलट परियोजनाओं का आवंटन (रेट्रोफिटींग और बंकरिंग)(संचयी)	2[246]		2.2 भारत में रेट्रो-फिटिंग, बंकरिंग और पुनः ईंधन-भरने की सुविधाएं	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[247]
		2.3 मोबिलिटी क्षेत्र में पायलट परियोजनाओं का आवंटन (संचयी)	4[248]		2.3 ग्रीन हाइड्रोजन आधारित विकसित वाहनों और स्थापित रिफ्यूलिंग स्टेशनों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[249]
	3. ग्रीन हाइड्रोजन में अनुसंधान एवं विकास की शुरुआत करना	3.1 अनुसंधान और विकास परियोजनाओं का आवंटन (संचयी)	40[250]	3. भारत में ग्रीन हाइड्रोजन के लिए अनुसंधान विकास एवं विकास एवं	3.1 भारत में ग्रीन हाइड्रोजन पर अनुसंधान एवं विकास	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[251]

[242] *सुविधाएं 2026-27 से अपने प्रचालन शुरु करेंगी।*

[243] *इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण क्षमता (3000 मेगावाट) आवंटित की गई है/प्रकियाधीन है।*

[244] *पायलट परियोजनाओं के लिए निविदाएं/आरएफएस प्रक्रियाधीन हैं।*

[245] *अद्यतित सुविधाएं इस्पात के उत्पादन में ग्रीन हाइड्रोजन के उपयोग के लिए उन्नत सुविधाएं*

[246] *पायलट परियोजनाओं के लिए निविदाएं/आरएफएस प्रक्रियाधीन हैं।*

[247] *रेट्रोफिटेड जहाज ग्रीन मेथेनॉल से चलाए जाएंगे। वी. ओ. चिदंबरनार पत्तन प्राधिकरण पर बंकरिंग और पुनः ईंधन भरने की सुविधा*

[248] *पायलट परियोजनाओं के लिए निविदाएं/आरएफएस प्रक्रियाधीन हैं।*

[249] *प्रथम चरण में 36 वाहन और 11 रिफ्यूलिंग स्टेशन*

[250] आरएंडडी परियोजनाओं के लिए प्रस्तावों का मूल्यांकन किया जा रहा है।

[251] *पायलट परियोजनाओं के लिए निविदाएं/आरएफएस प्रक्रियाधीन हैं।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		3.2 उत्कृष्टता के केन्द्र (सीओई) परियोजनाओं का आवंटन (संचयी)	4	पारिस्थितिकी का विकास	3.2 भारत में ग्रीन हाइड्रोजन पर अनुसंधान एवं विकास के लिए समर्पित केन्द्र विकसित करना।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[252]

[252] *ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन, अनुप्रयोग, भंडारण और परिवहन तथा सुरक्षा पहलुओं पर अनुसंधान एवं विकास।*

1. राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,063.67	**क. राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) - क्षमता निर्माण- केंद्र प्रायोजित योजना (सीएसएस)**					
	1. पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) के निर्वाचित प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और उनका क्षमता निर्माण करना"	1.1. वर्तमान वर्ष में प्रशिक्षित निर्वाचित प्रतिनिधियों (ई.आर.) और पंचायत पदाधिकारियों की संख्या	44,00,000	1. "पंचायत शासन, ग्रामीण बुनियादी ढांचे और सेवा प्रदायगी में सुधार के उद्देश्य से बेहतर योजना के लिए पीआरआई की क्षमता निर्माण ।	1.1. तैयार और अपलोड की गई ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) की संख्या ईग्रामस्वराज का योजना मॉड्यूल	2,50,000
		1.2. अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायतों के विस्तार पर प्रशिक्षित निर्वाचित प्रतिनिधियों और अधिकारियों की संख्या (पीईएसए)	10,000		1.2. ईग्रामस्वराज के योजना मॉड्यूल पर तैयार और अपलोड की गई ब्लॉक पंचायत विकास योजना (बीपीडीपी) की संख्या	5,000
		1.3. वर्तमान वर्ष में प्रशिक्षित निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों की संख्या।[253]	20,00,000		1.3. ईग्रामस्वराज के योजना मॉड्यूल पर तैयार और अपलोड की गई जिला पंचायत विकास योजना (डीपीडीपी) की संख्या	500
		1.4. एक्सपोजर विजिट में भाग लेने वाले ई आर कर्मियों और पदाधिकारियों की संख्या	25,000			
		1.5. विकसित पंचायत अध्ययन केन्द्रों (पीएलसी) की संख्या	1,000			
		1.6. कार्यरत पंचायत भवनों की संख्या।	1,000			
		1.7. पंचायत भवनों में स्थित सामान्य सेवा केन्द्रों (सीएससी) की संख्या।	3,300			
		1.8. गुणवत्ता प्रमाणन प्राप्त पंचायतों की संख्या।.	200			

[253] नोट: महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों के प्रशिक्षण का लक्ष्य सीबीएंडटी के कुल लक्ष्य अर्थात् 45 लाख से पूरा किया जाएगा।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		1.9. कंप्यूटर समर्थित ग्राम पंचायतों की संख्या	5,000			
		1.10. संचालित राज्य पंचायत संसाधन केन्द्रों (एसपीआरसी) की संख्या	30			
		1.11. संचालित जिला पंचायत संसाधन केन्द्रों (डीपीआरसी) की संख्या	330			
		1.12. प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले निर्वाचित प्रतिनिधियों और अधिकारियों की संख्या	200			
	ख. राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) - ई-पंचायतों पर मिशन मोड परियोजनाएं (सीएसएस)					
	1. इलेक्ट्रॉनिक मोड के माध्यम से पंचायतों की सेवाओं को बढ़ाना	1.1. ई-पंचायत एप्लीकेशनों (ईजीएस , ऑडिट ऑनलाइन, ग्राम मानचित्र और एलजीडी) पर आयोजित प्रशिक्षण और कार्यशालाओं की संख्या	25	1. पंचायतों की सेवाओं में सुधार	1.1. ई-ग्राम स्वराज-पीएफएमएस इंटरफेस (ईजीएसपीआई) का उपयोग करके ऑनलाइन लेनदेन करने वाले पीआरआई का प्रतिशत।	100
		1.2. ई-ग्राम स्वराज पर व्यय होने वाली पीआरआई की रिपोर्ट की संख्या (लाख में)	2.7		1.2. ई-ग्रामस्वराज पोर्टल पर विभिन्न प्रकार के डेटा को अद्यतन करने वाली पंचायतों का प्रतिशत।	100
		1.3. उन पंचायतों की संख्या जिनका आंतरिक कार्यप्रवाह ई-ग्राम स्वराज पर स्वचालित है (लाख में)	2.7		1.3. ई-ग्राम स्वराज पर प्रति वर्ष अपना प्रोफाइल अपडेट करने वाली ग्राम पंचायतों का प्रतिशत।	80
		1.4. ऑडिट ऑनलाइन पर शामिल लेखापरीक्षितों (पीआरआई) की संख्या (लाख में)	2.6		1.4. ऑडिटऑनलाइन का उपयोग करके वैधानिक ऑडिट पूरा करने वाली पंचायतों का प्रतिशत (2023-24)	100
					1.5. ऑडिटऑनलाइन के माध्यम से तैयार और प्रस्तुत ऑडिट रिपोर्ट का प्रतिशत।	100

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	2. परिसंपत्तियों की जियो-टैगिंग	2.1 उन ग्राम पंचायतों की संख्या जहां जियो-टैगिंग के माध्यम से परिसंपत्तियों का मानचित्रण किया गया है (लाख में)	2.5	2. परिसंपत्तियों की जियो-टैगिंग में प्रगति	2.1 परिसंपत्तियों की जियो-टैगिंग की रिपोर्ट करने वाली ग्राम पंचायतों का प्रतिशत ।.	100
	ग. राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) - पंचायतों को प्रोत्साहन (सीएसएस)					
	1. 'सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण ' की दिशा में अनुकरणीय निष्पादन हेतु सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली पंचायतों/समकक्ष निकायों और प्रशिक्षण संस्थानों को प्रतिवर्ष प्रोत्साहित करना।	1.1. राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत पंचायतों/समकक्ष निकायों की संख्या	42	1. सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में ग्राम पंचायतों/समकक्ष निकायों का बेहतर निष्पादन करना	1.1. पिछले पुरस्कार वर्ष के संबंध में सभी 9 विषयों में ग्राम पंचायतों/समकक्ष निकायों के औसत स्कोर में प्रतिशत वृद्धि/सुधार	5
		1.2. सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण के लिए ग्राम पंचायतों/समकक्ष निकायों को संस्थागत सहायता प्रदान करने के लिए पुरस्कृत राज्य/संघ राज्य क्षेत्र स्तर के प्रशिक्षण संस्थानों की संख्या	3			
	2. पंचायतों/राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के बीच राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों के बारे में जागरूकता लाना और ज्ञान का सृजन करना।	2.1 राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों के संबंध में पंचायतों/राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों के लिए आयोजित कार्यशालाओं/वेबिनार की संख्या	4			
	घ. राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) - मीडिया एवं प्रचार (सीएस)[254]					
	1. पंचायती राज मंत्रालय के कार्यक्रमों और पहलों के बारे में जागरूकता फैलाना	1.1. मंत्रालय द्वारा प्रकाशित डिजिटल/पेपरबैक समाचार पत्रिकाओं/पुस्तक/पुस्तिका/दस्तावेजों की संख्या	7	1. जागरूकता में सुधार लाना	1.1. राज्यों और एनआईआरडीपीआर के बीच वितरण के लिए सार्वजनिक डोमेन में अपलोड किए गए आईईसी एवी कार्यक्रमों की संख्या,	20

[254] *एआरएंडपी (कार्य अनुसंधान एवं अनुसंधान अध्ययन तथा मीडिया एवं प्रचार) के लिए संयुक्त बी.ई.- 10.0 ₹ (करोड़ रुपये में)*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
					ताकि जागरूकता लाने में इसका उपयोग किया जा सके।	
		1.2. कुल आईईसी दृश्य-श्रव्य कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया गया	11		1.2. पिछले वर्ष की तुलना में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के फॉलोअर्स में प्रतिशत वृद्धि	20
		1.3. प्रचारात्मक/जागरूकता पैदा करने वाली सोशल मीडिया पोस्टों की कुल संख्या	2,400			
		1.4. मंत्रालय द्वारा आयोजित सम्मेलनों/सेमिनारों/कार्यशालाओं की संख्या	5			
	ङ. कार्य अनुसंधान और अनुसंधान अध्ययन (सीएस)[255]					
	1. पीआरआई और उनके कामकाज के बारे में अनुसंधान करना	1.1. पहचाने गए विषयों की संख्या	6	1. साक्ष्य-आधारित योजना/ कार्यक्रम /नीति निर्माण एवं ज्ञान का प्रसार करना	1.1. वर्तमान वर्ष में पूर्ण किए गए अध्ययनों की संख्या	5
		1.2. वर्तमान वर्ष में स्वीकृत शोध अध्ययनों/शोध परियोजनाओं की संख्या	6		1.2. पूर्ण किए गए अध्ययनों की संख्या जिनसे प्राप्त सिफारिशों को नीति/ कार्यक्रम निर्माण/संशोधन में शामिल किया गया है	3

[255] *IV मीडिया और प्रचार तथा V कार्य अनुसंधान और अनुसंधान अध्ययन कार्य अनुसंधान और प्रचार योजना घटक (अम्ब्रेला आरजीएसए योजना के अंतर्गत) (केंद्रीय क्षेत्र योजना) के घटक हैं। कार्य अनुसंधान और प्रचार योजना घटक हेतु वर्ष 2025-26 का समग्र बजट अनुमान 10.00 करोड़ रुपये है।*

1. मिशन अन्वेषण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
592	1. तलछटी बेसिन का व्यापक मूल्यांकन	1.1 चालू वित्त वर्ष में 2डी भूकंपीय आंकड़ों का अधिग्रहण, प्रसंस्करण और व्याख्या (एपीआई) (एलकेएम में)[256]	20,275	1. तलछटी बेसिन की विशेषताओं की बेहतर समझ	1.1 भूकंपीय डेटा का उपयोग करके व्यापक रूप से मूल्यांकित तलछटी बेसिन क्षेत्र का प्रतिशत	100

2. इन्द्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड (आईजीजीएल) - पूर्वोत्तर प्राकृतिक पाइपलाइन ग्रिड का भाग (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
700	1. आठ पूर्वोत्तर राज्यों को राष्ट्रीय गैस ग्रिड से जोड़ने के लिए प्राकृतिक गैस पाइपलाइन ग्रिड का निर्माण	1.1 उत्तर पूर्व गैस ग्रिड (एनईजीजी) पाइपलाइन की कुल लंबाई (कि.मी.में)	250	1. उपयोग का अधिकार (आरओयू) अधिग्रहण और प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार जिससे क्षेत्र का आर्थिक विकास होगा।	1.1 संवितरण हेतु सक्षम प्राधिकारियों के खाते में वितरित या अंतरित मुआवजे की राशि (करोड़ रुपए में)	10
		1.2 पाइपलाइन परियोजना की वास्तविक प्रगति (% में)	5		1.2 प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के सृजन की संख्या	1,000

[256] *लाइन किलोमीटर*

3. पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित देय अन्य सब्सिडी (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,200	1. पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में एपीएम ग्राहकों को प्राकृतिक गैस राजसहायता (घरेलू गैस मूल्य का 40%) का कवरेज।	1.1 एनईआर में जीएलसी आबंटन वाले गैस उपभोक्ताओं की कुल संख्या जिन्हें राजसहायता प्राप्त घरेलू गैस की आपूर्ति की जा रही है (एमएमएससीएमडी[257] में)	33	1. पूर्वोत्तर क्षेत्र में राजसहायता प्राप्त प्राकृतिक गैस की निरंतरता।	1.1 जीएलसी आबंटन (एमएमएससीएमडी) वाले ग्राहकों को आपूर्ति की गई गैस की मात्रा	16

4. कच्चे तेल भंडार के लिए भारतीय रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड (आईएसपीआरएल) को भुगतान (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
5,597	1. योजना के अनुरूप कैपेक्स इन लाइन	1.1 क्रूड ऑयल की खरीद के लिए भुगतान हेतु (31.03.2026 तक) (हां/नहीं)	हां	1. पूंजी व्यय योजना के अनुरूप	1.1 कुल व्यय/नियोजित व्यय	1

[257] *मिलियन मानक घन मीटर गैस प्रतिदिन*

5. प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण - एलपीजी (डीबीटीएल) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,500	1. अतिरिक्त नकद अंतरण अनुपालक लाभार्थीगण	1.1 जोड़े गए नकदी अंतरण अनुपालक लाभार्थियों की संख्या (करोड़ में) लक्ष्य मापनीय नहीं	लक्ष्य मापनीय नहीं[258]	1. सभी वर्तमान और नए घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के खातों में प्रत्यक्ष डीबीटी की प्राप्ति	1.1 लाभार्थी परिवारों का एलपीजी आच्छादन (% में)	100
	2. लाभों का तीव्र अंतरण	2.1 डीबीटी के निमित्त लिया गया औसत समय (घंटों में)	48[259]		1.2 वार्षिक औसत रिफिल	6
		2.2 एलपीजी सिलेंडर के ऑर्डर के पश्चात डिलीवरी का समय (घंटों में)	48		1.3 एलपीजी (डीबीटी) लाभार्थियों की कुल संख्या (करोड़ में)	लक्ष्य मापनीय नहीं[260]
		2.3 घरों को वितरित सिलेंडर बनाम एजेंसी में किए गए रिफिल(% में)	98[261]			

6. गरीब परिवारों को एलपीजी कनेक्शन (पीएमयूवाई) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
9,100	1. गरीब परिवारों को	1.1 गरीब परिवारों को जारी किए गए अतिरिक्त	0[262]	1. भोजन पकाने के	1.1 वे गरीब परिवार जिन्हें योजना के अंतर्गत जमानत राशि	90

[258] वर्तमान में, एलपीजी आच्छादन 100% से अधिक है, इसलिए अतिरिक्त नकद हस्तांतरण अनुपालन लाभार्थी और वर्ष 2025-26 में जोड़े जाने वाले एलपीजी (डीबीटी) लाभार्थियों की कुल संख्या ओएमसीज द्वारा प्राप्त आवेदनों पर आधारित होगी और इस प्रकार यह माँग आधारित होगी। इसलिए कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता है।

[259] अब राजसहायता भारत सरकार की पीएफएमएस प्रणाली के माध्यम से स्थानांतरित की जाती है, इसलिए यह मानदण्ड ओएमसीज/पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के प्रत्यक्ष नियंत्रण से बाहर होगा।

[260] वर्तमान में, एलपीजी आच्छादन 100% से अधिक है, इसलिए अतिरिक्त नकद हस्तांतरण अनुपालन लाभार्थी और वर्ष 2025-26 में जोड़े जाने वाले एलपीजी (डीबीटी) लाभार्थियों की कुल संख्या ओएमसीज द्वारा प्राप्त आवेदनों पर आधारित होगी और इस प्रकार यह माँग आधारित होगी। इसलिए कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता है।

[261] छोटे प्रारूप वाले डीकेवी वितरकों को छोड़कर सभी ओएमसीज वितरकों के लिए एलपीजी सिलेंडरों की होम डिलीवरी अनिवार्य है।

[262] इस संकेतक के लिए लक्ष्य शून्य निर्धारित किया गया है, क्योंकि अगले तीन वर्षों के दौरान पीएमयूवाई के तहत अतिरिक्त एक करोड़ एलपीजी कनेक्शन जारी करने का प्रस्ताव अभी तक स्वीकृत नहीं हुआ है ।

	जमानत राशि मुक्त एलपीजी कनेक्शन (एचएचएस)	कनेक्शनों की संख्या (करोड़ में)		लिए स्वच्छ ईंधन अर्थात् एलपीजी के उपयोग को बढ़ावा	मुक्त एलपीजी कनेक्शन दिए गए तथा जो नियमित[263] रूप से कनेक्शन का उपयोग कर रहे हैं (% में)	
		1.2 योजना के अंतर्गत जमानत राशि मुक्त एलपीजी कनेक्शन प्रदत्त गरीब परिवारों की संचयी संख्या (करोड़ में)	10.33		1.2 पीएमयूवाई लाभार्थियों के लिए प्रति वर्ष औसत रिफिल	4.25

[263] 1 पिछले 12 महीनों में कम से कम एक बार पुनर्भरण को नियमितता के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

1. सागरमाला (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
866	1. पत्तनों से सडक और रेल संपर्कता में सुधार।	1.1 वर्ष के दौरान पूर्ण की जाने वाली सड़क परियोनाओं की सं.।	1	1. पत्तनों पर निकासी बुनियादी ढांचे में सुधार।	1.1 पत्तनों से गंतव्य स्थान तक माल के परिवहन में लगने वाला औसत समय (घंटों में)।	0.5
	2. पत्तनों पर अवसंरचना का सृजन और पत्तनों का आधुनिकीकरण।	2.1 वर्ष के दौरान पूर्ण की जाने वाली कार्गो बर्थ/जेट्टी परियोजनाओं की संख्या।	1	2. पत्तनों पर कार्गो हैंडलिंग में सुधार।	2.1 क्षमता संवर्धन (एमटीपीए)।	1
		2.2 वर्ष के दौरान पूरी की जाने वाली रो-रो यात्री जेटी परियोजनाओं की संख्या।	7			
		2.3 वर्ष के दौरान पूरी की जाने वाली क्रूज़ टर्मिनल परियोजनाओं की संख्या।	1			
	3. समुद्री क्षेत्र में कौशल विकास और अनुसंधान।	3.1 वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित किये जाने वाले कौशल विकास पाठ्यक्रमों की संख्या।	20	3. पर्यटन में वृद्धि।	3.1 वर्ष के दौरान पत्तन का दौरा करनेवाले पर्यटकों की संख्या।	1,00,000
				4. समुद्री क्षेत्र में कौशल विकास और अनुसंधान।	4.1. प्रमाणित लोगों की संख्या।	6,000

1. सुधार संबंधी वितरण योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
16,021	1. हानि न्यूनीकरण कार्यों के अंतर्गत परियोजनाओं को पूरा करना	1.1. आवंटित परियोजनाओं में से हानि न्यूनीकरण कार्य के अंतर्गत पूर्ण की गई परियोजनाओं की कुल संख्या (%)	50	1. डिस्कॉम की प्रचालन दक्षता में सुधार करना	1.1 डिस्कॉम में एटीएंडसी[264] हानि का स्तर (%)	14
	2. देश में संस्थापित स्मार्ट मीटर	2.1 संस्थापित स्मार्ट मीटरों की संख्या (संचयी संख्या) (करोड़ में)	6,00,00,000	2. डिस्कॉम की वित्तीय स्थिरता में सुधार करना	2.1 विनियामक परिसंपत्तियों और उदय[265] अनुदानों को छोड़कर, प्राप्त सब्सिडी के आधार पर डिस्कॉम में एसीएस-एआरआर[266] अंतर स्तर (रुपये प्रति किलोवाट घंटा)	0.1
	3. देश में ग्रामीण और शहरी फीडरों की ऑनलाइन निगरानी बढ़ाना	3.1 कुल फीडरों में से निगरानी किये गये ग्रामीण दूरस्थ फीडरों की संख्या- (%)	100	3. डिस्कॉम में विद्युत आपूर्ति की विश्वसनीयता में सुधार करना	3.1 निगरानी किए गए शहरी फीडरों पर वार्षिक औसत दैनिक विद्युत आपूर्ति घंटे (घंटे/दिन)	23.5
		3.2 कुल फीडरों में से निगरानी किये गये शहरी दूरस्थ फीडरों की संख्या- (%)	100			
	4. प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण तथा अन्य सक्षम एवं सहायक गतिविधियाँ	4.1 आरडीएसएस[267] के तहत प्रशिक्षित डिस्कॉम कार्मिकों की संख्या (संचयी संख्या)	5,000		3.2 निगरानी किए गए ग्रामीण फीडरों पर वार्षिक औसत दैनिक विद्युत आपूर्ति घंटे (घंटे/दिन)	22.5

---

264 *कुल तकनीकी और वाणिज्यिक हानि*

265 *उज्जवल डिस्कॉम आश्वासन योजना*

266 *आपूर्ति की औसत लागत-वसूला गया औसत राजस्व*

267 *पुनर्उद्धारित वितरण क्षेत्र योजना*

2. विद्युत प्रणाली का सुदृढ़ीकरण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
850.02	**I. अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम राज्यों में पारेषण प्रणाली का सुदृढ़ीकरण**					
	1. पैकेजों का परियोजना पूर्ण होना और उनका कार्यान्वयन	1.1. अवार्ड किए गए पैकेजों पर संचयी प्रगति का प्रतिशत (प्रस्तावित आरसीई-2 लागत लागत के अनुसार) (%)[268]	78	1. क्षेत्र में विद्युत पारेषण क्षमता में सुधार	1.1. क्षेत्र में विद्युत पारेषण में वृद्धि (एमवीए)[269]	190
	II. पूर्वोत्तर राज्यों में विद्युत प्रणाली का सुदृढ़ीकरण (अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम को छोड़कर) – एनईआरपीएसआईपी					
	1. पैकेज अवार्ड करना और उनका कार्यान्वयन	1.1. अवार्ड किये गये पैकेजों पर संचयी प्रगति का प्रतिशत (संशोधित लागत के अनुसार) (%)	90.69	1. क्षेत्र में विद्युत पारेषण क्षमता में सुधार	1.1. क्षेत्र में विद्युत पारेषण में वृद्धि (एमवीए)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते

---

[268] संशोधित लागत अनुमान (आरसीई-I) (9129.32 करोड़ रुपये) स्वीकृत समय-सीमा के साथ 31.03.2025 को समाप्त हो रहा है। इसके अलावा 11407.8 करोड़ रुपये की आरसीई-II जून 2027 तक प्रस्तावित समय-सीमा के साथ अनुमोदन के अधीन है। आरसीई-I के अंतर्गत मार्च 2025 तक 7667.45 करोड़ रुपये का संचयी व्यय योजनाबद्ध है।
तदनुसार, प्रस्तावित आरसीई-II (11407.8 करोड़ रुपये) के आधार पर वित्तीय वर्ष 2025-26 (कुल योजना 1185 करोड़ रुपये) का तिमाही लक्ष्य अनुमानित है।

[269] मेगावोल्ट एम्पियर

3. विद्युत प्रणाली विकास निधि (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,100.08	1. ग्रिड सुरक्षा और प्रचालन में सुधार लाने के लिए परियोजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन	1.1. नवीनीकृत और आधुनिकीकृत पारेषण लाइन की कुल लंबाई (सीकेएम[270])	50.65	1. ग्रिड सुरक्षा और प्रचालन में सुधार	1.1. विद्युत पारेषण क्षमता में वृद्धि (एमवीए)	179
		1.2. नवीनीकृत एवं उन्नत किए गए सब-स्टेशनों की संख्या (संख्या में)	502			

[270] *सर्किट किलोमीटर*

1. **चल स्टॉक (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय[272] (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
45,530.15	1 प्रत्येक किस्म के चल स्टॉक का अधिग्रहण	1.1 वित्तीय वर्ष 2025-26 में परिचालित रेलइंजनों (पीयू[273]+ट्रेड) की संख्या	1,700	1 माल ढुलाई और यात्री सेवाओं में बेहतर थ्रूपुट।	1.1 पिछले वर्ष की तुलना में यात्री प्रवाह में % वृद्धि	8.7
		1.2 वित्तीय वर्ष 2025-26 में परिचालित सवारी डिब्बों की संख्या	9,343		1.2 पिछले वर्ष की तुलना में माल प्रवाह में % वृद्धि	3.13
		1.3 परिचालित रेलपथ मशीनों की संख्या	80			

2. **नई लाइनें (सीएस)**
3. **आमान परिवर्तन (सीएस)**
4. **लाइन दोहरीकरण (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
68,785.24[274]	1. नई लाइनों के निर्माण, आमान	1.1. नई लाइनों का निर्माण (किमी)	700	1. बिना संपर्कता वाले मार्गों विशेष रूप से एलडब्ल्यूई जिलों,	1.1. एनएल[275] के निर्माण के कारण रेलवे से जुड़ने वाले स्थान (मानक अंतिम स्थान	15

---

[271] *लक्ष्य वास्तविक बजटीय आवंटन के अधीन लक्ष्य अनंतिम हैं*

[272] *वित्तीय परिव्यय को अंतिम रूप दिया जाना है*

[273] *पीयू - प्रोडक्शन यूनिट (उत्पादन इकाई)*

[274] *कुल परिव्यय में नई लाइनों, गेज परिवर्तन और दोहरीकरण का परिव्यय शामिल हैं।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	परिवर्तन और लाइन दोहरीकरण की गति में तेजी	1.2. आमान परिवर्तन (किमी) कार्यों की कुल लंबाई	200	सामरिक रूप से महत्वपूर्ण जिलों, जनजातीय क्षेत्रों, आदि में बेहतर पंहुच।	दूरी को मानकर)	
		1.3. लाइन दोहरीकरण (किमी) की पूर्ण कुल लंबाई	2,600	2. अधिक संरक्षा और थ्रुपुट के साथ-साथ सघन मार्गों पर अधिक माल यातायात सेवाएं।	2.1 पिछले वर्ष की तुलना में यात्री प्रवाह में % वृद्धि	8.7
					2.2 पिछले वर्ष की तुलना में माल ढुलाई में % वृद्धि	3.13

5. रेलपथ नवीनीकरण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
22,800	1. नवीनीकृत रेलपथ की अधिक लंबाई	1.1. नवीनीकृत रेलपथ (किमी) की कुल लंबाई	5,500	1. संपत्ति की विश्वसनीयता में वृद्धि	1.1 पिछले वर्ष की तुलना में रेल/वेल्ड विफलताओं की संख्या में कमी (प्रतिशत में)	20

6. ग्राहक सुविधाएं (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
12,118.39	1. यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाना	1.1 अपग्रेडेड स्टेशनों की संख्या	303	1. अधिक यात्री संतुष्टि सूचकांक	1.1 यात्री संतुष्टि सूचकांक (प्रतिशत में)	85
		1.2 निर्मित पैदल पार पुलों की संख्या	150			

[275] *नई लाइनें*

7. यातायात सुविधाएं - यार्ड रीमॉडलिंग और अन्य (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
8,601	1. कार्यों की अधिक कवरेज	1.1 शुरू किए गए कार्यों की संख्या	90	1. जहां यार्ड रिमॉडल किए गए हैं, उन मार्गों पर अधिक यात्री और माल यातायात थ्रुपुट	1.1 पिछले वर्ष की तुलना में यात्री प्रवाह में % वृद्धि	8.7
					1.2 पिछले वर्ष की तुलना में माल प्रवाह में % वृद्धि	3.13

8. सिगनल एवं दूरसंचार (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
6,800	1. सिगनलों को बदलने का कार्य	1.1 स्टेशनों की संख्या जहां आधुनिक सिगनलिंग कार्य शुरू/पूरे किए गए हैं।	400	1. स्टेशनों पर संरक्षा में वृद्धि जहां सिगनलों को बदलने के कार्य किए गए हैं।	1.1. सिगनल विफलताओं से उत्पन्न असुरक्षित कार्यप्रणाली की घटनाओं की संख्या	0[276]
	2. समपार फाटकों की इंटरलॉकिंग	2.1 एल सी गेटों[277] की संख्या जहां इंटरलॉकिंग कार्य पूरे किए गए हैं।	120	2. समपार गेटों पर संरक्षा में वृद्धि जहां समपार गेटों में इंटलॉकिंग कार्य किए गए हैं।	2.1 गेटों पर होने वाली घटनाओं की संख्या जहां समपार गेट इंटलॉकिंग कार्य किए गए हैं।	0

[276] रेलवे दुर्घटनाओं और असुरक्षित कामकाज के प्रति शून्य सहनशीलता रखता है। इसलिए, इसके लिए लक्ष्य शून्य रखा गया है

[277] समपार

9. सड़क संरक्षा कार्य- समपार (सीएस)

10. सड़क संरक्षा कार्य- ऊपरी/निचले सड़क पुल (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
7,706[278]	1. ऊपरी/निचले सड़क पुल का निर्माण	1.1 निर्मित आरओबी/ आरयूबी की संख्या	1,100	1. संवर्धित संरक्षा	1.1 समपारों पर दुर्घटनाओं की संख्या में कमी	0
		1.2 हटाए गए चौकीदार वाले समपारों की संख्या	900			

11. महानगर परिवहन परियोजनाएं (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
2,368	1. उप-नगरीय रेलगाड़ियों की अधिकतम उपलब्धता	1.1. महानगर की नई लाइनों का निर्माण कार्य शुरू किया गया	46.45	1. इन परियोजनाओं के परिणामस्वरूप यात्रियों के थ्रूपुट में वृद्धि हुई	1.1 कुल उपनगरीय पीकेएम[279] पूरा किया गया	6,48,000

12. उत्पादन इकाइयों सहित कारखाने (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
4,623.50	1. परियोजनाओं को शीघ्र शुरू करना	1.1 वित्तीय वर्ष 25-26 में शुरू की गई परियोजनाओं की संख्या	326	1. कारखानों और उत्पादन इकाइयों में रेल	1.1 लक्षित उत्पादन में से % रोलिंग स्टॉक उत्पादन हासिल किया गया	100

---

[278] *कुल परिव्यय में सड़क सुरक्षा समपार और सड़क सुरक्षा कार्य- ऊपरी/निचले सड़क पुलों का परिव्यय शामिल है*

[279] *पीकेईएम - पैसिंजर-किलोमीटर*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
				परिसंपत्तियों का समय से कुशल रख-रखाव	1.2 सेवित चल स्टॉक का बकाया अनुरक्षण (प्रतिशत में)	0

13. **पुल संबंधी, सुरंग संबंधी कार्य एवं पहुंच मार्ग (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
2,169	1. पुल संबंधी कार्यों में संवर्धित गति	1.1. शुरू किए गए/ पूरे किए गए पुल संबंधी कार्यों की संख्या	1,600	1. बेहतर औसत गति	1.1. वार्षिक रूप से वित्तीय वर्ष 25-26 में समाप्त किए गए गति प्रतिबंधों की संख्या	10

14. **मशीनरी एवं संयंत्र (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
505	1. नई मशीनरी को बदलना और संयंत्र का संस्थापन	1.1 प्रतिस्थापन खाते पर खर्च की जाने वाली मशीनरी और संयंत्र का कुल मूल्य (रु. करोड़ में)	300	1. कारखानों और उत्पादन इकाइयों में रेल परिसंपत्तियों का समय से कुशल रख-रखाव	1.1 लक्षित उत्पादन में से % रोलिंग स्टॉक उत्पादन हासिल किया गया	100
		1.2 अतिरिक्त खाते पर खर्च की जाने वाली मशीनरी और संयंत्र का कुल मूल्य (रु. करोड़ में)	700			
		1.3 आरआरएसके[280] खाते पर खर्च की जाने वाली मशीनरी और संयंत्र का कुल मूल्य (रु. करोड़ में)	400		1.2 सेवित चल स्टॉक का बकाया अनुरक्षण (प्रतिशत में)	0

[280] *आरआरएसके - राष्ट्रीय रेल संरक्षण कोष*

1. भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क निर्माण कार्य (सीएस)[281]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
2,86,558.10	1. सभी योजनाओं में देश भर में रारा सड़क नेटवर्क का विकास।	1.1 वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान सभी योजनाओं में निर्मित कुल सड़क की लंबाई (रारा) (किमी में)।	10,000	1. गतिशीलता में सुगमता।	1.1 विगत वित्त वर्ष की तुलना में कुल राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के 4 लेन राजमार्ग में परिवर्तन (% में)।	8
		1.2 वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान पूर्वोत्तर राज्यों में निर्मित रारा की लंबाई (किमी में)।	1,100		1.2 विगत वित्त वर्ष की तुलना में एकल लेन/इंटरमीडिएट लेन रारा में परिवर्तन (% में)।	10
		1.3 वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान जनजातीय क्षेत्र में निर्मित रारा की लंबाई (किमी में)।	750			
		1.4 राष्ट्रीय राजमार्गों पर परिचालनशील हाई स्पीड कॉरिडोर की संचयी लंबाई (किमी में)।	5,800			
	2. निजी निवेश।	2.1 वर्तमान वित्तीय वर्ष में सभी पीपीपी परियोजनाओं के तहत रारा विकास में निजी क्षेत्र के रियायतग्राहियों द्वारा निवेश की गई राशि (करोड़ रुपये में)।	35,000	2. पीपीपी अनुबंधों में वृद्धि।	2.1 वर्तमान वित्तीय वर्ष में कुल सौंपी गई लंबाई के % के रूप में सौंपे गए पीपीपी अनुबंध।	30
	3. रारा का परिसंपत्ति मुद्रीकरण।	3.1 वर्तमान वित्तीय वर्ष में विकसित रारा खंडों के मुद्रीकरण से जुटाई गई धनराशि (करोड़ रुपये में)।	30,000	3. अतिरिक्त संसाधन जुटाना।	3.1 विगत वित्त वर्ष की तुलना में बजटीय परिव्यय में परिवर्तन (% में)।	10
	4. सड़क सुरक्षा।	4.1 वर्तमान वित्तीय वर्ष में राष्ट्रीय राजमार्गों पर ब्लैक स्पॉट हटाना (सं.)।	1,000	4. दुर्घटनाओं में कमी।	4.1 विगत वित्त वर्ष की तुलना में दुर्घटनाओं में कमी (% में)।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए
		4.2 वर्तमान वित्तीय वर्ष में वर्ष के दौरान संचालित	40,000			

[281] *निर्गम और परिणाम बजट के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की दो सीएस योजनाओं अर्थात् भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क निर्माण कार्य के परिव्यय को जोड़ दिया गया है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		राष्ट्रीय राजमार्गों की सड़क सुरक्षा लेखा परीक्षा (किमी में)।				जा सकते।[282]

2. अनुसंधान, प्रशिक्षण, अध्ययन और अन्य सड़क सुरक्षा योजनाएं[283] (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
595.02	1. पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा (आरवीएसएफ) और निरीक्षण एवं प्रमाणन (आई एंड सी) केंद्रों की स्थापना।	1.1 राज्यों /संघ राज्य क्षेत्रों में स्थापित स्वचालित परीक्षण स्टेशनों (एटीएस) की संख्या: वर्तमान वित्तीय वर्ष में स्थापित एटीएस की संख्या।	130	1. राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों में प्राप्त एटीएस/ आईएंडसी केंद्रों का कवरेज।	1.1 विगत वित्त वर्ष की तुलना में देश में एटीएस/आई एंड सी केंद्रों के कवरेज में परिवर्तन (36 राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों में से) (% में)।	100
		1.2 राज्यों /संघ राज्य क्षेत्रों में स्थापित स्वचालित परीक्षण स्टेशनों (एटीएस) की संख्या: वर्तमान वित्तीय वर्ष में स्थापित निरीक्षण एवं प्रमाणन (आई एवं सी) केन्द्रों की संख्या।	5	2. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में आरवीएसएफ सुविधाओं का उपयोग।	2.1 विगत वित्त वर्ष की तुलना में आरवीएसएफ में स्क्रैप किए गए वाहनों की संख्या में परिवर्तन।	100
		1.3 वर्तमान वित्तीय वर्ष में स्थापित पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा (आरवीएसएफ) की संख्या।	15			
	2. सड़क सुरक्षा ऑडिटर्स का प्रशिक्षण।	2.1 वर्तमान वित्तीय वर्ष में सड़क सुरक्षा ऑडिटर्स प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या।	5	3. बेहतर सड़क सुरक्षा।	3.1 विगत वित्त वर्ष की तुलना में प्रशिक्षित सड़क सुरक्षा ऑडिटर्स की संख्या में परिवर्तन (% में)।	10

[282] *यद्यपि मंत्रालय का उद्देश्य 2022 की तुलना में 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं की संख्या को आधा करना है, कोई वार्षिक लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है क्योंकि इस प्रक्रिया में शिक्षा सुदृढ़ीकरण, इंजीनियरिंग (सड़क और वाहन दोनों), प्रवर्तन और आपात देखभाल पर केन्द्रित संस्थागत तंत्र के माध्यम से सड़क सुरक्षा के मामले का निवारण करने के लिए दीर्घकालिक उपाय/रणनीति शामिल हैं। इसके अलावा परिणाम दीर्घकालिक हैं।*

[283] *परिवहन क्षेत्र*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	3. चालक (ड्राइविंग) प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान और ड्राइविंग प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना और संचालन।	3.1 वर्तमान वित्तीय वर्ष में स्थाआपित किए गए ड्राइविंग प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थानों (आईडीटीआर) की संख्या।	4	4. सड़क और वातावरण सुरक्षा बढ़ाने के लिए चालक (ड्राइविंग) प्रशिक्षण केन्द्रों में निजी/ व्यावसायिक वाहन चालकों को गुणवत्तापरक प्रशिक्षण प्रदान करना।	4.1 विगत वित्त वर्ष की तुलना में एचएमएल/एलएमवी ड्राइविंग के लिए प्रशिक्षित ड्राइविंग प्रशिक्षण अनुदेशकों/ प्रशिक्षणार्थियों की संख्या में परिवर्तन (% में)।	10
		3.2 वर्तमान वित्तीय वर्ष में स्थापित किए गए क्षेत्रीय ड्राइविंग प्रशिक्षण क्षेत्र (आरडीटीसी) की संख्या।	7			
		3.3 वर्तमान वित्तीय वर्ष में स्थापित किए गए छोटे ड्राइविंग प्रशिक्षण केंद्र की संख्या।	25			
	4. मोटर वाहनों के उपयोग से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों को नकदी रहित उपचार।	4.1 "मोटर वाहनों के कारण हुई सड़क दुर्घटना के पीड़ितों के लिए नकदी रहित उपचार" को लागू करने वाले राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या।	36	5. सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए आपातकालीन देखभाल उपचार के प्रशासन में सुधार।	5.1 विगत वित्त वर्ष की तुलना में योजना के अंतर्गत उपचार प्राप्त करने वाले पीड़ितों की संख्या (% में)।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[284]

[284] *निःशुल्क इलाज योजना प्रायोगिक आधार पर शुरु की गई है। तथापि एमओआरटीएच अधिकतम पीड़ितों का इलाज कराने का आशय रखता है और इसलिए कोई वार्षिक लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है।*

ग्रामीण विकास विभाग

1. प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
54,832	1. पर्याप्त बुनियादी सुविधाओं वाले पक्के मकानों का निर्माण।	1.1. पूर्ण हो चुके आवासों की संख्या (शौचालय सहित) (लाख	40	1. अधिक परिवार सम्मानजनक घरों में रहते हैं, जिनमें बुनियादी सुविधाओं और जीविकोपार्जन के अवसर उपलब्ध हैं।	1.1. बेघर होने की दर में परिवर्तन (% में)	80[285]
		1.2. अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लाभार्थियों की संख्या (लाख में)	20			
		1.3. महिला लाभार्थियों/महिला एवं पुरुष लाभार्थियों के स्वामित्व वाले आवासों का %	100			

2. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
19,000	1. गुणवत्ता वाली बारहमासी सड़कों की उपलब्धता और उनका	1.1. जोड़ी जाने वाली सड़क की लंबाई (किमी में)	35,000	1. पात्र बस्तियों को बारहमासी सड़क सम्पर्कता उपलब्ध कराना तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और आवागमन तक पहुंच	1.1. पीएम जनमन के तहत संपर्कता प्राप्त पात्र बस्तियों की संख्या।	1,200
		1.2. एनक्यूएम द्वारा निरीक्षण किये गये कार्य	5,000			
		1.3. पिछले वित्तीय वर्ष की शुरुआत में, एनक्यूएम द्वारा मूल्यांकित किए गए पूर्ण किए गए परियोजनाओं का औसत असंतोषजनक %, जिनका समाधान नहीं हो सका।	<4			

[285] *मूल्यांकन अध्ययन की रिपोर्ट के आधार पर परिणामी संकेतकों संबंधी प्रगति वार्षिक रूप से प्रदान की जाएगी।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	समय पर रखरखाव	1.4. चालू वित्तीय वर्ष की शुरुआत में एनक्यूएम द्वारा निर्धारित रखरखाव परियोजनाओं की औसत असंतोषजनक स्थिति का % जिनमे अभी तक सुधार नहीं हुआ है।	<15	के लिए मार्ग उपलब्ध कराना।	1.2. पीएमजीएसवाई-IV के तहत संपर्कता प्राप्त पात्र बस्तियों की संख्या।	2,500
		1.5. मेरी सड़क ऐप पर पंजीकृत पीएमजीएसवाई से संबंधित 3 महीने से अधिक पुरानी शिकायतों में से निपटाई गई शिकायतों का प्रतिशत (%)	>95			
		1.6. हरित तकनीकी का उपयोग करके निर्मित सड़क की लंबाई (किमी में)	18,000			
		1.7. वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के अंतर्गत निर्मित सड़कों की लंबाई (किमी में)	500			
		1.8. पीएम-जनमन के तहत निर्मित सड़कों की लंबाई (किमी में)	3,700			
		1.9. संपर्कता प्राप्त पात्र बस्तियों की संख्या।	2,500			

3. दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26[286]
19,005	1. स्वयं सहायता समूहों का पूंजीकरण	1.1. प्रदान की गई परिक्रामी निधि (आरएफ) और सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) की राशि (लाख रुपये में)	9,91,896.63	1. स्वयं सहायता समूह का वित्तीय समावेशन	1.1. बैंक ऋण[287] प्राप्त करने वाले स्वयं सहायता समूहों की संख्या (लाख में)	42
	2. गरीबों के लिए सतत	2.1 कृषक उत्पादक संगठन (उत्पादक समूह और	25		1.2. एसएचजी[288] द्वारा प्राप्त बैंक ऋण	1,45,000

---

[286] *आगे यह उल्लेखनीय है कि ये लक्ष्य परिवर्तनीय हैं जब राज्यों की कार्ययोजनाएं ग्रामीण विकास मंत्रालय की कार्यकारी समिति द्वारा अनुमोदित की जाएंगी। अंतिम आंकड़े वार्षिक कार्ययोजनाओं के अनुमोदन के पश्चात प्रस्तुत किए जाएंगे।*

[287] *बैंक ऋण के लिए लक्ष्य प्रतिवर्ष निर्धारित किये जाते हैं।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26[286]
	आजीविका सेवाएं	उद्यम) में शामिल की गई महिला किसानों की संख्या (लाख में)			की राशि (रुपए करोड़ में)	
	3. लघु व्यवसाय चलाने वाले स्वयं सहायता समूह के सदस्य	3.1 एसवीईपी के माध्यम से सहायता प्राप्त उद्यमों की संख्या	42,976			
	4. कौशल प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट	4.1. दीन दयाल उपाध्याय - ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू-जीकेवाई) के अंतर्गत प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या (लाख में)	2.0[289]	2. डीडीयूजीकेवाई के माध्यम से प्लेसमेंट और आरएसईटीआई योजना के माध्यम से निपटान	2.1. डीडीयूजीकेवाई के अंतर्गत नियोजित व्यक्तियों की संख्या (लाख में)	1.4[290]
		4.2. ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरएसईटीआई) के अंतर्गत प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या (लाख में)	6.0		2.2. आरएसईटीआई के अंतर्गत रोजगार प्राप्त व्यक्तियों की संख्या (लाख में)	4.2

4. मनरेगा-कार्यक्रम घटक (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
86,000	1. रोजगार उपलब्ध कराना, संस्थागत	1.1. सृजित श्रम दिवसों की संख्या (करोड़ में) 1.2. वर्ष के दौरान सृजित कुल परिसंपत्तियों की	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा	1. आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना	1.1. शुरू किये गये सूक्ष्म सिंचाई कार्य (हेक्टेयर 1.2. वनरोपण कार्य (संख्या में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा

---

[288] *उपरोक्त*

[289] *डीडीयूजीकेवाई दिशानिर्देशों के अनुमोदन के अधीन*

[290] *उपरोक्त*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	क्षमता में सुधार और टिकाऊ परिसंपत्तियों का सृजन	संख्या (संख्या में)	सकते[291]	और ग्रामीण परिसंपत्तियों का निर्माण करना	1.3. जल निकायों का निर्माण/पुनर्निर्माण (संख्या में)	सकते[292]
		1.3. मांगे गए रोजगार की तुलना में रोजगार की पेशकश किए गए लोगों का %				
	2. डिजिटल तकनीकी द्वारा निगरानी/सत्यापन किए गए कार्य	2.1. जियोटैग की गई परिसंपत्तियों की संख्या (जियो मनरेगा)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[293]			
		2.2. उन श्रमिकों की संख्या जिनकी उपस्थिति डिजिटल रूप से दर्ज की गई है (राष्ट्रीय मोबाइल निगरानी प्रणाली)				
		2.3. कार्यस्थलों के निरीक्षण की संख्या (क्षेत्र अधिकारी ऐप)				

5. राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एनएसएपी) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
9,652	**क. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना (आईजीएनओएपीएस)**					
	1. योजना के तहत शामिल किए गए लाभार्थियों में से आधार से जुडे लाभार्थियों का %।	1.1. लाभार्थियों के खातों को आधार से जोड़ा गया(%)	100	1. आवश्यक सामाजिक सहायता प्राप्त करने वाले लाभार्थी।	1.1. वित्त वर्ष 25-26 में संतुष्टि व्यक्त करने वाले लाभार्थियों की %	80

[291] महात्मा गांधी नरेगा योजना एक मांग आधारित कार्यक्रम है। ग्राम पंचायत स्तर पर कार्य निष्पादित किए जाते हैं और निष्पादन के लिए ऐसा कोई लक्ष्य नहीं है, इसलिए 2025-26 के लिए परिणाम/लक्ष्य का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है। हालाँकि विभिन्न संकेतकों पर की गई उपलब्धियों की रिपोर्ट वर्ष के दौरान तिमाही आधार पर दी जाएगी।

[292] उपरोक्त।

[293] उपरोक्त।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	2. निर्धारित समय-सीमा के अनुसार लाभ प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का %।	2.1 समय पर भुगतान प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का %	80			
	3. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा रिपोर्ट की गई डीबीटी लेनदेन की संख्या (करोड़ में)	3.1 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा सूचित डीबीटी लेनदेन की संख्या (करोड़ में)	16			
	ख. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना (आईजीएनडब्ल्यूपीएस)					
	1. योजना के तहत शामिल किए गए लाभार्थियों में से आधार से जुड़े लाभार्थियों का %।	1.1. लाभार्थियों के खातों को आधार से जोड़ा गया(%)	100	1. आवश्यक सामाजिक सहायता प्राप्त करने वाले लाभार्थी।	1.1. वित्त वर्ष 25-26 में संतुष्टि व्यक्त करने वाले लाभार्थियों की %	80
	2. निर्धारित समय-सीमा के अनुसार लाभ प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का %।	2.1 समय पर भुगतान प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का %	80			
	3. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा रिपोर्ट की गई डीबीटी लेनदेन की संख्या (करोड़ में)	3.1 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा सूचित डीबीटी लेनदेन की संख्या (करोड़ में)	4.38			
	ग. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विकलांगता पेंशन योजना (आईजीएनडीपीएस)					
	1. योजना के तहत शामिल किए गए लाभार्थियों में से आधार से जुड़े लाभार्थियों का %।	1.1. लाभार्थियों के खातों को आधार से जोड़ा गया(%)	100	1. आवश्यक सामाजिक सहायता प्राप्त करने वाले लाभार्थी।	1.1. वित्त वर्ष 25-26 में संतुष्टि व्यक्त करने वाले लाभार्थियों की %	80
	2. निर्धारित समय-सीमा के अनुसार लाभ प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का %।	2.1 समय पर भुगतान प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का %	80			
	3. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा रिपोर्ट की गई डीबीटी लेनदेन की संख्या (करोड़ में)	3.1 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा सूचित डीबीटी लेनदेन की संख्या (करोड़ में)	0.62			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	घ. राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना (एनएफबीएस)					
	1. योजना के तहत शामिल किए गए लाभार्थियों में से आधार से जुडे लाभार्थियों का %।	1.1. लाभार्थियों के खातों को आधार से जोड़ा गया(%)	100	1. आवश्यक सामाजिक सहायता प्राप्त करने वाले लाभार्थी।	1.1. वित्त वर्ष 25-26 में संतुष्टि व्यक्त करने वाले लाभार्थियों की %	80
	2. निर्धारित समय-सीमा के अनुसार लाभ प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का %।	2.1 समय पर भुगतान प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का %	80			
	ङ. अन्नपूर्णा योजनाः					
	1. योजना के तहत शामिल किए गए लाभार्थियों में से आधार से जुडे लाभार्थियों का %।	1.1. लाभार्थियों के खातों को आधार से जोड़ा गया(%)	80	1. खाद्य सुरक्षा संबंधी आवश्यक सामाजिक सहायता प्राप्त करने वाले लाभार्थी।	1.1. वित्त वर्ष 25-26 में संतुष्टि व्यक्त करने वाले लाभार्थियों की %	80
	2. निर्धारित समय-सीमा के अनुसार लाभ प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का %।	2.1 समय पर भुगतान प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का %	100			

भूमि संसाधन विभाग

1. वाटरशेड विकास घटक - प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
2,505	1. वाटरशेड परियोजनाओं में वर्षा सिंचित/अवक्रमित भूमि का विकास	1.1. सृजित / पुनरुद्धार की गई जल संचयन संरचनाओं की सं. (वित्त वर्ष 2025-26 में)	60,000	1. वाटरशेड परियोजनाओं की बेहतर दक्षता	1.1 शून्य/एकल फसल से दोहरी अथवा अधिक फसल के तहत लाए गए क्षेत्र (हेक्टेयर में) (वित्त वर्ष 2025-26 में)	35,000
		1.2. शामिल अवक्रमित भूमि का क्षेत्रफल/विकसित वर्षा सिंचित क्षेत्र (हेक्टेयर में) (वित्त वर्ष 2025-26 में)	2,50,000		1.2 विविधिकृत फसलों/ फसलन प्रणालियों में परिवर्तन के अधीन लाया गया क्षेत्र (हेक्टेयर में) (वित्त वर्ष 2025-26 में)	30,000
		1.3. मृदा तथा नमी संरक्षण कार्यकलापों के तहत शामिल किया गया क्षेत्र (हेक्टेयर में) (वित्त वर्ष 2025-26 में)	1,00,000		1.3 संरक्षणात्मक सिंचाई के तहत लाया गया क्षेत्र (हेक्टेयर में) (वित्त वर्ष 2025-26 में)	1,00,000
		1.4. वृक्षारोपण (वनीकरण/बागवानी इत्यादि) के तहत लाया गया क्षेत्र (हेक्टेयर में) (वित्त वर्ष 2025-26 में)	40,000		1.4 सकल फसली क्षेत्र में वृद्धि (हेक्टेयर में) (वित्त वर्ष 2025-26 में)	70,000
		1.5. पुनरुद्धारित झरनों की संख्या (वित्त वर्ष 2025-26 में)	1,000		1.5 लाभान्वित किसानों की संख्या (वित्त वर्ष 2025-26 में)	4,00,000
					1.6 भूजल स्तर में सुधार (मीटर में) (वित्त वर्ष 2025-26 में)	2-3[294]

[294] *एमबीजीएल (श्रेणी) [परियोजना पूरी होने के 3 वर्ष बाद]*

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

1. विज्ञान धारा (सीएस)

वितीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-2026	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-2026
1,425	**क. इंसपायर- मानक**					
	1. स्कूली छात्रों में नवोन्मेष और रचनात्मक सोच का संवर्धन	1.1. जागरूकता लाने के लिए आयोजित कार्यशालाओं की संख्या	30	1. स्कूल स्तर पर प्रसार	1.1. मानक के अंतर्गत अपने नवोन्मेषी विचार प्रस्तुत करने वाले छात्रों की संख्या	85
		1.2. इंस्पायर[295] मानक[296] पुरस्कारों के लिए चयनित अभिनव उद्भावनाओं की संख्या	50,000		1.2. सहभागिता वाली स्कूलों की संख्या	80
					1.3. प्रस्तुत पेटेंटों की संख्या (कुल)	80
	ख. विश्वविद्यालय अनुसंधान और वैज्ञानिक उत्कृष्टता संवर्धन (पर्स)					
	1. विश्वविद्यालयों में आर एंड डी अवसंरचना सुदृढीकरण	1.1. सहायित विश्वविद्यालयों की संख्या (कुल)	20	1. शिक्षण एवं शोध की गुणवत्ता में सुधार	1.1. एससीआई पत्रिकाओं में शोध पत्रों की संख्या	400
		1.2. सहायित सुविधाओं की संख्या (कुल)	150		1.2. सुविधाओं का उपयोग करने वाले शोधकर्ताओं की संख्या (कुल)	5,000
		1.3. आयोजित क्षमता वर्धन कार्यक्रम/कार्यशालाओं की संख्या	80		1.3. उन्नत मानव संसाधन कौशल की संख्या	200
	ग. विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में एस एंड टी अवसंरचना के सुधार निधि (एफआईएसटी)					
	1. महाविद्यालयों, शिक्षण और शैक्षिक अनुसंधान संस्थानों में आर एंड डी अवसंरचना सुदृढीकरण	1.1. सहायित विभागों/पीजी कॉलेजों की कुल संख्या	100	1. शिक्षण एवं अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार	1.1. एससीआई पत्रिकाओं में शोध पत्रों की संख्या	5,500
		1.2. सुदृढ़ीकृत अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं की संख्या	800		1.2. सुविधाओं का उपयोग करने वाले शोधकर्ताओं की संख्या	5,000

[295] *इन्नोवोशन इन साइंस परस्यूट फॉर इंस्पायर्ड रिसर्च*

[296] *मिलियन माइंड्स ऑगमेंटिंग नैशनल एस्पाइरेशन एंड नॉलेज*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-2026	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-2026
					1.3. उन्नत मानव संसाधन कौशल की संख्या	3,000
	घ. परिष्कृत विश्लेषणात्मक उपकरण सुविधाएं (सैफ)					
	1. देश में आर एंड डी अवसंरचना का सुदृढीकरण	1.1. आयोजित क्षमता वर्धन कार्यक्रम/ कार्यशालाओं की संख्या	60	1. विश्लेषणात्मक उपकरणों की गुणवत्ता में सुधार	1.1. एससीआई पत्रिकाओं में शोध पत्रों की संख्या	2,200
					1.2. सुविधाओं के उपयोगकर्ता वैज्ञानिकों/ शोधकर्ताओं/ छात्रों की संख्या	30,000
		1.2. विभिन्न केन्द्रों में मिलाकर बढ़ाए गए उपकरणों /सुविधाओं की संख्या (कुल)	20		1.3. विश्लेषित नमूनों की संख्या	90,000
					1.4. सुविधाओं के उपयोग से प्राप्त राजस्व (करोड़ों में)	10
	ङ. परिष्कृत विश्लेषणात्मक और तकनीकी सहायता संस्थान (साथी)					
	1. देश में आर एंड डी अवसंरचना का सुदृढीकरण	1.1. सहायित साथी केन्द्रों की संख्या (कुल)	3	1. विश्लेषणात्मक उपकरणों की गुणवत्ता में सुधार।	1.1. एससीआई पत्रिकाओं में शोध पत्रों की संख्या	60
					1.2. मेजबान संस्थान और बाहरी स्रोतों, दोनों से उपयोगकर्ताओं की संख्या	540
					1.3. विश्लेषित नमूनों की संख्या	950
					1.4. सुविधाओं के उपयोग से प्राप्त राजस्व (लाखों में)	300
					1.5. उन्नत मानव संसाधन कौशल की संख्या	160
					1.6. उद्योगों, एमएसएमई, स्टार्ट-अप आदि से उपयोगकर्ताओं की संख्या	150

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-2026	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-2026
	च. राष्ट्रीय एस एंड टी प्रबंधन सूचना प्रणाली (एनएसटीएमआईएस)					
	1. राष्ट्रीय एसटीआई पारितंत्र का मानचित्रण करने के लिए आंतरिक और बाह्य परियोजनाओं के माध्यम से एस एंड टी संसाधनों का परिमाणीकरण	1.1. सहायित अध्ययनों की संख्या	26	1. एनएसटीएमआईएस सूचना संसाधनों तक उपयोगकर्ता की पहुंच	1.1. उपयोगकर्ताओं की संख्या	800
	छ. इंस्पायर अध्येतावृति					
	1. एस एंड टी, चिकित्सा, कृषि, फार्मेसी और पशु चिकित्सा विज्ञान के सभी क्षेत्रों में डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करना	1.1. सहायित इंस्पायर अध्येतावृत्ति की संख्या (कुल)	3,200	1. मेधावी छात्रों को पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए प्रोत्साहित करना	1.1. अध्येतावृत्ति अवधि पूरी करने वाले अध्येताओं की संख्या	130
					1.2. समकक्ष समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या	400
	ज. इंस्पायर इंटर्नशिप					
	1. विज्ञान के प्रतिष्ठित व्यक्तियों के साथ छात्रों की परिचर्चा सुधार करना	1.1. आयोजित इंटर्नशिप विज्ञान शिविरों की संख्या	100	1. विज्ञान एवं शोध में अपना कैरियर बनाने वाले छात्रों की संख्या में सुधार	1.1. लाभार्थी छात्रों की संख्या	15,000
	झ. इंस्पायर फैकल्टी फेलोशिप					
	1. देश में शोध के लिए सक्षम पारितंत्र बनाना	1.1. इंस्पायर संकाय सहायित फेलोशिप की संख्या (कुल)	400	1. नवीन एवं प्रभावशाली शोध	1.1. समकक्ष समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या	100
					1.2. प्रस्तुत पेटेंट की संख्या (कुल)	5
	ञ. इंस्पायर- उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति (शी)					
	1. विज्ञान गहन कार्यक्रम के तहत उच्च शिक्षा के लिए	1.1. कुल सहायित शी छात्रवृत्ति की संख्या	32,000	1. एमएससी/डॉक्टोरल कार्यक्रमों में शामिल	1.1. प्राकृतिक और प्रयुक्त विज्ञान में मास्टर डिग्री कार्यक्रम में शामिल	4,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26				परिणाम 2025-26					
2025-2026		निर्गम		संकेतक	लक्ष्य 2025-2026		परिणाम		संकेतक	लक्ष्य 2025-2026
		युवाओं को प्रोत्साहित करना					होने वाले शी अध्येता		होने वाले शी अध्येताओं की संख्या	
								1.2.	प्राकृतिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान में पीएचडी कार्यक्रम में शामिल होने वाले शी अध्येताओं की संख्या	250
	ट. राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्यक्रम									
	1.	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद का सुदृढीकरण	1.1.	सहायित राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषदों की संख्या (कुल)	25	1.	प्रणालीगत अंतःक्षेप के माध्यम से राज्य स्तर पर विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष पारितंत्र को सुदृढ़ करना	1.1.	प्रस्तुत पेटेंट की संख्या (कुल)	80
			1.2.	सहायित पेटेंट सूचना केंद्रों (पीआईसी) की संख्या (कुल)	20			1.2.	प्रदर्शित प्रौद्योगिकियों की संख्या	40
								1.3.	प्रकाशनों की संख्या	40
	ठ. वाइस-किरन (विज्ञान और इंजीनियरिंग में महिलाएं-किरन)									
	1.	महिलाओं के लिए एस एंड टी	1.1	सहायित परियोजनाओं की संख्या (कुल)	30	1.	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आधारित हस्तक्षेपों के माध्यम से महिलाओं की क्षमता वर्धन एवं सशक्तिकरण	1.1.	एस एंड टी लाभान्वित द्वारा महिलाओं की संख्या	800
	2.	अध्येतावृत्ति कार्यक्रम	2.1	सहायित अध्येतावृत्ति की संख्या (कुल)	600	2.	अध्येतावृत्ति कार्यक्रम	2.1.	प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या	400
	3.	संस्थागत सहायता	3.1	गति/क्यूरी कार्यक्रम में सहायित संस्थानों की संख्या	50	3.	संस्थागत सहायता	3.1.	गति के तहत मान्यता प्राप्त संस्थानों की संख्या	12
								3.2.	उन्नत कौशल वाली महिला वैज्ञानिकों की संख्या	100
	4.	प्रशिक्षण एवं क्षमता वर्धन	4.1	आयोजित क्षमता वर्धन कार्यक्रमों की संख्या	5					

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-2026	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-2026
	ड. संज्ञात्मक विज्ञान और अनुसंधान पहल (सीएसआरआई)					
	1. बोधनशील विज्ञान में अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं और क्षमता वर्धन को सहायित करना	1.1. सहायित परियोजनाओं की संख्या (कुल)	60	1 बोधनशील विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में सृजित ज्ञान	1.1. एससीआई पत्रिकाओं में शोध पत्रों की संख्या	60
		1.2. कुल सहायित पोस्ट-डॉक्टरल फेलो की संख्या	12			
		1.3. आयोजित क्षमता वर्धन कार्यक्रमों की संख्या	4		1.2. उन्नत मानव संसाधन कौशल की संख्या	250
	ढ. नीति अनुसंधान प्रकोष्ठ (पीआरसी)					
	1. साक्ष्य-आधारित नीति अनुसंधान के माध्यम से एसटीआई नीति अनुसंधान पारितंत्र का सुदृढीकरण	1.1. सहायित नीति अनुसंधान केंद्रों की संख्या (कुल)	10	1. नीति अनुसंधान में सुधार	1.1. प्रकाशित नीति संक्षिप्त/नीति शोध पत्रों की संख्या (कुल)	20
		1.2. सहायित नीति अध्येताओं की संख्या	5		1.2. प्रशिक्षित नीति पेशेवर की संख्या	20
	ण. प्रशिक्षण प्रकोष्ठ					
	1. 'सरकारी क्षेत्र और उसके महिला संघटक में कार्यरत वैज्ञानिकों एवं प्रौद्योगिकीविदों के प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम' योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम	1.1. वैज्ञानिकों/प्रौद्योगिकीविदों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	35	1. 'सरकारी क्षेत्र में कार्यरत और इसके महिला संघटकों में कार्यरत वैज्ञानिकों एवं प्रौद्योगिकीवदों के प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम' के अंतर्गत प्रशिक्षित वैज्ञानिकों की संख्या	1.1. उन्नत क्षमता वाले वैज्ञानिकों एवं प्रौद्योगिकीविदों की संख्या	800
	त. राष्ट्रीय नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मिशन					
	1. नैनो विज्ञान, व्यक्तिगत वैज्ञानिक-विनिर्दिष्ट परियोजनाओं या बहु-	1.1. सहायित अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या (कुल)	80	1. नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उन्नत अनुसंधान और	1.1. एससीआई पत्रिकाओं में शोध पत्रों की संख्या	50
		1.2. पोस्ट-डॉक्टोरल फ़ेलोशिप की संख्या	6		1.2. उन्नत मानव संसाधन कौशल की	50

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-2026	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-2026
	संस्थागत परियोजनाओं या औद्योगिक अकादमिक साझेदारी परियोजनाओं या अंतरराष्ट्रीय सहयोगी परियोजनाओं जनशक्ति प्रशिक्षण, और नैनो मिशन के तहत उद्योग-अकादमिक साझेदारी के बुनियादी पहलुओं संबंधी अनुसंधान एवं विकास को सहायता			विकास	संख्या	
	थ. जलवायु परिवर्तन कार्यक्रम (सीसीपी)					
	1. एनएमएसएचई और एनएमएसकेसीसी के माध्यम से जलवायु परिवर्तन विज्ञान और अनुकूलन के क्षेत्र में एस एंड टी क्षमताओं और ज्ञान का सृजन	1.1 सहायित ज्ञान केंद्रों की संख्या	23	1. एनएमएसएचई और एनएमएसकेसीसी के माध्यम से जलवायु परिवर्तन विज्ञान और अनुकूलन के क्षेत्र में एस एंड टी क्षमताओं तथा ज्ञान का सृजन	1.1 एससीआई पत्रिकाओं में शोध पत्रों की संख्या	110
		1.2 सहायित राज्य जलवायु परिवर्तन केंद्रों की संख्या	30			
		1.3 सहायित अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	72		1.2 उन्नत ज्ञान और कुशल वाले शोधकर्ताओं की संख्या	1,100
		1.4 क्षमता वर्धन (सीबी) कार्यक्रमों की संख्या	120			
	द. अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग					
	1. अंतर्राष्ट्रीय सहकार्यता के माध्यम से आर एंड डी के पारितंत्र को बढ़ावा देना	1.1 सहायित अंतर्राष्ट्रीय आर एंड डी परियोजनाओं की संख्या	370	1. एस एंड टी पारितंत्र की गुणवत्ता में सुधार	1.1 पत्रिकाओं में संयुक्त प्रकाशनों की संख्या	600
		1.2 सहायित औद्योगिक आर एंड डी परियोजनाओं की संख्या (कुल)	20			
		1.3 अभ्यागत दौरों की संख्या	1,000		1.2 प्रस्तुत पेटेंट की संख्या(कुल)	20
		1.4 आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाओं,	100		1.3 विकसित प्रौद्योगिकियों की संख्या	15

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-2026	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-2026
		एस एंड टी कार्यक्रमों, मंच, विषयगत बैठकों की संख्या				
		1.5 सहायित /स्थापित उत्कृष्टता केन्द्रों (सीओई) की संख्या (कुल)	5			
		1.6 सहायित फेलोशिप की संख्या	250			
	ध. बुनियादी अनुसंधान के लिए मेगा सुविधाएं					
	1. बुनियादी अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए मेगा सुविधाओं को मजबूत करना	1.1 सहायित मेगा परियोजनाओं की संख्या	10	1. बुनियादी अनुसंधान में प्रौद्योगिकी/उत्पादों का विकास	1.1 विकसित प्रोटोटाइप की संख्या	4
					1.2 शोधकर्ताओं द्वारा उपयोग में ली गई अनुसंधान सुविधाओं की संख्या	8
		1.2 आयोजित प्रसार कार्यक्रमों की संख्या	4		1.3 उद्योग जगत को हस्तांतरित प्रौद्योगिकियों की संख्या	1
					1.4 मेगा परियोजनाओं, भारतीय वस्तु योगदान के रूप में मेगा परियोजनाओं को आपूर्ति किये गए उच्च तकनीक घटकों की संख्या	20
					1.5 प्रस्तुत पीएचडी की संख्या	15
					1.6 मेगा परियोजनाओं में योगदान देने वाले भारतीय उद्योगों की संख्या	40
					1.7 एससीआई पत्रिकाओं में शोध पत्रों की संख्या	80
	न. जल प्रौद्योगिकी पहल (डब्ल्यूटीआई)					
	1. जल प्रौद्योगिकी में अनुसंधान और नवीन परियोजनाओं को सहायित करना	1.1 सहायित अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	59	1. प्रौद्योगिकी का विकास	1.1 प्रयोगशाला में विकसित प्रौद्योगिकियों के प्रयोग से लाभान्वित होने वाली हैमलेटस की संख्या	7
					1.2 विकसित/प्रदर्शित प्रौद्योगिकी की संख्या	13

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-2026	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-2026
		1.2 अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं की संख्या	3		1.3 एससीआई पत्रिकाओं में शोध पत्रों की संख्या	73
					1.4 प्रस्तुत पेटेंटों की संख्या	7
	ऩ. स्वच्छ ऊर्जा अनुसंधान पहल (सीईआरआई)					
	1. बेहतर व्यावसायीकरण और जनशक्ति एवं अंतर्राष्ट्रीय सहकार्यता को मजबूत करने के लिए अवधारणा-प्रमाण पर आधारित नई प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए सक्षम पारितंत्र बनाना	1.1 सहायित अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	150	1. प्रौद्योगिकियों का विकास।	1.1 एससीआई पत्रिकाओं में शोध पत्रों की संख्या	120
		1.2 सहायित अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं की संख्या	19		1.2 प्रस्तुत पेटेंटों की संख्या	22
					1.3 निर्मित हुई प्रौद्योगिकी संचालनों की संख्या	23
					1.4 उन्नत मानव संसाधन कौशल की संख्या	300
	प. एस एंड टी संचार और सार्वजनिकरण					
	1. संचार के विभिन्न साधनों के माध्यम से विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष का सार्वजनिकरण	1.1 आयोजित छात्र केंद्रित गतिविधियों की संख्या	650	1. वैज्ञानिक रूप से जागरूक समाज का निर्माण करना	1.1 लाभान्वित स्कूली बच्चों की संख्या	2,54,000
		1.2 शोधकर्ता केन्द्रित गतिविधियों की संख्या	10		1.2 लोकप्रिय/तकनीकी लेखन में शामिल शोधकर्ताओं की संख्या	2,000
		1.3 जनसाधारण के लिए एसटीईएमएम प्रदर्शन गतिविधियों की संख्या	120		1.3 भाग लेने वाले व्यक्तियों की संख्या	10,00,000
		1.4 आयोजित औद्योगिक/आर एंड डी प्रयोगशालाओं के दौरों की संख्या	20		1.4 औद्योगिक भ्रमण में शामिल छात्रों की संख्या	2,000
		1.5 विज्ञान संचारकों के लिए क्षमता वर्धन कार्यशालाओं की संख्या (कम लागत वाली शिक्षण सहायता आदि)	60		1.5 प्रशिक्षित विज्ञान संचारकों की संख्या	1,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-2026	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-2026
	फ. विज्ञान और समाज कार्यक्रम					
	1. आजीविका के लिए नवोन्मेषों को सुदृढ़ और उन्नत बनाना एवं पोषित करना (सुनील)	1.1 सहायित परियोजनाओं की संख्या (कुल)	14	1. सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु उद्यमशीलता और प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने के लिए पारितंत्र का निर्माण करना	1.1 परियोजना अंतःक्षेप के तहत लाभान्वित सामुदायिक समूहों की संख्या	5
		1.2 आयोजित कौशल उन्नयन कार्यक्रमों की संख्या	20		1.2 लाभार्थियों की संख्या	200
					1.3 सामाजिक आवश्यकताओं को पुरा करते हुए विकसित प्रौद्योगिकियों की संख्या	6
	2. दिव्याँगों और बुजुर्गों के लिए प्रौद्योगिकी अंतःक्षेप कार्यक्रम (टीआईडीई)	2.1 सहायित परियोजनाओं की संख्या (कुल)	20	2. बुजुर्गों और दिव्याँगों के लिए सहायक प्रौद्योगिकी उत्पादों का विकास	2.1. विकसित सहायक प्रौद्योगिकी उत्पादों की संख्या	10
					2.2. प्रकाशनों की संख्या	20
					2.3. दाखिल पेटेंटों की संख्या (कुल)	5
	3. युवा वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीविद् (एसवाईएसटी) योजना	3.1 सहायित परियोजनाओं की संख्या (कुल)	30	3. युवा वैज्ञानिकों को सामाजिक रूप से प्रासंगिक चुनौतियों का समाधान करने और एस एंड टी आधारित समाधान प्रदान करने के लिए सक्षम वातावरण प्रदान करना	3.1. विकसित और प्रदर्शित प्रौद्योगिकियों की संख्या	10
	4. अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) जनसंख्या के लिए एस एंड टी कार्यक्रम	4.1 सहायित परियोजनाओं की संख्या (कुल)	80	4. एससी/एसटी के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के निवेश सहित सामाजिक	4.1 प्रदर्शित प्रौद्योगिकियों की संख्या	100
		4.2 सहायित एसटीआई हबों की संख्या (कुल)	20		4.2 लाभार्थियों की संख्या	10,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-2026	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-2026
		4.3 आयोजित जागरूकता/क्षमता वर्धन कार्यक्रमों की संख्या	100	कार्यक्रम	4.3 प्रकाशनों की संख्या	50
	ब. प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम (टीडीपी)					
	1. उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी (एएमटी)/जैव चिकित्सा उपकरण/प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम/अपशिष्ट प्रबंधन प्रौद्योगिकी/उपचारात्मक रसायनों के अंतर्गत प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए पारितंत्र को प्रोत्साहन देना	1.1 सहायित परियोजनाओं की संख्या	200	1. देश में प्रौद्योगिकी विकास	1.1 सहायित प्रौद्योगिकियों की संख्या	40
	भ. राष्ट्रीय भू-स्थानिक डेटा अवसंरचना (एनएसडीआई)					
	1. संचालन और निर्णय लेने में भू-स्थानिक डेटा अवसंरचना (एसडीआई) वर्धन और उपयोग हेतु भू-स्थानिक डेटा और प्रौद्योगिकियों का विकास और मानकीकरण	1.1 स्थापित राज्य स्थानिक डेटा अवसंरचना की संख्या	3	1. आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए संचालन और निर्णय लेने हेतु उपलब्ध आधिकारिक और एकीकृत भू-स्थानिक डेटा की बढ़ी पहुँच और दायरा	1.1 विकसित और परिनियोजित भूस्थानिक डेटा परिसंपत्तियों/प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों/मानकों की संख्या	6
		1.2 एनडीआर पर संयोजित किए गए डेटा सेटों की संख्या	20		1.2 प्रकाशित/सृजित एससीआई शोध पत्रों, मैनुअल और रिपोर्टों की संख्या	10
		1.3 सहायित कुल परियोजनाओं की संख्या	10			
	म. एस एंड टी आधारित नवोन्मेष और उद्यमिता विकास					
	1. संस्थागत प्रक्रिया: निधि - नवोन्मेष को सुविधाजनक	1.1 सहायित (टीबीआई/सीओई/ आईटीबीआईएस) की संख्या	35	1. उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए	1.1 लाभान्वित नवप्रवर्तकों/उद्यमियों की संख्या	650

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-2026	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-2026
	बनाना, इनक्यूबेशन केंद्र (टीबीआई/सीओई/आईटीबीआई) और प्रयास केंद्र बनाना	1.2 सहायित प्रयास केंद्रों (पीसी) की संख्या	50	सक्षम पारितंत्र बनाना		
	2. स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए सीडिंग और त्वरण कार्यक्रम: निधि- सीड सहायता और त्वरक के तहत सहायता	2.1 सीड सहायता और त्वरक से सहायित इनक्यूबेटरों की संख्या	35			
	य. राष्ट्रीय भू-स्थानिक कार्यक्रम (एनजीपी)					
	1. भू-स्थानिक विज्ञान, प्रौद्योगिकी, समाधान, नवोन्मेष और उद्यमिता में संचालन के सभी स्तरों पर सतत सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए एनजीपी 2022 (नीति) के अनुरूप राष्ट्रीय भू-स्थानिक पारितंत्र को उत्प्रेरित करना	1.1 सहायित परियोजनाओं की संख्या (कुल)	40	1. भूस्थानिक विज्ञान, भूस्थानिक प्रौद्योगिकी, राष्ट्रीय विकास प्राथमिकता के लिए भूस्थानिक समाधान, मानव संसाधन विकास और भूस्थानिक उद्यमिता में विकास	1.1 एससीआई पत्रिकाओं में शोध पत्रों की संख्या	40
					1.2 विकसित प्रौद्योगिकियों की संख्या	10
		1.2 सहायित क्षमता वर्धन कार्यक्रमों की संख्या	20		1.3 भूस्थानिक उपकरणों और तकनीकों से प्रशिक्षित/संपन्न हितधारकों की संख्या	500
	र. तकनीकी अनुसंधान केंद्र (टीआरसी)					
	1. डीएसटी के सभी एआई और नेटवर्क ज्ञान साझेदार संस्थानों में अनुवादात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देना	1.1 सहायित अंतरणात्मक अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या (कुल)	30	1. अंतरणात्मक अनुसंधान विकास और व्यावसायीकरण	1.1 व्यावसायीकृत प्रौद्योगिकियों/उत्पादों की संख्या	4
					1.2 प्रशिक्षित तकनीकी कार्मिकों की संख्या	100

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-2026	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-2026
		1.2 ज्ञान साझेदार के रूप में प्रसारित किए गए शैक्षणिक / आर एंड डी संस्थानों की संख्या (नए और चालू)	25		1.3 एससीआई पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या	100
		1.3 सहायित स्टार्ट-अप की संख्या	4		1.4 प्रशिक्षित तकनीकी कार्मिकों की संख्या	100
					1.5 प्रस्तुत पेटेंटों की संख्या (कुल)	10
					1.6 टीआरसी सुविधाओं से राजस्व सृजन (रुपए लाख में)	40
	ऱ. प्रदर्शनी कक्ष					
	1. प्रदर्शनी और मेले विभिन्न सूचना/प्रौद्योगिकी संयोजित प्रदर्शनी एवं मेलों का आयोजन	1.1 उन प्रदर्शनियों और मेलों की संख्या, जिनमें भाग लिया	8	1. प्रदर्शनी और मेले विभिन्न सूचना/ प्रौद्योगिकी संयोजित प्रदर्शनी एवं मेलों का आयोजन	1.1 आगंतुकों/उपस्थित लोगों की संख्या	1,01,000
	ल. विज्ञान और विरासत अनुसंधान पहल (एसएचआरआई)					
	1. वैज्ञानिक अंतःक्षेप के माध्यम से मूर्त और अमूर्त भारतीय विरासत को मजबूत करना	1.1 सहायित परियोजनाओं की संख्या (कुल)	90	1. भारतीय विरासत के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना	1.1 एससीआई पत्रिकाओं में शोध पत्रों की संख्या	30
		1.2 सहायित उत्कृष्टता केन्द्रों की संख्या	3		1.2 दाखिल पेटेंटों की संख्या (कुल)	5
		1.3 सहायित कार्यशालाओं/ सम्मेलनों/सेमिनारों की संख्या	10		1.3 प्रदर्शित प्रौद्योगिकियों की संख्या	5

2. राष्ट्रीय अंतर विषयी साइबर भौतिक प्रणाली मिशन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गत	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
900	**क. प्रौद्योगिकी विकास**					
	1. प्रौद्योगिकी नवोन्मेष केंद्रों (टीआईएच) के माध्यम से साइबर-भौतिक प्रणालियों और संबंधित क्षेत्रों में आर एंड डी को बढ़ावा देना	1.1. सहायित प्रौद्योगिकी विकास पहलों की संख्या (नई और चालू)	1,100	1. उन्नत प्रौद्योगिकी विकास	1.1 विकसित प्रौद्योगिकियों और प्रौद्योगिकी उत्पादों की संख्या	200
		1.2. अंतर्राष्ट्रीय सहयोगों की संख्या नए और चालू)	25		1.2 एससीआई पत्रिकाओं में शोध पत्रों की संख्या	250
					1.3 साइबर फिजिकल सिस्टम (सीपीएस) अनुसंधान आधार में शामिल शोधकर्ताओं की संख्या	250
					1.4 दाखिल पेटेंटों की संख्या (कुल)	20
	ख. नवोन्मेष, उद्यमशीलता और स्टार्ट-अप पारितंत्र					
	1. प्रौद्योगिकी नवोन्मेष केंद्रों (टीआईएच) के माध्यम से उद्यमशीलता को बढ़ावा देना	1.1 सहायित टीबीआई[297] (नई और चालू) की संख्या (कुल)	25	1. प्रौद्योगिकी और उद्यमशीलता को बढ़ावा देना	1.1 लाभान्वित स्टार्ट-अप्स की संख्या	80
		1.2 सीपीएस[298] के तहत उद्यमिता कार्यक्रमों की संख्या (नई और चालू) को सहायित किया	55			
		1.3 आयोजित ग्रांड चैलेंजेज और प्रतियोगिताओं की संख्या	4			
	ग. मानव संसाधन विकास					
	1. प्रौद्योगिकी नवोन्मेष केंद्रों (टीआईएच) के माध्यम से मानव	1.1 स्नातक एवं स्नातकोत्तर फेलोशिप के अंतर्गत सहायित विद्वानों की संख्या (नए एवं चालू)	600	1. अगली पीढ़ी के मानव संसाधन को	1.1 कौशल विकास कार्यक्रम के माध्यम लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या	7,000
		1.2 डॉक्टरल और पोस्ट-डॉक्टरल फेलोशिप के तहत	60			

[297] *टीबीआई-प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर*

[298] *सीपीएस-साइबर भौतिक प्रणाली*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गत	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	संसाधन विकास	सहायित विद्वानों की संख्या (नए और चालू)		पोषित करना		
		1.3 सहायित संकाय फैलोशिप और पदासीन प्रोफेसरों की संख्या (नए और चालू)	40			

3. राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-2026	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-2026
600	1. विषयगत केंद्रों (टी-हब) का गठन	1.1. सहायित टी-हब की संख्या	4	1. प्रौद्योगिकी विकास	1.1. विकसित प्रौद्योगिकियों की संख्या (कुल)	40
					1.2. प्रस्तुत पेटेंटों की संख्या (कुल)	10
					1.3. प्रकाशनों की संख्या	200
				2. मानव संसाधन विकास	2.1. सहायित फेलोशिप की संख्या (कुल)	200
					2.2. उन्नत मानव संसाधन कौशल की संख्या	1,000
					2.3. आयोजित कार्यशाला/सम्मेलनों की संख्या	8
				3. उद्यमिता विकास	3.1. सहायित स्टार्ट-अप की संख्या[299]	8
				4. अंतर्राष्ट्रीय सहकार्यता	4.1. निष्पादित अंतर्राष्ट्रीय सहयोगों की संख्या	5

[299] स्लैब ए के अंतर्गत सहायित स्टार्ट-अप की संख्या (परिपक्व विचार चरण को सहायित करने के लिए (विचार से पी.ओ.सी. तक))
स्लैब बी के अंतर्गत सहायित स्टार्ट-अप की संख्या (प्रोटोटाइप चरण, परीक्षण, सत्यापन, उत्पाद विकास (पीओसी से उत्पाद/ग्राहक पायलट के लिए) के विकास को सहायित करने के लिए)
स्लैब सी के तहत सहायित स्टार्ट-अप की संख्या (प्रौद्योगिकी के विस्तार, उत्पाद विकास और व्यावसायीकरण के लिए)

बायोटेक्नोलॉजी विभाग

1. जैवप्रौद्योगिकी अनुसंधान नवाचार तथा उद्यमिता विकास (बायो-राइड) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
2,300.00	1. जैवप्रौद्योगिकी अनुसंधान तथा विकास और आईईडी को समर्थन।	1.1 वर्ष की शुरूआत में जारी अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की संख्या	1,600	1. जैवप्रौद्योगिकी अनुसंधान तथा विकास और आईईडी को समर्थन।	1.1 वर्ष के दौरान सूचित अनुसंधान प्रकाशन की संख्या	800
		1.2 वर्ष के दौरान संस्वीकृत की जाने वाली नई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की संख्या	400		1.2 वर्ष के दौरान विकसित (सूचित) उत्पादों/प्रौद्योगिकियों प्रक्रियाओं की संख्या।	65
		1.3 जारी परियोजनाओं में समर्थित मानव संसाधन की संख्या	3,700		1.3 वर्ष के दौरान दायर/प्रदत्त आईपी(पेटेंट/ट्रे डमार्क/ डिजाइन/ कॉपी राइट/जीआई[300]) की संख्या	65
		1.4 बीटीआईएस[301]-नेट के तहत समर्थित केंद्रों की संख्या	50		1.4 वर्ष के दौरान विकसित डाटाबेस/उपकरण	50
	2. जैवप्रौद्योगिकी में क्षमता निर्माण	2.1 समर्थित राष्ट्रीय सुविधाओं/उन्नत प्रयोगशालाओं (आरआरएसएफपी[302]) की संख्या	600	2. जैवप्रौद्योगिकी में क्षमता निर्माण की उपयोगः एचआरडी और	2.1 आरआरएसएफ[303] कार्यक्रम के तहत अनुसंधान सुविधाओं का लाभ लेने वाले उपयोगकर्ताओं की संख्या	25,000
		2.2 वर्ष के दौरान समर्थित अध्येतावृत्तियों (डीबीटी-	25		2.2 स्टार कॉलेजों से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए	1,500

[300] *भौगोलिक संकेतक*

[301] *जैव प्रौद्योगिकी सूचना प्रणाली*

[302] *अनुसंधान संसाधन सेवा सुविधा और प्लेटफॉर्म*

[303] *अनुसंधान संसाधन सेवा सुविधा*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		जेआरएफ, डीबीटी-आरए, टाटा इनोवेशन, एचजीके-आईवाईबीएफ[304], डीबीटी आरआरएफ[305], एमकेबी-वाईआर[306], बायोकेयर अध्येतावृत्ति कार्यक्रम) की संख्या		अवसंरचना	विकल्प चुनने वाले छात्रों की संख्या	
		2.3 स्टर कॉलेज कार्यक्रम के तहत समर्थित कालेजों की संख्या	120		2.3 आयोजित सम्मेलनों/लोकप्रिय व्याख्यानों/प्रदर्शनियों की संख्या (सीटीईपी)	500
		2.4 सीटीईपी[307] के तहत समर्थित कार्यक्रमों की संख्या	4			
		2.5 समर्थित बायो-टेक पार्कों की संख्या	7			
	3. सामाजिक विकास के लिए जैवप्रौद्योगिकी आधारित कार्यक्रम	3.1 यूएमएमआईडी[308] पहल के तहत स्थापित/समर्थित निदान केंद्रों की संख्या (महत्वाकांक्षी जिले)	25	3. सामाजिक विकास के लिए जैवप्रौद्योगिकी आधारित कार्यक्रम	3.1 यूएमएमआईडी के तहत आनुवांशिक रोगों के लिए जांच की गई गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं की संख्या	1,50,000
		3.2 वर्ष के दौरान समर्थित जैवप्रौद्योगिक आधारित सामाजिक परियोजनाओं की संख्या	20			
		3.3 समर्थित बायोटेक-किसान हब की संख्या	8			
	4. अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	4.1 अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहयोग के तहत शामिल देशों की संख्या	20			
		4.2 बीआरसीपी[309] (वेलकम ट्रस्ट –इंडिया अलाएंस)	270			

[304] *हरगोविंद खुराना नवोन्मेषी युवा जैव प्रौद्योगिकी वेत्ता फेलोशिप*

[305] *रामालिंगा स्वामी पुनः प्रवेश फेलोशिप*

[306] *एम के भान-युवा रिसर्चर फेलोशिप*

[307] *सम्मेलन, यात्रा, प्रदर्शनी और लोकप्रिय व्याख्यान*

[308] *वंशानुगत विकलांगता के प्रबंधन की विशिष्ट पद्धतियां*

[309] *जैव चिकित्सा अनुसंधान कैरियर कार्यक्रम*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	सहयोग	के तहत समर्थित जारी अध्येतावृत्तियों की संख्या				
	5. औद्योगिक एवं उद्यमिता विकास	5.1 समर्थित बायो-इन्क्यूबेटर की संख्या	120	4. औद्योगिक एवं उद्यमिता विकास	4.1 विकसित/व्यवसायीकृत उत्पादों/प्रौद्योगिकियों की संख्या	80
		5.2 सार्वजनिक-निजी भागीदारी कार्यक्रमों के तहत समर्थित परियोजनाओं की संख्या	415		4.2 दायर/प्रदत्त आईपी (पेटेंट/ट्रेडमार्क डिजाइन/ कॉपीराइट/जीआई) की संख्या	50
		5.3 समर्थित उद्यमियों, स्टार्ट-अप की संख्या	2,750			
	6. जैव विनिर्माण और बायोफाउंड्री को सहायता	6.1 मूलांकुर- बायोइनेबलर्स (बायोफाउंड्री, जैवविनिर्माण हब और बायो-एआई हब) सेटअप की संख्या	15	5. जैव विनिर्माण और बायोफाउंड्री को सहायता	5.1 मूलांकुर- बायोइनेबलर्स (बायोफाउंड्री, जैवविनिर्माण हब और बायो-एआई हब) के लाभार्थियों/उपयोगकर्ताओं की संख्या	600
		6.2 जैवप्रौद्योगिकी के चिन्हित किए गए विषयगत क्षेत्र/उपक्षेत्रों में कार्यान्वित परियोजनाओं की संख्या	30		5.2 जैवविनिर्माण के तहत स्थापित संकल्पना साक्ष्यों की संख्या	15
		6.3 स्थापित उत्कृष्टता केंद्रों की संख्या	5			
		6.4 आयोजित वेबिनारों की संख्या	10			

1. कुशल भारत कार्यक्रम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
2,700	क. कौशल विकास हेतु जन शिक्षण संस्थानों (एनजीओ) को सहायता की स्कीम					
	1. परिवार की आय में वृद्धि करने लिए कौशल प्रशिक्षण	1.1 कुल प्रशिक्षित उम्मीदवारों की संख्या	4,93,000	1. प्रशिक्षित उम्मीदवारों का प्रमाणीकरण	1.1 प्रमाणित उम्मीदवारों का प्रतिशत	90
		1.2 कुल प्रशिक्षित महिला उम्मीदवारों की संख्या	3,45,100		1.2 प्रमाणित महिला उम्मीदवारों का प्रतिशत	90
		1.3 कुल प्रशिक्षित एससी उम्मीदवारों की संख्या	1,15,250		1.3 प्रमाणित एससी उम्मीदवारों का प्रतिशत	92
		1.4 कुल प्रशिक्षित एसटी उम्मीदवारों की संख्या	55,420		1.4 प्रमाणित एसटी उम्मीदवारों का प्रतिशत	88
		1.5 कुल प्रशिक्षित ओबीसी उम्मीदवारों की संख्या	1,50,600		1.5 प्रमाणित ओबीसी उम्मीदवारों का प्रतिशत	90
		1.6 कुल प्रशिक्षित पीडब्ल्यूडी उम्मीदवारों की संख्या	1,052		1.6 प्रमाणित पीडब्ल्यूडी उम्मीदवारों का प्रतिशत	90
	ख. प्रधानमंत्री राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रोत्साहन योजना (पीएमएनएपीएस)					
	1. कार्यस्थल पर शिक्षुता प्रशिक्षण	1.1 पंजीकृत प्रतिष्ठानों की संख्या	5,000	1. शिक्षुता प्रशिक्षण का सफलतापूर्वक समापन	1.1 नामांकित प्रशिक्षुओं की संख्या में % वृद्धि, पिछले वर्ष की तुलना में	5
		1.2 नए शिक्षुता अनुबंधों की संख्या	10,20,000		1.2 सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने वाले प्रशिक्षुओं का प्रतिशत	60
		1.3 नए महिला शिक्षुता अनुबंधों की संख्या	2,04,000		1.3 सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने वाले महिला प्रशिक्षुओं का प्रतिशत	60
	ग. प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई)					
	1. कौशल प्रशिक्षण	1.1 अल्पावधि प्रशिक्षण (एसटीटी) में प्रशिक्षित उम्मीदवारों की कुल संख्या	8,25,000	1. प्रशिक्षित उम्मीदवारों का प्रमाणीकरण	1.1 अल्पावधि प्रशिक्षण (एसटीटी) में प्रमाणित उम्मीदवारों का प्रतिशत	90.9
		1.2 विशेष परियोजनाओं (एसपी) में प्रशिक्षित उम्मीदवारों की कुल संख्या	4,95,000		1.2 विशेष परियोजना (एसपी) में प्रमाणित उम्मीदवारों का प्रतिशत	90.9
		1.3 पूर्व शिक्षण मान्यता (आरपीएल) में उन्मुख उम्मीदवारों की कुल संख्या	19,80,000		1.3 पूर्व शिक्षण मान्यता (आरपीएल) में प्रमाणित उम्मीदवारों का प्रतिशत	90.9

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		1.4 भावी जॉब रोलों में प्रशिक्षित उम्मीदवारों की कुल संख्या[310]	2,45,000		1.4 भावी जॉब रोलों में में प्रमाणित उम्मीदवारों का प्रतिशत	90.9
		1.5 पीएम जनमन, नल जल आदि उप-स्कीमों के अंतर्गत प्रशिक्षित[311]	1,00,000		1.5 पीएम जनमन, नल जल आदि उप-स्कीमों के अंतर्गत प्रमाणित प्रशिक्षुओं का प्रतिशत	90.9

[310] भावी जॉब रोल: भविष्य और उभरती प्रौद्योगिकियों में कौशल की मांग को पूरा करने के लिये राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद् ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , इंटरनेट ऑफ थिंग्स और नवीकरणीय ऊर्जा जैसी प्रौद्योगिकियों में स्किलिंग, रीस्किलिंग और अपस्किलिंग प्रशिक्षण प्रदान करने के लिये 403 योग्यताओं के विकास और राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क संरेखण की सुविधा प्रदान की है।

[311] पीएम जनमन विशेषतः कमजोर जनजातीय समूहों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार के उद्देश्य से कौशल सहित 11 महत्वपूर्ण हस्तक्षेपों पर केंद्रित है। नल जल मिशन गांव में बहु कुशल व्यक्ति की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ग्रामीण जल आपूर्ति क्षेत्र में संचालन और रखरखाव के लिए बहु-कौशल पाठ्यक्रम पर केंद्रित है।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग

1. अनुसूचित जातियों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
6,360	1. अनुसूचित जाति के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई	1.1 वर्तमान वर्ष में शामिल किये गये लाभार्थियों की संख्या (लाख में)	76.58	1. छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों की संख्या में वृद्धि	1.1 छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए अनुसूचित जाति के छात्रों का नामांकन (लाख में)	32.5
		1.2 छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाली छात्राओं की संख्या (लाख में)	36.00		1.2 अनुसूचित जाति के छात्रों का %, जो छात्रवृत्ति प्राप्त करने के बाद अगली कक्षा में पदोन्नत हो गए	100

2. अनुसूचित जाति एवं अन्य के लिए प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
577.96	1. अनुसूचित जाति के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई	1.1 वर्तमान वर्ष में शामिल किये गये लाभार्थियों की संख्या (लाख में)	27.00	1. छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों की संख्या में वृद्धि	1.1 छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए अनुसूचित जाति के छात्रों का नामांकन (लाख में)	11.60
		1.2 छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाली छात्राओं की संख्या (लाख में)	12.69		1.2 छात्रों का %,जो छात्रवृत्ति प्राप्त करने के बाद अगली कक्षा में पदोन्नत हो गए	100

3. प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम अजय) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
2,140	1. चयनित अनुसूचित जाति बहुल गांवों का एकीकृत सामाजिक-आर्थिक विकास	1.1 डीएलसीसी द्वारा अनुमोदित ग्राम विकास योजनाएं (वीडीपीएस)	7,000	1. गांवों को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करना	1.1 50 निगरानी योग्य संकेतकों के आधार पर सुधार की रिपोर्ट करने वाले चयनित गांवों की संख्या	6,000
		1.2 पूर्ण किये गये चिन्हित कार्यों की संख्या	7,000		1.2 आदर्श ग्राम घोषित गांवों की संख्या	10,000
	2. अनुसूचित जाति के बालक-बालिकाओं के लिए छात्रावासों का निर्माण	2.1 स्वीकृत छात्रावासों की संख्या	50	2. छात्रावास सुविधाओं की उपलब्धता में वृद्धि	2.1 पिछले वर्षों में संचालित छात्रावासों में रहने वालों की क्षमता में वृद्धि हुई है	5,000
		2.2 कार्यात्मक बनाये गये छात्रावासों की कुल संख्या	40			
	3. इस योजना के अंतर्गत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को अनुदान दिया जाता है	3.1 जीआईए घटक के अंतर्गत सभी परियोजनाओं के लिए जारी कुल राशि (करोड़ मे)	500	3. अनुसूचित जाति के लाभार्थी/परियोजनाएं जिनके लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई	3.1 जीआईए घटक के अंतर्गत लाभान्वित अनुसूचित जाति लाभार्थियों की कुल संख्या	1,25,000
		3.2 जीआईए घटक के कौशल विकास इंटरवेंशन के अंतर्गत वितरित कुल राशि (करोड़ मे)	175		3.2 जीआईए घटक के कौशल विकास इंटरवेंशन के अंतर्गत लाभान्वित अनुसूचित जाति लाभार्थियों की कुल संख्या	60,000
		3.3 जीआईए घटक के आय सृजन इंटरवेंशन के अंतर्गत वितरित कुल राशि(करोड़ मे)	275		3.3 जीआईए घटक के आय सृजन इंटरवेंशन के अंतर्गत लाभान्वित अनुसूचित जाति लाभार्थियों की कुल संख्या	70,000
		3.4 कौशल विकास इंटरवेंशन के अंतर्गत वित्तपोषित परियोजनाओं की संख्या	600		3.4 राष्ट्रीय रूपरेखा के अनुसार कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति लाभार्थियों की संख्या	60,000

4. ओबीसी, ईबीसी और डीएनटी[312] के लिए वाइब्रेंट इंडिया हेतु पीएम यंग अचीवर्स स्कॉलरशिप अवार्ड योजना (पीएम यशस्वी) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
2,190	**क. ओबीसी, ईबीसी और डीएनटी के लिए पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति**					
	1. ओबीसी, ईबीसी और डीएनटी छात्रों को छात्रवृत्ति के माध्यम से मैट्रिकोत्तर शिक्षा पूरी करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना	1.1 पात्र लाभार्थियों को बजटीय आवंटन के प्रति जारी निधि का प्रतिशत	100	1. पोस्ट मैट्रिक अध्ययन के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले ओबीसी, ईबीसी और डीएनटी छात्रों की संख्या में वृद्धि	1.1 गत वर्ष की तुलना में वर्तमान वर्ष में योजना के अंतर्गत लाभ पाने वाले ओबीसी, ईबीसी और डीएनटी छात्रों की संख्या में वृद्धि का प्रतिशत	10
		1.2 वर्तमान वित्त वर्ष में शामिल किए गए लाभार्थियों की संख्या (लाख में)	40		1.2 छात्रवृत्ति प्राप्त करने के बाद अगली कक्षा में पदोन्नत होने वाले लाभार्थियों का प्रतिशत	100
		1.3 वर्तमान वित्तीय वर्ष में शामिल की गई महिला लाभार्थियों की संख्या (लाख में)	12		1.3 छात्रवृत्ति प्राप्त करने के बाद अगली कक्षा में पदोन्नत होने वाली महिला लाभार्थियों का प्रतिशत	100
	ख. ओबीसी, ईबीसी और डीएनटी के लिए प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति					
	1. छात्रवृत्ति के माध्यम से प्री-मैट्रिक शिक्षा पूरी करने के लिए ओबीसी, ईबीसी और डीएनटी छात्रों को वित्तीय सहायता	1.1 पात्र लाभार्थियों को जारी बजटीय आवंटन के प्रति निधि का प्रतिशत	100	1. प्री मैट्रिक अध्ययन के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले ओबीसी	1.1 गत वर्ष की तुलना में वर्तमान वर्ष में योजना के अंतर्गत लाभ पाने वाले ओबीसी, ईबीसी और डीएनटी छात्रों की संख्या में वृद्धि का प्रतिशत	0
		1.2 वर्तमान वित्त वर्ष में शामिल किए गए लाभार्थियों की संख्या (लाख में)	30		1.2 छात्रवृत्ति प्राप्त करने के बाद अगली कक्षा में पदोन्नत हुए लाभार्थियों का प्रतिशत	100
		1.3 वर्तमान वित्तीय वर्ष में शामिल की गई महिला लाभार्थियों की संख्या (लाख में)	9		1.3 छात्रवृत्ति प्राप्त करने के बाद अगली कक्षा में पदोन्नत होने वाली महिला लाभार्थियों का	100

[312] *ओबीसी – अन्य पिछड़ा वग्ग, ईसीबी – आर्थिक रूप से पिछड़ वर्ग, डीएनटी – गैर-अधिसूचित जनजाति*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
				छात्रों की संख्या में वृद्धि	प्रतिशत	
	ग. ओबीसी बालकों और बालिकाओं छात्रावास (सीएसएस)					
	1. छात्रावासों का निर्माण	1.1 कार्यात्मक किए गये छात्रावासों की संख्या	4	1. छात्रावास सुविधाओं की उपलब्धता में वृद्धि	1.1 गत वर्ष की तुलना में वर्तमान वर्ष में योजना के अंतर्गत छात्रावास सुविधा का लाभ उठाने वाले ओबीसी, ईबीसी और डीएनटी छात्रों की संख्या में वृद्धि का प्रतिशत	0
		1.2 पूर्ण किये गये छात्रावासों की संख्या	4			

अंतरिक्ष विभाग | मांग सं. 95

1. अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
10,230.21	1. गगनयान – भारतीय समानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम	1.1 मानव अनुकूलित प्रमोचक रॉकेट और कर्मीदल बचाव प्रणाली के विकास के लिए उड़ान परीक्षणों की संख्या	4	1. समानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमता का विकास एवं वैज्ञानिक अनुसंधान को समर्थ बनाना	1.1 भारतीय समानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम के लिए तैयारी का प्रतिशत (%)	88
		1.2 मंदन प्रणाली सहित कक्षीय मॉड्यूल की तैयारी के लिए अर्हता परीक्षणों की संख्या	15			
		1.3 मिशन हेतु कर्मीदल प्रशिक्षण के लिए पूर्ण किए गए पाठ्यक्रम मॉड्यूलों की संख्या	14		1.2 गगनयान मिशन के लिए विज्ञान परीक्षणों की तैयारी का प्रतिशत (%)	84
	2. प्रौद्योगिकी विकास परियोजनाओं/उन्नत अनुसंधान एवं विकास क्रियाकलापों की प्रतिबद्धता	2.1 वर्ष के दौरान प्रारंभ किए गए नए अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की संख्या	300	2. संवर्धित क्षमता के साथ ई.ओ. की सातत्यता और अवस्थितिक सेवाएँ मुहैया कराने के लिए अंतरिक्ष अवसंरचना का संवर्धन	2.1 भारत सरकार के समर्थित मंत्रालयों/विभागों के कार्यक्रमों/गतिविधियों की संख्या	21
		2.2 वर्ष के दौरान पूर्ण की गई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की संख्या	270	3. घरेलू और विदेशी उपग्रहों के लिए प्रचालनात्मक प्रमोचन सेवाएँ सुनिश्चित करना	3.1 वर्ष के दौरान पी.एस.एल.वी. द्वारा प्रमोचित उपग्रहों की संख्या	4
	3. उपग्रहों का डिजाइन, विकास एवं प्रमोचन	3.1. वर्ष के दौरान प्रमोचित भू प्रेक्षण (ई.ओ.) उपग्रहों की संख्या	4		3.2 वर्ष के दौरान जी.एस.एल.वी. द्वारा प्रमोचित उपग्रहों की संख्या	3
		3.2. वर्ष के दौरान प्रमोचित नौवहन उपग्रहों की संख्या	0		3.3 वर्ष के दौरान एल.वी.एम.-3 द्वारा प्रमोचित उपग्रहों की संख्या	2

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		3.3. वर्ष के दौरान प्रमोचित वैज्ञानिक/वाणिज्यिक/ प्रयोक्ता वित्त पोषित अंतरिक्ष यानों की संख्या	5		3.4 वर्ष के दौरान एस.एस.एल.वी. द्वारा प्रमोचित उपग्रहों की संख्या	3
		3.4. वर्ष के दौरान प्रमोचित प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मिशनों की संख्या	2			
	4. अनुसंधान एवं विकास तथा प्रमोचक रॉकेटों का साकारीकरण	4.1 वर्ष के दौरान प्रमोचित ध्रुवीय उपग्रह प्रमोचक रॉकेटों (पी.एस.एल.वी.) उपग्रहों की सं.	3	4. अन्य उद्देश्यों के लिए सेवाओं का उपयोग	4.1. वाणिज्यिक प्रमोचन सेवाएँ उपलब्ध करवाकर अर्जित राजस्व (रु. करोड़ में)	331.14
		4.2 वर्ष के दौरान प्रमोचित भूतुल्यकाली उपग्रह प्रमोचक रॉकेटों (जी.एस.एल.वी.) की संख्या	3	5. आत्म- निर्भरता की दिशा में प्रौद्योगिकी क्षमताएँ और कार्य	5.1 सामाजिक/वाणिज्यिक/ अन्य उद्देश्यों के लिए हस्तांतरित अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों की संख्या	25
		4.3 वर्ष के दौरान प्रमोचित एल.वी.एम.-3 रॉकेटों की संख्या	2		5.2 वर्ष में आयात निर्भरता में प्रतिशत (%) कमी	5
		4.4 वर्ष के दौरान प्रमोचित लघु उपग्रह प्रमोचक रॉकेटों (एस.एस.एल.वी.) की संख्या	2	6. देश में अंतरिक्ष पारिस्थितिकी को समर्थ बनाना	6.1. उद्योग के जरिए उत्पादन हेतु हस्तांतरित प्रचालनात्मक प्रणालियों की संख्या	1
	5. देश में अंतरिक्ष पारिस्थितिकी को समर्थ बनाना	5.1. अंतरिक्ष गतिविधियाँ करने के लिए इसरो समर्थित गैर-सरकारी इकाइयों की संख्या	50			

2. अंतरिक्ष अनुप्रयोग (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,706.79	1. ई.ओ., नौवहन, संचार, आपदा प्रबंधन सहायता हेतु नीतभारों/अनुप्रयोगों का डिजाइन एवं विकास	1.1. साकार किए गए ई.ओ./संचार/ नौवहन/वैज्ञानिक नीतभारों की संख्या	8	1. प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, प्राकृतिक आपदाओं, कृषि योजना, अवसंरचना योजना तथा ग्रामीण इलाकों में मूलभूत सेवाओं की पहुँच हेतु सूचना सहायता	1.1 आईएमडी एनडीएमए व राज्य सरकारों जैसे संबंधित हितधारकों/एजेंसियों को उपलब्ध कराई गई प्रमुख आपदा घटनाओं से संबंधित सेवाओं का प्रतिशत(%)	85
		1.2. आई.जी.बी.पी./ एन.एन.आर.एम.एस./एन.आई.सी.ई.एस. जैसे कार्यक्रमों तथा मिशनों हेतु उपयोगिता कार्यक्रमों के तहत वर्ष के दौरान किए गए भू-प्रेक्षण अनुप्रयोगों की संख्या	20			
		1.3. प्रयोक्ताओं द्वारा डाउनलोड करने हेतु रखे गए आँकड़ों/मूल्य संवर्धित आँकड़ा उत्पादों की संख्या	22,00,000			
		1.4. आँकड़ों/मूल्य संवर्धित आँकड़ा उत्पादों के डाउनलोड की संख्या	40,00,000			
	2. भूस्थानिक प्रौद्योगिकी में क्षमता निर्माण	2.1. भू-स्थानिक डोमेन (अंतः परिसर कार्यक्रम) में प्रदान किए गए डिग्री/डिप्लोमा (एम.एस.सी./ एम.टेक/पी.जी. डिप्लोमा की संख्या	20			

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय   मांग सं 96

1. क्षमता विकास (सीडी) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
565.01	1. आईसीटी[313] और उन्नत सर्वेक्षण क्षमताओं का उपयोग	1.1. वर्तमान वित्त वर्ष में सीएपीआई[314]/जीआईएस[315]/ अन्य डिजीटल माध्यम का प्रयोग करके किए गए सर्वेक्षणों की संख्या।	6	1. रिपोर्ट/सर्वेक्षण परिणामों का सामयिक प्रकाशन और सही रिपोर्ट किए गए डाटा की उपलब्धता।	1.1. वर्तमान वित्त वर्ष में प्राथमिक डाटा का उपयोग करके जारी की गयी रिपोर्ट/फैक्टरशीट की संख्या (संदर्भ अवधि के समापन से 6 महीने के समय अंतराल के भीतर)	22
					1.2. एनएसओ[316] के घरेलू/उद्यम सर्वेक्षणों संख्या जहाँ अखिल भारतीय स्तर पर मुख्य संकेतकों का सांख्यिकीय अनुमान सापेक्ष मानक त्रुटि (आरएसई) के निर्धारित सीमा के अन्दर रहता है।	4
	2. सांख्यिकी कार्मिकों का प्रशिक्षण /क्षमता निर्माण	2.1 वर्तमान वित्त वर्ष में सरकारी सांख्यिकी पर सांख्यिकीय अधिकारियों (केंद्र+राज्य) के लिए आयोजित व्यक्तिगत प्रशिक्षणों की संख्या।	12	2. उन्नत सांख्यिकीय क्षमताएं	2.1. वर्तमान वित्त वर्ष में सरकारी सांख्यिकी पर सांख्यिकीय अधिकारियों का प्रतिशत जिसने सफलतापूर्वक व्यक्तिगत प्रशिक्षण पूरा किया।	100
		2.2 वर्तमान वित्त वर्ष में सांख्यिकीय अधिकारियों के लिए एआई[317]/एमएल[318]	4		2.2. वर्तमान वित्त वर्ष में एआई/एमएल जैसे	100

[313] *सूचना और संचार प्रौद्योगिकी*

[314] *कंप्यूटर सहायित व्यक्तिगत साक्षात्कार*

[315] *भौगोलिक सूचना प्रणाली*

[316] *राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय*

[317] *कृत्रिम बुद्धिमत्ता*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		जैसे नई तकनीक पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या।			नई तकनीक पर सांख्यिकीय अधिकारियों का प्रतिशत जिसने प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया।	
		2.3 प्रशिक्षकों के लिए आयोजित अखिल भारतीय कार्यशालाओं की संख्या (8वीं आर्थिक गणना से संबंधित)	1		2.3. प्रशिक्षित मास्टर प्रशिक्षकों की संख्या (8वीं आर्थिक गणना से संबंधित)	144
		2.4 सभी राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों को कवर करने वाले उप-राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आयोजित संख्या (8वीं आर्थिक गणना से संबंधित)	36		2.4. प्रशिक्षित प्रशिक्षकों की संख्या (8वीं आर्थिक गणना से संबंधित)	1,500
	3. सरकारी सांख्यिकी की बेहतर गुणवत्ता	3.1. राष्ट्रीय एसडीजी[319] संकेतकों का प्रतिशत जिसके लिए डाटा उपलब्ध है	96	3. नीति में साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने के माध्यम से प्रभावी एसडीजी निगरानी	3.1. चालू वित्तीय वर्ष में एसडीजी-राष्ट्रीय संकेतक फ्रेमवर्क के आधार पर जारी रिपोर्टों की संख्या |	3
	4. एसएसएस[320] उप-योजना के अंतर्गत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सहायता	4.1. एसएसएस उप-योजना के अंतर्गत शामिल करने के बाद निधियों को प्राप्त कर चुके या प्राप्त करने वाले राज्यों/संघ	30	4. राज्यों की क्षमताओं में वृद्धि	4.1. एसएसएस उप-योजना के अंतर्गत समर्थित राज्य/उप-राज्य स्तरीय सांख्यिकी को उनकी वेबसाइट पर	8

318 *मशीन लर्निंग*

319 *सतत विकास लक्ष्य*

320 *सांख्यिकीय सुदृढ़ीकरण सहायता*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		राज्य क्षेत्रों की संख्या।[321]			नियमित रूप से जारी करने वाले और प्रकाशित करने वाले राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या।[322]	
	5. आर्थिक गणना (ईसी) आर्थिक गणना डाटा का विकास और प्रसार	5.1 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या जिसके लिए डाटा को अंतिम रूप दिया गया है।	36	5. रिपोर्टों का प्रकाशन	5.1. आर्थिक गणना का रिपोर्ट जारी करना (हाँ/नहीं)	हाँ

[321] *यह संकेतक प्रकृति में संचयी है जिसे केवल अंतिम तिमाही में रिपोर्ट किया जाना है ।*

[322] *यह संकेतक प्रकृति में संचयी है जिसे केवल अंतिम तिमाही में रिपोर्ट किया जाना है ।*

1. केंद्रीय रेशम बोर्ड (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
956.84	1 प्रौद्योगिकी सृजन, सिल्क वार्म सीड उत्पादन, कच्ची रेशम उत्पादन, कौशल अपग्रेडेशन तथा गुणवत्ता प्रमाणीकरण सिस्टम में प्रगति।	1.1 शुरू की गई अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	35	1 उत्पादकता, गुणवत्ता में सुधार, रेशम उत्पादन में वृद्धि, रोजगार और आयात में कमी।	1.1 उत्पादकता (प्रति हेक्टेयर कच्ची रेशम किलोग्राम में)	115.5
		1.2 चालू वित्त वर्ष में शहतूत बीज उत्पादन (लाख में):	429.27			
		1.3 चालू वित्त वर्ष में वान्या - तसर, एरी, मुगा बीज उत्पादन (लाख संख्या)	64.41		1.2 कच्ची रेशम रेंडीटा) के 1 कि.ग्रा. के उत्पादन के लिए आवश्यक किलोग्राम रेशम कोकून कि.ग्रा. की संख्या	6.1
		1.4 चालू वित्त वर्ष में कच्ची रेशम का उत्पादन (मीट्रिक टन में)	46,500			
		1.5 आयात विकल्प कच्ची रेशम का उत्पादन (मी.ट.)	12,250		1.3 उपज प्रति 100 डिजीज फ्री लेइंग (डीएफएल)	71
		1.6 क्षमता निर्माण: वित्तीय वर्ष के दौरान प्रशिक्षित लोगों की संख्या (संख्या में)	11,110			
		1.7 क्षमता निर्माण : वर्तमान वर्ष के दौरान आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण अथवा कार्यशालाओं की संख्या (संख्या में)	353		1.4 चालू वित्त वर्ष के दौरान कुल रोजगार सृजन (लाख संख्या में)	109.7
		1.8 गुणवत्ता प्रमाणित सिल्क मार्क लेबल बेचे गए (लाखों में)	30			
		1.9 परीक्षण किये जाने वाले कोकून नमूनों की संख्या (इकाइयों में)	10,000		1.5 वर्ष के दौरान सिल्क मार्क लेबल की बिक्री से प्राप्त राजस्व (मूल्य के संदर्भ में) (करोड़ रुपये में)	2.25
		1.10 परीक्षण किये जाने वाले कच्ची रेशम नमूनों की संख्या (इकाइयों में)	40,000			

2. वस्त्र के लिए उत्पादन सम्बद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,148.00	1 देश में एमएमएफ[323] परिधान और एमएमएफ फैब्रिक्स तथा तकनीकी वस्त्र उत्पादों के उत्पादन को बढ़ावा देना, ताकि वस्त्र उद्योग को आकार और पैमाना हासिल करने में मदद मिल सके।	1.1 उत्पादन बढ़ाने के लिए किए गए निवेश की राशि (करोड़ रुपये में)	3,479	1 उत्पादन/टर्नओवर और रोजगार सृजन को बढ़ाना	1.1 बिक्री/टर्नओवर (करोड़ रुपये में)	32,753
					1.2 सृजित रोजगार (संख्या में)	35,300

3. परिधान/वस्त्र और मेड-अप के निर्यात पर राज्य और केंद्रीय करों और शुल्कों में छूट की योजना (आरओएससीटीएल)[324] (सीएस)[325]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-2026	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
10,170.00	1. परिधान/वस्त्र और मेड-अप के निर्यात पर राज्य और केंद्रीय करों और शुल्कों में छूट का प्रावधान	1.1 प्राप्त संसाधित दावे का मूल्य (भारतीय रुपये करोड़)	10,170	1. परिधानों/वस्त्रों और मेड-अप्स के निर्यात में वृद्धि	1.1 परिधान/वस्त्र एवं मेड-अप का कुल निर्यात (यूएसडी बीएन)	28

[323] *मानव निर्मित फाइबर*

[324] *राज्य और केंद्रीय करों और शुल्कों में छूट*

[325] *नोट: आरओएससीटीएल योजना केवल परिधान और मेड-अप खंडों के निर्यात के लिए छूट प्रदान करती है और परिधान और मेड-अप के लिए निर्यात लक्ष्य वित्त वर्ष 2025-26 में निर्यात लक्ष्य से लगभग 10% की वृद्धि पर निर्धारित किया गया है।*

1. विशिष्ट विषयों पर आधारित पर्यटन सर्किटों का एकीकृत विकास (स्वदेश दर्शन) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,900	1. स्वदेश दर्शन (एसडी) और इसकी उप योजनाओं के तहत गंतव्य विकास	1.1. स्वदेश दर्शन 2.0 और स्वदेश दर्शन की अन्य उप-योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	50	1. रोजगार सृजन	1.1. स्वदेश दर्शन 2.0 और स्वदेश दर्शन योजना की अन्य उप-योजनाओं के तहत वर्ष के दौरान स्वीकृत परियोजनाओं के माध्यम से सृजित प्रत्यक्ष रोजगार	300
		1.2. स्वदेश दर्शन 2.0 और स्वदेश दर्शन की अन्य उप-योजनाओं के अंतर्गत विकसित परियोजना उप-घटकों की संख्या	300			
		1.3. स्वदेश दर्शन 2.0 और स्वदेश दर्शन की अन्य उप-योजनाओं के अंतर्गत पूर्ण की गई परियोजनाओं/पहलों की संख्या	30			
		1.4. उन परियोजनाओं की संख्या जहां ओएंडएम एजेंसी को शामिल किया गया है	30			
		1.5. पीएम-जेयूजीए[326] (एसडी 2.0) के तहत विकास के लिए स्वीकृत जनजातीय होमस्टे की संख्या	100		1.2. जनजातीय होमस्टे के विकास के लिए पीएम-जेयूजीए के तहत स्वीकृत परियोजना के माध्यम से प्रत्यक्ष रोजगार का सृजन	100
		1.6 एसडी 1.0 के अंतर्गत पूर्ण की गई परियोजनाओं की संख्या (वार्षिक)	1		1.3. वर्ष के दौरान एसडी 1.0 के तहत स्वीकृत परियोजनाओं के माध्यम से सृजित प्रत्यक्ष रोजगार	10

[326] *प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान (पीएम जुगा)*

1. एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूल (ईएमआरएस) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
7,088.60	1. जनजातीय बच्चों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए नए एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) की स्थापना	1.1 कार्यशील ईएमआरएस की कुल संख्या (संचयी)	525	1. पाठ्येतर गतिविधियों के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सर्वोत्तम अवसरों तक पहुंच	1.1 उस कक्षा में नामांकित छात्रों में से कक्षा 10वीं में छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत	90
		1.2 पिछले वर्ष की तुलना में अनुसूचित जनजाति के छात्रों के नामांकन में प्रतिशत वृद्धि	10[327]		1.2 उस कक्षा में नामांकित छात्रों में से कक्षा 12वीं में छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत	87
		1.3 सीबीएसई से संबद्ध ईएमआरएस की संख्या (संचयी)	400		1.3 वित्तीय वर्ष के दौरान 10वीं कक्षा में 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों का %	2
		1.4 ईएमआरएस में खेलों और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देना	2[328]		1.4 वित्तीय वर्ष के दौरान 12वीं कक्षा में 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों का %	1

[327] प्रवेश दिशा-निर्देशों के अनुसार 100% अजजा छात्र ईएमआरएस में नामांकित हैं। हालाँकि, आधार वर्ष अर्थात 2024-25 से नामांकन में 10% की वृद्धि होगी।

[328] खेलों और सांस्कृतिक गतिविधियों: 1 प्रत्येक

2. **अनुसूचित जनजातियों के विकास के लिए कार्यक्रम (पीएम वनबंधु कल्याण योजना) (सीएसएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2025-26**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2025-26**
5582.45	**क. अनुसूचित जनजातियों के विकास के लिए कार्यक्रम- जनजातीय शिक्षा (मैट्रिक-पूर्व और मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति)**					
	1. पात्र जनजातीय छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई	1.1 मट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति के तहत सहायता प्राप्त छात्रों की संख्या (लाख में)	8	1. स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम पूरा करने वाले छात्र	1.1 10वीं कक्षा में पदोन्नत छात्रों का प्रतिशत जिन्हें 9वीं कक्षा में छात्रवृत्ति प्राप्त हुई थी	85
		1.2 मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति के तहत सहायता प्राप्त छात्रों की संख्या (ग्यारहवीं, बारहवीं, स्नातक और स्नातकोत्तर सहित) (लाख में)	12		1.2 कक्षा 10वीं में छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत (छात्रवृत्ति प्राप्त करने	80
					1.3 कक्षा 12वीं में छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत (छात्रवृत्ति प्राप्त करने	80
	ख. धरती आभा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान					
	1. जनजातीय उत्पाद को बाजार से जोड़ने (लिंकेज) के लिए बुनियादी ढांचा तैयार करना	1.1. स्वीकृत टीएमएमसी[329] की संचयी संख्या (आधार वर्ष से)	30[330]	1. आजीविका गतिविधियों में वृद्धि, सिकल सेल रोग (एससीडी) के बारे में जागरूकता और बेहतर शिक्षा	1.1. कार्यात्मक टीएमएमसी की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[331]
	2. आश्रम विद्यालयों के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करना	2.1 आश्रम/सरकारी आवासीय विद्यालयों/ छात्रावासों की सहायता प्राप्त परियोजनाओं की संचयी संख्या (आधार रेखा वर्ष से)	300[332]		1.2. ड्रॉपआउट (छोड़ने की दर) के संदर्भ में	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[333]

---

[329] *जनजातीय बहुउद्देशीय विपणन केंद्र (टीएमसीसी)*

[330] *(आधार वर्ष 2024-25)*

[331] *2025-26 के लिए लक्ष्य प्राप्त नहीं किए जा सकेंगे, इन्हें 2026-27 से आगे दिया जाएगा, चूंकि यह योजना हाल ही में अक्टूबर, 2024 में शुरू की गई है और इस संदर्भ में, कार्यान्वयन के पहले वर्ष के दौरान ठोस परिणाम प्राप्त करना संभव नहीं हो सकता । इसलिए, आश्रम और टीएमएमसी उपायों के परिणाम वर्ष 2026-27 से प्रदान किए जाएंगे।*

[332] *(आधार वर्ष 2024-25)*

[333] *2025-26 के लिए जो लक्ष्य प्राप्त नहीं किए जा सकेंगे, उन्हें 2026-27 से आगे दिया जाएगा, चूंकि यह योजना हाल ही में अक्टूबर, 2024 में शुरू की गई है और इस संदर्भ में, कार्यान्वयन के पहले वर्ष के दौरान ठोस परिणाम प्राप्त करना संभव नहीं हो सकता । इसलिए, आश्रम और टीएमएमसी उपायों के परिणाम वर्ष 2026-27 से प्रदान किए जाएंगे।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	3. एफआरए[334] के कार्यान्वयन को सुदृढ़ करना	3.1 स्वीकृत एफआरए प्रकोष्ठों की संख्या	20[335]	2. आजीविका गतिविधियों में वृद्धि, एससीडी के बारे में जागरूकता और बेहतर शिक्षा	2.1 निर्मित एफआरए प्रकोष्ठों की संख्या	20[336]
	ग. जनजातीय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) को सहायता					
	1. जनजातीय अनुसंधान अध्ययन को मजबूत करना	1.1. सहायता प्राप्त शोध अध्ययनों की संख्या	25	1. जनजातीय क्षेत्रों में समस्याओं की पहचान	1. प्रकाशित शोध अध्ययन रिपोर्ट की संख्या	10
		1.2. सहायता प्राप्त कार्यक्रमों/सेमिनार/ कार्यशालाओं की संख्या	20		2. क्षेत्रीय क्षेत्रों की संख्या जिसके अंतर्गत प्रशिक्षण/कार्यक्रम आयोजित किए गए	5
	घ. प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (जनमन-पीएम)					
	1. पीवीटीजी[337] बस्तियोंगांवों / में बहुउद्देश्यीय केंद्रों का निर्माण और संचालनतथा समुदाय को सेवाएं प्रदान की गईं।	1.1. बहुउद्देशीय केन्द्र (एमपीसी) की संख्या जहां निर्माण पूरा हो चुका है	350	1. अन्य के बीच में कौशल प्रशिक्षण, पोषण, स्वास्थ्य सेवाओं, प्रौढ़ शिक्षा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित विविध गतिविधियों और सेवाओं के लिए एमपीसी के माध्यम से पीवीटीजी समुदाय के सदस्यों के कल्याण में वृद्धि।	1.1. कार्यात्मक एवं लाभ प्रदान करने वाले एमपीसी की संख्या	50
	ङ. योजना के कार्यान्वयन के लिए राज्य/संघ राज्यक्षेत्रों की प्रशासनिक लागत (सीएसएस)					
	1. जनजातीय कल्याण	1.1. एसपीएमयू की स्थापना के लिए कवर किए	31	1. जनजातीय कल्याण योजनाओं	1.1. राज्यों में स्थापित एसपीएमयू की	31

334 *वनाधिकार अधिनियम (एफआरए)*

335 *एफआरए लागू करने वाले राज्यों में से*

336 *एफआरए लागू करने वाले राज्यों में से*

337 *विशेष रूप से संवेदनशील जनजातीय समूह*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	योजनाओं और पहलों की निगरानी	जाने वाले राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों की संख्या		और पहलों की निगरानी	संख्या	

3. **राष्ट्रीय जनजातीय कल्याण कार्यक्रम (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
649.43	**क. अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के लिए कार्यरत स्वैच्छिक संगठनों को सहायता**					
	1. कार्यक्रम के अंतर्गत सहायता प्राप्त संगठन/व्यक्ति	1.1. परियोजनाओं की संख्या (वर्ष के दौरान)	340	1. कार्यक्रमों के तहत लोगों को लाभ	1.1. एनजीओ द्वारा संचालित परियोजनाओं से लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या (सभी) (वर्ष के दौरान)	7,00,000
		1.2. परियोजना से जुडे गैर-सरकारी संगठनों को वित्त पोषित किया गया	195		1.2. कुल लाभार्थियों (% में) में से शिक्षा क्षेत्र (शैक्षणिक परियोजनाओं) में	45
	ख. प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन					
	1. विभिन्न जनजातियों से संबंधित लोगों के लिए व्यापक सहायता	1.1. ट्राइफेड[338] द्वारा आयोजित उत्सव/प्रदर्शनियों की संख्या	20	1. जनजातीय समूहों के लिए आर्थिक गतिविधि और आजीविका सृजन गतिविधियों में वृद्धि	1.1 ट्राइफेड द्वारा आयोजित उत्सव/प्रदर्शनी में भाग लेने वाले कारीगरों की संख्या	1,500
	2. जनजातीय हस्तशिल्प और हथकरघा का विपणन	2.1 वस्तुओं का कुल विक्रय मूल्य (करोड़ रु. में)	40		1.2 विपणन सहायता के लिए ट्राइफेड के साथ पैनल में शामिल किए जाने वाले जनजातीय कारीगरों/उत्पादकों की संख्या।	400
		2.2 अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों या जनजातियों से खरीद के लिए उपयोग की गई निधि (करोड़ रुपये में)	20			
	3. वन धन विकास केंद्रों (वीडीवीके) के	3.1 कार्यात्मक किये जाने वाले वन धन	300	2. जनजातीय आबादी का	2.1 क्षमता निर्माण/टूल किट दिए गए	60,000

[338] *भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास महासंघ*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	अंतर्गत प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण	विकास केन्द्रों (वीडीवीके) की संख्या		उद्यमिता विकास और कौशल उन्नयन	लाभार्थियों की संख्या।	
	ग. निगरानी, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और सामाजिक लेखा-परीक्षा					
	1. कल्याणकारी योजना के लाभ के बारे में जागरूकता पैदा करना	1.1 आयोजित जागरूकता सृजन गतिविधियों की संख्या	10	1. वास्तविक निरीक्षण द्वारा जनजातीय कार्य मंत्रालय की योजनाओं की प्रभावी निगरानी	1.1 पीएमयू द्वारा निगरानी की गयी योजनाओं की संख्या	10
	2. डेटा की गुणवत्ता और पूर्णता में सुधार के लिए क्षमता निर्माण	2.1 राज्य अधिकारियों के लिए आयोजित प्रशिक्षणों की संख्या	10			
	घ. अजजा छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति और छात्रवृत्ति					
	1. अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई	1.1 उच्च अध्ययन के लिए पीएचडी अध्येतावृत्ति प्राप्त करने वाले अनुसूचित जनजाति के छात्रों की संख्या	2,500	1. उच्च शिक्षा पूरी करने वाले सभी अनुसूचित जनजाति के छात्रों का कुल प्रतिशत	1.1 जी/पीजी आदि पूरा करने वाले अजजा छात्रों का प्रतिशत।	20
		1.2 उच्च अध्ययन (यूजी/पीजी आदि) के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले अजजा छात्रों की संख्या	4,000		1.2 पीएचडी पूरी करने वाले अजजा छात्रों का प्रतिशत।	20
	ङ. विदेश में अध्ययन के लिए अजजा छात्रों को छात्रवृत्ति					
	1. विदेश में उच्च शिक्षा के लिए अनुसूचित जनजाति के छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई	1.1 उच्च अध्ययन [मास्टर, डॉक्टरेट और पोस्ट-डॉक्टरेट] के लिए सहायता प्राप्त अजजा छात्रों की संख्या (संचयी)	50	1. विदेश में अध्ययन के माध्यम से छात्रों के कौशल को बढ़ाना	1.1 पाठ्यक्रम [मास्टर, डॉक्टरेट और पोस्ट-डॉक्टरेट) पूरा करने वाले अजजा छात्रों का प्रतिशत (संचयी)	25
	च. अनुसूचित जनजातियों के लिए उद्यम पूंजी निधि					
	1. रियायती दर पर वित्तीय सहायता	1.1 अजजा उद्यमियों को प्रदान की गई रियायती वित्तीय सहायता की राशि	20	1. अनुसूचित जनजाति उद्यमियों को सहायता	1.1 सहायता प्राप्त अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों की संख्या	18
	छ. जनजातीय अनुसंधान सूचना, शिक्षा, संचार और कार्यक्रम (टीआरआई-ईसीई)					
	1. जनजातीय कार्य मंत्रालय ने प्रतिष्ठित संगठन/संस्थान/ विश्वविद्यालय को उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के रूप में	1.1 वर्ष के दौरान सीओई को दी गई परियोजनाओं की संख्या	8	1. जनजातियों से संबंधित मुद्दों पर अनुसंधान को सहायता प्रदान करना।	1.1 अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या जो नीति और कार्यक्रम सुधार में सहायक हो सकती है	4

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	मान्यता दी					

1. सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 (व्यापक आईसीडीएस- आंगनवाड़ी सेवाएं, पोषण अभियान, किशोरियों के लिए योजना) (सीएसएस)

<table>
<tr><th>वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)</th><th colspan="3">निर्गम 2025-26</th><th colspan="3">परिणाम 2025-26</th></tr>
<tr><th>2025-26</th><th>निर्गम</th><th>संकेतक</th><th>लक्ष्य 2025-26</th><th>परिणाम</th><th>संकेतक</th><th>लक्ष्य 2025-26</th></tr>
<tr><td rowspan="4">21,960</td><td rowspan="4">1. आंगनवाड़ी प्रणाली के माध्यम से कुपोषण का समाधान</td><td>1.1. प्रतिवर्ष सक्षम में उन्नयन किए गए आंगनवाड़ी केंद्रों की कुल संख्या</td><td>40,000</td><td rowspan="4">1. 6-72 महीने की आयु वर्ग के बच्चों और गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली माताओं की पोषण एवं स्वास्थ्य स्थिति में सुधार</td><td>1.1. दुबले बच्चों की संख्या में प्रतिशत कमी (संबंधित समूह में) (आधार पोषण ट्रैकर जनवरी 2025)</td><td>2</td></tr>
<tr><td>1.2. सभी बुनियादी सुविधाओं (विद्युत्, शौचालय, रसोई, स्वच्छ पेयजल) के साथ आंगनवाड़ी केन्द्रों की प्रतिवर्ष कुल संख्या</td><td>7,00,000</td><td>1.2. अल्प वजन वाले बच्चों की संख्या में प्रतिशत कमी (उसी समूह में) (आधार पोषण ट्रैकर जनवरी 2025)</td><td>2</td></tr>
<tr><td>1.3. पोषण ट्रैकर पर पंजीकृत कुल बच्चों में से मासिक और संबंधित समूह के आधार पर लम्बाई और वजन हेतु मापे गए बच्चों (6 माह से 6 वर्ष की आयु के) का प्रतिशत</td><td>100</td><td rowspan="2">1.3. गर्भावस्था के दौरान पर्याप्त वजन बढ़ाने वाली गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत (आधार पोषण ट्रैकर 2025)</td><td rowspan="2">50[339]</td></tr>
<tr><td>1.4. पोषण ट्रैकर पर पंजीकृत कुल पीडब्लूएलएम[340] में से संबंधित समूह के आधार पर अनुपूरक पोषण प्राप्त करने वाले पीडब्लूएलएम का प्रतिशत</td><td>100</td></tr>
</table>

[339] *कम से कम*

[340] *गर्भवती महिला और स्तनपान कराने वाली माताएं।*

2. **मिशन वात्सल्य (बाल संरक्षण सेवाएँ और बाल कल्याण सेवाएँ) (सीएसएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,500	1. जिला स्तर पर बच्चों के लिए देखभाल और संरक्षण सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाना	1.1 सभी स्वीकृत सीसीआई[341] क्रियाशील हो गए (% में)	100	1. जिलों में बाल देखभाल सेवाओं की उपलब्धता और बच्चों के कवरेज को मजबूत करना।	1.1 सस्थागत देखभाल और गैर-संस्थागत देखभाल (प्रायोजन, पालन-पोषण देखभाल और पश्चात देखभाल) के अंतर्गत कवर किए गए बच्चों की संख्या	2,33,487
		1.2 कार्यशील बाल कल्याण समितियों (सीडब्ल्यूसी) की संख्या	781		1.2 गैर-संस्थागत देखभाल (प्रायोजन, पालन-पोषण देखभाल और पश्चात देखभाल) के अंतर्गत सभी दर्शाए बच्चों को प्रदान किया गया वित्तीय लाभ (% में)	100
		1.3 कार्यशील किशोर न्याय बोर्ड (जेजेबी) की संख्या	781		1.3 गैर-संस्थागत देखभाल (प्रायोजन, पालन-पोषण देखभाल और पश्चात देखभाल) के लिए एसएए से जुड़े सीसीआई का प्रतिशत (% में)	100
		1.4 कार्यशील जिला बाल संरक्षण इकाइयों (डीसीपीयू) की संख्या	781			
		1.5 क्रेडल बेबी रिसेप्शन सेंटर (सीबीआरसी) स्थापित करने वाले एसएए की संख्या (वित्त वर्ष के लिए या प्रतिष्ठान के बाहर कार्यशील)	250			
	2. गुमशुदा बच्चों का प्रभावी ढंग से पता लगाना और उन्हें वापस लाना	2.1 मिशन वात्सल्य पोर्टल के माध्यम से ट्रैक चाइल्ड पोर्टल पर डेटा दर्ज करने वाले पुलिस स्टेशनों की कुल संख्या.	13,000	2. गुमशुदा बच्चों की मैपिंग और पुनर्स्थापन	2.1 ट्रैक चाइल्ड पोर्टल के माध्यम से मिलान किये गये बच्चों का प्रतिशत (% में)	85
		2.2 स्वीकृत चाइल्ड हेल्पलाइन (सीएचएल) में से जिला स्तर पर कार्यशील चाइल्ड हेल्पलाइन (सीएचएल) की संख्या	762		2.2 जिला स्तर पर कार्यशील सीएचएल की संख्या	762

[341] *बाल देखभाल संस्थाएं*

3. मिशन शक्ति (महिला संरक्षण और सशक्तिकरण मिशन) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
3,150	क. संबल					
	I. बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ					
	1. बाल लिंगानुपात में सुधार के लिए जिलों में बहु-क्षेत्रीय कार्यकलाप	1.1. जिलों द्वारा की गई जागरूकता सृजन गतिविधियों की संख्या	15,700	1. जन्म के समय लिंग अनुपात में सुधार	1.1. राष्ट्रीय स्तर पर प्रत्येक वर्ष जन्म के समय लिंगानुपात (एसआरबी) में सुधार।	2[342]
	II. वन स्टॉप सेंटर					
	1. संकटग्रस्त महिलाओं की सहायता के लिए देश के प्रत्येक जिले में वन स्टॉप सेंटर	1.1. स्वीकृत ओएससी की संख्या	1,033[343]	1. संकटग्रस्त महिलाओं के साथ हो रही हिंसा और भेदभाव के समाधान लिए आश्रय और उपकरण सहित ओएससी योजना के अंतर्गत प्रदत्त आपातकालीन और गैर-आपातकालीन सेवाओं तक पहुंच	1.1. ओएससी में विभिन्न सेवाओं के माध्यम से समर्थित महिलाओं की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[344]
	III. महिला हेल्पलाइन					
	1. सहायता की इच्छुक महिलाओं के लिए सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में महिला हेल्पलाइनों का	1.1. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या जहां महिला हेल्पलाइनें कार्यशील हैं	35[345]	1. संकटग्रस्त या जरूरतमंद महिलाओं के लिए आपातकालीन और गैर-आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र तक पहुंच	1.1. डब्ल्यूएचएल सेवाओं (आपातकालीन + गैर-आपातकालीन) के से सहायता प्राप्त करने	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए

[342] *बिंदुओं में*

[343] *वित्त वर्ष 2025-26 के मिशन शक्ति दिशानिर्देशों द्वारा अधिदेश के अनुसार वार्षिक*

[344] *ओएससी के लिए लक्ष्य आपातकाल + गैर-आपातकाल के लिए उपयुक्त नहीं है। चूंकि ओएससी हिंसा से प्रभावित महिलाओं से संबंधित है, इसलिए सहायता मांगने वाली महिलाओं की संख्या/मदद मांगने वाली परेशान महिलाओं की संख्या के लिए लक्ष्य निर्धारित करना परिणाम नहीं माना जा सकता है, और संकेतकों के लिए लक्ष्य देने के लिए कोई परिभाषित उद्देश्य नहीं हो सकता है।*

[345] *पश्चिम बंगाल राज्य महिला हेल्पलाइन (181) योजना को लागू नहीं कर रहा है और लक्ष्य संचयी है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	कार्यान्वयन।				वाली महिलाओं की संख्या	जा सकते[346]
	ख. सामर्थ्य					
	i. शक्ति सदन (स्वाधार, उज्ज्वला और विधवा गृह)					
	1. शक्ति सदन की स्थापना के माध्यम से सेवाओं का प्रावधान	1.1. कार्यशील शक्ति सदनों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[347]	1. संकटग्रस्त महिलाओं और दुर्व्यापार से बचाई गई महिलाओं के लिए आश्रय और अन्य सेवाओं तक पहुंच।	1.1. योजना के माध्यम से लाभान्वित महिलाओं की कुल संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[347]
	ii. सखी निवास (कामकाजी महिला हॉस्टल)					
	1. सखी निवास की स्थापना के माध्यम से सेवाओं का प्रावधान	1.1. कार्यशील सखी निवास की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[348]	1. सखी निवास, कार्यबल में शामिल होने की इच्छुक महिलाओं सहित कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित आवास प्रदान करता है	1.1. रिपोर्टिंग अवधि के दौरान सखी निवास के माध्यम से सखी निवास में निवास करने वाली महिलाओं की संख्या।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[341]

[346]डब्ल्यूएचएल के लिए लक्ष्य आपातकाल + गैर-आपातकाल के लिए उपयुक्त नहीं है। चूंकि डब्ल्यूएचएल हिंसा से प्रभावित महिलाओं से संबंधित है, इसलिए सहायता मांगने वाली महिलाओं की संख्या/मदद मांगने वाली परेशान महिलाओं की संख्या के लिए लक्ष्य निर्धारित करना परिणाम नहीं माना जा सकता है, और संकेतकों के लिए लक्ष्य देने के लिए कोई परिभाषित उद्देश्य नहीं हो सकता है।

[347]शक्ति सदन मांग आधारित केंद्र प्रायोजित योजना है, जिसके तहत राज्य/संघ राज्य क्षेत्र अपनी स्थानीय आवश्यकताओं और जरूरतों के अनुसार अपने द्वारा आकलित किए गए प्रस्ताव भेजते हैं और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ चर्चा के बाद प्रस्तावों को मंजूरी दी जाती है। इसे देखते हुए, विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता है।.

[348]सखी निवास मांग आधारित केंद्र प्रायोजित योजना है, जिसके तहत राज्य/संघ राज्य क्षेत्र अपनी स्थानीय आवश्यकताओं और जरूरतों के अनुसार अपने द्वारा आकलित किए गए प्रस्ताव भेजते हैं और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ चर्चा के बाद प्रस्तावों को मंजूरी दी जाती है। इसे देखते हुए, विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता है।.

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	iii. प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना					
	1. स्वास्थ्य देखरेख तक पहुंच में सुधार के लिए वित्तीय संसाधनों का प्रावधान	1.1. प्रथम बच्चे के लिए नामांकित लाभार्थियों[349] की संख्या (लाख में)	40	1. नकद प्रोत्साहन के रूप में मजदूरी की नुकसान के लिए आंशिक मुआवजे का प्रावधान ताकि महिला पहले जीवित बच्चे के जन्म से पहले और बाद में पर्याप्त आराम कर सके। प्रदान की गई नकद प्रोत्साहन राशि से गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार में सुधार आएगा।	1.1. पात्र महिला लाभार्थियों की संख्या जिन्होंने अपने पहले बच्चे के लिए कम से कम एक किस्त प्राप्त की (लाख में)	40[342]
		1.2. दूसरी बालिका के लिए नामांकित लाभार्थियों की संख्या (लाख में)	10		1.2. दूसरी बालिका वाली पात्र महिला लाभार्थियों की संख्या जिन्हें किस्त का भुगतान किया गया (लाख में)	10[342]
	iv. पालना (राष्ट्रीय क्रेच योजना)					
	1. छोटे बच्चों (6 महीने-6 वर्ष) के लिए प्रभावी डे केयर का प्रावधान	1.1. कार्यशील आंगनवाड़ी-सह-क्रेच की संख्या	3,000	1. आंगनवाड़ी सह क्रेच के माध्यम से बाल देखरेख सुविधा का प्रावधान	1.1. एडब्ल्यूसीसी में नामांकित बच्चों की संख्या	30,000

[349] *भुगतान पाने वाले लाभार्थियों में वे लोग भी शामिल हो सकते हैं जो पिछले वर्ष भी नामांकित थे, लेकिन उन्होंने वर्तमान वर्ष में भुगतान के लिए शर्तें पूरी कर ली हैं*

खेल विभाग

1. खेलो इंडिया (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
1,000	1. राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता/ प्रतिभागिता	1.1 आयोजित राष्ट्रीय स्तर के खेलो इंडिया गेम्स की कुल संख्या	4	1. देश भर में प्रतिभाशाली एथलीटों को प्रोत्साहित करने के लिए एक मजबूत प्रतिस्पर्धी मंच प्रदान करना	1.1. राष्ट्रीय स्पर्धा के दौरान तोड़े गए रिकार्डों (राष्ट्रीय रिकार्ड और/या खेल रिकार्ड) की संख्या में वृद्धि %	4
		1.2 राष्ट्रीय स्तर के खेलो इंडिया गेम्स में भाग लेने वाले एथलीटों की कुल संख्या	12,000			
	2. पर्याप्त खेल अवसंरचना तक पहुंच	2.1 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों, विश्वविद्यालयों, अन्य पात्र संस्थाओं में अनुमोदित/स्वीकृत नई खेल अवसंरचना परियोजनाओं की कुल संख्या	8	2. नवनिर्मित खेल अवसंरचना में खेल स्पर्धाओं की संख्या में वृद्धि	2.1. आयोजित खेल स्पर्धाओं की संख्या	10
	3. प्रतिभा विकास पहल (मान्यता सहित) को मजबूत करने के लिए	3.1 मान्यता प्राप्त अकादमियों की कुल संख्या	30	3. खेल जगत में सफलता को बढ़ावा देने के लिए दीर्घकालिक एथलीट विकास (एलटीएडी) पर आधारित पहल	3.1 राष्ट्रीय चैंपियनशिप में संबंधित विधा में खेलो इंडिया एथलीटों द्वारा जीते गए पदकों की संख्या	1,500
		3.2 मान्यता प्राप्त अकादमियों, एसएआई[350] और अन्य द्वारा सहायता प्राप्त खेलो इंडिया एथलीटों (केआईए) की कुल संख्या	3,000		3.2 अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में संबंधित विधा के लिए योग्य खेलो इंडिया एथलीटों की संख्या	1,000
		3.3 अधिसूचित खेलो इंडिया केंद्रों (केआईसी) की	204		3.3 अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में संबंधित विधा में	600

[350] *भारतीय खेल प्राधिकरण*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
	अकादमियों/ केंद्रों को सहायता	कुल संख्या			खेलो इंडिया एथलीटों द्वारा जीते गए पदकों की संख्या	
		3.4 नियुक्त पूर्व चैंपियन एथलीटों (पीसीए) की कुल संख्या	360		3.4 राज्य स्तर पर खेलो इंडिया केंद्रों के एथलीटों द्वारा जीते गए पदकों की संख्या	1,000
		3.5 केआईसी में प्रशिक्षण ले रहे एथलीटों की कुल संख्या	7,089		3.5 राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने वाले केआईसी के एथलीटों की संख्या	5,000
		3.6 खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र (केआईएससीई) में स्वीकृत जनशक्ति की संख्या	40		3.6 राष्ट्रीय स्तर पर केआईएससीई के एथलीटों द्वारा जीते गए पदकों की संख्या	500
		3.7 केआईएससीई में नियुक्त कार्मिकों की संख्या	284		3.7 अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर केआईएससीई से भाग लेने वाले एथलीटों की संख्या	100
		3.8 केआईएससीई में प्रशिक्षण प्राप्त एथलीटों की संख्या	906			
	4. नागरिकों की शारीरिक फिटनेस	4.1 फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत संचालित स्पर्धाओं की कुल संख्या	10,000	4. फिटनेस और शारीरिक कार्यकलाप के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना	4.1 फिट इंडिया मोबाइल ऐप के यूजर्स में वृद्धि %	10
		4.2 विभिन्न फिट इंडिया स्पर्धाओं में सहभागी प्रतिभागियों की कुल संख्या	5,00,00,000		4.2 शारीरिक फिटनेस के लिए चयनित बच्चों की संख्या का वृद्धि %	10
		4.3 शारीरिक फिटनेस के लिए चयनित बच्चों की संख्या	20,00,000		4.3 शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के नए नामांकन में वृद्धि %	10
		4.4 प्रशिक्षित शारीरिक शिक्षा शिक्षकों की संख्या (ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड सहित)	5,000			
	5. खेल के माध्यम से समावेशन का संवर्धन	5.1 सहायता प्राप्त महिला प्रतियोगिताओं की कुल संख्या	700	5. सभी नागरिकों के लिए खेल के अवसरों तक बेहतर और समान पहुंच	5.1 ग्रामीण/देशज स्पर्धाओं मे प्रतिभागिता में वृद्धि %	15
		5.2 महिला प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों की कुल संख्या	70,000		5.2 प्रतियोगिताओं में महिलाओं की प्रतिभागिता में वृद्धि %	20
		5.3 प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से सहायता प्राप्त पैरा-	90		5.3 पैरा खेल विधाओं में पैरा-एथलीटों की	7.14

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2025-26			परिणाम 2025-26		
2025-26	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2025-26
		एथलीटों की कुल संख्या			में वृद्धि %	
		5.4 ग्रामीण/देशज विधाओं में सहायता प्राप्त एथलीटों की कुल संख्या	350		5.4 उग्रवाद प्रभावित और अन्य अशांत क्षेत्रों से स्पर्धाओं में प्रतिभागी एथलीटों की संख्या में वृद्धि %	25
		5.5 उग्रवाद प्रभावित और अन्य अशांत क्षेत्रों में आयोजित स्पर्धाओं की कुल संख्या	25			

* * * * * * *